GEO IAS
It's about quality

Feb. 2024

जियो दैनिक

डेली करंट अफेयर्स

GEO IAS

SOURCES

THE HINDU | The Indian EXPRESS JOURNALISM OF COURAGE | pib | AIR | live mint | THE FINANCIAL EXPRESS | ET

Contents

सामान्य अध्ययन I 14

1. सतर्कता जांच में कालेश्वरम परियोजना में अनियमितताएं उजागर हुईं - द हिंदू 14
2. तेलंगाना के पेडापल्ली में मेसोलिथिक रॉक पेंटिंग, सातवाहन शिलालेख की खोज - द न्यू इंडियन एक्सप्रेस 15
3. कैलिफ़ोर्निया में और तेज़ तूफ़ान आने की आशंका - इंडिया टुडे 16
4. तेलंगाना के नलगोंडा में 390 साल पुराना लैंप पोस्ट मिला - द हिंदू 17
5. स्वामीनाथन, राव, चरण सिंह को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार - द हिंदू/ भारत रत्न स्वामीनाथन, राव, चरण सिंह को प्रदान किया जाएगा - इंडियन एक्सप्रेस 17
6. भारतीय पीएम ने अबू धाबी में BAPS मंदिर का उद्घाटन कियाइंडियन एक्सप्रेस - 18
7. पुरातात्विक शोधकर्ताओं ने पल्लव काल की कोटरावई मूर्तिकला की खोज की - द न्यू इंडियन एक्सप्रेस 19
8. 16वीं सदी के कुतुब शाही मकबरों को डिजिटल ट्विन मिला - द हिंदू 20
9. गुजरात के मोरोधारो में हड़प्पाकालीन मिट्टी के बर्तन मिले - टाइम्स ऑफ इंडिया 20
10. वेणूर में 12 साल बाद बाहुबली का महामस्तकाभिषेक - टाइम्स ऑफ इंडिया 21
11. तेलंगाना में बादामी चालुक्य काल के 1,300 साल पुराने मंदिर मिले टाइम्स ऑफ इंडिया - 22
12. पृथ्वी का प्रारंभिक विकास :3.5 अरब वर्ष पहले बनी चट्टानों से नया दृष्टिकोणडाउन टू अर्थ - 22
13. कित्तूर विद्रोह के 200 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में नानू रानी चेन्नम्मा राष्ट्रीय अभियान का आयोजन किया गया - इंडियन एक्सप्रेस 23
14. IGNCA का 'भाषा एटलस' भारत की भाषाई विविधता पर प्रकाश डालेगा - द हिंदू 24

सामान्य अध्ययन II 25

15. ED ने हेमंत सोरेन को 'मनी लॉन्ड्रिंग' के आरोप में गिरफ्तार किया - द हिंदू/ हेमंत सोरेन झारखंड के सीएम पद से इस्तीफा दिया - इंडियन एक्सप्रेस 25
16. सऊदी-यूएई समेत 5 देशों ने ब्रिक्स में शामिल होने की पुष्टि की - इंडियन एक्सप्रेस 26
17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने नई शैक्षणिक संरचना का प्रस्ताव दिया - इंडियन एक्सप्रेस 26
18. केंद्र परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने हेतु विधेयक का प्रस्ताव रखा - इंडियन एक्सप्रेस 27
19. सरकार ने मध्यम वर्ग हेतु नई आवास योजना की घोषणा की - द हिंदू 27
20. रोजगार गारंटी योजना के लिए शुद्ध शून्य लाभ - द हिंदू/ मनरेगा के लिए ₹86,000 करोड़ का बजट आवंटित किया - इंडियन एक्सप्रेस 28

+91-9477560001, +91-9477560002, +91-9477560005
info@geoias.com
www.geoias.com
BRANCH: Delhi Kolkata, Raipur, Patna | Head office: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009

21. पश्चिम बंगाल के सीएम ने CAG रिपोर्ट को गलत बताया - द हिंदू 29

22. केंद्र पीएम रूफटॉप सौर योजना के लिए बिल का वहन करेगा-द हिंदू 29

23. विधि आयोग ने आपराधिक मानहानि को अपराध बनाए रखने की सिफारिश की -द हिंदू 30

24. NCPCR ने GHAR पोर्टल लॉन्च किया पीआईबी - 30

25. केंद्रीय कोयला मंत्री ने वेब पोर्टल C-CARES लॉन्च किया - पीआईबी 31

26. इराक से भारत का कच्चा तेल आयात 21 महीने के अपने उच्चतम स्तर पर - इंडियन एक्सप्रेस . 32

27. CBSE ने स्कूलों से नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क को अपनाने का आग्रह किया - द हिंदू 33

28. मसालों पर कोडेक्स समिति का 7वां सत्र कोच्चि में आयोजित हुआ - पीआईबी 33

29. जल प्रदूषण पर अंकुश: औद्योगिक इकाइयों को छूट देने वाला विधेयक पेश किया गया - इंडियन एक्सप्रेस 34

30. अमेरिका में कैंडिडा ऑरिस फंगल संक्रमण तेजी से फैल रहा है- NDTV 35

31. ईरान ने भारतीय पर्यटकों के लिए वीज़ा-मुक्त नीति की घोषणा की -द हिंदू 35

32. पिछड़े वर्गों में समृद्ध उपजातियाँ को आरक्षण सूची से बाहर किया जा सकता है: सुप्रीम कोर्ट -द हिंदू 36

33. उत्तराखंड के बाद राजस्थान यूसीसी बिल पेश करेगा -इंडियन एक्सप्रेस 37

34. कर्नाटक, केरल ने केंद्र के 'वित्तीय अत्याचारों' के खिलाफ प्रदर्शन किया -इंडियन एक्सप्रेस 37

35. प्रदर्शन के आधार पर न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाना व्यावहारिक नहीं: केंद्र सरकार - इंडियन एक्सप्रेस 38

36. केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने EdCIL विद्यांजलि छात्रवृत्ति कार्यक्रम लॉन्च किया - पीआईबी 39

37. हमास युद्धविराम योजना: प्रस्तावित तीन चरण क्या हैं - इंडियन एक्सप्रेस 39

38. केंद्र ने 4797 करोड़ रूपये की पृथ्वी योजना को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस 40

39. भारत ने म्यांमार के साथ मुक्त आवाजाही व्यवस्था को समाप्त किया: गृह मंत्री - द हिंदू/ भारत - म्यांमार सीमा पर मुक्त आवाजाही को समाप्त किया - गृह मंत्री - इंडियन एक्सप्रेस 40

40. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई मत्स्य पालन योजना को मंजूरी दी - द हिंदू / कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस 41

41. लोकसभा ने ओडिशा, आंध्र प्रदेश की ST सूचियों में संशोधन करने हेतु विधेयकों को मंजूरी दी - द हिंदू/ सदन ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा में SC, ST सूचियों में संशोधन करने हेतु विधेयक पारित किए - इंडियन एक्सप्रेस 42

42. सूचना आयोगों के नेतृत्व में विविधता की कमी: SNS रिपोर्ट - द हिंदू 42

+91-9477560001, +91-9477560002, +91-9477560005
info@geoias.com
www.geoias.com
BRANCH: Delhi Kolkata, Raipur, Patna | Head office: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009

43. मनरेगा योजना के लिए धनराशि अपर्याप्त: संसदीय पैनल - द हिंदू/सरकार ने मनरेगा के लिए 22 फीसदी कम धनराशि आवंटित की - इंडियन एक्सप्रेस 43

44. भारत में मानसिक बीमारी की स्व-रिपोर्टिंग 1% से कम: IIT जोधपुर - द हिंदू 44

45. क्या संविधान की प्रस्तावना में तारीख बदले बिना संशोधन किया जा सकता है :सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू /क्या तारीख बरकरार रखकर प्रस्तावना में संशोधन किया जा सकता है: सुप्रीम कोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस 45

46. बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) की शक्तियों को सीमित करे: संसदीय पैनल- इंडियन एक्सप्रेस ... 45

47. पीएम-स्वनिधि से स्ट्रीट वेंडरों की वार्षिक आय में वृद्धि- इंडियन एक्सप्रेस 46

48. भारत अमेरिका के नेतृत्व वाली खनिज सुरक्षा साझेदारी का लाभ उठाएगा- इंडियन एक्सप्रेस 47

49. NExT में निष्पक्ष, न्यायसंगत मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करें: संसदीय पैनल - द हिंदू 47

50. डिप्टी सीएम की नियुक्ति संविधान का उल्लंघन नहीं: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू 48

51. RuPay, UPI को मॉरीशस, श्रीलंका में लॉन्च किया गया - द हिंदू/मॉरीशस, श्रीलंका में RuPay, UPI की शुरुआत - इंडियन एक्सप्रेस 49

52. कतर ने भारतीय नौसेना के अधिकारियों को रिहा किया - इंडियन एक्सप्रेस 49

53. विधि आयोग ने महामारी से निपटने की योजना का सुझाव दिया - इंडियन एक्सप्रेस 50

54. केंद्र ने MSP कानून को खारिज किया, किसानों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया - द हिंदू/ MSP मुद्दा: पैनल गठित करने को तैयार:कृषि मंत्री- इंडियन एक्सप्रेस 51

55. सरकार ने सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के लिए दिशानिर्देशों में संशोधन किया - द हिंदू 51

56. भारत, UAE ने डिजिटल भुगतान प्लेटफार्म समझौते पर हस्ताक्षर किए - इंडियन एक्सप्रेस 52

57. विदेशियों के लिए अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया की निगरानी रखे: विदेश मंत्रालय - द हिंदू/ सरकार ने विदेशियों के लिए अंग प्रत्यारोपण की निगरानी के लिए तंत्र तैयार किया - इंडियन एक्सप्रेस 53

58. भारत-EFTA समझौते में कठिन शर्त जेनेरिक दवा उद्योग को प्रभावित करती है - द हिंदू 53

59. नोटिस के बाद जमानत के मामलों में अब एडजर्नमेंट पत्र नहीं: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू 54

60. अरविंद पनगरिया ने 16वें वित्त आयोग की पहली बैठक की अध्यक्षता की इंडियन एक्सप्रेस - 55

61. अमेरिका में ब्यूबोनिक प्लेग का दुर्लभ मामला सामने आयाएनडीटीवी - 55

62. भारत ने दवाओं के लिए 'डेटा विशिष्टता' की मांग को खारिज किया : वाणिज्य सचिव - द हिंदू .. 56

63. डिजिटल सेवा अधिनियम (DSA) यूरोपीय संघ का एक नया कानून- द हिंदू 56

64. CCPA ने कोचिंगों के भ्रामक विज्ञापनों को रोकने हेतु दिशानिर्देश जारी किए - द हिंदू 57

65. मध्य एशियाई देश चाबहार बंदरगाह का उपयोग करें: भारत - द हिंदू 58

+91-9477560001, +91-9477560002, +91-9477560005
info@geoias.com
www.geoias.com
BRANCH: Delhi Kolkata, Raipur, Patna | Head office: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009

66. PVTG आबादी के आकलन में सरकार के सामने कई तरह की चुनौतियां - द हिंदू..... 58

67. सरकार जन्म तिथि प्रमाण के रूप में आधार पर जल्द ही नई एडवाइजरी जारी करेगी - द हिंदू... 59

68. सेनेगल में राष्ट्रपति चुनाव में देरी के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन - द हिंदू..... 60

69. ग्रीस के प्रधानमंत्री रायसीना वार्ता की अध्यक्षता करेंगे - द हिंदू/ ग्रीक पीएम की 21 फरवरी को भारत यात्रा पर आयेंगे - इंडियन एक्सप्रेस..... 61

70. भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों का आह्वान किया- इंडियन एक्सप्रेस..... 61

71. उत्तरी आयरलैंड में राजनीतिक गतिरोध - हिन्दू..... 62

72. तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार - इंडियन एक्सप्रेस..... 62

73. महाराष्ट्र विधानसभा ने मराठा आरक्षण विधेयक को मंजूरी दी - द हिंदू/ महाराष्ट्र विधानसभा ने सर्वसम्मति से 10% मराठा आरक्षण को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस..... 63

74. वाणिज्य मंत्रालय WTO में छोटे मछुआरों के हितों की रक्षा करे: NFF - इंडियन एक्सप्रेस..... 63

75. 'INDUS-X' शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया - द प्रिंट..... 64

76. WHO ने डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म लॉन्च किया - इंडियन एक्सप्रेस..... 65

77. इज़राइल-हमास युद्ध के बावजूद IMEC के साथ आगे बढ़ें: ग्रीक पीएम - द हिंदू..... 66

78. जनजातीय और आयुष मंत्रालयों ने स्वास्थ्य जांच पर संयुक्त पहल की घोषणा की - द हिंदू..... 66

79. केंद्र ने गरीब कैदियों की जमानत के लिए ₹20 करोड़ का वार्षिक फंड आवंटित किया - द हिंदू..... 67

80. वर्ष 2004-19 के बीच दोबारा निर्वाचित 12 सांसदों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले: ADR - द हिंदू 68

81. सरकार ने समाचार प्रकाशकों के लिए 4 वेब पोर्टल लॉन्च किए - इंडियन एक्सप्रेस..... 69

82. रूस ने अपने रुपये का अधिकांश हिस्सा भारतीय बैंकों में खर्च किया - द हिन्दू..... 69

83. WSC ने भारत से डेटा ट्रांसफर पर शुल्क लगाने की योजना पर पुनर्विचार करने की अपील की - द हिंदू 70

84. भारत मुक्त व्यापार समझोतों पर हस्ताक्षर करने में जल्दबाजी नहीं करेगा गोयल - इंडियन : एक्सप्रेस..... 71

85. असम ने राज्य के मुस्लिम विवाह अधिनियम को रद्द करने का निर्णय लिया - इंडियन एक्सप्रेस/असम मुस्लिम विवाह अधिनियम को निरस्त करेगा - द हिंदू..... 72

86. केरल ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए एक अग्रणी कदम उठाया - द हिंदू..... 72

87. देशों को आतंकवादी वित्तपोषण के विस्तार के बारे में जागरूक होना चाहिए: FATF प्लेनरी - द हिंदू 73

88. भारत ने पाकिस्तान में रावी नदी का जल प्रवाह पूरी तरह से रोका - द इकॉनोमिक टाइम्स........ 74
89. सरकार ने लड़कियों में एनीमिया नियंत्रण हेतु पहल शुरू की -द हिंदू.. 74
90. फिल्म प्रमाणन में व्यापक बदलाव: ऑनलाइन आवेदन, अधिक महिला प्रतिनिधित्व का प्रस्ताव - इंडियन एक्सप्रेस.. 75
91. कर्नाटक सरकार मुरुघा मठ के प्रशासन हेतु एक पैनल का गठन करें: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू........ 76
92. भारत ने WTO से डिस्टेंट वॉटर फिशिंग नेशंस द्वारा सब्सिडी पर रोक लगाने का आग्रह किया - इंडियन एक्सप्रेस.. 76
93. अनुच्छेद 371(A) अवैध कोयला खनन के नियमन में बाधा डालता है: नागालैंड मुख्यमंत्री - द हिंदू 77
94. भारत - नेपाल के बीच पंचेश्वर परियोजना पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हो पाया - द हिंदू...... 78
95. कर्नाटक मंदिर विधेयक पर विवाद: राज्य मंदिर राजस्व का प्रबंधन कैसे करते हैं ? - इंडियन एक्सप्रेस.. 78
96. CAG, ICAI स्थानीय निकायों को मजबूत करने हेतु ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करेंगे- इंडियन एक्सप्रेस 79
97. पहला पेय जल सर्वेक्षण पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा - पीआईबी........................ 80
सामान्य अध्ययन III.. 81
98. न्यूरालिंक ने मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफ़ेस का सफल प्रत्यारोपण किया - इंडियन एक्सप्रेस................ 81
99. बर्ड फ़्लू से अंटार्कटिक पेंगुइन पर ख़तरा बढ़ा रहा है - इंडियन एक्सप्रेस.. 81
100. अंतरिम बजट में घरेलू पर्यटन पर खास ध्यान रखा गया - इंडियन एक्सप्रेस.............................. 82
101. अंतरिम बजट 2024: जीडीपी पर चिंता, खर्च में कटौती - इंडियन एक्सप्रेस.................................... 83
102. वित्त मंत्री ने ऑफ-शोर विंड एनर्जी के दोहन हेतु वायबिलिटी गैप फंडिंग की घोषणा की - इंडियन एक्सप्रेस.. 83
103. FDI को बढ़ावा देने हेतु व्यापार साझेदारों के साथ BIT पर वार्ता - इंडियन एक्सप्रेस........................ 84
104. रामसर साइटें में पांच और भारतीय आर्द्रभूमियाँ जोड़ी गईं - पीआईबी.. 85
105. RBI ने फंड लॉन्ड्रिंग संबंधी चिंताओं के कारण पेटीएम पर प्रतिबंध लगाया - हिंदू........................ 86
106. भारतीय नौसेना ने समुद्री डकैती का एक और प्रयास विफल किया- द हिंदू.................................. 87
107. वित्तीय संस्थान हाई-टेक कंपनियों को वित्त पोषित करने हेतु कोष चलाने की संभावना - इंडियन एक्सप्रेस.. 87
108. सरकार ने एक्ज़िम बैंक को ₹9,000 करोड़ दिए इंडियन एक्सप्रेस -.. 88
109. उर्वरक प्रबंधन के माध्यम से अमोनिया उत्सर्जन में कमी करना द हिंदू -.. 88

110. विश्व और भारत में वनों स्थिति हिन्दू - 89

111. भारत को मछुआरों को बॉटम ट्रॉलिंग छोड़ने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए - द हिंदू 90

112. भारत निर्मित टाइफाइड वैक्सीन की प्रभावशीलता द हिंदू - 91

113. स्वदेशी CAR-T सेल थेरेपी अब व्यावसायिक उपयोग के लिए उपलब्ध - इंडियन एक्सप्रेस 91

114. भारत का टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात 11.7% तक पहुंचने का अनुमान: राजस्व सचिव-द हिंदू 92

115. भारत में 5-6 वर्षों में गैस क्षेत्र में 67 अरब डॉलर का निवेश होगा: पीएम-द हिंदुस्तान टाइम्स 93

116. पेट्रोनेट ने कतर LNG खरीद अनुबंध को अगले 20 वर्षों के लिए बढ़ाया- इंडियन एक्सप्रेस 94

117. NGT 'प्रक्रियात्मक अखंडता' के साथ काम करे: सुप्रीम कोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस 94

118. अमेरिका ने कालिख प्रदूषण के लिए कड़े मानक तय किए - द हिंदू 95

119. वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति 4.5% रहने का अनुमान: RBI - द हिंदू/RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने रेपो रेट 6.5% पर बरकरार रखा - इंडियन एक्सप्रेस 96

120. कर्नाटक में क्यासानूर वन रोग का प्रकोप - द हिंदू 97

121. भारत का UAV 20 किलोमीटर ऊंची उड़ान भर सकता है - इंडियन एक्सप्रेस 98

122. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेलवे को 5 मेगाहर्ट्ज़ वायरलेस स्पेक्ट्रम की मंजूरी दी- द हिंदू 98

123. QCI और ओपन ONDC ने डिजीरेडी सर्टिफिकेशन पोर्टल लॉन्च किया - पीआईबी 99

124. भारत हाइपरलोकल एक्सट्रीम वेदर पूर्वानुमान में परिवर्तन के लिए तैयार- द हिंदू 100

125. भारत नया पृथ्वी प्रणाली मॉडल विकसित कर रहा है - हिंदुस्तान टाइम्स 100

126. भारत अपने मर्चेंट शिपिंग एक्ट 1958 में संशोधन करेगा- द हिंदू 101

127. दिसंबर में औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि - द हिंदू 102

128. उद्योग निकाय के प्रस्ताव खारिज, केंद्र ई-गेमिंग को विनियमित करेगा - इंडियन एक्सप्रेस 102

129. भारत स्थायी समाधान के बिना व्यापार विवादों के प्रति संवेदनशील- इंडियन एक्सप्रेस 103

130. खाद्य पदार्थों की कीमतों से मुद्रास्फीति ऊंची रह सकती है - द हिंदू 104

131. नीति आयोग ने कृषि वानिकी (GROW) रिपोर्ट और पोर्टल लॉन्च किया गया- पीआईबी 105

132. चीनी नागरिकों ने रक्षा सीमा गांवों पर कब्ज़ा करना शुरू किया इंडियन एक्सप्रेस- 106

133. पेंशन सम्बंधित चिंताएँ द हिंदू - 106

134. केरल ने केंद्र से वन्यजीव अधिनियम में संशोधन का अनुरोध करने वाला प्रस्ताव पारित किया - द हिंदू 107

135. इसरो श्रीहरिकोटा से INSAT-3DS लॉन्च करेगाइंडियन एक्सप्रेस - 108

136. वैश्विक दलहन सम्मेलन में भारत से दालों का उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया - द हिंदू/ भारत में दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने का प्रयास कर रहा- इंडियन एक्सप्रेस 108

137. जनवरी में व्यापार घाटा कम होकर 9 महीने के निम्न स्तर - द हिंदू/ जनवरी में वस्तुओं का निर्यात 3% बढ़ा, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स आयात से व्यापार घाटा बढ़ा - इंडियन एक्सप्रेस 109

138. भारत वेनेजुएला के कच्चे तेल के शीर्ष खरीदार के रूप में उभरा- इंडियन एक्सप्रेस..... 109

139. संयुक्त राष्ट्र संघ ने भूमध्यसागरीय वनों को पुनर्स्थापित करने की पहल की - डाउन टू अर्थ..... 110

140. IBBI विशेषज्ञ पैनल ने स्वैच्छिक मध्यस्थता तंत्र का सुझाव दिया- द हिंदू 111

141. रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारी वजन वाले टॉरपीडो को मंजूरी दी- द हिंदू..... 112

142. DoT ने 'संगम: डिजिटल ट्विन' पहल का अनावरण किया- PIB 112

143. लोन कंपनियों ने RBI से LTV मानदंडों की जांच करने का अनुरोध किया - द हिंदू 113

144. OpenAI ने सोरा लॉन्च किया- इंडियन एक्सप्रेस..... 113

145. सरकार ने मंत्रालयों के खर्च के लिए रिपोर्टिंग सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव दिया - इंडियन एक्सप्रेस 114

146. देश में शिक्षा के स्तर के साथ बेरोजगारी बढ़ रही है: IIM अध्ययन - द हिंदू 115

147. सेना LAC पर ऑपरेशन के लिए नई कोर का गठन करेगी - इंडियन एक्सप्रेस..... 116

148. एम्स में सुपर कंप्यूटर और AI की मदद से कैंसर का उपचार - इंडियन एक्सप्रेस 117

149. सरकार ने प्राकृतिक रबर क्षेत्र के विकास हेतु वित्तीय सहायता में वृद्धि की - इंडियन एक्सप्रेस.... 118

150. नासा ने ओडीसियस अंतरिक्ष यान लॉन्च किया - इंडियन एक्सप्रेस 118

151. सरकार 'जंगल' का मतलब शब्दकोश में इस्तेमाल करें: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू/ चिड़ियाघर या सफारी की स्थापना हेतु सुप्रीम कोर्ट से अंतिम मंजूरी की आवश्यकता - इंडियन एक्सप्रेस..... 119

152. कॉर्पोरेट मंत्रालय ने लेनिएन्सी प्लस' व्यवस्था का अनावरण किया - द हिंदू..... 120

153. भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग: सरकारी सहायता और निवेश रुझान- इंडियन एक्सप्रेस..... 121

154. एनोक्सिक समुद्री बेसिन कार्बन पृथक्करण के लिए उत्कृष्ट विकल्प - Phys.org 121

155. मणिपुर HC ने मैतेई की ST मांग पर दिए गए आदेश का हिस्सा हटाया - द हिंदू..... 122

156. RBI ऑनलाइन ऐप्स के माध्यम से अनधिकृत ऋण के प्रसार को रोके: वित्त मंत्री - इंडियन एक्सप्रेस 123

157. इसरो ने CE20 क्रायोजेनिक इंजन का परीक्षण सफलतापूर्वक किया - द हिंदू/ गगनयान मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन के परीक्षण में सफलता मिली: इसरो - इंडियन एक्सप्रेस..... 123

158. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष क्षेत्र में 100% FDI को मंजूरी दी - द हिंदू..... 124

+91-9477560001, +91-9477560002, +91-9477560005
info@geoias.com
www.geoias.com
BRANCH: Delhi Kolkata, Raipur, Patna | Head office: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009

159. पेमेंट बैंक छोटे ऋण देने की हेतु आरबीआई की मंजूरी मांग सकते हैं- द हिंदू............................ 125

160. कैबिनेट ने बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (FMBAP) के विस्तार को मंजूरी दी - पीआईबी . 125

161. ICRISAT ने 'दुनिया का पहला' अरहर स्पीड ब्रीडिंग प्रोटोकॉल शुरू किया - डाउन टू अर्थ................ 126

162. कोयला बिजली स्वीकृतियां बढ़ने से चीन के जलवायु लक्ष्य खतरे में- द हिंदू............................. 127

163. आदित्य-L1 ने सौर ऊर्जा पर कोरोनल मास इजेक्शन के प्रभाव का पता लगायाइसरो - द हिंदू :. 128

164. अमेरिका का रोबोटिक स्पेसक्राफ़्ट लैंडर ओडीसियस चंद्रमा की सतह पर उतरा इंडियन एक्सप्रेस - 128

165. वैज्ञानिकों को पॉज़िट्रोनियम के लेजर कूलिंग अनुसंधान में सफलता मिली - द हिंदू.................... 129

166. WTO बैठक: भारत खाद्य सुरक्षा का स्थायी समाधान चाहता है - इंडियन एक्सप्रेस..................... 130

167. प्रधानमंत्री ने 'दुनिया की सबसे बड़ी कृषि भंडारण योजना' लॉन्च की - इंडियन एक्सप्रेस 130

168. केंद्र ने प्रमुख उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किये - द हिंदू/घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण: भारतीय दूध, फल और सब्जियों पर अधिक खर्च कर रहे हैं - इंडियन एक्सप्रेस 131

169. RBI ने NPCI से TPAP के लिए पेटीएम के अनुरोध पर विचार करने को कहा - इंडियन एक्सप्रेस .. 132

170. प्रधानमंत्री ने 3 अंतरिक्ष परियोजनाओं का उद्घाटन किया -द हिंदू.. 133

171. अडानी ग्रुप ने देश की पहली निजी क्षेत्र की गोला-बारूद-मिसाइल का अनावरण किया -द हिंदू ... 134

172. शोधकर्ताओं ने भ्रूण की सटीक गर्भकालीन आयु का पता लगाने हेतु AI मॉडल विकसित किया -द हिंदू 134

173. सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए G-Sec उधार लेने का निर्णय लिया - द हिंदू............................ 135

174. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने HCES के आंकड़े जारी किये - इंडियन एक्सप्रेस... 136

175. सरकार ने इंटरसेप्शन रिकॉर्ड को नष्ट करने के लिए आईटी नियमों में संशोधन किया - इंडियन एक्सप्रेस... 137

176. व्यापार कूटनीति: सरकार ने उच्च शुल्कों पर अंकुश लगाने के लिए लाल झंडी दिखाई- इंडियन एक्सप्रेस... 138

177. प्रधानमंत्री ने रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का शुभारंभ किया -द हिंदू.................................. 139

178. भारतीय जनसंख्या के 10000 जीनोम अनुक्रमित किए गए - द हिंदू/ भारत में 10,000 मानव जीनोम अनुक्रमित - इंडियन एक्सप्रेस 139

179. MSME को वैश्विक स्तर पर पहुंचने हेतु गुणवत्ता, स्थायित्व पर काम करना होगा: पीएम - द हिंदू 140

180. Google के AI मॉडल GENIE से वीडियो गेम बनाये जा सकते है - इंडियन एक्सप्रेस 141

181. प्रधानमंत्री ने हाइड्रोजन ईंधन सेल फेरी का उद्घाटन किया - द हिंदू 141

182. गगनयान मिशन: LVM3 रॉकेट अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाएगा- द प्रिंट 142

183. नमो ड्रोन दीदी पहल: ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और कृषि पद्धतियों का आधुनिकीकरण करना - द प्रिंट 143

फैक्ट फटाफट 145

1. इंडेक्स ऑफ़ एट कोर इंडस्ट्रीज (ICI) 145
2. भारत 5G पोर्टल 145
3. अल्जाइमर रोग 145
4. लैब ग्रोन फिश 145
5. पेमेंट्स बैंक 146
6. ग्रीन छत 146
7. वन स्टॉप सेंटर योजना 147
8. इमेजिंग टेलीस्कोप एरे (eROSITA) 147
9. बायो-मैन्युफैक्चरिंग, बायो-फाउंड्री योजना 147
10. एक्सरसाइज वायु शक्ति 148
11. समान नागरिक संहिता (UCC) 148
12. मैगसेफ 148
13. वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 148
14. सुबिका पेंटिंग्स 149
15. केन्द्रीय गृहमन्त्री दक्षता पदक 149
16. डस्टेड अपोलो तितली 149
17. व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी)PII) 149
18. ओपन मार्केट सेल स्कीम 150
19. हलाल प्रमाणीकरण 150
20. आईएनएस संध्याक 150
21. अल्डाब्रा रेल प्रजाति 151
22. ट्राइकोग्लॉसम 151
23. ग्रैमी अवार्ड 151

24. GRAPES-3 एक्सपेरिमेंट 151
25. ओबिलिस्क 152
26. इमेज करेक्शन एल्गोरिथम 152
27. चीनी सब्सिडी योजना 152
28. जम्मू-कश्मीर में ओबीसी को आरक्षण 153
29. व्योमित्र 153
30. अभ्यास (ABHYAS) 153
31. इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (ICIMOD) 153
32. हाइपरवेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट फैसिलिटी 154
33. वैक्सीन सेफ्टी नेट 154
34. कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट 155
35. ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स 155
36. किलकारी कार्यक्रम 155
37. MXenes 156
38. अल्ट्राकोल्ड परमाणु 156
39. फॉरएवर केमिकल्स 156
40. सारथी पोर्टल 156
41. बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (BOT) मॉडल 157
42. जिरकोन मिसाइल 157
43. पाक में एकीकृत सरकार बनाने का आह्वान 157
44. नई रक्षा प्रणाली 158
45. ब्रूमेशन 158
46. कलासा-बंडूरी परियोजना 158
47. ढोकरा शिल्पकला 158
48. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 159
49. अलास्कापोक्स 159
50. बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (BAPS) 159
51. राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार 160

52. स्वाति पोर्टल 160
53. आईआईटी ज़ांज़ीबार 160
54. जैव विविधता विरासत स्थल 161
55. हस्तसाल मीनार 161
56. फ्लोर टेस्ट 161
57. पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना 161
58. प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन 162
59. ईजागृति पोर्टल- 162
60. स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग 163
61. चुनावी बॉन्ड 163
62. शेंगेन वीज़ा 164
63. जार्डियंस (एम्पाग्लिफ्लोज़िन) दवा 164
64. काजी नेमु 164
65. मिमास 164
66. NRI विवाह पंजीकरण 164
67. म्यांमार के नए कानून से हो सकता है बड़े पैमाने पर पलायन 165
68. युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम (YUVIKA) 165
69. डिप्थीरिया 165
70. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) 166
71. ज्ञानपीठ पुरस्कार 166
72. स्पर-विंग्ड लैपविंग 166
73. भारतीय खाद्य निगम (FCI) 167
74. भारत मार्ट 167
75. अंतर्राष्ट्रीय एकल प्रजाति कार्य योजना 167
76. स्टूडेंट्स बोर्ड की परीक्षा दो बार दे सकते हैं 167
77. इंडिया स्टैक 168
78. रिप करेंट्स (धाराएँ) 168
79. क्लिफ़साइड बम्बूटेल 168

80. मध्य एशियाई फ्लाईवे 169
81. नौसेना अभ्यास मिलान 2024 169
82. विवाहित महिलाओं को नौकरी से बाहर करने वाले नियम असंवैधानिक: सुप्रीम कोर्ट 169
83. अनुच्छेद 142 169
84. नेशनल काउंसिल फॉर ट्रांसजेंडर पर्सन्स (NCTP) 170
85. तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण का अधिकार 170
86. मुक्त व्यापार समझौता (FTA) 170
87. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) 171
88. IBSA फंड 171
89. कपिलवस्तु अवशेष 171
90. बादामी चालुक्य 172
91. एंटी-हाइड्रोजन प्रयोग 172
92. एंटीमैटर 172
93. टुपोलेव Tu-160M (Tupolev Tu-160M) 172
94. कैबिनेट समितियाँ 173
95. एक्सरसाइज दोस्ती 173
96. बैडवाटर बेसिन 173
97. स्मिशिंग 173
98. कोरोनल मास इजेक्शन)CME) 174
99. सुदर्शन सेतु 174
100. सवेरा कार्यक्रम 174
101. ब्लैनेट्स 175
102. हनुमान 175
103. PSiFI प्रणाली 175
104. फ़्लू-क्यूर्ड तम्बाकू 176
105. निवेशक सूचना और विश्लेषण मंच: 176
106. केवाईसी(KYC) 176
107. विश्व व्यापार संगठन (WTO) 176

108. एडवर्ड्स सिंड्रोम: 177
109. सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व 177
110. एक्सरसाइज धर्म गार्जियन 2024 177
111. राइबोसोम 177
112. व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) 178
113. केन नदी 178
114. स्टीडफ़ास्ट डिफेंडर 2024 178
115. वेल्थ रिपोर्ट 2024 179
116. अफ़्रीका क्लब 179
117. नार्थ अटलांटिक राइट व्हेल 179
118. सिंगापुर में जनसंख्या प्रजनन दर 1% से कम 180

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन I

1. सतर्कता जांच में कालेश्वरम परियोजना में अनियमितताएं उजागर हुईं - द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- इसरो
- NRSC

प्रासंगिकता: भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय गतिविधि, चक्रवात जैसी महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएं। आदि, भौगोलिक विशेषताएं और उनके स्थान-महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-निकायों और बर्फ-टोपियों सहित) और वनस्पतियों और जीवों में परिवर्तन और ऐसे परिवर्तनों के प्रभाव।

समाचार:

- **अनुबंध एजेंसी लार्सन एंड टुब्रो (L&T)** द्वारा जिम्मेदारी से पीछे हटने और काम के निष्पादन में उदासीनता के कारण **कालेश्वरम परियोजना** के **मेडीगड्डा बैराज** को व्यापक क्षति हुई।

मुख्य बिंदु

- इस क्षति ने **मेगा संरचना** को केवल **चार वर्षों** में विफलता में बदल दिया, **सतर्कता और प्रवर्तन विभाग** द्वारा चल रही जांच में यह गड़बड़ी पाई गई।
- निर्माण, आवधिक गुणवत्ता जांच, **निरीक्षण (पर्यवेक्षण)** और **परिचालन रखरखाव चरणों** में **अनियमितताएं** और **निर्धारित मानदंडों** से विचलन प्रकाश में आ रहे हैं।
- माना जा रहा है कि जांच एजेंसी **नेशनल रिमोट सेंसिंग एजेंसी (NRSA)** की मदद ले रही है.
  - **बैराज के निर्माण** से पहले, उसके दौरान और बाद में **कॉफ़र बांध क्षेत्र** की **उपग्रह इमेजरी** प्राप्त करके इस तथ्य को स्थापित करना।

राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (NRSC):

- NRSC **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), अंतरिक्ष विभाग (DOS)** के **प्राथमिक केंद्रों** में से एक है।
- **NRSC** के पास इसके लिए जनादेश है :
  - उपग्रह डेटा प्राप्त करने के लिए ग्राउंड स्टेशनों की स्थापना,
  - डेटा उत्पादों का निर्माण
  - आपदा प्रबंधन सहायता सहित सुदूर संवेदन अनुप्रयोगों के लिए तकनीकों का विकास।
  - सुशासन के लिए भू-स्थानिक सेवाएं और
  - पेशेवरों, संकाय और छात्रों के लिए क्षमता निर्माण।

The making of a monumental mess

A loud noise is heard at the barrage on the evening of October 21, 2023

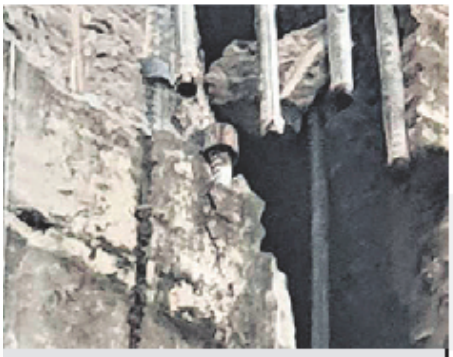

A huge crack that developed at the radial gate hoisting area in Medigadda Barrage of the Kaleshwaram project.

- On-site engineers find out that multiple piers in Block 7 have been displaced
- Cracks on the structure, including at the radial gates hoisting area, come to light
- A team of National Dam Safety Authority (NDSA) inspects the damage at the barrage on October 24
- In its report on November 1, the NDSA faults design, construction and maintenance of the structure
- It suggests thorough sub-surface investigation to ascertain exact causes, and what remedial measures to take
- State govt. orders Vigilance & Enforcement inquiry into the issue on January 9
- V&E teams begin probe by conducting searches on Irrigation offices linked to the Kaleshwaram project at a dozen locations
- V&E probe ordered due to practical delays in constituting probe by a sitting judge of the High Court

2. तेलंगाना के पेडापल्ली में मेसोलिथिक रॉक पेंटिंग, सातवाहन शिलालेख की खोज - द न्यू इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय संस्कृति प्राचीन से आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलुओं को कवर करेगी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मध्यपाषाण काल
- विष्णुकुंडिन राजवंश
- माइक्रोलिथ्स

समाचार:
- हाल ही में, **कोठा तेलंगाना चरित्र ब्रूंडम (KTCB**) की एक टीम ने **पेद्दापल्ली जिले** के **गट्टू सिंगाराम गांव** में स्थित **सीथम्मा लोड्डी** में **शैल चित्रों** और **शिलालेखों** का पता लगाया है।

मुख्य बिंदु
- एक शिलालेख में **सातवाहन राजकुमार हकुसिरी** का उल्लेख है, जबकि दूसरे को **विष्णुकुंडिन राजवंश** से संबंधित माना जाता है।
  - **विष्णुकुंडिन राजवंश** ने वर्तमान **तेलंगाना और आंध्र प्रदेश** के कुछ हिस्सों पर शासन किया।

- **जंगल** के अंदर **एक पहाड़ी** पर पाए गए **चित्र मुख्य** रूप से लाल हैं, साथ ही कुछ **सफेद और पीले रंगों** का भी उपयोग किया गया है।
- इसमें नाचते हुए पुरुषों और महिलाओं, धनुष-बाण लिए व्यक्तियों, पैरों के निशान और हिरण, मृग, कछुआ, जंगली बिल्ली, बंदर और जंगली छिपकलियों जैसे विभिन्न जानवरों के दृश्य दिखाए गए हैं।
- जटिल हीरे के आकार के डिज़ाइन भी मौजूद हैं।
- शैलचित्र **मध्यपाषाण काल** (10,000 से 12,000 वर्ष पूर्व) और **प्रारंभिक ऐतिहासिक काल** (1 ईसा पूर्व से 6वीं ईस्वी) के समय के हैं।

पुरातात्विक खोज

- साइट पर कोर फ्लेक सहित **माइक्रोलिथ** की खोज की गई थी।
- पुराने काले पत्थर से बनी **एक संरक्षित दीवार और प्रारंभिक ऐतिहासिक काल** की एक **ध्वस्त पत्थर** की संरचना भी देखी गई।
- **सीपियों** से युक्त एक **जीवाश्म पत्थर** से पता चलता है कि इस स्थल की **आयु आश्चर्यजनक** रूप से **65 मिलियन वर्ष** पुरानी है।

3. कैलिफ़ोर्निया में और तेज़ तूफ़ान आने की आशंका - इंडिया टुडे

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएं जैसे भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी गतिविधि, चक्रवात आदि।

प्रीलिम्स टेकअवे
- वायुमंडलीय नदियाँ
- पाइनएप्पल एक्सप्रेस

समाचार:

- एक दूसरी, और अधिक प्रभावी **वायुमंडल तूफा**न का संभावित है कि **दक्षिणी कैलिफोर्निया** पर प्रभाव डालेगा, जिससे जीवन को खतरा हो सकता है, और **बाढ़** और **भूस्खलन का खतरा** हो सकता है।
- आगामी तूफान सप्ताह की शुरुआत में भारी बारिश के बाद आया है, जो **वायुमंडलीय नदियाँ** और **पाइनएप्पल एक्सप्रेस** घटना दोनों के कारण है।

वायुमंडलीय नदियाँ

- ये वायुमंडल में **लंबे, संकेंद्रित क्षेत्र** हैं जो उष्णकटिबंधीय से **उच्च अक्षांशों** तक **नम हवा का परिवहन** करते हैं ।
  - ये **पृथ्वी** पर **मीठे पानी** का सबसे बड़ा **परिवहन तंत्र** हैं।
- ये तब बनते हैं जब **बड़े पैमाने** पर **मौसम का पैटर्न तीव्र नमी परिवहन** के **संकीर्ण चैनल,** या **फिलामेंट** बनाने के लिए **संरेखित** होता है।
- एक प्रसिद्ध और शक्तिशाली है, जिसमें **उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर** से **हवाओं को हवाई** के चारों ओर से **अमेरिका और कैनेडियन पश्चिम तटों** तक पहुँचाया जाता है।

विशेषताएँ

- आमतौर पर**, 250 से 375 मील चौड़ी**, **वायुमंडलीय नदियाँ** एक **हजार मील** से **अधिक लंबी** हो सकती हैं।
- वे मुख्य रूप से संबंधित **गोलार्ध की सर्दियों** के दौरान होते हैं, जब **अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात** सबसे अधिक प्रचलित होते हैं।
- एक **औसत वायुमंडलीय नदी** में **जलवाष्प** की मात्रा लगभग **मिसिसिपी नदी** के मुहाने पर पानी के औसत प्रवाह के बराबर होती है।

वायुमंडलीय नदियों का प्रभाव

- जब **वायुमंडलीय नदियाँ पहाड़ों** के विरुद्ध बहती हैं या **स्थानीय वायुमंडलीय गतिशीलता** में बहती हैं और ऊपर चढ़ने के लिए मजबूर होती हैं।
- उनमें मौजूद **नमी ठंडी** और **संघनित** हो जाती है, जिससे **भारी वर्षा** या **बर्फबारी** की संभावना होती है।
- ये अचानक बाढ़, भूस्खलन और भूस्खलन जैसे जोखिम भी पैदा करते हैं, जिसके **परिणामस्वरूप जीवन** और **संपत्ति की क्षति** हो सकती है।
- जैसे-जैसे **वायुमंडलीय नदियाँ भूमि** से होकर गुजरती हैं, वे **तूफान जैसी स्थितियाँ पैदा** कर सकती हैं, जिनमें **तीव्र और तेज़ वर्षा**, **चक्रवाती हवाएँ** और **बढ़ी हुई लहर ऊँचाई** शामिल हैं।

4. तेलंगाना के नलगोंडा में 390 साल पुराना लैंप पोस्ट मिला - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय संस्कृति में प्राचीन से लेकर आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

प्रीलिम्स टेकअवे
- चालुक्य राजवंश
- कृष्णा नदी

समाचार:
- हाल ही में, पुरातत्वविदों ने **तेलंगाना** के **नलगोंडा** जिले में **कृष्णा नदी** के किनारे **दीपस्तंभम** (20 फुट लंबा लैंप पोस्ट) की खोज गई है ।
- ये खोजें प्रारंभिक **मीडियाकाल** के दौरान क्षेत्र में **व्यापार गतिविधियों** में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

लैंप पोस्ट की विशिष्टता
- जबकि **ध्वजस्तंभम (ध्वज स्तंभ) मंदिर वास्तुकला** में आम हैं, **दक्कन क्षेत्र** में **लैंप पोस्ट** दुर्लभ हैं।
  - जबकि गोवा सहित पश्चिमी तट के मंदिरों में ये सामान्य हैं।
- **जून 1635** का नया खोजा गया **लैंप पोस्ट, काशी विश्वनाथ** को समर्पित **तेलुगु** और **तमिल भाषाओं** के मिश्रण में शिलालेख रखता है।
- इसकी ऊंची **ऊंचाई** से पता चलता है कि यह **नदी के व्यापार मार्ग** पर **नौवहन सहायता** के रूप में काम करता होगा।

ऐतिहासिक संदर्भ और व्यापार मार्ग
- **कुतुब शाही शासन** के तहत **हैदराबाद** से लगभग **180 किलोमीटर** दूर, **गाँव का स्थान** एक **व्यापार केंद्र** के रूप में इसके महत्व को उजागर करता है।
- **यूरोपीय यात्री,** जैसे कि **फ्रेंच हीरा व्यापारी टावर्निये**, क्षेत्र में भूमि **व्यापार मार्गों** का उल्लेख करते हैं, लेकिन उन्होंने न**दी से संबंधित व्यापार** का भी **स्थानीय संदर्भ** किया है।

पुरातात्विक महत्व
- **लैंप पोस्ट** के अलावा, **पुरातत्वविदों** ने **आठवीं शताब्दी** के एक **शिलालेख** का भी पता लगाया, जिसमें **बादामी चालुक्य शासन** के दौरान अनुदान का विवरण दिया गया था।
- यह खोज क्षेत्र के **ऐतिहासिक** और **आर्थिक महत्व** के बारे में **हमारी समझ** को समृद्ध करती है।

5. स्वामीनाथन, राव, चरण सिंह को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार - द हिंदू/ भारत रत्न स्वामीनाथन, राव, चरण सिंह को प्रदान किया जाएगा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: अठारहवीं सदी के मध्य से लेकर वर्तमान तक का आधुनिक भारतीय इतिहास - महत्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारत रत्न
- एमएस स्वामीनाथन

समाचार:
- भारत रत्न **पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव** और **चौधरी चरण सिंह** के साथ **कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन** को प्रदान किया जाएगा।
- यह पहले से ही घोषित दो पुरस्कार विजेताओं **समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर** और **पूर्व उप प्रधान मंत्री लालकृष्ण आडवाणी** के अतिरिक्त है।

पीवी नरसिम्हा राव की विरासत
- **पीवी नरसिम्हा राव** को **प्रधान मंत्री** के रूप में अपने **कार्यकाल (1991-1996)** के दौरान **भारतीय अर्थव्यवस्था** को **उदार बनाने का श्रेय** दिया जाता है।
- बाबरी मस्जिद विध्वंस जैसे विवादों के कारण कांग्रेस पार्टी के साथ उनका रिश्ता जटिल हो गया था।
- प्रधानमंत्री ने कहा कि **पीवी नरसिम्हा राव** के दूरदर्शी नेतृत्व ने **भारत को आर्थिक रूप से उन्नत** बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी ।

चौधरी चरण सिंह का योगदान
- **पूर्व प्रधान मंत्री (1979-1980)** चौधरी चरण सिंह की **किसानों और लोकतंत्र के प्रति समर्पण,** विशेषकर **आपातकाल** के दौरान, के लिए सराहना की जाती है।

एमएस स्वामीनाथन का प्रभाव

- **एम एस स्वामीनाथन** को **भारत** में **कृषि आत्मनिर्भरता** और **आधुनिकीकरण** हासिल करने में उनकी **महत्वपूर्ण भूमिका** के लिए जाना जाता है।

भारत रत्न

- **भारत रत्न भारतीय गणराज्य** का **सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार** है।
- वर्ष 1954 में स्थापित, यह **पुरस्कार जाति, व्यवसाय, स्थिति या लैंगिक भेदभाव के बिना , उच्चतम क्रम की असाधारण सेवा/प्रदर्शन** की मान्यता में प्रदान किया जाता है।

प्रमुख विशेषताऐं

- **भारत रत्न प्रतिवर्ष** प्रदान किए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है, न ही ऐसी कोई शर्त है कि यह विशेष रूप से **भारतीय नागरिकों** को प्रदान किया जाना चाहिए।
- भारत रत्न के लिए **सिफारिशें भारत के प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्रपति** को की जाती हैं।
- **भारत रत्न पुरस्कार**ों की संख्या किसी विशेष वर्ष में **अधिकतम तीन** तक सीमित है**।**
  - हालाँकि, इस वर्ष पाँच पुरस्कार विजेताओं की संख्या, जो 1999 में घोषित चार पुरस्कारों से एक अधिक है, किसी एक वर्ष में अब तक घोषित की गई सबसे अधिक संख्या है।
- पुरस्कार प्रदान किए जाने पर, प्राप्तकर्ता को **राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित एक सनद (प्रमाण पत्र) और** एक पदक प्राप्त होता है।
  - पुरस्कार में कोई मौद्रिक अनुदान नहीं है।
- **अनुच्छेद 18(1)** के अनुसार , पुरस्कार का उपयोग **प्राप्तकर्ता** के नाम के **उपसर्ग या प्रत्यय** के रूप में नहीं किया जा सकता है।

6. भारतीय पीएम ने अबू धाबी में BAPS मंदिर का उद्घाटन कियाइंडियन एक्सप्रेस -

प्रासंगिकता: कला और संस्कृति

समाचार:

- **भारतीय प्रधान मंत्री** ने हाल ही में **अबू धाबी** में **BAPS स्वामीनारायण मंदिर** का उद्घाटन किया, जो **खाड़ी देश में पहला हिंदू मंदिर** है।
- यह मंदिर हिंदू धर्म के **वैष्णव संप्रदाय बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था** (**BAPS**) द्वारा बनाया गया है।

प्रीलिम्स टेकअवे

- अबू धाबी में BAPS मंदिर
- बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था)BAPS)

मंदिर की विशेषताएं

- **अबू धाबी मंदिर** एक **पारंपरिक पत्थर** वाला **हिंदू मंदिर** है, जो **पारंपरिक नागर शैली** में बनाया गया है, जिसमें **सात शिखर** हैं।
  - सात शिखर संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरात के प्रतिनिधि हैं।
- मंदिर में **दो केंद्रीय गुंबद** हैं अर्थात **सद्भाव का गुंबद** और **शांति का गुंबद,** जो **पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और पौधों की नक्काशी** के माध्यम से मानव सह-अस्तित्व पर जोर देते हैं।
- **संयुक्त अरब अमीरात** में सबसे बड़ी **3D-मुद्रित दीवारों** में से एक**, हार्मनी की दीवार, मंदिर के निर्माण** के प्रमुख उपलब्धि को प्रदर्शित करने वाला एक वीडियो पेश करती है।
  - 'सद्भाव' शब्द 30 विभिन्न प्राचीन और आधुनिक भाषाओं में लिखा गया है।
- मंदिर के सामने के **पैनल में सार्वभौमिक मूल्यों, विभिन्न संस्कृतियों** के **सद्भाव** की **कहानियों, हिंदू आध्यात्मिक नेताओं और अवतारों** को दर्शाया गया है।
- जबकि बाहरी भाग में राजस्थान के **गुलाबी बलुआ पत्थर** का उपयोग किया गया है , **आंतरिक भाग** में **इटालियन मार्बल्स** का उपयोग किया गया है।
- 27 एकड़ में फैला यह मंदिर परिसर **13.5 एकड़** में है, जिसमें **पार्किंग क्षेत्र 13.5 एकड़** है।
  - **13.5 एकड़** जमीन वर्ष 2019 में **संयुक्त अरब अमीरात** के **राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान** द्वारा उपहार में दी गई थी।
- अन्य सुविधाओं में 3,000 लोगों की क्षमता वाला एक असेंबली हॉल, एक सामुदायिक केंद्र, प्रदर्शनियां, कक्षाएं और एक मजलिस स्थल शामिल हैं।
- दुनिया भर के सभी **BAPS मंदिरों** की तरह, यह सभी के लिए खुला है।

प्रमुख स्थापत्य विशेषताएं

- मंदिर में विभिन्न **वास्तुशिल्प तत्वों** को शामिल किया गया है, जिसमें प्रमुख **स्वामी महाराज** के **96 वर्षों के जीवन** का **प्रतिनिधित्व** करने वाली **96 घंटियाँ** भी शामिल हैं।
- **'पवित्र नदी'** जैसी विशेष विशेषताएं और **विविध संस्कृतियों के देवताओं के चित्रण** इसके महत्व को बढ़ाते हैं।
  - इनमें भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान, भगवान शिव, पार्वती, गणपति, कार्तिकेय, भगवान जगन्नाथ, भगवान राधा-कृष्ण, अक्षर-पुरुषोत्तम महाराज (भगवान स्वामीनारायण और गुणातीतानंद स्वामी), तिरुपति बालाजी और पद्मावती और भगवान अयप्पा शामिल हैं।
- भारतीय सभ्यता की **15 मूल्यवान कहानियों** के अलावा, **माया सभ्यता, एज़्टेक सभ्यता, मिस्र** की **सभ्यता, अरबी सभ्यता, यूरोपीय सभ्यता, चीनी सभ्यता** और **अफ्रीकी सभ्यता** की कहानियों को चित्रित किया गया है।
- मंदिर में किसी भी **लौह सामग्री** (जो जंग के प्रति अधिक संवेदनशील हो) का उपयोग नहीं किया गया है।
- यहां एक विशेष स्तंभ है, जिसे '**स्तंभों का स्तंभ**' कहा जाता है, जिसमें लगभग **1,400 छोटे स्तंभ** खुदे हुए हैं।
- इसमें **नैनो टाइल्स** का इस्तेमाल किया गया है, जिस पर **गर्म मौसम** में भी पर्यटकों को चलना आरामदायक रहेगा।
- **मंदिर** के **आसपास** की **इमारतें आधुनिक** और अखंड हैं, जिनका **रंग रेत के टीलों** जैसा है।

7. पुरातात्विक शोधकर्ताओं ने पल्लव काल की कोटरावई मूर्तिकला की खोज की - द न्यू इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय संस्कृति प्राचीन से आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलुओं को कवर करेगी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- चोल वंश
- पाण्ड्य वंश

समाचार:

- **पुरातात्विक शोधकर्ताओं** की एक टीम ने **उलुंदुरपेट** के पास **आठवीं शताब्दी** की **कोटरावई मूर्तिकला** की खोज की है, जो **पल्लव काल** की एक **कलाकृति** है।

मुख्य बिंदु

- "**कोतरावई मूर्तिकला पांच फीट ऊंचाई** और **चार फीट चौड़ाई** के **स्लैब पत्थर** में बनाई गई है।
- **मूर्ति** को **आठ हाथों** से दर्शाया गया है, जो **पल्लव काल** के दौरान **आठवीं शताब्दी** में इसकी उत्पत्ति का संकेत देता है।
- "**मूर्तिकला** में **दाहिने हाथों** में **चक्र, तलवार, घंटी** और **अभय मुद्रा** जैसे विभिन्न तत्वों को दर्शाया गया है।
- सभी हाथों में चूड़ियों के साथ बायीं ओर के हाथों में **शंख, धनुष, ढाल** और **उरु मुद्रा** दर्शायी गयी है

पल्लव राजवंश

- पल्लव राजवंश **275 ईस्वी** से **897 ईस्वी** तक अस्तित्व में था, जिसने **दक्कन** के एक बड़े हिस्से पर शासन किया, जिसे **टोंडिमंडलम** के नाम से भी जाना जाता है।
- **पल्लव शक्ति** का विस्तार उनके **मूल क्षेत्र** से परे हुआ, और वे अन्य **राजवंशों**, विशेषकर **चालुक्यों** और **चोलों** के साथ संघर्ष में आ गए।

पल्लव वंश के शासक

- पल्लव शासकों ने कला, वास्तुकला और साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- **सिंहवर्मन प्रथम (लगभग 275 - 300 ई.):** सिंहवर्मन प्रथम को सबसे पहले ज्ञात **पल्लव शासकों** में से एक माना जाता है, उन्हें इस क्षेत्र में **राजवंश** के शासन की नींव रखने का श्रेय दिया जाता है।
- **महेंद्रवर्मन प्रथम (लगभग 600 - 630 ई.):** महेंद्रवर्मन प्रथम एक उल्लेखनीय पल्लव राजा था जो कला और साहित्य के संरक्षण के लिए जाना जाता था।
- वह स्वयं एक **प्रखर कवि** थे और माना जाता है कि उन्होंने संस्कृत नाटक "**मत्तविलास प्रहासन**" लिखा था। वह **जैन धर्म** के अनुयायी थे लेकिन बाद में उन्होंने **शैव धर्म** अपना लिया।
- **नरसिम्हावर्मन प्रथम (लगभग 630 - 668 ई.):** मामल्ल के नाम से भी जाना जाने वाला, नरसिंहवर्मन प्रथम सबसे प्रसिद्ध पल्लव शासकों में से एक था।
- वह अपने **सैन्य अभियानों** और **कला** और **वास्तुकला** के संरक्षण के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं। उन्हें **यूनेस्को** की **विश्व** धरोहर स्थल **महाबलीपुरम** में प्रसिद्ध **शोर मंदिर** के निर्माण का श्रेय दिया जाता है।

- **नंदिवर्मन द्वितीय (लगभग 731 - 796 ई.):** नंदिवर्मन द्वितीय एक अन्य पल्लव राजा थे जिन्होंने कला और वास्तुकला में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- उन्हें **चट्टानों को काटकर** बनाए गए **मंदिरों** के **संरक्षण** के लिए जाना जाता है, जिनमें **मांडगापट्टू** और **त्रिचिनोपोली चट्टानों** को काटकर बनाए गए मंदिर भी शामिल हैं।
- **नंदिवर्मन तृतीय (लगभग 850 - 869 ई.):** नंदिवर्मन तृतीय बाद के पल्लव शासकों में से एक था।
- उनके शासनकाल में पल्लव राजवंश का निरंतर पतन भी देखा गया क्योंकि चोलों ने इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया।

8. 16वीं सदी के कुतुब शाही मकबरों को डिजिटल ट्विन मिला - द हिंदू

प्रासंगिकता: कला और संस्कृति

प्रीलिम्स टेकअवे
- मुहम्मद कुली कुतुब शाह
- मोहम्मद कुली कुतुब शाह का मकबरा
- डिजिटल ट्विन टेक्नोलॉजी

समाचार:
- हाल ही में, **रियलिटी टेक फर्म हेक्सागोन** ने **हैदराबाद** में **कुतुब शाही** के **मकबरे** के **डिजिटल ट्विन** का अनावरण किया।

डिजिटल ट्विन टेक्नोलॉजी
- **डिजिटल ट्विन** किसी वस्तु, **सिस्टम** या **प्रक्रिया** का एक **डिजिटल मॉडल** है जो अपने **वास्तविक विश्व** समकक्ष के समान कार्य करता है।
- **फ़ायदे**
  - यह **कंपनियों** और **संगठनों** को किसी **भौतिक वस्तु या प्रक्रिया** को अच्छी तरह से समझने में मदद करता है।
  - यह **डिजिटल ट्विन** का उपयोग करके **सिमुलेशन** में किसी **समाधान** या **डिज़ाइन** का परीक्षण करने में मदद करता है।
  - यह **वास्तविक** दुनिया के **परिदृश्यों** का **अनुकरण** करके **डेवलपर्स** का समय और **ऊर्जा** बचाता है।

डिजिटल ट्विन की सटीकता
- **ड्रोन स्कैनर** ने **डेटा** इकट्ठा करने में **केवल 8 मिनट** का समय लिया और **1-सेंटीमीटर जियोटैगिंग परिशुद्धता** के साथ **सटीकता** हासिल की है।
- **डिजिटल ट्विन** के **निर्माण** के लिए कुल **600 जीबी डेटा कैप्चर** किया गया था

मोहम्मद कुली कुतुब शाह का मकबरा
- **कुतुब शाहियों** द्वारा निर्मित, ये **मकबरे हैदराबाद** के सबसे पुराने **ऐतिहासिक स्मारकों** में से एक माने जाते हैं।
- **वर्ष 1602** में निर्मित , यह **कुतुब शाही हेरिटेज पार्क परिसर** में **सबसे बड़ी कब्रों** में से एक है।
- यह दुनिया में अपनी तरह की **अनोखी** जगह है जहां पूरे **राजवंश** को एक ही **स्थान** पर दफनाया गया है।
- इन्हें **गोलकुंडा** के **दिवंगत राजाओं** की याद में बनवाया गया है।
- वे गोलकोंडा किले के उत्तर में एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं, जिसे बंजारा **दरवाजा** कहा जाता है।
- वे **फ़ारसी, पठान** और **हिंदू स्थापत्य शैली** से मिलते जुलते हैं
- **सामग्री का उपयोग** : प्लास्टर अलंकरण के साथ ग्रे ग्रेनाइट।

मुहम्मद कुली कुतुब शाह (1581-1611)
- वह **कुतुब शाही वंश** के पांचवें राजा थे जिन्होंने **हैदराबाद** की नींव रखी थी ।
- **तुलसीदास** के **समकालीन**, उन्होंने अपनी कविता को एक नई आभा प्रदान करने के लिए विचार और जीवन की **दो धाराओं** की **सर्वोत्तम परंपराओं** का मिश्रण किया।
- वह उचित रूप से दक्कनी उर्दू के पहले कवि हैं जिनके खाते में कम से कम **पचास हजार शेर** हैं।

9. गुजरात के मोरोधारो में हड़प्पाकालीन मिट्टी के बर्तन मिले - टाइम्स ऑफ इंडिया

प्रासंगिकता: भारतीय संस्कृति प्राचीन से आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलुओं को कवर करेगी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सिंधु घाटी सभ्यता
- हड़प्पाकालीन मिट्टी के बर्तन

समाचार:
- मोरोधारो से बड़ी मात्रा में हड़प्पा मिट्टी के बर्तन मिले, जो धोलावीरा में पाए गए बर्तनों के समान थे।

मोरोधारो

- यह हड़प्पा युग की एक किलेबंद बस्ती है।
- यह गुजरात में स्थित है ।

विशेषताएँ:

- यह बस्ती **हड़प्पाकालीन (2,600-1,900 ईसा पूर्व)** से लेकर देर से **(1,900-1,300 ईसा पूर्व)** तक परिपक्व दिखती है।
- **किलेबंदी** की माप **पूर्व** से **पश्चिम** तक **102 मीटर** और **उत्तर** से **दक्षिण** तक **58 मीटर** है।
- इसके **दक्षिण-पश्चिम** की ओर **10x10 मीटर** का **मंच** और **उत्तर-पूर्व** की ओर एक **कुआँ** है।
- **बुरियल केर्न्स**, जो एक **सीमा का निर्धारण** करने के लिए पत्थरों के ढेर हैं, भी यहाँ पाई जाती हैं।
- **छिद्रित जार** के टुकड़े, **आरक्षित स्लिपवेयर** और **टेराकोटा केक** के साथ **हड़प्पा मिट्टी** के बर्तनों का पता लगाया गया।
- ये सभी वस्तुएं **धोलावीरा** में पाई गई **वस्तुओं** से काफी मिलती जुलती हैं।

सिंधु घाटी सभ्यता के महत्वपूर्ण स्थल

- कालीबंगा (राजस्थान), लोथल, धोलावीरा, रंगपुर, सुरकोटदा (गुजरात), बनावली (हरियाणा), रोपड़ (पंजाब)।
- हड़प्पा (रावी नदी पर), मोहनजोदड़ो (सिंध में सिंधु नदी पर), चन्हुदड़ो (सिंध में)।
- इस सभ्यता की खोज पहली बार **J फ्लीट** द्वारा **मुहरों** की खोज के बाद **वर्ष 1921-22** में हड़प्पा में **सर जॉन ह्यूबर्ट मार्शल** के तहत एक उत्खनन अभियान के दौरान की गई थी।
- **हड़प्पा** के **खंडहरों** की खोज **मार्शल**, **राय बहादुर दया राम साहनी** और **माधो सरूप वत्स** ने की थी।
- **सिंधु घाटी** के शहर **परिष्कार** और **उन्नति** का स्तर दिखाते हैं जो अन्य **समकालीन सभ्यताओं** में नहीं देखा जाता है।
- **इसके दो भाग थे**: एक गढ़ और निचला शहर।
- अधिकांश शहरों में एक **विशाल स्नानघर** होता था।

10. वेणूर में 12 साल बाद बाहुबली का महामस्तकाभिषेक - टाइम्स ऑफ इंडिया

प्रासंगिकता: भारतीय संस्कृति प्राचीन से आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलुओं को कवर करेगी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- जैन धर्म
- भगवान बाहुबली

समाचार:

- **कर्नाटक** के **वेणूर** में **12 वर्षों** में एक बार आयोजित होने वाले '**महामस्तकाभिषेक महोत्सव**' (भव्य अभिषेक) के दौरान **भगवान बाहुबली** को **जलाभिषेक** किया जाता है।

महामस्तकाभिषेक

- **महामस्तकाभिषेक** शब्द **तीन शब्दों** से मिलकर बना है, जैसे महा (महान), मस्तक (सिर) और अभिषेक (अभिषेक) जिसका शाब्दिक अर्थ है 'सिर का अभिषेक समारोह'।

- इस समारोह को **मस्तकाभिषेक** नहीं बल्कि **महामस्तकाभिषेक** (जिसे भव्य अभिषेक भी कहा जाता है) कहा जाता है क्योंकि यह समारोह **12 वर्षों** में केवल एक बार किया जाता है।
- महामस्तकाभिषेक **महोत्सव भगवान बाहुबली** की **प्रतिमा** का **अभिषेक समारोह** है।

भगवान बाहुबली

- **भगवान बाहुबली भगवान ऋषभनाथ** के **पुत्र** थे जो **24 जैन तीर्थंकरों** में से पहले थे।
- **जैन पौराणिक कथाओं** में **बाहुबली** को ऐसे **व्यक्ति के रूप में दर्शाया ग**या है जो लंबे समय तक निरंतर ध्यान के माध्यम से **सांसारिक इच्छाओं** से **मुक्ति** पाने में सफल रहा।
- **भगवान बाहुबली** की **मूर्ति ध्यान** की **सीधी मुद्रा** में है जिसे **कायोत्सर्ग** के नाम से जाना जाता है, जो उनके **जीवन** के **प्रतिबिंब** के रूप में **त्याग, आत्म-नियंत्रण** और **अहंकार** के **वशीकरण** का प्रतीक है।
- यह **बाहुबली** का **दिगंबर** रूप है जो **सांसारिक इच्छाओं** और जरूरतों पर **पूर्ण विजय** का प्रतिनिधित्व करता है, जो **देवत्व** की ओर **आध्यात्मिक उत्थान** के लिए भवन बनाता है।

11. तेलंगाना में बादामी चालुक्य काल के 1,300 साल पुराने मंदिर मिले टाइम्स ऑफ - इंडिया

प्रासंगिकता: भारतीय संस्कृति प्राचीन से आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलुओं को कवर करेगी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- बादामी चालुक्य
- पंचकुटा मंदिर

समाचार:

- हाल ही में, **दो बादामी चालुक्य मंदिर**, जिनकी **आयु 1,300 से 1,500 वर्ष** के बीच होने का अनुमान है, और **8वीं या 9वीं शताब्दी ईस्वी** के एक **लेबल शिलालेख** का हाल ही में **कृष्णा नदी** के किनारे, **नलगोंडा जिले के मुदिमानिक्यम गाँव** में पता चला था।
- **मंदिर** और **शिलालेख क्षेत्र** के समृद्ध इतिहास के बारे में **बहुमूल्य** जानकारी प्रदान करते हैं।

ऐतिहासिक महत्व

- ये मंदिर **रेखा नागर** प्रारूप में **कदंब नागर शैली** के अद्वितीय उदाहरण हैं, जो **तेलंगाना** में एक **दुर्लभ स्थापत्य शैली** है।
- यह क्षेत्र में **बादामी चालुक्य काल** के प्रभाव को दर्शाता है।
- शोधकर्ता **तेलंगाना** की **सांस्कृतिक विरासत** को **संरक्षित** करने में इन **मंदिरों** के महत्व पर जोर देते हैं।
- वे अपनी **ऐतिहासिक अखंडता** को बनाए रखने के लिए **न्यूनतम पुनर्स्थापन** और संरक्षण का सुझाव देते हैं।

शिलालेख विवरण

- गांव में **पंचकुटा** के नाम से जाने जाने वाले **पांच मंदिरों** के एक समूह के स्तंभ पर पाया गया लेबल शिलालेख **8वीं या 9वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व** का है।
  - हालाँकि, ये मंदिर अब उपयोग में नहीं हैं, जिनमें से **एक** में **शिवलिंग** गायब है और **दूसरे** में **विष्णु** की मूर्ति है।
- इसमें **'गंडालोरानरु'** शब्द है, जो संभवत: एक **वीरतापूर्ण उपाधि** है, जो **बादामी चालुक्य काल** से इसके संबंध का संकेत देता है।

12. पृथ्वी का प्रारंभिक विकास :3.5 अरब वर्ष पहले बनी चट्टानों से नया दृष्टिकोण - डाउन टू अर्थ

प्रासंगिकता: विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- आर्कियन युग
- क्रेटन्स
- सिंहभूम क्रेटन

समाचार:

- **पृथ्वी की आयु** लगभग **4.5 अरब वर्ष** है, जो **विशाल महासागरों** और **लगातार ज्वालामुखी विस्फोटों** की विशेषता है।
- पर्याप्त सूचनाओं के बावजूद,विशेष रूप से **प्रारंभिक पृथ्वी** की **भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं** के संबंध में अंतराल बना हुआ है।

प्राचीन चट्टानों की खोज

- **4 अरब** से **2.5 अरब वर्ष** पुरानी प्राचीन **ज्वालामुखीय** और **तलछटी चट्टानें** महत्वपूर्ण **तथ्य** रखती हैं।
- **क्रेटन** में पाई जाने वाली ये चट्टानें **पृथ्वी** की पिछली प्रक्रियाओं के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।

- **भारत** में **सिंहभूम क्रेटन**, जो **3.5 अरब वर्ष** पुराना है, एक महत्वपूर्ण केस अध्ययन प्रदान करता है।

क्रेटन्स
- वे अरबों वर्ष पुराने प्राचीन महाद्वीपीय टुकड़े हैं, जो पृथ्वी की प्रारंभिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।
- वे ग्रीनस्टोन और ग्रेनाइट सहित विविध रॉक समूहों की मेजबानी करते हैं, जो पिछले ज्वालामुखीय और तलछटी प्रक्रियाओं के साक्ष्य को संरक्षित करते हैं।

तुलनात्मक अध्ययन
- **भारत**, **दक्षिण अफ्रीका** और **ऑस्ट्रेलिया** में **सिंहभूम क्रेटन** जैसे **क्रेटन** का अध्ययन लगभग **4 अरब से 2.5 अरब साल** पहले **आर्कियन युग** में एक विंडो प्रदान करता है।
- शोधकर्ताओं ने **सिंहभूम क्रेटन** की तुलना **दक्षिण अफ्रीका** और **ऑस्ट्रेलिया** के समकक्षों से की है ।
- **क्रेटन** के तुलनात्मक **विश्लेषण** से लगभग **3.5 अरब वर्ष** पहले **विस्फोटक शैली** के **ज्वालामुखी विस्फोटों** में समानता का पता चलता है।
- इन **प्रारंभिक प्रक्रियाओं** को समझने से पृथ्वी के **विकासवादी** इतिहास के **पुनर्निर्माण** में सहायता मिलती है।

अनुसंधान क्रियाविधि
- **सिंहभूम क्रेटन** की **चट्टानों का प्रयोगशाला** में अध्ययन किया गया, जिसमें **क्षेत्र-आधारित अध्ययन** और **यूरेनियम-लेड रेडियोमेट्रिक डेटिंग** की सहायता ली गई।
- **सिंहभूम क्रेटन** और **दक्षिण अफ्रीका** और **ऑस्ट्रेलिया** की **भूवैज्ञानिक विशेषताओं** के बीच समानताएं देखी गईं।
- **मुख्य निष्कर्ष**
  - **सबमरीन माफ़िक ज्वालामुखी** विस्फोट **3.5 से 3.3 अरब वर्ष** पहले प्रचलित थे।
  - यह **सिलिकिक ज्वालामुखी** के विपरीत है, जो लगभग **3.5 अरब वर्ष** पहले प्रबल था।

खोजों का महत्व
- प्रारंभिक **विवर्तनिक गतिविधियों** और **पृथ्वी** के **प्रारंभिक वर्षों** में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- **अद्वितीय भूवैज्ञानिक** विशेषताएं, जैसे कि **ग्रीनस्टोन बेल्ट, प्रारंभिक र**हने योग्य स्थितियों और जीवन के उद्भव के बारे में **अमूल्य** जानकारी प्रदान करती हैं।
- तुलनात्मक विश्लेषण **आर्कियन भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं** का एक **व्यापक मॉडल** बनाने में मदद करता है।

13. कित्तूर विद्रोह के 200 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में नानू रानी चेन्नम्मा राष्ट्रीय अभियान का आयोजन किया गया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: अठारहवीं सदी के मध्य से लेकर वर्तमान तक का आधुनिक भारतीय इतिहास - महत्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कित्तूर विद्रोह
- रानी चेन्नम्मा

समाचार:
- हाल ही में, देश भर में कई सामाजिक समूहों ने एक **राष्ट्रीय अभियान नानू रानी चेन्नम्मा** (मैं भी रानी चेन्नम्मा हूं) का आयोजन किया।
- **उद्देश्य:** ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ रानी चेन्नम्मा के विद्रोह के 200 साल पूरे होने का जश्न मनाना।

रानी चेन्नम्मा
- **चेन्नम्मा** का जन्म आज के **कर्नाटक** के **बेलगावी जिले** के एक छोटे से **गाँव काकती** में हुआ था।
- जब उन्होंने **देसाई परिवार** के **राजा मल्लसर्जा** से **शादी** की तो वह **कित्तूर** (अब कर्नाटक में) की **रानी** बन गईं।
- वर्ष 1816 में **मल्लसर्जा** की मृत्यु के बाद, उनके सबसे बड़े बेटे, **शिवलिंगरुद्र सरजा**, **सिंहासन** पर बैठे।
- वर्ष 1824 में अपनी मृत्यु से पह**ले, शिवलिंगरुद्र** ने **उत्तराधिकारी** के रूप में एक बच्चे**, शिवलिंगप्पा** को **गोद** लिया था ।
- हालाँकि, **ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी** ने **'व्यपगत के सिद्धांत'** के तहत **शिवलिंगप्पा** को राज्य के **उत्तराधिकारी** के रूप में मान्यता देने से इनकार कर दिया।

'व्यपगत का सिद्धांत
- वर्ष 1848 में लॉर्ड डलहौजी द्वारा प्रस्तुत , 'व्यपगत के सिद्धांत का उद्देश्य भारत में ब्रिटिश क्षेत्रों का विस्तार करना था।

- व्यपगत के सिद्धांत के तहत, प्राकृतिक उत्तराधिकारी के बिना किसी भी रियासत का पतन हो जाएगा और कंपनी द्वारा उस पर कब्ज़ा कर लिया जाएगा।
- इस नीति को कई भारतीय शासकों ने नाजायज माना और 1857 के भारतीय विद्रोह में भूमिका निभाई।
- इस सिद्धांत के कारण कई राज्यों पर कब्ज़ा कर लिया गया, जिनमें सतारा)1848), जैतपुर)1849), संबलपुर)1849), उदयपुर)1850), झाँसी)1853), और नागपुर)1854) शामिल हैं।
- ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1824 में 'व्यपगत का सिद्धांत' लागू करके कित्तूर रियासत पर कब्ज़ा कर लिया था।
  - यह लॉर्ड डलहौजी द्वारा आधिकारिक तौर पर व्यक्त किये जाने से भी पहले की बात है।

कित्तूर विद्रोह

- **धारवाड़** के **ब्रिटिश अधिकारी जॉन थैकेरी** ने **अक्टूबर 1824** में **कित्तूर** पर हमला किया।
- इस लड़ाई में **ब्रिटिश सेना** की भारी हार हुई और **कलेक्टर** और **राजनीतिक एजेंट, सेंट जॉन ठाकरे कित्तूर** सेना द्वारा मारे गए।
- दो ब्रिटिश अधिकारियों, सर वाल्टर इलियट और मिस्टर स्टीवेन्सन को भी बंधक बना लिया गया।
- हालाँकि, ब्रिटिश सेना ने कित्तूर किले पर फिर से हमला किया और उस पर कब्ज़ा कर लिया।
- **रानी चेन्नम्मा** और उनके परिवार को **बैलहोंगल** के **किले** में कैद कर लिया गया **,** जहां **वर्ष 1829** में उनकी मृत्यु हो गई।

14. IGNCA का 'भाषा एटलस' भारत की भाषाई विविधता पर प्रकाश डालेगा - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय संस्कृति प्राचीन से आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलुओं को कवर करेगी।

प्रीलिम्स टेकअवे

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA)
- भारत का भाषा एटलस

समाचार:

- भारत विशेषकर **प्राथमिक स्तर** पर **मातृभाषाओं में शिक्षा को बढ़ावा** देने की दिशा में काम कर रहा है।
- हालाँकि, देश में **"सक्रिय"** भाषाओं की वास्तविक संख्या के बारे में स्पष्टता का अभाव है।
- इसे संबोधित करने के लिए, **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA)** ने पूरे भारत में एक **भाषाई सर्वेक्षण आयोजित** करने की योजना बनाई है।

वर्तमान भाषा परिदृश्य

- **भारत आधिकारिक** तौर पर संविधान की **अनुसूची 8 में सूचीबद्ध 22 भाषाओं** को मान्यता देता है।
- जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, **97% भारतीय आबादी** इनमें से कोई एक भाषा बोलती है।
- इसके अतिरिक्त, **वर्ष 2011** की **जनगणना** में **99 गैर-अनुसूचित भाषाएँ** शामिल हैं, लगभग **37.8 मिलियन लोग** इनमें से एक को अपनी मातृभाषा के रूप में पहचानते हैं।
- हालाँकि, लगभग **1.2 मिलियन लोगों** की **मूल भाषाएँ**, विशेष रूप से **आदिवासी समुदायों** द्वारा बोली जाने वाली, अज्ञात हैं।
  - **वर्ष 1971** के बाद से **जनगणना** में **10,000** से कम बोलने वाली भाषाओं को बाहर करने के कारण।

ऐतिहासिक संदर्भ

- **भारत** का **पहला भाषाई सर्वेक्षण 1928** में **सर जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन** द्वारा आयोजित किया गया था।
- **स्वतंत्रता** के बाद **भारतीय मानचित्र** को फिर से तैयार किया गया था, और इसलिए, **LSI** में ऐसी **भाषाएँ** और **बोलियाँ** शामिल हैं जो **समकालीन भारतीय राज्यों** का हिस्सा नहीं हो सकती हैं।
- सबसे विस्तृत **भाषाई डेटा 1961** की जनगणना में दर्ज किया गया था, जिसमें एक **वक्ता वाली भाषाएँ** भी शामिल थीं।
- पुस्तक "**भारत** की **जनजातीय** और **स्वदेशी भाषाएँ**" दस्तावेज़ में बताया गया है कि **वर्ष 1961** की भारत की जनगणना में देश में बोली जाने वाली **1,554 भाषाएँ** दर्ज की गईं।

प्रस्तावित भाषाई सर्वेक्षण

- **IGNCA** का लक्ष्य **भारत का भाषा एटलस** बनाने के लिए एक **व्यापक भाषाई सर्वेक्षण** करना है।

- सर्वेक्षण में विभिन्न **भाषा समुदायों** के अलावा **संस्कृति, शिक्षा, जनजातीय** आदि **मंत्रालयों** सहित **विभिन्न मंत्रालय** और **हितधारक** शामिल होंगे।
- **सर्वेक्षण** के **सहयोगियों** में **केंद्रीय भारतीय भाषा** संस्थान, **राष्ट्रीय संग्रहालय आदि संस्थान** शामिल हैं।
- सर्वेक्षण में **भाषाओं, बोलियों, लिपियों, विलुप्त या लुप्तप्राय भाषाओं** की संख्या का दस्तावेजीकरण करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- इसे **दो चरणों** में पूरा किया जाएगा, शुरुआत **राज्य-वार डेटा संग्रह** से होगी और फिर **क्षेत्र-वार विश्लेषण** से होगी।
- **सर्वेक्षण** का उद्देश्य बोली जाने वाली सभी भाषाओं की **ऑडियो रिकॉर्डिंग** को **डिजिटल रूप** से संग्रहीत करना भी है।

महत्व

- विशेष रूप से **आदिवासी समुदायों** के बीच **स्थानीय ज्ञान**, **ज्ञान**, **कहानियों** और **संस्कृति** के **संरक्षण** के लिए भाषा संरक्षण महत्वपूर्ण है।
- यह **सर्वेक्षण भाषा** और **शिक्षा** के संबंध में **भविष्य के नीतिगत निर्णयों** के लिए एक **मूल्यवान डेटाबेस** के रूप में काम करेगा।

सामान्य अध्ययन II

15. ED ने हेमंत सोरेन को 'मनी लॉन्ड्रिंग' के आरोप में गिरफ्तार किया - द हिंदू/ हेमंत सोरेन झारखंड के सीएम पद से इस्तीफा दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्रवर्तन निदेशालय (ED)
- वित्त मंत्रित्व

समाचार:

- **झारखंड** के **मुख्यमंत्री पद** से इस्तीफा देने के बाद **प्रवर्तन निदेशालय (ED)** ने **हेमंत सोरेन** को भूमि **घोटाला मामले** में **गिरफ्तार** कर लिया ।

मुख्य बिंदु

- **रांची** में उनके **आधिकारिक आवास** पर **ED की सात घंटे से अधिक की पूछताछ** के बाद इस्तीफा दिया गया।
- यह मामला **वर्ष 2020 और वर्ष 2022** के बीच **जाली दस्तावेजों के साथ आदिवासी भूमि** की कथित **खरीद और बिक्री** से जुड़ा है।
- **हेमंत सोरेन** ने अपनी गिरफ्तारी को **झारखंड हाई कोर्ट** में चुनौती दी है

राजनीतिक परिवर्तन

- **झामुमो** के नेतृत्व वाले **सत्तारूढ़ गठबंधन** का लक्ष्य **43 विधायकों** के समर्थन से सरकार बनाना है, फिलहाल **राज्यपाल की प्रतिक्रिया** का इंतजार है।

राज्यपाल का इनकार और विपक्ष का रुख

- बहुमत साबित करने के लिए **विधायकों** की **परेड के लिए राज्यपाल** से मिलने के **गठबंधन के प्रयासों** को अस्वीकार कर दिया गया।
- **झामुमो सदस्यों** ने अपनी **संख्या बल** का दावा किया और **झारखंड में राष्ट्रपति शासन** की दिशा में किसी भी कदम का विरोध किया।

प्रवर्तन निदेशालय (ED)

- प्रवर्तन निदेशालय (ED) एक **बहु-विषयक संगठन** है
- यह **मनी लॉन्ड्रिंग** के **अपराधों** और **विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन** की जांच के लिए अनिवार्य है।
- यह **वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग** के अंतर्गत कार्य करता है।
- इस निदेशालय की उत्पत्ति **1 मई, 1956** से हुई थी
    - जब **विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (FERA), 1947** के तहत **विनिमय नियंत्रण कानूनों** के उल्लंघन से निपटने के लिए आर्थिक मामलों के विभाग में एक '**प्रवर्तन इकाई**' का गठन किया गया था।।

16. सऊदी-यूएई समेत 5 देशों ने ब्रिक्स में शामिल होने की पुष्टि की - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ, एजेंसियाँ और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ब्रिक्स
- अर्जेंटीना

समाचार:
- **मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब** और **संयुक्त अरब अमीरात** ने पुष्टि की है कि वे पिछले साल आमंत्रित होने के बाद **ब्रिक्स ब्लॉक** में शामिल हो रहे हैं।

मुख्य बिंदु
- अर्जेंटीना के साथ **पांच देशों** को निमंत्रण दिया गया था
  - अगस्त में जोहान्सबर्ग में एक शिखर सम्मेलन में ब्राजील, रूस, चीन, भारत और दक्षिण अफ्रीका वाले गुट में शामिल होने के लिए।
- सदस्यों का कहना है कि इस कदम से उस **विश्व व्यवस्था** में फेरबदल करने में मदद मिलेगी जिसे वे पुरानी मानते हैं।
- **अर्जेंटीना** ने तब से शामिल होने के **निमंत्रण को अस्वीकार** कर दिया है।
- **ब्रिक्स पुष्टियों** के संबंध में, **छह में से पांच** की पुष्टि की गई है।

ब्रिक्स (BRICS)
- ब्रिक्स दुनिया की अग्रणी उभरती अर्थव्यवस्थाओं, **ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका** के समूह का संक्षिप्त रूप है।
- **वर्ष 2001** में, **ब्रिटिश अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने ब्राज़ील, रूस, भारत** और **चीन** की **चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं** का वर्णन करने के लिए **BRIC** शब्द गढ़ा।
- **वर्ष 2006** में **BRIC विदेश मंत्रियों** की पहली बैठक के दौरान इस समूह को औपचारिक रूप दिया गया था ।
- **दिसंबर 2010** में दक्षिण अफ्रीका को **BRIC** में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसके बाद समूह ने **संक्षिप्त नाम BRICS** अपनाया।
- ब्रिक्स दुनिया के **पांच सबसे बड़े विकासशील देशों** को एक साथ लाता है
  - **वैश्विक जनसंख्या** का **41%, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद** का **24%** और **वैश्विक व्यापार का 16%** प्रतिनिधित्व करता है।

17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने नई शैक्षणिक संरचना का प्रस्ताव दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क
- NIOS

समाचार:
- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए शैक्षणिक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रस्ताव दिया है

मुख्य बिंदु
- इसमें **कक्षा 10** में **दो भाषाओं** के अध्ययन की बजाय **तीन भाषाओं** का अध्ययन शामिल है, इस शर्त के साथ कि **कम से कम दो मूल भारतीय भाषाएँ** होनी चाहिए
- इसी तरह, **कक्षा 12** के लिए, प्रस्तावित **परिवर्तनों में छात्रों** को एक के बजाय **दो भाषाओं** का अध्ययन करना शामिल है
  - इस शर्त के साथ कि **कम से कम एक मूल भारतीय भाषा** होनी चाहिए।
- कुल मिलाकर, उन्हें **हाई स्कूल** से **स्नातक क**रने के लिए **पांच के बजाय छह विषयों** में **परीक्षा उत्तीर्ण** करनी होगी।

राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCrF)
- **अंतर-मंत्रालयी समिति** की रिपोर्ट के आधार पर, **केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय (MoE)** ने **वर्ष 2022** में **NCrF** के मसौदे का अनावरण किया।
- **NCrF क्रेडिट प्रणाली** को अपनाने में **स्कूलों, कॉलेजों** और **विश्वविद्यालयों** द्वारा पालन किए जाने वाले दिशानिर्देशों का एक सेट है।

- यह पहली बार संपूर्ण **स्कूली शिक्षा प्रणाली** को **क्रेडिट** के दायरे में लाता है।
- अब तक, केवल **राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (NIOS)** ही **क्रेडिट प्रणाली** का पालन करता था। **NCrF कौशल** और **व्यावसायिक शिक्षा** को भी कवर करता है।
- दस्तावेज़ **सैद्धांतिक**, **व्यावहारिक विज्ञान** या **व्यावसायिक** और **कौशल विषयों** को **सूचीबद्ध** करता है जिन्हें **स्कूली शिक्षा** के दौरान **अर्जित क्रेडिट** में गिना जा सकता है।

18. केंद्र परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने हेतु विधेयक का प्रस्ताव रखा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय तकनीकी समिति
- कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार:
- **केंद्र** ने **संसद** के चालू सत्र के दौरान **सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024** पेश करने की योजना बनाई है।

विधेयक का दायरा
- विधेयक का उद्देश्य **UPSC, SSC, रेलवे, NEET, JEE, CUET** और अन्य जैसी विभिन्न परीक्षाओं को कवर करते हुए **सार्वजनिक परीक्षाओं** में **पेपर लीक** और **संगठित धोखाधड़ी** से संबंधित मुद्दों को संबोधित करना है।

प्रवर्तन और दंड
- **कार्मिक, लोक शिकायत** और **पेंशन मंत्रालय** के तहत **कार्मिक** और **प्रशिक्षण विभाग (DoPT)** विधेयक की निगरानी करेगा।
- प्रस्तावित दंड में **न्यूनतम तीन से पांच साल** की कैद शामिल है
  - संगठित अपराधों के लिए **उच्च सीमा (पांच-10 वर्ष)** के साथ **संगठित अपराधों** के लिए **न्यूनतम 1 करोड़ रुपये** का जुर्माना प्रस्तावित है।

अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षा
- **विधेयक अपने प्रावधानों** के तहत उम्मीदवारों को दायित्व से बचाता है, यह सुनिश्चित करता है कि वे **परीक्षा अधिकारियों** के मौजूदा **प्रशासनिक प्रावधानों** के दायरे में रहें।

राष्ट्रीय तकनीकी समिति
- **विधेयक में सार्वजनिक** परीक्षाओं पर एक **उच्च स्तरीय राष्ट्रीय तकनीकी समिति** की स्थापना का प्रस्ताव है:
  - डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के लिए प्रोटोकॉल
  - आईटी सुरक्षा बढ़ाएँ
  - इलेक्ट्रॉनिक निगरानी करें और राष्ट्रीय मानक तय करें।

विधेयक की आवश्यकता
- **सार्वजनिक परीक्षाओं** में अनुचित साधनों से निपटने के लिए राष्ट्रीय **स्तर के कानून** की अनुपस्थिति के कारण प्रस्तावित कानून की आवश्यकता है।
- **विधेयक का उद्देश्य** उन **व्यक्तियों, समूहों या संस्थानों** को **अनुचित प्रथाओं** में शामिल होने से रोकना है जो **सार्वजनिक परीक्षा प्रणालियों** पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

19. सरकार ने मध्यम वर्ग हेतु नई आवास योजना की घोषणा की - द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- पीएम-स्वनिधि
- PMAY

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार:
- **किफायती आवास** को बढ़ावा देते हुए, **सरकार** ने **मध्यम वर्ग** के "**योग्य**" वर्गों को अपना घर खरीदने या बनाने में मदद करने के लिए एक नई योजना की घोषणा की।

मुख्य बिंदु
- **केंद्रीय वित्त मंत्री** ने **ग्रामीण आवास** पर भी जोर दिया और कहा कि प्रमुख **प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)**-ग्रामीण के तहत **दो करोड़** और घर बनाए जाएंगे।

- **COVID-19** महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, **"PMAY (ग्रामीण)** का कार्यान्वयन जारी रहा और हम **तीन करोड़ घरों** के लक्ष्य को प्राप्त करने के करीब हैं"।
- **PMAY निम्न** और **मध्यम आय** वाले लोगों के लिए किफायती आवास तक पहुंच की सुविधा प्रदान करने वाली एक **क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी** योजना है।
- इसके **दो घटक** हैं **आवास** और **शहरी मामलों** के **मंत्रालय** के तहत शहरी गरीबों के लिए **PMAY (शहरी)** और **ग्रामीण विकास मंत्रालय** के तहत **ग्रामीण भारत** के लिए **PMAY (ग्रामीण)**।
- **वर्ष 2024-25** के लिए **आवास** और **शहरी मामलों** के **मंत्रालय** को कुल आवंटन **₹77,523 करोड़** है, जो **वर्ष 2023-24** में **₹76,431 करोड़** से अधिक है।
- **आवास** और **शहरी मामलों** के **मंत्रालय** द्वारा **स्ट्रीट वेंडरों** के लिए चलाई जा रही एक **माइक्रो-क्रेडिट** योजना **पीएम-स्वनिधि** है।
    - सरकार ने **78 लाख स्ट्रीट वेंडर्स** को क्रेडिट सहायता प्रदान की है, जिनमें से **2.3** लाख को **तीसरी बार क्रेडिट** मिला है।

20. रोजगार गारंटी योजना के लिए शुद्ध शून्य लाभ - द हिंदू/ मनरेगा के लिए ₹86,000 करोड़ का बजट आवंटित किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मनरेगा
- बजट

समाचार:

- **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS)** के लिए **₹86,000 करोड़** का बजट आवंटित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **वित्तीय वर्ष 2024-25** के लिए योजना के बजट में **वर्ष 2023-24** के बजट अनुमान की तुलना में **₹26,000** करोड़ की बढ़ोतरी की गई है।
    - हालाँकि यह **चालू वित्तीय वर्ष (2023-24)** के संशोधित अनुमान के समान ही है।
- इसलिए, **ग्रामीण रोजगार योजना** का **शुद्ध लाभ शून्य** या **नकारात्मक** भी हो सकता है।
- सरकार ने तर्क दिया है कि **मनरेगा** एक **गतिशील योजना** है और **बकाया का भुगतान चक्रीय रूप** से किया जाता है।
- लेकिन पिछले **दो वर्षों** से, **केंद्र ने योजना** के कार्यान्वयन में **भ्रष्टाचार** का दावा करते हुए **पश्चिम बंगाल** में **कार्यक्रम** रोक दिया है।
- **"मनरेगा** के तहत **पंजीकृत परिवारों** की **रोजगार जरूरतों** को पूरा करने के लिए, **महत्वपूर्ण ₹3 लाख करोड़** आवश्यक है।
- हालाँकि, आवंटित **बजट मात्र ₹86,000 करोड़** से काफी कम है।
- **पश्चिम बंगाल** में बकाया राशि को ध्यान में रखते हुए, जिसके **भुगतान** की आवश्यकता है और इस वर्ष **राज्य में श्रमिकों** के लिए अतिरिक्त कार्य की आवश्यकता है
    - बजट का **15 से 20%** पिछले बकाया चुकाने पर खर्च करने की ऐतिहासिक प्रवृत्ति के साथ, आवंटन लगातार अपर्याप्त लगता है।
- यह कमी गंभीर चिंता पैदा करती है क्योंकि यह न केवल **मनरेगा** के तहत काम करने के **गारंटीकृत अधिकार** को खतरे में डालती है
- लेकिन यह इस मौलिक अधिकार का घोर उल्लंघन भी है

21. पश्चिम बंगाल के सीएम ने CAG रिपोर्ट को गलत बताया - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और जिम्मेदारियां।

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारत का सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थान
- CAG

समाचार:
- **नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)** द्वारा एक रिपोर्ट जारी करने के बाद, जिसमें **पश्चिम बंगाल सरकार** द्वारा **धोखाधड़ी** और **धन की हेराफेरी** का आरोप लगाया गया था।
- **मुख्यमंत्री** ने **प्रधानमंत्री** को पत्र लिखकर कहा कि आरोप झूठे हैं और उनकी **सरकार** ने सभी **उपयोगिता प्रमाण पत्र** उपलब्ध कराये हैं।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
- यह एक **संवैधानिक प्राधिकरण** है जो **भारतीय लेखापरीक्षा** और **लेखा विभाग (IA&AD)** का प्रमुख है।
- दोनों संस्थाओं को **सुप्रीम ऑडिट इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (SAI)** के रूप में जाना जाता है।
- **अनुच्छेद 148 CAG** के एक **स्वतंत्र कार्यालय** का प्रावधान करता है।

भारत जैसे लोकतंत्र में लेखापरीक्षा की भूमिका
- पारदर्शिता और जवाबदेही
- वित्तीय कुप्रबंधन की रोकथाम
- कार्यकुशलता एवं प्रभावशीलता में सुधार
- वैश्विक मानक और सहयोग

आगे की राह
- लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना
- कुशल कार्यप्रवाह
- डिजिटल रूपांतरण
- पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना
- समयबद्ध रिपोर्टिंग

22. केंद्र पीएम रूफटॉप सौर योजना के लिए बिल का वहन करेगा-द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन
- प्रधान मंत्री सूर्योदय योजना

समाचार:
- **प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना** के माध्यम से **घरेलू छत सौर प्रणाली (h-RTS)** को अपनाने के लिए एक नए प्रयास का हिस्सा बनाने के लिए जोर देने का निर्णय किया गया है
- **केंद्र उन घरों** के लिए **ऐसी प्रणाली स्थापित** करने की **पूरी लागत वहन** करने की संभावना है जो **प्रति माह 300 यूनिट** से **कम बिजली** की खपत करते हैं।

मुख्य बिंदु
- इसकी संभावित लागत कम से कम **₹1 लाख करोड़** हो सकती है, और यह **h-RTS** के मौजूदा दृष्टिकोण से अलग है
- इसमें **केंद्र सरकार** की **कंपनियों** को **लाभार्थी घरों** को बिजली देने की जिम्मेदारी लेने वाली **व्यक्तिगत राज्य-संचालित बिजली वितरण कंपनियों** के मौजूदा **सेट-अप** के विपरीत देखा जाएगा।

हस्सले फ्री इंस्टालेशन
- कार्यान्वयन के लिए, **बिजली मंत्रालय** की **सार्वजनिक क्षेत्र** की इकाइयों जैसे **नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (NTPC)** को राज्यों में **प्रति माह 300 यूनिट** से **कम खपत** करने वाले **घरों** की पहचान करने का काम सौंपा जाएगा।
- यह चुनौतीपूर्ण नहीं होगा क्योंकि लगभग **85% भारतीय परिवार औसतन प्रति माह 100 से 120 इकाइयों** का उपयोग करते हैं।
- इसके बाद, वे सक्षम **घरेलू स्थानीय लोगों** के साथ **सौर ऊर्जा प्रणाली** स्थापित करेंगे, जिन्हें असल में कुछ भी भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी।

23. विधि आयोग ने आपराधिक मानहानि को अपराध बनाए रखने की सिफारिश की - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- विधि आयोग
- भारतीय न्याय संहिता

समाचार:
- **22वें विधि आयोग** ने सिफारिश की है कि आपराधिक **मानहानि को भारत** में **आपराधिक कानूनों** की योजना के भीतर बनाए रखा जाना चाहिए।

मुख्य बिंदु
- पैनल द्वारा रिपोर्ट मंत्रालय को सौंप दी गई है
- विधि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में तर्क दिया कि प्रतिष्ठा का अधिकार संविधान के **अनुच्छेद 21** से प्राप्त हुआ है
  - यह जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है और इसीलिए इसकी रक्षा की जानी चाहिए।
- प्रतिष्ठा एक ऐसी चीज़ है जिसे देखा नहीं जा सकता और केवल कमाया जा सकता है।
- यह एक ऐसी संपत्ति है जो जीवनकाल में बनती है और सेकंडों में नष्ट हो जाती है।
- **आपराधिक मानहानि** पर **कानून** से संबंधित संपूर्ण न्यायशास्त्र का सार किसी की प्रतिष्ठा और उसके **पहलुओं की रक्षा** करना है
- सजा के मुद्दे का जिक्र करते हुए इसमें कहा गया कि **भारतीय न्याय संहिता** में अतिरिक्त सजा के तौर पर **सामुदायिक सेवा** का प्रावधान जोड़ा गया है।
- यह कानून एक **संतुलनकारी दृष्टिकोण** देता है, जिसमें इसने पीड़ित के **हितों की रक्षा** की है और **सामुदायिक सेवा** की **वैकल्पिक सजा देकर दुरुपयोग** की गुंजाइश को भी खत्म कर दिया है।

विधि आयोग
- भारत का **विधि आयोग** न तो **संवैधानिक निकाय** है और न ही **वैधानिक निकाय**, यह **भारत सरकार** के एक आदेश द्वारा स्थापित एक **कार्यकारी निकाय** है।
- इसका **प्रमुख कार्य कानूनी सुधारों के लिए कार्य** करना है।
- आयोग एक **निश्चित कार्यकाल** के लिए स्थापित किया गया है और **कानून और न्याय मंत्रालय** के लिए एक **सलाहकार निकाय** के रूप में काम करता है।
- इसकी **सदस्यता में मुख्य रूप से कानूनी विशेषज्ञ** शामिल हैं।

24. NCPCR ने GHAR पोर्टल लॉन्च किया पीआईबी -

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ट्रैक चाइल्ड पोर्टल
- घर)GHAR) - गो होम एंड रीयूनाइट-
- अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम)CCTNS)
- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग)NCPCR)

समाचार:
- **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** ने लापता और पाए गए बच्चों की समस्या के समाधान के लिए **"ट्रैक चाइल्ड पोर्टल"** और "**घर (GHAR)- गो होम एंड री-यूनाइट**" नाम से **दो पोर्टल** पेश किए हैं।

ट्रैक चाइल्ड पोर्टल
- इसे **महिला** एवं **बाल विकास मंत्रालय** द्वारा विकसित किया गया है।
- **गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय** और **अन्य हितधारकों** के समर्थन से कार्यान्वित किया गया।
- यह सभी **राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों** में लापता और पाए गए बच्चों का पता लगाने में सक्षम बनाता है।
- **पोर्टल** को **FIR** के **कुशल मिलान** के लिए **अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (CCTNS)** के साथ एकीकृत किया गया है।
- **ट्रैक चाइल्ड पोर्टल** के एक घटक में "**खोया-पाया**" है, जहां कोई भी नागरिक किसी भी लापता या देखे गए **बच्चे की रिपोर्ट** कर सकता है।

घर(GHAR) - गो होम एंड री-यूनाइट (बच्चे की बहाली और प्रत्यावर्तन के लिए पोर्टल)

- इसे **राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR)** द्वारा विकसित और लॉन्च किया गया है।
- **उद्देश्य:** किशोर न्याय अधिनियम, 2015 और उसके नियमों के तहत प्रोटोकॉल के अनुसार बच्चों की बहाली और प्रत्यावर्तन की डिजिटल निगरानी और ट्रैक करना।

GHAR पोर्टल की मुख्य विशेषताएं

- उन बच्चों की **डिजिटल ट्रैकिंग और निगरानी** जो **किशोर न्याय प्रणाली** में हैं और जिन्हें दूसरे **देश/राज्य/जिले** में वापस भेजा जाना है।
- बच्चों के मामलों को राज्य के संबंधित **किशोर न्याय बोर्ड/बाल कल्याण समिति** को **त्वरित पुनर्वास** के लिए **ई-स्थानांतरित** करना।
- जहां **अनुवादक/दुभाषिया/विशेषज्ञ** की आवश्यकता होगी, संबंधित **राज्य सरकार** से अनुरोध किया जाएगा।
- **बाल कल्याण समितियां** और **जिला बाल संरक्षण अधिकारी** मामले की प्रगति की **डिजिटल निगरानी** करके बच्चों की उचित बहाली और **पुनर्वास सुनिश्चित** कर सकते हैं।
- एक **चेकलिस्ट प्रारूप** प्रदान किया जाएगा ताकि जिन बच्चों को वापस लाने में कठिनाई हो रही है या जिन बच्चों को मौद्रिक लाभ नहीं मिल रहा है, उनकी पहचान की जा सके।
- सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की सूची प्रदान की जाएगी, ताकि **बाल कल्याण समितियाँ** बच्चे को परिवार को मजबूत करने के लिए योजनाओं से जोड़ सकें और यह सुनिश्चित कर सकें कि बच्चा अपने परिवार के साथ रहे।

25. केंद्रीय कोयला मंत्री ने वेब पोर्टल C-CARES लॉन्च किया - पीआईबी

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- सी)केयर्स -C- CARES) पोर्टल
- कोयला खदान भविष्य निधि संगठन)CMPFO)

समाचार:

- हाल ही में **केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री** ने **C-CARES वेब पोर्टल** का उद्घाटन किया।

सी- केयर्स (C-CARES) पोर्टल

- इसे **सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (C-DAC)** द्वारा विकसित और डिजाइन किया गया है।
- यह **पोर्टल कोयला खदान भविष्य निधि संगठन (CMPFO)** की **डिजिटलीकरण** यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है।
    - कोयला खान भविष्य निधि संगठन **वर्ष 1948** में स्थापित **कोयला मंत्रालय** के तत्वावधान में एक **स्वायत्त संगठन** है।
    - **उद्देश्य:** कोयला क्षेत्र के श्रमिकों को **सामाजिक सुरक्षा प्रदान** करने के उद्देश्य से **भविष्य निधि** और **पेंशन योजनाओं** का संचालन करना।

सी-केयर्स (C-CARES) पोर्टल की विशेषताएं

- यह **पोर्टल CMPF** ग्राहकों और कोयला कंपनियों को **लॉग इन** करने और उनकी **आवश्यकताओं** के **अनुरूप विभिन्न कार्य** करने की अनुमति देगा।
    - ग्राहक अपने **व्यक्तिगत विवरण** और **सदस्यता** स्थिति तक पहुंच सकते हैं और देख सकते हैं
    - **कोयला कंपनियां ऑनलाइन निपटान** और **भुगतान** के लिए योगदान विवरण, ग्राहकों के विवरण और दावे प्रस्तुत कर सकती हैं।
- यह **कागज रहित कामकाज**, घोषणाओं का समय पर और **सटीक निपटान, बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन,** प्रसंस्करण समय में कमी, **ग्राहकों** और **पेंशनभोगियों** में **विश्वास** पैदा करने और **शिकायत निवारण** को भी सुनिश्चित करेगा।
- पोर्टल एक **सार्वजनिक सेवा मंच** के रूप में कार्य करता है, जिससे **कोयला क्षेत्र** में **CMPF ग्राहकों** और **पेंशनभोगियों** को लाभ मिलता है।

26. इराक से भारत का कच्चा तेल आयात 21 महीने के अपने उच्चतम स्तर पर - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- लाल सागर की सीमा से लगे तेल आपूर्तिकर्ता देश
- भारत में देशवार कच्चे तेल का आयात

समाचार:
- **जनवरी, 2024** में **इराक** से **भारत का कच्चा तेल आयात** 21 महीने के **उच्चतम स्तर** पर पहुंच गया।
- यह **लाल सागर संकट** के बीच बढ़ती माल ढुलाई दरों के कारण **अमेरिकी तेल आपूर्ति** में व्यवधान से चलाया जा रहा है।

आयात पैटर्न में परिवर्तन
- **अमेरिकी कच्चे तेल** को सुरक्षित करने में असमर्थ **भारतीय रिफाइनर** ने तेल आपूर्ति के लिए **पश्चिम एशिया** का रुख किया।
- अमेरिकी क्रूड, **एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता** , 2023 में 205,000 बैरल के औसत दैनिक आयात के विपरीत, जनवरी 2024 में अनुपस्थित था।
- वर्ष 2023 में 205,000 बैरल के औसत दैनिक आयात के विपरीत, अमेरिकी क्रूड, एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता, जनवरी, 2024 में अनुपस्थित था।

लाल सागर संकट का प्रभाव
- **बाधित माल ढुलाई** मार्गों ने **भारतीय रिफाइनरों** को **पश्चिम एशिया** में नजदीकी विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया।
- **अमेरिकी मार्गों** के विपरीत, **पश्चिम एशियाई तेल कार्गो** ने जोखिम को कम करते हुए, **लाल सागर** को बायपास किया।

आयात में वृद्धि
- जनवरी, 2024 में **इराक से भारत** का **कच्चा तेल** आयात **एक चौथाई** बढ़कर **1.19 मिलियन बैरल प्रति दिन** हो गया, जो **अप्रैल 2022** के बाद सबसे अधिक है।
- **संयुक्त अरब अमीरात** और **सऊदी अरब** ने भी भारत के लिए **तेल निर्यात में वृद्धि** का सामना किया।

सुरक्षा संबंधी चिंताएँ
- **यमन** के **हौथी विद्रोहियों** द्वारा **लाल सागर** में **जहाजों पर हमलों** ने **सुरक्षा जोखिमों** को बढ़ा दिया है।
- प्रमुख **शिपिंग लाइनों** ने लंबे, **सुरक्षित मार्गों** को चुना, जिससे **वैश्विक व्यापार** और **ऊर्जा आपूर्ति** पर असर पड़ा।

रूसी आपूर्ति की स्थिरता
- **रूसी तेल शिपमेंट** लाल सागर संकट से **अप्रभावित** होकर **स्थिर** रहे।
- **भारतीय आयात** में **प्रमुख यूराल क्रूड** ने लगातार आपूर्ति स्तर बनाए रखा।
- भुगतान के मुद्दों ने **सोकोल (रूसी तेल कंपनियों) की कच्चे तेल की डिलीवरी** को प्रभावित किया, जिससे **इराक** और **संयुक्त अरब अमीरात** के तेल पर निर्भरता बढ़ गई।

आपूर्तिकर्ता गतिशीलता में बदलाव
- यूक्रेन के आक्रमण के बाद दी गई छूट के बाद **रूस** भारत के **प्राथमिक तेल आपूर्तिकर्ता** के रूप में उभरा।
- **इराक** और **सऊदी अरब** जैसे **पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं को भारत** के **आयात पदानुक्रम** में विस्थापन का सामना करना पड़ा।

27. CBSE ने स्कूलों से नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क को अपनाने का आग्रह किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)
- नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क

समाचार:
- **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)** एक **क्रेडिट-आधारित प्रणाली** की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, जो **नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क** के साथ समरूपित है।

नमूना रूपरेखा
- बोर्ड अगले **साल कक्षा नौ** से **बारह तक के स्कूलों** के लिए **क्रेडिट ढांचे** के एक **नए सेट** को **अधिसूचित** करने के लिए तैयार है।
- ढांचा **अनिवार्य विषयों** के साथ-साथ **शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य, कला शिक्षा** और **तीसरी भाषा** जैसे विषयों के लिए **अतिरिक्त समय आवंटित** करता है।

दस विषयों का विस्तार
- मौजूदा नियमों के मुताबिक, **एक छात्र** को पास होने के लिए **5 विषयों** (दो भाषाएं और तीन मुख्य विषय गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान) में उत्तीर्ण होना होता है।
- शैक्षणिक **वर्ष 2024-2025** से शुरू होकर, **कक्षा नौ और दस के छात्रों** को **दस विषयों** का अध्ययन करना आवश्यक होगा।
- इनमें **तीन भाषाएं** (भारत की दो मूल भाषाएं), एक अंत:**विषय विषय** और नए **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF)** द्वारा अनिवार्य अन्य भाषाएं शामिल हैं।

क्रेडिट प्रबंधन
- छात्रों द्वारा अर्जित सभी **क्रेडिट अकादमिक लॉकरों** में **डिजिटल रूप** से **संग्रहीत** किए जाएंगे, जिससे विदेश में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए भी आसान पहुंच और सामंजस्य की सुविधा होगी।
- **क्रेडिट** के **एकीकरण** का उद्देश्य विभिन्न **शिक्षा स्तरों पर मूल्यांकन** और **समानता** को सुव्यवस्थित करना है।

कार्यान्वयन और मूल्यांकन
- CBSE स्कूलों को परियोजना कार्य, **सहकर्मी-शिक्षण** और **क्षेत्र यात्राओं** पर जोर देने के साथ आंतरिक रूप से **क्रेडिट प्रणाली** को लागू करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।
- **जवाबदेही** और **पारदर्शिता सुनिश्चित** करते हुए **क्रेडिट पूर्वनिर्धारित ग्रेड** के साथ छात्रों के अंक विवरण में प्रतिबिंबित होंगे।

28. मसालों पर कोडेक्स समिति का 7वां सत्र कोच्चि में आयोजित हुआ - पीआईबी

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC)
- मसालों और पाक जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति

समाचार:
- हाल ही में कोडेक्स कमेटी ऑन स्पाइसेस एंड कलिनरी हर्ब्स (CCSCH) का 7वां सत्र कोच्चि में हुआ।

मुख्य बिंदु
- **CCSCH7** का समापन **पांच मसालों** अर्थात **छोटी इलायची, हल्दी, जुनिपर बेरी, ऑलस्पाइस** और **स्टार ऐनीज़** के लिए गुणवत्ता मानकों को अंतिम रूप देने के साथ हुआ।
- समिति ने **'फलों और बेरीज़** से प्राप्त **मसालों'** के लिए पहले समूह के मानक को पुनरीक्षित किया, जिसमें **जूनिपर बेरी, ऑलस्पाइस** और **स्टार ऐनिस** शामिल हैं।
  - पहली बार इसने मसालों के **समूहीकरण की रणनीति** को सफलतापूर्वक लागू किया।

कोडेक्स कमेटी ऑन स्पाइसेस एंड कलिनरी हर्ब्स (CCSCH)
- इसे **वर्ष 2013** में **कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC)** के तहत **कमोडिटी समितियों** में से एक के रूप में स्थापित किया गया था।

- भारत ने **शुरू से ही इस समिति की मेजबानी की है।**
- **स्पाइसेस बोर्ड इंडिया सचिवालय संगठन** के रूप में कार्य करता है जो समिति के सत्रों का आयोजन करता है।

कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC)

- **FAO** और **WHO** द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित **CAC** को **अंतरराष्ट्रीय स्तर** पर स्वीकृत **खाद्य मानकों** को तैयार करने का काम सौंपा गया है।
- यह एक **अंतरराष्ट्रीय**, **अंतरसरकारी निकाय** है जो **रोम** में स्थित है।
- **आयोग की सदस्यता** सभी **सदस्य राष्ट्रों** और **FAO** और **WHO** के सहयोगी सदस्यों के लिए खुली है जो **अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानकों** में रुचि रखते हैं।
- आयोग की साल में एक बार **जिनेवा और रोम** के बीच बारी-बारी से नियमित सत्र में बैठक होती है।
- **वित्त पोषण:** WHO और FAO के नियमित बजट के माध्यम से, सभी कार्य मूल संगठनों के दो शासी निकायों के अनुमोदन के अधीन हैं।
- **आयोग संयुक्त राष्ट्र** की **छह आधिकारिक भाषाओं** में काम करता है।

CAC मानकों का वैश्विक प्रभाव

- **खाद्य सुरक्षा** और **उपभोक्ता संरक्षण विवादों** को हल करने के लिए **CAC** मानकों को **WTO** द्वारा **अंतरराष्ट्रीय संदर्भ बिंदु** के रूप में मान्यता दी गई है।
- CCSCH द्वारा विकसित **मानकों** सहित ये मानक **स्वैच्छिक** हैं और **CAC** के सदस्य देश अपने **राष्ट्रीय मानकों** को संरेखित करने के लिए इन्हें संदर्भ मानकों के रूप में अपनाते हैं और उपयोग करते हैं।
- यह **विश्व स्तर** पर **खाद्य मानकों** को सुसंगत बनाने, **निष्पक्ष व्यापार** को बढ़ावा देने और **खाद्य सुरक्षा** को बढ़ाने में योगदान देता है।

29. जल प्रदूषण पर अंकुश: औद्योगिक इकाइयों को छूट देने वाला विधेयक पेश किया गया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974
- राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

समाचार:

- केंद्र ने हाल ही में मौजूदा **जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974** में संशोधन के लिए एक विधेयक पेश किया।
- यह **हिमाचल प्रदेश** और **राजस्थान** और किसी भी अन्य **राज्य** पर लागू होगा जो **जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974** के तहत एक प्रस्ताव पारित करता है।

मुख्य संशोधन प्रस्तावित

1. अध्यक्षों के लिए नामांकन मानदंड

- वर्तमान में, अधिनियम यह कहता है कि **राज्य सरकार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड** के अध्यक्ष को नामित करती है।
- हालाँकि, विधेयक **केंद्र सरकार** के लिए इन **अध्यक्षों को नामित** करने के तरीके को निर्धारित करने का प्रावधान पेश करता है।

2. छोटे-मोटे अपराधों को अपराधमुक्त करना

- मौजूदा अधिनियम में कुछ **अपराधों** के लिए **तीन महीने तक** की **कैद** का **प्रावधान** है
  - किसी धारा या कुएं से पर्याप्त मात्रा में पानी निकालने के बारे में राज्य बोर्ड को सूचित न करना
  - निपटान प्रणाली के **निर्माण, स्थापना या संचालन** के बारे में जानकारी प्रदान नहीं करना।
- विधेयक में इन अपराधों को प्रभावी ढंग से अपराधमुक्त करते हुए इसके स्थान पर **10,000 रुपये से 15 लाख रुपये** तक के जुर्माने का प्रस्ताव है।

3. अन्य प्रावधान

- यह केंद्र को **कुछ श्रेणियों** के **औद्योगिक संयंत्रों** को नए **आउटलेट** और **डिस्चार्ज** पर **प्रतिबंध** से छूट देने का अधिकार देता है।
- यह **केंद्र को अनुदान, किसी उद्योग** की स्थापना आदि से संबंधित मामलों पर **"दिशानिर्देश जारी करने"** में भी सक्षम बनाता है।

30. अमेरिका में कैंडिडा ऑरिस फंगल संक्रमण तेजी से फैल रहा है- NDTV

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कैंडिडा ऑरिस
- रोगाणुरोधक प्रतिरोध (AMR)

समाचार:
- संयुक्त राज्य अमेरिका में **कैंडिडा ऑरिस फंगल संक्रमण** तेजी से फैल रहा है
- इसकी दुर्लभता के बावजूद, **चिकित्सा विशेषज्ञ** इसकी **उच्च मृत्यु दर, दवा प्रतिरोध** और **स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स** में प्रसार में आसानी के बारे में चेतावनी देते हैं।

कैंडिडा ऑरिस (C auris)
- यह एक **उभरता हुआ मल्टीड्रग-प्रतिरोधी यीस्ट (कवक)** है जो **वैश्विक स्वास्थ्य** खतरे का प्रतिनिधित्व करता है।
- वैज्ञानिकों ने पहली बार **वर्ष 2009** में **जापान** में **सी ऑरिस** की खोज की थी, तब से यह तेजी से अन्य देशों में फैल गया है।
- यह **रक्तप्रवाह, खुले घाव** और **कान** सहित **शरीर** के **विभिन्न हिस्सों** में **संक्रमण पैदा** कर सकता है।
- संक्रमण महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करता है, खासकर उन लोगों के लिए जिनकी **प्रतिरक्षा प्रणाली** कमजोर है या जो **फीडिंग ट्यूब, श्वास ट्यूब** या **कैथेट**र जैसे **चिकित्सा उपकरणों** का उपयोग कर रहे हैं।

लक्षण और संचरण
- **संक्रमण** के स्थान और **गंभीरता** के आधार पर लक्षण अलग-अलग होते हैं, और **जीवाणु संक्रमण** से अंतर करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
- **व्यक्तियों** में बिना लक्षण दिखाए **कैंडिडा ऑरिस** हो सकता है, इस स्थिति को **कॉलोनाइज़ेशन के रूप** में जाना जाता है।
- **उपनिवेशित व्यक्ति** अभी भी **कवक को दूसरों** में फैला सकते हैं, जिससे **स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स** में **संक्रमण नियंत्रण** उपाय महत्वपूर्ण हो जाते हैं।
- यह **दूषित सतहों** या **उपकरणों के संपर्क** से भी फैल सकता है।

निवारक उपाय और उपचार
- **संक्रमित** या **उपनिवेशित रोगियों** को अलग किया जाना चाहिए और देखभाल करने वालों को सख्त **स्वच्छता प्रोटोकॉल** का पालन करना चाहिए।
  - इसमें दस्ताने और गाउन पहनना, कीटाणुनाशकों का उपयोग करना और हाथ की स्वच्छता का अभ्यास करना शामिल है।
- अधिकांश **सी ऑरिस** संक्रमणों का इलाज **एंटिफंगल दवाओं** से किया जा सकता है।
- हालाँकि, कुछ **सी ऑरिस संक्रमण एंटिफंगल** दवाओं के सभी **तीन मुख्य वर्गों** के **प्रति प्रतिरोधी** रहे हैं, जिसके लिए अक्सर **संयोजन चिकित्सा** के उपयोग की आवश्यकता होती है।

वैश्विक चिंता
- **कैंडिडा ऑरिस** के मामले दुनिया भर में बढ़े हैं, हाल के वर्षों में इसमें **उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज** की गई है।
  - **वर्ष 2016** में **53 मामलों** की तुलना में **वर्ष 2022** में इसने **2,377 लोगों** को संक्रमित किया।
- तेजी से फैलने के कारण **CDC और WHO** ने इसे **सार्वजनिक स्वास्थ्य** के लिए बढ़ते खतरे के रूप में नामित किया है, केवल **वर्ष 2021** में **1,471 मामले दर्ज** किए गए हैं।

31. ईरान ने भारतीय पर्यटकों के लिए वीज़ा-मुक्त नीति की घोषणा की -द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोस - अंतर्राष्ट्रीय संबंध।

प्रीलिम्स टेकअवे
- हेनले पासपोर्ट सूचकांक
- भारतीयों के लिए फ्री वीज़ा

समाचार:
- ईरान ने देश में आने वाले **भारतीय पर्यटकों** के लिए **15 दिनों की वीज़ा-मुक्त नीति** शुरू करने की घोषणा की है।

नीति क्या है?
- **भारतीय नागरिकों** को हर **छह महीने** में एक बार **साधारण पासपोर्ट** के साथ **ईरान में प्रवेश** की अनुमति होगी

- ठहरने की अधिकतम अवधि **15 दिन** है जिसे बढ़ाया नहीं जाएगा।

नीति की अन्य विशेषताएं

- **वीज़ा समाप्ति** केवल **पर्यटन उद्देश्यों** के लिए **इस्लामी गणतंत्र ईरान** के क्षेत्र में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों पर लागू होती है।
- यदि **भारतीय नागरिक लंबी अवधि** के लिए रहना चाहते हैं या **छह महीने** की अवधि के भीतर कई प्रविष्टियां करना चाहते हैं तो उन्हें अन्य प्रकार के वीजा की आवश्यकता होती है।
- इस अनुमोदन में उल्लिखित **वीज़ा उन्मूलन** विशेष रूप से उन **भारतीय नागरिकों** पर लागू होता है जो **हवाई सीमा** के माध्यम से देश में प्रवेश करते हैं।

अन्य देश भारत में वीज़ा मुक्त प्रवेश की अनुमति दे रहे हैं

- पिछले कुछ महीनों में **ईरान भारतीय पर्यटकों** को **वीज़ा-मुक्त** पहुंच देने वाला **नवीनतम देश बन** गया है।
- **वियतनाम, थाईलैंड, श्रीलंका** ने भी **भारतीय पर्यटकों** के लिए **वीजा नियमों** को आसान कर दिया है।
- वर्ष 2023 में, **मलेशिया के प्रधान मंत्री अनवर इब्राहिम** ने घोषणा की कि **भारत और चीन** के आगंतुकों को **1 दिसंबर से मलेशिया** में **30-दिवसीय वीज़ा-मुक्त** प्रवेश दिया जाएगा।
- **मलेशिया में वीज़ा छूट** अभी भी **अपराध या हिंसा** के रिकॉर्ड के लिए सुरक्षा जांच के अधीन है।
- इसी तरह, **थाईलैंड** ने घोषणा की कि **भारतीय पर्यटकों** को **10 नवंबर** से **छह महीने** की अवधि के लिए देश में **वीजा-मुक्त प्रवेश** की अनुमति दी जाएगी।
- **थाईलैंड भारत** और **ताइवान** के **पर्यटकों** को **थाईलैंड** में **30 दिनों** तक रहने के लिए **प्रवेश वीजा** की आवश्यकता से छूट देने पर सहमत हुआ, जो **10 मई, 2024** तक प्रभावी रहेगा।
- इसके अलावा, **श्रीलंका** ने **भारत, चीन** और **रूस** सहित **सात देशों** के **आगंतुकों** को **वीज़ा-मुक्त प्रवेश** की भी अनुमति दी है।

32. पिछड़े वर्गों में समृद्ध उपजातियाँ को आरक्षण सूची से बाहर किया जा सकता है: सुप्रीम कोर्ट -द हिंदू

प्रासंगिकता: इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थान और निकाय।

समाचार:

- **सात-न्यायाधीशों** की संविधान **पीठ** ने सवाल किया कि पिछड़े वर्गों के बीच **समृद्ध उप-जातियों** को आरक्षण सूची से **"बाहर"** क्यों नहीं किया जाना चाहिए?
- कोर्ट ने कहा कि इन **जातियों को सामान्य वर्ग** के साथ **प्रतिस्पर्धा में खड़ा** किया जाना चाहिए।

प्रीलिम्स टेकअवे

- पंजाब अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग (सेवाओं में आरक्षण) अधिनियम 2006
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 341 और 342
- इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ

न्यायालय की टिप्पणियाँ

- ये **समृद्ध उपजातियाँ आरक्षण** के दायरे से बाहर निकलकर उन **उपजातियों** के लिए जगह बना सकती हैं जो **अपेक्षाकृत अधिक हाशिये** पर थीं या **सबसे पिछड़ी** थीं।
- न्यायालय ने आरक्षण में निहित उस बहिष्कार की व्याख्या की।
- **'पिछड़ों'** के बीच **'समृद्ध** ' को हाशिये पर पड़े लोगों को **अवसर देना** चाहिए ।
- इससे **राष्ट्र औपचारिक समानता** की बजाय वास्तविक **समानता** की ओर अग्रसर होगा।
- राज्य **अनुसूचित जाति (SC)** श्रेणी के भीतर उन समूहों की पहचान और **उप-वर्गीकरण** कर सकते हैं जो अधिक आरक्षण के पात्र हैं।

आरक्षण पर पंजाब सरकार का मामला

- **पंजाब सरकार** अपने कानून का बचाव कर रही है जो अधिक **आरक्षण प्रदान** करने के लिए **अनुसूचित जाति** (SC) श्रेणी के भीतर समूहों को **उप-वर्गीकृत** करता है।
- **पंजाब** का तर्क है कि राज्यों के पास SC के भीतर **उप-जातियों** की पहचान करने और उन्हें हाशिए पर रहने के स्तर के **आधार पर अधिक आरक्षण** देने का अधिकार है।
- भारत के राष्ट्रपति की यह शक्ति राज्यों की शक्ति नहीं छीनती

- उनमें से अधिक पिछड़ी उप-जातियों या समूहों की पहचान करना, जिन पर विशेष ध्यान और लाभ की आवश्यकता है।

- राज्य **पंजाब अनुसूचित जाति** और **पिछड़ा वर्ग (सेवाओं में आरक्षण) अधिनियम 2006** की वैधता का बचाव करता है।
- **अधिनियम SC श्रेणी** के भीतर विशिष्ट **उप-समूहों** को प्राथमिकता देता है। इस प्रावधान को शुरू में **राज्य उच्च न्यायालय** ने **पिछले सुप्रीम कोर्ट** के फैसले के आधार पर रद्द कर दिया था।
- हालाँकि, पंजाब का तर्क है कि **उप-वर्गीकरण** SC समुदाय के भीतर सबसे अधिक हाशिए पर रहने वाले लोगों को लक्षित करके समानता में सहायता करता है।
- राज्य इस बात पर जोर देता है कि उसका लक्ष्य समावेशिता है और यह सुनिश्चित करना है कि लाभ सभी पिछड़े समूहों तक पहुंचे।
- बहस में **निम्न चर्चा** शामिल **है**
  - क्या आरक्षण से बहिष्करण होता है?
  - सरकार की कार्यकुशलता
  - पिछड़े समुदायों में हाशिये पर पड़े रहने की अलग-अलग श्रेणी
- सुप्रीम कोर्ट की पीठ **आरक्षण नीतियों** के भीतर **उप-वर्गीकरण** की **संवैधानिकता** और **प्रभावशीलता** के संबंध में इन तर्कों पर विचार कर रही है।
- राष्ट्रपति ने **अनुच्छेद 341 और 342** के तहत पूरे देश के लिए **जातियों और जनजातियों** को नामित किया है।

33. उत्तराखंड के बाद राजस्थान यूसीसी बिल पेश करेगा -इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पहलू

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारत के संविधान का अनुच्छेद 44
- यूसीसी पर उत्तराखंड का विधेयक

समाचार:
- **उत्तराखंड** और **राजस्थान** राज्य **समान नागरिक संहिता (यूसीसी)** लागू करने पर विचार कर रहे हैं।

यूसीसी पर उत्तराखंड के बाद राजस्थान
- **उत्तराखंड** की पहल के बाद, **राजस्थान** के **मंत्रियों** ने **आगामी विधानसभा सत्र** में **यूसीसी विधेयक** पेश करने की अपनी योजना का संकेत दिया है।
- राजस्थान सरकार ने **राजस्थान में यूसीसी** लागू करने की मंशा जताई।
- **सरकार** ने **असमान कानूनों** से होने वाले नुकसान का हवाला देते हुए और **राष्ट्रीय एकता** की वकालत करते हुए सभी के लिए एक **समान कानून** की आवश्यकता पर जोर दिया।
- **आगामी कैबिनेट बैठक** में **संवैधानिक प्रक्रियाओं** का पालन सुनिश्चित करते हुए **यूसीसी** के लिए **एक मसौदा** समिति स्थापित करने का प्रस्ताव है।
- यूसीसी को **राष्ट्रव्यापी रूप** से अपनाने की आकांक्षाएं जगी हैं

उत्तराखंड के यूसीसी बिल का अवलोकन
- **उत्तराखंड विधानसभा** ने हाल ही में **यूसीसी विधेयक** पेश किया ।
- प्रमुख प्रावधानों में शामिल हैं:
  - यूसीसी के दायरे से **अनुसूचित जनजातियों** को छूट ।
  - **विवाह, तलाक, संपत्ति की विरासत** और **लिव-इन रिलेशनशिप** से संबंधित एक **एकीकृत कानून का प्रस्ताव**, जो धर्म की परवाह किए बिना सभी **नागरिकों** पर लागू हो।

34. कर्नाटक, केरल ने केंद्र के 'वित्तीय अत्याचारों' के खिलाफ प्रदर्शन किया -इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संघीय ढांचे से संबंधित मुद्दे और चुनौतियाँ,

प्रीलिम्स टेकअवे
- राजकोषीय संघवाद
- राइट टू प्रोटेस्ट

समाचार:
- सीएम के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार **दिल्ली के जंतर-मंतर** पर धरना देने की तैयारी में है

- केंद्र की कथित पक्षपातपूर्ण **राजकोषीय नीतियों** की निंदा की।

कर्नाटक के साथ अन्य राज्यों की एकजुटता

- **केरल सरकार** भी **राज्य** के **राजस्व अधिकारों** की **केंद्र की उपेक्षा** के खिलाफ **विरोध प्रदर्शन** में शामिल होगी।
- **तमिलनाडु सरकार** ने भी **केंद्र** की अन्यायपूर्ण **राजकोषीय नीतियों** के खिलाफ **एकजुट मोर्चे** का समर्थन किया।

प्रमुख मुद्दे उठाए गए

- **कर्नाटक** का विरोध **केंद्र सरकार** द्वारा **राज्य** पर किए गए कथित **वित्तीय अन्याय** पर जोर देता है
- **सरकार** ने **राजस्व हिस्सेदारी** में कमी और दोषपूर्ण **जीएसटी** कार्यान्वयन का हवाला दिया।
- **केरल का शिकायत** केंद्र अपनी उधार सीमा में कथित कटौती और **राजस्व शेयरों** में कटौती पर,
  - राज्य को **कानूनी कदम** उठाने के लिए **संघ सरकार** के खिलाफ प्रेरित कर रहा है
- **तमिलनाडु** ने **केंद्र** पर **राज्य की उधार** लेने की क्षमता को सीमित करने के लिए अपनी **शक्तियों का दुरुपयोग** करने का आरोप लगाया है
- इसमें **केंद्र सरकार** द्वारा राज्य के **स्वामित्व वाले उद्यमों के वित्तपोषण** पर गलत तरीके से प्रतिबंधात्मक शर्तें लगाने का आरोप लगाया गया।
- इन **राज्यों** ने **भाजपा के नेतृत्व** वाले राज्यों के पक्ष में भेदभावपूर्ण **राजकोषीय नीतियों** का आरोप लगाया है।
- विरोध करने वाले **सभी राज्य राजकोषीय संघवाद** के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए **सामूहिक प्रतिक्रिया** की मांग करते हैं।

केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया

- टैक्स हस्तांतरण **वित्त आयोग** की सिफारिशों का पालन करता है।
- **केंद्र सरकार** ने इस तरह के विरोध का कोई **आर्थिक आधार न होकर राजनीतिक आधार** होने का आरोप लगाया।

35. प्रदर्शन के आधार पर न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाना व्यावहारिक नहीं: केंद्र सरकार - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली

प्रीलिम्स टेकअवे
- सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम (SCC)
- न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति

समाचार:

- **सरकार** ने हाल ही में **प्रदर्शन मूल्यांकन** के आधार पर **सुप्रीम कोर्ट** और **हाई कोर्ट** के **न्यायाधीशों** की **सेवानिवृत्ति** की **आयु बढ़ाने** के सुझाव का विरोध किया।

समिति की सिफ़ारिश

- पिछले साल अगस्त में, **कानून** और **कार्मिक संबंधी स्थायी समिति** ने '**न्यायिक प्रक्रियाओं** और उनके सुधारों' पर अपनी रिपोर्ट में वर्तमान **सेवानिवृत्ति की आयु** से परे **न्यायाधीशों** के लिए **प्रदर्शन-आधारित कार्यकाल विस्तार प्रणाली** का प्रस्ताव रखा था।
- इसने न्यायाधीशों के कार्यकाल को बढ़ाने से पहले उनके **स्वास्थ्य, निर्णयों** की **गुणवत्ता और मात्रा** जैसे **कारकों** पर विचार करते हुए उनके **प्रदर्शन का आकलन** करने का सुझाव दिया।
  - संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, **सर्वोच्च न्यायालय** के न्यायाधीश **65 वर्ष** की **आयु में सेवानिवृत्त** होते हैं, जबकि **उच्च न्यायालय** के **न्यायाधीश 62 वर्ष** की **आयु में सेवानिवृत्त** होते हैं।

सरकार की प्रतिक्रिया

- सरकार इस सिफ़ारिश से असहमत है और कहती है कि यह व्यावहारिक नहीं हो सकती है और इसके परिणामस्वरूप **"अनुचित पक्षपात"** हो सकता है।
- यह **संसद की शक्तियों** को और कमजोर कर देगा और आयु वृद्धि पर निर्णय लेने के लिए **सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम (SCC)** के माध्यम से **न्यायपालिका** को सशक्त बनाएगा।
- प्रदर्शन-आधारित मूल्यांकन से **पक्षपात और बाहरी दबावों** के प्रति संवेदनशीलता बढ़ सकती है, जिससे **न्यायिक निष्पक्षता** से समझौता हो सकता है।
- इससे नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल **न्यायपालिका और कार्यपालिका** के **सीमित संसाधनों** पर भी दबाव पड़ेगा।

36. केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने EdCIL विद्यांजलि छात्रवृत्ति कार्यक्रम लॉन्च किया - पीआईबी

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

प्रीलिम्स टेकअवे
- विद्यांजलि छात्रवृत्ति कार्यक्रम
- एजुकेशनल कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (EdCIL)
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020

समाचार:
- हाल ही में, **केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास** और **उद्यमिता मंत्री** ने **EdCIL विद्यांजलि छात्रवृत्ति कार्यक्रम** का उद्घाटन किया।

विद्यांजलि छात्रवृत्ति कार्यक्रम
- विद्यांजलि छात्रवृत्ति कार्यक्रम **NEP 2020** के **अनुरूप** है, जिसका लक्ष्य **आर्थिक रूप** से वंचित छात्रों को शिक्षा पहुंच और अवसर प्रदान करना है।
- **उद्देश्य:** आर्थिक बाधाओं का सामना कर रहे मेधावी **नवोदय विद्यालय** के छात्रों को **वित्तीय सहायता** प्रदान करके, **माध्यमिक** से **उच्च शिक्षा** तक **सुचारू परिवर्तन** में सहायता करके **उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा** पहुंच सुनिश्चित करना।
- प्रारंभ में, कार्यक्रम देश भर में **नवोदय विद्यालयों** में नामांकित **ग्यारहवीं और बारहवीं** कक्षा के छात्रों को लक्षित करता है।
- यह विशेष रूप से **आर्थिक रूप** से वंचित **छात्रों** के लिए **शिक्षा सशक्तिकरण** की दिशा में एक **व्यापक सामाजिक दृष्टिकोण** का प्रतीक है।
- यह विभिन्न **गैर-सरकारी भागीदारों** और **निजी स्रोतों** जैसे **CSR अनुदान, राष्ट्रीय** और **अंतर्राष्ट्रीय दाताओं** और **प्रभावशाली निवेशकों** से **समर्थन** और **वित्त पोषण** चाहता है।

विद्यांजलि फिनटेक प्लेटफार्म
- विद्यांजलि के लिए एक समर्पित **फिनटेक प्लेटफॉर्म** विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT)** के माध्यम से **प्रायोजन हस्तांतरित** किया जाएगा।
- यह प्लेटफ़ॉर्म **छात्र अनुप्रयोगों, प्रगति ट्रैकिंग, अनुदान संवितरण निगरानी, निधि उपयोग ट्रैकिंग, SDG** प्राप्ति के लिए प्रभाव रिपोर्टिंग, उल्लेखनीय छात्र उपलब्धियों की मान्यता और अन्य **कार्यात्मक**ताओं के बीच **फंडर्स** के **समर्थन की सार्वजनिक स्वीकृति** के लिए एक **केंद्रीय केंद्र** के रूप में काम करेगा।

37. हमास युद्धविराम योजना: प्रस्तावित तीन चरण क्या हैं - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- इजराइल-हमास संघर्ष
- हमास युद्धविराम योजना

समाचार:
- हमास ने हाल ही में **कतर, मिस्र, संयुक्त राज्य अमेरिका** और **इज़राइल** के नेतृत्व में मध्यस्थता प्रयासों का जवाब देते हुए **युद्धविराम योजना** का प्रस्ताव रखा।
- प्रस्ताव में **तीन चरणों की रूपरेखा** दी गई है, जिनमें से **प्रत्येक चरण 45 दिनों** तक चलेगा, जिसका लक्ष्य गाजा में चल रहे संघर्ष को समाप्त करना है।

योजना के तीन चरण
- इन चरणों में **हमास** द्वारा पकड़े गए **इजरायली बंधकों** का **आदान-प्रदान, गाजा के पुनर्निर्माण** की शुरुआत, **इजरायली बलों** की **पूर्ण वापसी और शवों और अवशेषों** का आदान-प्रदान शामिल है।
- पहले चरण में **इजरायली जेलों** से **फिलिस्तीनी महिलाओं** और **बच्चों के बदले विशिष्ट श्रेणियों** के **बंधकों** को रिहा किया जाएगा।
  - इसमें **महिला बंधक, 19 वर्ष से कम उम्र** के **पुरुष, बुजुर्ग और बीमार** शामिल हैं।
- इसके बाद के चरणों में **शेष बंधकों** की **रिहाई और अवशेषों** का आदान-प्रदान शामिल है।
- तीसरे चरण के अंत तक, हमास को उम्मीद होगी कि **दोनों पक्ष युद्ध की समाप्ति** पर **सहमति** बना लेंगे।

हमास द्वारा अतिरिक्त अनुरोध
- हमास **1500 कैदियों** की रिहाई की भी मांग कर रहा है, जिनमें से **एक तिहाई फिलिस्तीनियों** में से चुना गया है जो **इजरायली जेलों** में **आजीवन कारावास** की सजा काट रहे हैं।

- **संघर्ष विराम** में **गाजा में मानवीय संकट** को कम करने के लिए **भोजन और सहायता प्रवाह** में वृद्धि भी शामिल होगी।

38. केंद्र ने 4797 करोड़ रूपये की पृथ्वी योजना को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पृथ्वी विज्ञान (PRITHVI)

समाचार:
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में **समुद्र, वायुमंडलीय** और **ध्रुवीय विज्ञान** में **अनुसंधान प्रयासों** को बढ़ाने के उद्देश्य से **4,797 करोड़ रुपये** की **अनुसंधान योजना** को मंजूरी दी है।

पृथ्वी विज्ञान (PRITHVI)
- **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)** के नेतृत्व में **PRITHVI, 2026** तक चल रही **अनुसंधान परियोजनाओं** का समर्थन करने के लिए एक व्यापक योजना है।
- इस योजना में **वायुमंडल, जलमंडल, क्रायोस्फीयर, भूमंडल और जीवमंडल** जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान शामिल है ।
- **PRITHVI** के अंतर्गत अब समेकित चल रही अ**नुसंधान परियोजनाएं** शामिल हैं
  - वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडलिंग अवलोकन प्रणाली और सेवाएँ (ACROSS)
  - महासागर सेवाएँ, मॉडलिंग अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (O-SMART)
  - ध्रुवीय विज्ञान और क्रायोस्फीयर अनुसंधान (PACER)
  - भूकंप विज्ञान एवं भूविज्ञान (SAGE)
  - अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (REACHOUT)
- यह **भारतीय वैज्ञानिकों** के लिए **अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों** के साथ सहयोग करने, **अनुसंधान प्रयासों** में **वैश्विक साझेदारी** को बढ़ावा देने के अवसर भी पेश करता है।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान करना
- दुनिया भर में **जलवायु परिवर्तन** के बढ़ते प्रभावों के साथ, **वायुमंडल, महासागर** और **ध्रुवों की परस्पर जुड़ी भूमिकाओं** को समझना जरूरी हो गया है।
- पृथ्वी के तहत **अनुसंधान क्षेत्रों** का **समामेलन बजट आवंटन** को सुव्यवस्थित करता है और विभिन्न **अनुसंधान क्षेत्रों में धन के उपयोग** में लचीलेपन की सुविधा प्रदान करता है।
  - पहले, इन सभी **प्रमुख क्षेत्रों** में **अनुसंधान** अलग-अलग **उप-शीर्षकों** के तहत किया जा रहा था, जिसके लिए **अलग-अलग बजट आवंटन** किया जाना था।

39. भारत ने म्यांमार के साथ मुक्त आवाजाही व्यवस्था को समाप्त किया: गृह मंत्री - द हिंदू/ भारत - म्यांमार सीमा पर मुक्त आवाजाही को समाप्त किया - गृह मंत्री - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मुक्त आवाजाही व्यवस्था (FMR)
- एक्ट ईस्ट पॉलिसी

समाचार:
- हाल ही में, **केंद्रीय गृह मंत्री** ने **भारत और म्यांमार** के बीच **मुक्त आवाजाही व्यवस्था (FMR)** को खत्म करने के निर्णय की घोषणा की।
- **उद्देश्य:** आंतरिक सुरक्षा को बढ़ाना और **म्यांमार की सीमा** से लगे **उत्तर-पूर्वी राज्यों** की **जनसांख्यिकीय संरचना** को संरक्षित करना।

सीमावर्ती राज्यों की प्रतिक्रिया
- **मणिपुर** और अ**रुणाचल प्रदेश सरकार** ने फैसले का समर्थन किया।
- **मिज़ोरम और नागालैंड** की **आबादी और सीमा** पार की आबादी के बीच **सामाजिक, आर्थिक** और **सांस्कृतिक संबंधों** के कारण अलग-अलग विचार थे।

मुक्त आवाजाही व्यवस्था (FMR)

- **वर्ष 2018** में **एक्ट ईस्ट नीति** के हिस्से के रूप में शुरू की गई **FMR** का उद्देश्य **भारत-म्यांमार** संबंधों को मजबूत करना है।
  - वर्ष 1826 में अंग्रेजों द्वारा खींची गई सीमा ने एक ही जाति के लोगों को उनकी सहमति के बिना विभाजित कर दिया।
- यह एक **पारस्परिक रूप** से सहमत व्यवस्था थी जिसने सीमा पर रहने वाली **जनजातियों** को बिना वीज़ा के **एक-दूसरे के क्षेत्र** में **16 किमी** की यात्रा करने की अनुमति दी थी।
- इसने लोगों से लोगों के बीच संपर्क को सुविधाजनक बनाया, **स्थानीय व्यापार** को बढ़ावा दिया और **ऐतिहासिक सीमा सीमांकन मुद्दों** का समाधान किया।
- **स्थानीय समुदायों** को लाभ पहुंचाने के बावजूद, **FMR** को **अवैध आप्रवासन**, **मादक पदार्थों** की तस्करी और बंदूक चलाने में अनजाने में सहायता करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा।

40. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नई मत्स्य पालन योजना को मंजूरी दी - द हिंदू / कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्रधान मंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PM-MKSSY)
- प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY)

समाचार:
- हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **प्रधान मंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PM-MKSSY)** को मंजूरी दे दी।

प्रधान मंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (PM-MKSSY)
- **प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा** के तहत एक **केंद्रीय क्षेत्र** की **उप-योजना** है जिसका उद्देश्य **मत्स्य पालन क्षेत्र** को औपचारिक बनाना और **मत्स्य पालन सूक्ष्म** और **लघु उद्यमों** का समर्थन करना है।
- **PM-MKSSY** के तहत सभी **राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** में अगले **चार वर्षों** (2023-24 से 2026-27) में **6,000 करोड़ रुपये** से अधिक का निवेश किया जाएगा।
- मत्स्य पालन क्षेत्र में **40 लाख छोटे** और **सूक्ष्म उद्यमों** को **कार्य-आधारित पहचान प्रदान** करने के लिए एक **राष्ट्रीय मत्स्य पालन डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** स्थापित किया जाएगा।
- कैबिनेट ने **वर्ष 2025-26** तक अगले **तीन वर्षों** के लिए **FIDF** के विस्तार को मंजूरी दे दी।
  - **स्वीकृत निधि** का आकार **7,522.48 करोड़ रुपये** और बजटीय सहायता **939.48 करोड़** रुपये है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY)
- देश में **मछली किसानों** और **मछुआरों** की **आय को दोगुना** करने के उद्देश्य से सितंबर 2020 में **PMMSY** की शुरुआत की गई थी।
- यह भारत के **मत्स्य पालन क्षेत्र** के **सतत विकास** पर केंद्रित है और **आत्मनिर्भर भारत योजना** का एक हिस्सा है।
- संस्थागत ऋण तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए, मछुआरों को **बीमा कवरेज, वित्तीय सहायता और किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)** की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

उद्देश्य
- **मत्स्य पालन क्षेत्र** की क्षमता का **टिकाऊ, जिम्मेदार, समावेशी** और **न्यायसंगत** तरीके से **दोहन** करें
- भूमि और जल के विस्तार, **सघनीकरण, विविधीकरण और उत्पादक उपयोग** के माध्यम से **मछली उत्पादन** और **उत्पादकता बढ़ाना** है।
- फसल कटाई के बाद प्रबंधन और गुणवत्ता में सुधार सहित मूल्य श्रृंखला को आधुनिक और मजबूत बनाना
- मछुआरों और मछली किसानों की आय को दोगुना करना और सार्थक रोजगार उत्पन्न करना
- **कृषि सकल मूल्य वर्धित (GVA)** और **निर्यात में मत्स्य पालन क्षेत्र** का योगदान बढ़ाना
- मछुआरों और मछली किसानों के लिए **सामाजिक, भौतिक और आर्थिक सुरक्षा** सुनिश्चित करना
- एक मजबूत **मत्स्य पालन प्रबंधन** और **नियामक ढांचा बनाएं**

कार्यान्वयन रणनीति
- इसे **दो अलग-अलग घटकों** के साथ एक **व्यापक योजना** के रूप में कार्यान्वित किया गया है
  - **केंद्रीय क्षेत्र योजना:** परियोजना लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

- **केंद्र प्रायोजित योजना:**सभी उप-घटक/गतिविधियाँ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा कार्यान्वित की जाएंगी और लागत केंद्र और राज्य के बीच साझा की जाएगी।

41. लोकसभा ने ओडिशा, आंध्र प्रदेश की ST सूचियों में संशोधन करने हेतु विधेयकों को मंजूरी दी - द हिंदू/ सदन ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा में SC, ST सूचियों में संशोधन करने हेतु विधेयक पारित किए - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

प्रीलिम्स टेकअवे
- विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTGs)
- ST सूची में शामिल करने की प्रक्रिया और लाभ
- आरक्षण नीति

समाचार:
- हाल ही में, **आंध्र प्रदेश और ओडिशा** में **SC और ST** की सूची को **संशोधित** करने वाले **दो विधेयक** लोकसभा द्वारा पारित किए गए है ।
- इन विधेयकों को राज्यसभा से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

सूची का विस्तार
- ओडिशा में, यह सूची में **चार विशेष** रूप से कमजोर **जनजातीय समूहों (PVTGs)** को जोड़ेगा।
- जोड़े गए नए समुदायों में **पौरी भुइयां, पौडी भुइयां, चुक्तिया भुंजिया, बोंडो** और **मनकिडिया** शामिल हैं।
- आंध्र प्रदेश में, **तीन PVTG** अर्थात **बोंडो पोरजा, खोंड पोरजा** और **पारंगीपेरजा** को **ST** की सूची में जोड़ा जा रहा है।

ST सूची में शामिल करने की प्रक्रिया
- यह प्रक्रिया संबंधित **राज्य सरकारों** की सिफारिश से शुरू होती है।
- फिर इन सिफारिशों को **जनजातीय मामलों** के **मंत्रालय** को भेजा जाता है, जो समीक्षा करता है और उन्हें मंजूरी के लिए भारत के **रजिस्ट्रार जनरल** को भेजता है।
- इसके बाद अंतिम निर्णय के लिए सूची को **कैबिनेट** के पास भेजने से पहले **राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति** आयोग की मंजूरी ली जाती है।

STसूची में शामिल होने पर लाभ
- यह समुदायों के सदस्यों को सरकार की मौजूदा योजनाओं के तहत ST के लिए लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।
  - इनमें पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, **विदेशी छात्रवृत्ति** और **राष्ट्रीय फेलोशिप** के अलावा **शिक्षा, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त** और **विकास निगम** से रियायती ऋण और छात्रों के लिए छात्रावास शामिल हैं।
- इसके अलावा, वे **सरकारी नीति** के अनुसार **सेवाओं और शैक्षणिक संस्थानों** में प्रवेश में आरक्षण के लाभ के भी हकदार होंगे।

42. सूचना आयोगों के नेतृत्व में विविधता की कमी: SNS रिपोर्ट - द हिंदू

प्रासंगिकता: राजव्यवस्था

प्रीलिम्स टेकअवे
- सूचना का अधिकार
- सूचना आयोग

समाचार:
- **'सतर्क नागरिक संगठन' (SNS)** द्वारा संकलित एक रिपोर्ट में **सूचना आयोगों** के **नेतृत्व में विविधता** की कमी, विशेषकर **महिलाओं के न्यूनतम प्रतिनिधित्व** पर प्रकाश डाला गया है।

लैंगिक असमानता
- **वर्ष 2005** में **सूचना का अधिकार अधिनियम** पारित होने के बाद से, देश भर में सभी **सूचना आयुक्तों** में से **केवल 9% महिलाएँ** रही हैं।
- **केवल 5%** सूचना आयोगों की **अध्यक्ष महिलाएँ** रही हैं।
- वर्तमान में, **किसी भी सूचना आयोग** का नेतृत्व एक **महिला** द्वारा नहीं किया जाता है।
- **12 सूचना आयोग,** जो लगभग **41%** हैं, उनकी स्थापना के बाद से कभी भी कोई **महिला आयुक्त** नहीं रही है।

संघटन अवलोकन
- लगभग **465 आयुक्तों** में से जिनकी पृष्ठभूमि की जानकारी उपलब्ध थी
  - बहुमत, 58%, सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी थे।

- वकीलों या **पूर्व न्यायाधीशों** की संख्या **14%** है, जिनमें 1**1% वकील** या **न्यायिक सेवा** से और **3% सेवानिवृत्त न्यायाधीश** शामिल हैं।
- 11% की पृष्ठभूमि पत्रकारिता की थी
- **5%** शिक्षाविद और **4%** सामाजिक कार्यकर्ता या कार्यकर्ता थी।

निष्पादन मुद्दे

- यह देखा गया है कि कई **सूचना आयोग** बिना कोई आदेश जारी किए बड़ी संख्या में मामले लौटा देते हैं।
- कई **आयोग प्रति आयुक्त** मामले के निपटान की **उल्लेखनीय रू**प से कम दर प्रदर्शित करते हैं।
- **रिपोर्ट** में **सूचना आयोगों** में समय पर **नियुक्तियाँ** करने में देरी के मुद्दे पर भी जोर दिया गया है।

43. मनरेगा योजना के लिए धनराशि अपर्याप्त: संसदीय पैनल - द हिंदू/सरकार ने मनरेगा के लिए 22 फीसदी कम धनराशि आवंटित की - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे

प्रीलिम्स टेकअवे
- मनरेगा
- अंतरिम बजट

समाचार:

- **संसदीय समिति** की रिपोर्ट के मुताबिक, **वित्त मंत्रालय** ने **वित्त वर्ष 2023-24** के संशोधित अनुमान में **मनरेगा** के लिए **22% कम फंड** आवंटित किया है।

संशोधित अनुमान

- **ग्रामीण विकास मंत्रालय** ने शुरुआत में **1.1 लाख करोड़** रुपये की मांग की थी, लेकिन **वित्त मंत्रालय** ने इसे संशोधित कर **86,000 करोड़ रुपये** कर दिया।
- **ग्रामीण विकास मंत्रालय** ने **मनरेगा की मांग-संचालित प्रकृति** के आधार पर बढ़ी हुई **राशि** का प्रस्ताव दिया।
- समिति ने पाया कि **मनरेगा** के तहत **दैनिक मजदूरी अपर्याप्त** है और विभिन्न **राज्यों** में अलग-अलग है, **मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़** जैसे राज्यों में सबसे कम मजदूरी है।
- **संसदीय समिति** ने **कार्यदिवस** की **गारंटीकृत संख्या** को **100 से बढ़ाकर 150** करने की मांग को भी स्वीकार किया और इस मामले पर एक **व्यावहारिक अध्ययन** की सिफारिश की है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)

- **ग्रामीण विकास मंत्रालय** द्वारा **वर्ष 2005** में शुरू किए गए दुनिया के सबसे बड़े **रोजगार गारंटी कार्यक्रमों** में से एक है।
- **उद्देश्य: अकुशल शारीरिक कार्य** करने के इच्छुक **किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को** प्रत्येक वित्तीय वर्ष में **100 दिनों के रोजगार की** गारंटी देना ।
  - कुछ परिवार, विशेष रूप से वन क्षेत्रों में **अनुसूचित जनजाति** के परिवार, **150 दिनों** के काम के हकदार हैं।
  - सूखे या प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त कार्य उपलब्ध कराया जा सकता है।
- इस अधिनियम का उद्देश्य **अधिकार-आधारित ढांचे** के माध्यम से **दीर्घकालिक गरीबी के कारणों** को संबोधित करना है।
- यदि किसी **ग्रामीण वयस्क** को काम मांगने के **15 दिनों** के भीतर काम नहीं मिलता है, तो '**बेरोजगारी भत्ता**' दिया जाता है।
- **अधिनियम ग्राम सभाओं** को उन कार्यों की अनुशंसा करने का आदेश देता है जो किए जाने हैं और कम से कम **50%** कार्यों को उनके द्वारा निष्पादित किया जाना चाहिए।
- लाभार्थियों में से **कम से कम एक तिहाई महिलाएँ** होनी चाहिए।
- **मनरेगा कार्य** के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्रियों की लागत का **60% केंद्र वहन** करता है और शेष **40% राज्य सरकारें** प्रदान करती हैं।
- **आंकड़े:**
  - वर्ष 2022-23 तक, मनरेगा के तहत **15.4 करोड़ सक्रिय श्रमिक** हैं।

44. भारत में मानसिक बीमारी की स्व-रिपोर्टिंग 1% से कम: IIT जोधपुर - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मानसिक स्वास्थ्य
- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NMHP)

समाचार:
- भारत में **मानसिक विकार** वाले **व्यक्तियों** के लिए **स्वास्थ्य देखभाल** और **वित्तीय सुरक्षा** तक पहुंच **सामाजिक निर्धारकों** से प्रभावित होती है।
- **यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (UHC)** की दिशा में **देश की प्रगति प्रभावित** हो रही है ।

निम्न स्व-रिपोर्टिंग दरें
- **आईआईटी जोधपुर** के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में भारत में **मानसिक स्वास्थ्य** के मुद्दों के लिए **निम्न स्व-रिपोर्टिंग दर** पर प्रकाश डाला गया है।
- 75वें दौर के **राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) वर्ष 2017-2018** के आधार पर, मानसिक बीमारी की स्व-रिपोर्टिंग **1% से** कम थी।
- **NSS डेटा 5,55,000** से अधिक व्यक्तियों से एकत्र किया गया, जो **मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं** को पहचानने में एक महत्वपूर्ण अंतर का संकेत देता है।

आउट-ऑफ-पॉकेट एक्स्पेंसेस
- अध्ययन मानसिक **स्वास्थ्य सेवाओं** की तलाश से जुड़े पर्याप्त जेब खर्च पर जोर देता है।
- निजी क्षेत्र पर निर्भरता से खर्च बढ़ता है, विशेषकर कम आय वाले व्यक्तियों पर इसका प्रभाव पड़ता है।
- **उच्च आय** वाले व्यक्तियों में कम आय वाले लोगों की तुलना में **स्वास्थ्य समस्याओं** की रिपोर्ट करने की **प्रवृत्ति 1.73 गुना** अधिक थी, जो एक **सामाजिक-आर्थिक विभाजन** को उजागर करती है।

आर्थिक बोझ
- मध्यम **आयु वर्ग के व्यक्ति विशेष** रूप से प्रभावित होते हैं, **मानसिक बीमारी** से देश की उत्पादकता और आर्थिक प्रभाव प्रभावित होता है।
- **परिवार इलाज** और **यात्रा व्यय** पर **मासिक रूप** से **काफी राशि खर्च** करते हैं, जिससे **आर्थिक बोझ** बढ़ जाता है।
  - **परिवारों** को **मुख्य रूप** से **इलाज** और **देखभाल** तक पहुंचने के लिए यात्रा पर **प्रति माह लगभग 1,000 रुपये से 1,500 रुपये खर्च** करने पड़ते थे।
- निजी क्षेत्र **मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ** प्रदान करने में प्रमुख भूमिका निभाता है, लेकिन केवल **कुछ प्रतिशत व्यक्तियों** के पास ही स्वास्थ्य बीमा कवरेज है।
  - **मानसिक विकारों** के कारण **अस्पताल में भर्ती** होने वाले **केवल 23%** व्यक्तियों के पास **राष्ट्रीय स्तर** पर **स्वास्थ्य बीमा कवरेज** था।

शिक्षा, आय और मानसिक विकारों के बीच संबंध
- **शिक्षा** और **आय का निम्न स्तर मानसिक विकारों** से निकटता से जुड़ा हुआ है, जो **दरिद्रता** में योगदान देता है।
- **कम आय, खराब शिक्षा** और **सीमित रोजगार** के अवसरों वाले **व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रतिकूल सामाजिक** और **आर्थिक निर्धारकों** के कारण **मानसिक विकारों** के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

एसोसिएटेड स्टिग्मा
- समाज में कलंक(स्टिग्मा) **मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों** की रिपोर्ट करने और **उपचार की मांग** करने में एक **महत्वपूर्ण बाधा** के रूप में कार्य करता है।
  - NMHS के निष्कर्षों से पता चला है कि **मानसिक विकारों** से पीड़ित लगभग **80% व्यक्तियों** को 12 **महीने** से अधिक समय तक बीमारी की उपस्थिति के बावजूद कोई इलाज नहीं मिला था।
- मानसिक विकारों से जुड़ा कलंक(स्टिग्मा) **उपचार, शिक्षा, काम और विवाह** के अवसरों तक पहुंच को रोकता है, जिससे **व्यक्ति और उनके परिवार** दोनों प्रभावित होते हैं।

45. क्या संविधान की प्रस्तावना में तारीख बदले बिना संशोधन किया जा सकता है :सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू /क्या तारीख बरकरार रखकर प्रस्तावना में संशोधन किया जा सकता है: सुप्रीम कोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत का संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्रस्तावना
- केशवानंद भारती मामला

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट** ने हाल ही में जांच की कि क्या **भारतीय संविधान** की **प्रस्तावना** को **26 नवंबर, 1949** को **अपनाने की तारीख** में **बदलाव** किए बिना **संशोधित** किया जा सकता था।

पृष्ठभूमि

- **इंदिरा गांधी सरकार** द्वारा आपातकाल के दौरान **दिसंबर 1976** में **42वें संवैधानिक संशोधन** के माध्यम से प्रस्तावना में एक संशोधन किया गया।
- इस संशोधन ने **'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द** पेश किए और 'राष्ट्र की एकता' वाक्यांश को **'राष्ट्र की एकता और अखंडता'** से प्रतिस्थापित दिया।
- मूल रूप से, **प्रस्तावना के पाठ** में भारत को एक **'संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य'** घोषित किया गया था।

कानूनी जांच

- पीठ प्रस्तावना से **'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटाने** के लिए **दायर याचिका** पर सुनवाई **कर रही थी।**
- न्यायाधीश प्रश्न कर रहे हैं कि क्या संविधान की प्रस्तावना को संशोधित किया जा सकता था जबकि मूल अदोप्शन की तारीख को बरकरार रखा जाता।
- **केशवानंद भारती** मामला प्रस्तावना की संशोधनशीलता को स्थापित करता है, बशर्ते यह **संविधान** की **मूल संरचना** का उल्लंघन न करे।
- सुप्रीम कोर्ट **ने 29 अप्रैल, 2024** से शुरू होने वाले सप्ताह के लिए मामले पर आगे की सुनवाई निर्धारित की है।

46. बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) की शक्तियों को सीमित करे: संसदीय पैनल- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: वैधानिक, नियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय।

प्रीलिम्स टेकअवे
- बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI)
- भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (HECI)

समाचार:

- हाल ही में, **कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति** ने **राज्यसभा** में "कानूनी पेशे से पहले उभरती चुनौतियों के मद्देनजर कानूनी शिक्षा को मजबूत करना" शीर्षक से एक रिपोर्ट पेश की।

BCI की भूमिका को प्रतिबंधित करना

- रिपोर्ट में **बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI**) की भूमिका को बार में अभ्यास के लिए **बुनियादी पात्रता** प्रदान करने तक सीमित करने का सुझाव दिया गया है।
- यह निरीक्षण करने और मान्यता देने की **अनियंत्रित शक्ति** के कारण घटिया **लॉ कॉलेजों** के अंधाधुंध प्रसार के लिए **BCI** की आलोचना करता है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए स्वतंत्र प्राधिकरण

- **पैनल स्नातकोत्तर कानूनी कार्यक्रमों** के लिए एक **स्वतंत्र प्राधिकरण** स्थापित करने की सिफारिश करता है, जो अदालत कक्षों से परे **प्रासंगिकता** की आवश्यकता पर बल देता है।
- इसका तर्क है कि **BCI** के पास **कानूनी शिक्षा** में आवश्यक बदलाव के लिए **शक्ति और विशेषज्ञता** का अभाव है।

राष्ट्रीय कानूनी शिक्षा एवं अनुसंधान परिषद का निर्माण

- **भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (HECI)** के तहत **"राष्ट्रीय कानूनी शिक्षा और अनुसंधान परिषद"** के गठन का भी प्रस्ताव रखा ।
  - यह BCI के अधिकार क्षेत्र से अलग होने का सुझाव देता है।
- हालाँकि, HECI विधेयक, जिसमें **मेडिकल** और **लॉ कॉलेजों** को शामिल नहीं किया गया है, अभी तक संसद में पेश नहीं किया गया है।

समान पाठ्यचर्या

- **पैनल संबद्ध विश्वविद्यालयों** द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों की वर्तमान गतिविधियों को बदलने के लिए सभी लॉ कॉलेजों में एक समान पाठ्यक्रम की वकालत करता है।
- यह कानून के **छात्रों के बीच निरंतरता** की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है और **BCI को स्नातक पाठ्यक्रमों** के लिए इस समान पाठ्यक्रम को परिभाषित करने की सिफारिश करता है।

कोटा कार्यान्वयन

- पैनल ने पाया कि प्रमुख लॉ कॉलेजों ने विशेष रूप से अखिल **भारतीय सीटों** पर **स्नातक** और **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों** में **SC, ST और OBC** के लिए कोटा लागू नहीं किया है।
- इसलिए, रिपोर्ट सुझाव देती है कि यदि **NLU और अन्य कॉलेज** इसे लागू करने में विफल रहते हैं तो **BCI** को मान्यता वापस लेने पर विचार करना चाहिए।

47. पीएम-स्वनिधि से स्ट्रीट वेंडरों की वार्षिक आय में वृद्धि- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- पीएम-स्वनिधि
- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी
- गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ (NPA)

समाचार:

- हाल ही में, **पीएम स्वनिधि योजना** के प्रभाव का आकलन करने के लिए **इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB)** के **सेंटर फॉर एनालिटिकल फाइनेंस** द्वारा एक अध्ययन किया गया था।
- इसे **केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय** द्वारा शुरू किया गया था।
- अध्ययन में **22 राज्यों के 100 शहरी स्थानीय निकायों** में **5,141 विक्रेताओं** को शामिल किया गया।

मुख्य बिंदु

- योजना के तहत अब तक **60.65 लाख पहली अवधि** के ऋण, **16.95 लाख दूसरी अवधि** के ऋण और **2.43 लाख तीसरी अवधि** के ऋण वितरित किए जा चुके हैं।
- सर्वेक्षण में शामिल **95% विक्रेताओं** के लिए, **पीएम-स्वनिधि ऋण** उनका पहला बैंक ऋण था, और 72% के लिए, यह उनका **पहला व्यावसायिक ऋण** था।
- **10,000 रुपये** की **पहली किश्त से प्रत्येक लाभार्थी** को **23,460 रुपये** की अतिरिक्त **वार्षिक आय** हुई।
- **10,000** का **पहला ऋण** लेने वाले **94% लाभार्थियों** ने **इसका उपयोग व्यावसायिक निवेश** के लिए किया।
  - दूसरा लोन लेने वालों के लिए यह आंकड़ा **98%** था।
- सभी वितरित ऋणों में से **13.9%** को **गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों** (NPA) के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
  - **कोविड-19 महामारी** के दौरान सबसे अधिक **NPA** दर्ज किया गया, जो समय के साथ घटता गया।
- लाभार्थियों का **ऋण-से-आय (DTI**) अनुपात (9%) छोटे व्यवसायों के लिए अपेक्षा से कम था, जो उनकी **उच्च साख योग्यता** को दर्शाता है।
- हालाँकि, अन्य स्रोतों से **औपचारिक ऋण प्राप्त** करने वाले **स्ट्रीट वेंडरों** में कोई **महत्वपूर्ण सुधार** नहीं हुआ।
  - केवल **9% लाभार्थियों** के पास **अन्य वित्तीय संस्थानों** से ऋण था।

पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना

- यह एक **केंद्रीय क्षेत्र** की योजना है यानी पूरी तरह से **केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय** द्वारा **वित्त पोषित** है।
- **उद्देश्य**
  - स्ट्रीट वेंडरों को संपार्श्विक मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा प्रदान करना
  - नियमित पुनर्भुगतान को प्रोत्साहित करना और डिजिटल लेनदेन को पुरस्कृत करना
- यह योजना **शहरी क्षेत्रों** में **वेंडिंग** में लगे **सभी स्ट्रीट वेंडरों** के लिए उपलब्ध है।
- **पात्रता:** केवल उन्हीं **राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों** के लाभार्थी जिन्होंने **स्ट्रीट वेंडर्स** (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) **अधिनियम, 2014** के तहत **नियम और योजना अधिसूचित** की है।
- **ऋण देने वाली एजेंसियां:** माइक्रोफाइनेंस संस्थान, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, स्वयं सहायता समूह
  - उनकी जमीनी स्तर पर उपस्थिति और सड़क विक्रेताओं सहित शहरी गरीबों से निकटता के कारण।

शीघ्र चुकौती

- ऋण की **समय पर/शीघ्र पुनर्भुगतान** पर, **छह मासिक आधा**र पर **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण** के माध्यम से **7% प्रति वर्ष** की **ब्याज सब्सिडी जमा** की जाएगी।
- ऋणों की **समय पर/शीघ्र पुनर्भुगतान** पर **क्रेडिट सीमा** में वृद्धि
- समय से पहले कर्ज चुकाने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा

48. भारत अमेरिका के नेतृत्व वाली खनिज सुरक्षा साझेदारी का लाभ उठाएगा- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं

प्रीलिम्स टेकअवे
- महत्वपूर्ण खनिज
- KABIL

समाचार:
- **केंद्रीय खान मंत्रालय** ने महत्वपूर्ण **खनिज ब्लॉक प्रस्तावों** को परिचालित करने का प्रस्ताव दिया है

मुख्य बिंदु
- **केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र** के उपक्रमों या **PSU** के साथ **अमेरिका** के नेतृत्व वाली **खनिज सुरक्षा साझेदारी (MSP)** में भागीदार देशों द्वारा प्राप्त किया गया था।
  - उन्हें विदेश में महत्वपूर्ण खनिज संपत्ति हासिल करने की अनुमति देना।
- **मंत्रालय** ने यह भी सिफारिश की है कि **PSU** अधिग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए **संबंधित सहायक कंपनियों** को स्पष्ट वित्तीय आदेश दें |
- **MSP** एक **अमेरिकी** नेतृत्व वाला **सहयोगात्मक** प्रयास है जिसमें **यूके**, **ऑस्ट्रेलिया**, **फ्रांस** और **जर्मनी** और **यूरोपीय संघ** सहित तेरह देश शामिल हैं।
  - जिसका उद्देश्य **वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं** में **सार्वजनिक** और **निजी निवेश** को उत्प्रेरित करना है।
- यह **सहयोग वर्तमान** में **एक महत्वपूर्ण खनिज और धातु** सहयोग मंच को बढ़ावा देने में लगा हुआ है:
  - विशेषज्ञता का आदान-प्रदान
  - एक मजबूत बैटरी सामग्री आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण
  - दक्षिण अमेरिका में संयुक्त रूप से खनिज प्रसंस्करण सुविधा विकसित करना।
- **KABIL खान मंत्रालय** के तहत एक **केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (CPSE**) है
  - जिसने 15 जनवरी को **दक्षिण अमेरिकी देश** में **पांच लिथियम ब्लॉकों** का पता लगाने और विकसित करने के लिए **अर्जेंटीना** में एक राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **NTPC** अपनी **सहायक कंपनी NTPC माइनिंग लिमिटेड** के माध्यम से विदेशों में **लिथियम, कोबाल्ट, ग्रेफाइट** और **उच्च शुद्धता** वाले चूना पत्थर की संपत्ति हासिल करने पर विचार कर रही है।

49. NExT में निष्पक्ष, न्यायसंगत मूल्यांकन प्रक्रिया सुनिश्चित करें: संसदीय पैनल - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- NEXT विनियम, 2023
- राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड

समाचार:
- **नेशनल एग्जिट टेस्ट (NExT)** को सावधानीपूर्वक **उचित परिश्रम** के बाद ही लाया जाना चाहिए

मुख्य बिंदु
- **मेडिकल कॉलेजों** की विविध पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए, जहां से **NExT उम्मीदवारों** का पहला बैच आएगा
  - **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** पर **संसदीय स्थायी समिति** ने भारत में **चिकित्सा शिक्षा** की गुणवत्ता पर अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है |
- **भुवनेश्वर कलिता** की अध्यक्षता में समिति ने यह बताया की
  - वर्तमान में, यह मेडिकल कॉलेज हैं जो अंतिम वर्ष की MBBS परीक्षाएँ आयोजित करते हैं।

- साथ ही, **NEET PG** और **FMGE** की ज़िम्मेदारी जो उन लोगों के लिए **लाइसेंसिंग और योग्यता** परीक्षा है जिन्होंने अपनी **स्नातक चिकित्सा डिग्री** पूरी कर ली है
  - **स्वास्थ्य मंत्रालय** के भीतर **स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक** की देखरेख में **राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (NBE)** के दायरे में आता है।
- **राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम** अब स्नातक **MBBS** छात्रों की क्षमता बढ़ाने के लिए **NExT** का प्रावधान करता है जो **सालाना अभ्यास** करने के लिए **लाइसेंस** प्राप्त करते हैं ।
- यह पहल **NEET-PG** को पास करने पर वर्तमान जोर को संबोधित करती है, जो मुख्य रूप से सैद्धांतिक है और रटकर याद करने की आवश्यकता है।
- जून 2023 में, **राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग** ने **NMC एग्जिट टेस्ट रेगुलेशन 2023** (नेक्स्ट रेगुलेशन, 2023) विकसित किया।
  - यह परीक्षा अंतिम **MBBS परीक्षा** का स्थान लेने के लिए थी
  - चिकित्सा का अभ्यास करने के लिए **पंजीकरण** प्रदान करने के लिए एक **लाइसेंसधारी परीक्षा** के रूप में कार्य करें, और **NEET PG** के बजाय **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों** में प्रवेश के लिए एक आधार प्रदान करें।

मार्गदर्शक संस्थान

- समिति ने सिफारिश की कि **सरकार भारत** को **प्रतिष्ठित संस्थानों** वाले क्षेत्रों में विभाजित करे
  - जैसे कि एम्स उस क्षेत्र के अन्य सभी मेडिकल कॉलेजों के लिए सलाहकार संस्थान के रूप में कार्य करेगा।
- नए **मेडिकल कॉलेजों** के साथ-साथ **निजी संस्थानों** में शिक्षा के **मानक और कक्षाओं** की निगरानी में मेंटर **संस्थान महत्वपूर्ण** भूमिका निभाएंगे।

50. डिप्टी सीएम की नियुक्ति संविधान का उल्लंघन नहीं: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत का संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सरदार वल्लभभाई पटेल
- डिप्टी सीएम

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट** ने राज्यों में **उपमुख्यमंत्रियों** की **नियुक्ति** को इस आधार पर **चुनौती** देने वाली **याचिका** खारिज कर दी कि **संविधान** में ऐसी कोई स्थिति मौजूद नहीं है।

मुख्य बिंदु

- भारत के **मुख्य न्यायाधीश** की **अध्यक्षता** वाली **तीन-न्यायाधीशों** की **पीठ** ने **उपमुख्यमंत्रियों** की **नियुक्ति** में कोई नुकसान नहीं पाया ।
  - यह तर्क देते हुए कि वे सभी **राज्यों** की **विधान सभाओं** के **सदस्य (विधायक)** और **राज्य सरकारों** के **मंत्री** हैं और **नामकरण** पर ध्यान नहीं देते।
- उपमुख्यमंत्री **राज्य सरकार** में **सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण मंत्री** होते हैं।
- **उप मुख्यमंत्री** का पद संभालने वाले व्यक्ति को किसी भी समय, एक **निर्धारित अवधि** के भीतर **विधायक** बनना होगा।
- नियुक्त किए गए **व्यक्ति** अधिक **वेतन** नहीं लेते थे और **सरकार** में किसी भी **अन्य मंत्री** की तरह थे, और **दूसरों** की तुलना में **अधिक वरिष्ठ** हो सकते थे।

डिप्टी सीएम का पद

- **डिप्टी सीएम** एक **राजनीतिक** पद है, और यह **भारत** के **उपराष्ट्रपति** की तरह कोई **संवैधानिक** पद नहीं है।
- इसकी उत्पत्ति का पता **उप प्रधान मंत्री** के पद से लगाया जा सकता है जिसे **वर्ष 1947** में स्वतंत्रता के बाद नियुक्त किया गया था, **सरदार वल्लभाई पटेल** भारत के पहले **उप प्रधान मंत्री** हैं।
- इससे भारत में **डिप्टी सीएम** पद का विकास हुआ।
- **डिप्टी सीएम** की **नियुक्ति** और **निष्कासन** पूरी तरह से **मुख्यमंत्री** के विवेक पर निर्भर है।
- मुख्यमंत्री एक से अधिक **उप मुख्यमंत्री नियुक्त** कर सकते हैं।
- उदाहरण के लिए: **महाराष्ट्र** में **दो डिप्टी सीएम** हैं और **आंध्र प्रदेश** में **पांच डिप्टी सीएम** हैं।
- कोई **निश्चित कार्यकाल** नहीं है क्योंकि **मुख्यमंत्री** किसी भी समय **पोर्टफोलियो** में **फेरबदल** कर सकते हैं या **डिप्टी सीएम** को हटा सकते हैं।

51. RuPay, UPI को मॉरीशस, श्रीलंका में लॉन्च किया गया - द हिंदू/मॉरीशस, श्रीलंका में RuPay, UPI की शुरुआत - इंडियन एक्सप्रेस

प्रीलिम्स टेकअवे
- एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (UPI)
- NPCI

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

समाचार:
- **भारत** और **मॉरीशस** के बीच **RuPay कार्ड** और **यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस** (UPI) **कनेक्टिविटी**, साथ ही **भारत** और **श्रीलंका** के बीच **UPI कनेक्टिविटी** स्थापित की गई।

मुख्य बिंदु
- **उद्देश्य**: वित्तीय एकीकरण को गहरा करना और तीनों देशों के नागरिकों के बीच डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करना।
    - **मॉरीशस** जाने वाला एक **भारतीय यात्री** अब **UPI** का उपयोग करके **मॉरीशस** में एक **व्यापारी** को **भुगतान** कर सकेगा।
    - इसी तरह, एक **मॉरीशस यात्री मॉरीशस** के **त्वरित भुगतान प्रणाली (IPS) ऐप** का उपयोग करके **भारत** में एक **व्यापारी** को **भुगतान** करने में सक्षम होगा।
- **RuPay** तकनीक को अपनाने के साथ, मॉरीशस की **MauCAS** कार्ड योजना **मॉरीशस** में **बैंकों** को **घरेलू स्तर** पर **RuPay कार्ड** जारी करने में सक्षम बनाएगी।
- ऐसे **कार्डों** का उपयोग **मॉरीशस** के साथ-साथ **भारत** में भी **स्थानीय ATM और PoS टर्मिनलों** पर किया जा सकता है।
- इसके साथ, **मॉरीशस RuPay तकनीक** का उपयोग करके **कार्ड जारी** करने वाला **एशिया** के बाहर **पहला देश** बन गया है।
- **भारतीय रुपे** कार्ड **मॉरीशस** के **ATM और PoS टर्मिनलों** पर भी स्वीकार किए जाएंगे
- **श्रीलंका** के साथ **डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी** भारतीय यात्रियों को अपने **UPI ऐप** का उपयोग करके श्रीलंका में व्यापारी स्थानों पर **QR कोड**-आधारित भुगतान करने में सक्षम बनाएगी।
- इन परियोजनाओं को **आरबीआई** के **मार्गदर्शन** और **समर्थन** के तहत **मॉरीशस** और **श्रीलंका** के साझेदार **बैंकों** / **गैर-बैंकों** के साथ **NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL)** द्वारा विकसित और निष्पादित किया गया था।
- उपरोक्त सुविधाएं भारत, मॉरीशस और श्रीलंका में चुनिंदा **बैंकों/गैर-बैंकों/तीसरे पक्ष** के एप्लिकेशन प्रदाताओं के माध्यम से चालू की गई हैं।
- **UPI** और **RuPay** के माध्यम से **मॉरीशस** और **श्रीलंका** के साथ **भारत की डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी** पर सहयोग होगा
    - वित्तीय एकीकरण को मजबूत करना
    - मॉरीशस और श्रीलंका के साथ भारत के लंबे ऐतिहासिक सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना

52. कतर ने भारतीय नौसेना के अधिकारियों को रिहा किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रीलिम्स टेकअवे
- तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG)
- मानचित्र आधारित प्रश्न

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं

समाचार:
- **कतर** ने **जासूसी** के **आरोप** में **मौत** की सजा पाए **भारतीय नौसेना के आठ अधिकारियों** को रिहा कर दिया है ।
- भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों में से सात अब भारत लौट आए हैं।

भारत-कतर द्विपक्षीय संबंध
- दोनों देशों के बीच दशकों से मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं।
- वर्ष 2021 में, भारत **कतर** के लिए **शीर्ष चार निर्यात स्थलों** में से एक था ।
- यह कतर के आयात के शीर्ष तीन स्रोतों में से एक है।

- **वित्त वर्ष 2022-23** में कतर से **भारत** का **कुल आयात 16.81 बिलियन डॉलर** था, जिसमें से अकेले LNG आयात 8.32 बिलियन डॉलर या 49.5% था।
- **कतर भारत में** तरलीकृत प्राकृतिक गैस (**LNG**) का सबसे बड़ा स्रोत है।
- **वित्त वर्ष 2022-23** में **कतर** को **भारत** के **निर्यात** का **मूल्य केवल** 1.**97 बिलियन डॉलर** था।
- प्रमुख **निर्यात में** अनाज, तांबे की वस्तुएं, लौह और इस्पात की वस्तुएं, सब्जियां, फल, मसाले और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद शामिल हैं।
- **जनवरी 2024** में, **भारत** और **कतर** अपने **LNG आपूर्ति समझौते** को **2048** तक बढ़ाने पर सहमत हुए।
- भारत के **पेट्रोनेट** ने **वर्ष 2029** से **कतर** से **सालाना 7.5 मिलियन टन LNG** की खरीद जारी रखने के लिए एक महत्वपूर्ण सौदा हासिल किया है।
- यह समझौता, जिसे **तरलीकृत प्राकृतिक गैस** के लिए दुनिया का सबसे बड़ा विस्तार माना जाता है, **वर्ष 1999** में शुरू किए गए मूल **25-वर्षीय** अनुबंध पर आधारित है, जिसकी **डिलीवरी वर्ष 2004** में शुरू होगी।

53. विधि आयोग ने महामारी से निपटने की योजना का सुझाव दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- महामारी
- महामारी रोग अधिनियम

समाचार:
- **286वें विधि आयोग** की रिपोर्ट में भविष्य की **महामारियों** से निपटने के लिए **एक महामारी योजना** और **मानक संचालन** प्रक्रिया बनाने की सिफारिश की गई है

मुख्य बिंदु
- यह रेखांकित करता है कि **महामारी** के **दौरान केंद्र**, **राज्य** और **स्थानीय अधिकारियों** की शक्तियों के बीच कोई स्पष्ट सीमांकन नहीं है
  - जो असंगठित प्रतिक्रियाओं की ओर ले जाता है।
- **महामारी रोग अधिनियम, 1897 (EDA)** की सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए, **286वें विधि आयोग** की रिपोर्ट में कहा गया है
  - **महामारी रोगों के प्रबंधन, नियंत्रण** और **रोकथाम** को एक सदी **पुराने कानून** तक **सीमित** नहीं किया जा सकता है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि **EDA** को **संक्रामक रोगों** के प्रसार के साथ **आधुनिक मुद्दों** से निपटने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया था।
- इसमें कहा गया है, **परिणामस्वरूप संक्रामक रोग** तेजी से **महामारी** या **महामारी** में बदल सकते हैं।
- **कोविड-19** महामारी के बाद, **विधि आयोग** ने स्वत: संज्ञान लेते हुए मौजूदा कानूनी ढांचे की व्यापक जांच करने का निर्णय लिया
  - इसे "देश में भविष्य की **महामारियों** की **रोकथाम** और **प्रबंधन** को संबोधित करने में महत्वपूर्ण कमियों" से निपटने के लिए कहा गया है।
- रिपोर्ट में दावा किया गया है कि **औपनिवेशिक युग के कानून के रूप में, EDA** में दुरुपयोग की काफी संभावनाएं हैं।
- सुझाया गया सबसे **नाटकीय परिवर्तन संक्रामक** रोगों के प्रसार को संबोधित करने के लिए एक **महामारी योजना** और एक **मानक संचालन** प्रक्रिया का निर्माण है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि **सरकार** के **विभिन्न स्तरों** की **शक्तियां** और दायित्व स्पष्ट रूप से सीमांकित हैं
  - ताकि किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए समन्वित प्रतिक्रिया हो सके।
- रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि **EDA** को यह **सुनिश्चित** करने के लिए **प्रावधान** शामिल करने चाहिए कि **महामारी योजना** तैयार की जाए, लागू की जाए और **नियमित अंतराल** पर संशोधित की जाए।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि योजना में **संगरोध, अलगाव और लॉकडाउन** पर प्रावधान शामिल होने चाहिए
  - यह सुनिश्चित करते हुए कि **नागरिकों** के **मौलिक अधिकारों** का उल्लंघन किए बिना, उपायों को निष्पक्ष रूप से लागू किया जाए।

- इसमें यह भी प्रावधान होना चाहिए
  - गोपनीयता के अनुकूल रोग निगरानी
  - वितरण का विनियमन
  - चिकित्सा आपूर्ति की उपलब्धता और परिवहन
  - जनता तक सूचना का उचित प्रसार
  - टीकाकरण और दवाओं के लिए चिकित्सा परीक्षण और अनुसंधान
  - कई अन्य विषयों के बीच संक्रामक कचरे का सुरक्षित निपटान।
- रिपोर्ट एक **मानक संचालन प्रक्रिया (SOP)** के निर्माण का सुझाव देती है जो **"पूर्व-निर्धारित शक्तियों** के साथ किसी भी **महामारी** के लिए **उचित और समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करेगी। "**

54. केंद्र ने MSP कानून को खारिज किया, किसानों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया - द हिंदू/ MSP मुद्दा: पैनल गठित करने को तैयार:कृषि मंत्री- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- उचित एवं लाभकारी मूल्य
- MSP

समाचार:
- केंद्र ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि **किसानों की प्रमुख मांग** , गारंटीकृत **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** की घोषणा करना संभव नहीं होगा।

मुख्य बिंदु
- जैसा कि संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसानों का विरोध प्रदर्शन है-
  - गैर-राजनीतिक (SKM-NP), संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) और किसान मजदूर मोर्चा (KMM) का एक अलग समूह
- यह हरियाणा-पंजाब सीमा पर विभिन्न बिंदुओं पर सुरक्षा बलों के साथ पूर्ण संघर्ष में बदल गया
- हालाँकि, सरकार ने समूहों के नेताओं के साथ तीसरे दौर की वार्ता की पेशकश की।
- उत्तर प्रदेश से लगी दिल्ली की सीमाओं पर भी भारी पुलिस तैनाती देखी गई।

न्यूनतम समर्थन मूल्य
- यह उनकी उपज के लिए सरकार की ओर से गारंटीकृत कीमत है।
- MSP भारत सरकार द्वारा कृषि उत्पादकों को कृषि कीमतों में किसी भी तेज गिरावट के खिलाफ बीमा करने के लिए बाजार हस्तक्षेप का एक रूप है।
- भारत में MSP **सरकार** द्वारा **निर्धारित** एक **मूल्य स्तर** है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों को उनकी **कृषि उपज** के लिए **न्यूनतम मूल्य** मिले, जिससे उनकी **आय सुरक्षित** रहे और **कृषि उत्पादन** को बढ़ावा मिले।
- सरकार **22 अनिवार्य फसलों** के लिए **MSP** और **गन्ने** के लिए **उचित** और **लाभकारी मूल्य (FRP)** की घोषणा करती है।
- अनिवार्य फसलें शामिल है जैसे - ख़रीफ़ सीज़न की 14 फ़सलें, 6 रबी फ़सलें और दो अन्य वाणिज्यिक फ़सलें आदि|

55. सरकार ने सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के लिए दिशानिर्देशों में संशोधन किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सामुदायिक रेडियो
- सूचना एवं प्रसारण मंत्री

समाचार:
- सूचना और प्रसारण मंत्री ने **क्षेत्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन (South)** में **सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित** करने के लिए संशोधित नीति दिशानिर्देश जारी किए।

मुख्य बिंदु
- **संशोधित दिशानिर्देशों** ने एक संस्था को संचालन के विभिन्न जिलों में **अधिकतम छह स्टेशन** स्थापित करने की अनुमति दी

- स्टेशनों के लिए विज्ञापन का समय **सात मिनट** से बढ़ाकर **12 मिनट प्रति घंटा** कर दिया गया।
- विज्ञापन की दर 52 रूपये प्रति दस सेकंड से बढ़ाकर 74 रूपये प्रति दस सेकंड कर दी गई।

- उन्होंने बताया कि पहला **सामुदायिक रेडियो 2004** में **पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी** द्वारा लॉन्च किया गया था
- उस समय **भारत** में **481 सामुदायिक रेडियो स्टेशन** थे |

सामुदायिक रेडियो

- यह **स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि** और **अन्य** सहित **विभिन्न सामुदायिक मुद्दों** पर **स्थानीय आवाज़ों** को प्रसारित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।
- यह हाशिए पर रहने वाले **समुदायों** को सशक्त बनाता है और **स्थानीय भाषाओं** में **प्रसारण** और **स्थानीय प्रतिभा** का **प्रदर्शन** करके **स्थानीय संस्कृति** और **विरासत** को संरक्षित करता है।
- सामुदायिक रेडियो **सामुदायिक सशक्तिकरण** को बढ़ावा देने और **सकारात्मक सामाजिक** परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

56. भारत, UAE ने डिजिटल भुगतान प्लेटफार्म समझौते पर हस्ताक्षर किए - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

प्रीलिम्स टेकअवे

- व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता
- द्विपक्षीय निवेश संधि
- भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारा
- UPI

समाचार:

- हाल ही में **भारतीय प्रधानमंत्री** ने **अबू धाबी** में **संयुक्त अरब अमीरात** के **राष्ट्रपति** से मुलाकात की और कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए।
- इनमें **द्विपक्षीय निवेश प्रोत्साहन**, **बंदरगाह बुनियादी** ढांचे का विकास, **बिजली व्यापार**, **UPI**, **क्रेडिट** और **डेबिट कार्ड** जैसे **डिजिटल भुगतान प्लेटफार्मों** को आपस में जोड़ना शामिल है।

मुख्य समझौतों पर हस्ताक्षर

- निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक **द्विपक्षीय निवेश संधि** और एक **व्यापक आर्थिक साझेदारी** समझौता ।
- **क्षेत्रीय कनेक्टिविटी** को आगे बढ़ाने वाले **भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारे** पर एक **अंतर-सरकारी रूपरेखा** समझौता।
- दोनों देशों के बीच **निर्बाध सीमा पार लेनदेन** की सुविधा के लिए **UPI** (भारत) और **AANI** (UAE) जैसे **डिजिटल भुगतान प्लेटफार्मों** के **इंटरलिंकिंग** पर समझौते।
- **घरेलू डेबिट/क्रेडिट कार्ड - रुपे (भारत)** को **जयवान** (UAE) के साथ जोड़ने पर समझौता।
  - इससे पूरे **संयुक्त अरब अमीरात** में **RuPay** की सार्वभौमिक स्वीकार्यता बढ़ेगी।
- **ऊर्जा** पर **समझौता**, **विद्युत इंटरकनेक्शन** और **व्यापार** के **क्षेत्र** में **सहयोग** पर एक **समझौता** ज्ञापन।
  - इससे ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा व्यापार सहित ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग के नए क्षेत्र खुलेंगे।
- **डिजिटल बुनियादी** ढांचा **परियोजनाओं** में **सहयोग** पर एक **समझौता ज्ञापन, व्यापक सहयोग** के लिए एक रूपरेखा तैयार करना और **तकनीकी ज्ञान**, **कौशल** और **विशेषज्ञता** को साझा करने की सुविधा प्रदान करना।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान** और **विरासत संरक्षण और संग्रहालयों** में सहयोग जैसे सहयोग को बढ़ावा देने के लिए **सांस्कृतिक क्षेत्र में समझौता** ज्ञापन।
- **कनेक्टिविटी** और **व्यापार सुविधा** बढ़ाने के लिए **बंदरगाह बुनियादी** ढांचे के विकास पर समझौते।

57. विदेशियों के लिए अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया की निगरानी रखे: विदेश मंत्रालय - द हिंदू/ सरकार ने विदेशियों के लिए अंग प्रत्यारोपण की निगरानी के लिए तंत्र तैयार किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO)
- मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994

समाचार:
- केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने **विदेश मंत्रालय** से **अंगों** की **अवैध खरीद-फरोख्त** पर रोक लगाने के लिए **विदेशियों** में **अंगों** के **प्रत्यारोपण** की **निगरानी** के लिए एक **नोडल व्यक्ति नियुक्त** करने का आग्रह किया है।

चिंताएँ
- **दाताओं** और **प्राप्तकर्ताओं** के बीच **संबंध स्थापित** करने वाले **दस्तावेजों** की **प्रामाणिकता** के संबंध में हाल की चिंताओं ने इस कार्रवाई को प्रेरित किया है।
- मीडिया रिपोर्टों में **दस्तावेज़ीकरण** में **अनियमितताओं** पर प्रकाश डाला गया, जिसमें **म्यांमार दूतावास** द्वारा सादे कागज पर **'फॉर्म 21' प्रमाणपत्र** जारी करना भी शामिल है।
- **पहचान पत्र** और **निवास प्रमाण** सहित ऐसे **दस्तावेजों** की **सत्यता** पर सवाल उठाए गए हैं, जो **संभावित अवैधता** का संकेत देते हैं।

फॉर्म 21 का महत्व
- **अंग प्रत्यारोपण** के लिए **प्राधिकरण** प्रक्रिया में **फॉर्म 21** एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।
- यह **दाताओं** और **प्राप्तकर्ताओं** के बीच **वास्तविक संबंध** के प्रमाण के रूप में कार्य करता है।
- इसमें नाम, पता, फोटोग्राफ आदि आवश्यक विवरण शामिल हैं।
- इसके लिए रिश्ते की **प्रामाणिकता** के **दूतावास प्रमाणीकरण** की भी आवश्यकता होती है।

भविष्य के उपाय और निहितार्थ
- अधिकारी वर्तमान में **विदेशी नागरिकों** से जुड़े **प्रत्यारोपण मामलों** की **निगरानी** के लिए तंत्र को अंतिम रूप दे रहे हैं।
- **नियमों** का **अनुपालन सुनिश्चित** करने और **अवैध गतिविधियों** को रोकने के लिए एक **नोडल व्यक्ति** ऐसे सभी मामलों की निगरानी कर सकता है।

58. भारत-EFTA समझौते में कठिन शर्त जेनेरिक दवा उद्योग को प्रभावित करती है - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे

प्रीलिम्स टेकअवे
- EFTA
- पेटेंट दवाएँ

समाचार:
- **भारत** और **यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA), स्विट्जरलैंड**, **आइसलैंड**, **लिकटेंस्टीन** और **नॉर्वे** के बीच **मुक्त व्यापार समझौते** के मसौदे पर एक खंड पर बातचीत चल रही है।
- इससे भारत में पेटेंट दवाओं के **किफायती, जेनेरिक संस्करणों** तक पहुंच में **कम से कम छह साल** की देरी हो सकती है

मुख्य बिंदु
- एक पंक्ति यह भी बताती है कि यह न केवल '**नई**' **रासायनिक दवाओं** पर लागू होना चाहिए बल्कि दवाओं के एक वर्ग जिसे '**बायोलॉजिकल ड्रग्स**' कहा जाता है, पर भी लागू होना चाहिए।
  - **मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़**, **वैक्सीन फॉर्मूलेशन** जिसमें **कार्बनिक** और **अकार्बनिक इकाइयों** का जटिल मिश्रण शामिल होता है, और इसकी प्रतियां बनाना कठिन होता है।
- कई भारतीय जैव प्रौद्योगिकी **कंपनियां बायोलॉजिक्स** दवाएं विकसित कर रही हैं।

- ऐसा ज्यादातर इसलिए है क्योंकि **भारत के जेनेरिक दवा उद्योग** ने पिछले कुछ वर्षों में महंगी दवाओं के **किफायती संस्करण** बनाए हैं और खुद एक **बड़ी वैश्विक आपूर्ति** बन गई है।
- **भारतीय फार्मा उद्योग दुनिया** में **तीसरा सबसे बड़ा उद्योग** है और **60 चिकित्सीय श्रेणियों** में **60,000** से अधिक **जेनेरिक दवाओं** का उत्पादन करता है और इसका वार्षिक कारोबार **3.4 लाख करोड़** रूपये है।
- "इनका प्रभावी अर्थ यह है कि **डेटा विशिष्टता के प्रावधानों** के तहत **बेडाक्विलिन (टीबी के लिए)** जैसी दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी

"संतुलित समाधान"

- **भारत के वाणिज्य मंत्री** ने **TEPA** पर बातचीत की, जिसके बाद वे समझौते से संबंधित चिंताओं के "संतुलित समाधान" पर पहुंचे।
- हालाँकि इन समाधानों का विवरण सार्वजनिक नहीं है, **बौद्धिक संपदा (IPR)** संबंधी चिंताएँ एक प्रमुख बाधा बिंदु हैं।
- पेटेंट की गई दवाएं **आविष्कारक** को, या जो कोई भी **पहले पेटेंट** के लिए आवेदन करता है, उसे **20 वर्षों** के लिए **विशेष विपणन अधिकार** देता है।
- इसके परिणामस्वरूप अक्सर **भारत सहित कई देशों** में आवश्यक दवाएं और **औषधियां** पहुंच से बाहर हो जाती हैं।

'डेटा विशिष्टता'

- वर्तमान प्रथा, जिसके तहत **जेनेरिक दवा** निर्माता एक कॉपी कैट बनाते हैं, यह स्थापित करते हैं कि यह सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए एक ही दवा है
  - यह साबित करने के लिए कि यह सुरक्षित और प्रभावी है, प्रकाशित नैदानिक परीक्षण डेटा पर भरोसा करना कानूनी नहीं रह जाता है।
- इसका विस्तार उन दवाओं तक भी है जिनका **भारत** में **पेटेंट** नहीं कराया गया है और **जेनेरिक निर्माताओं** को या तो विशिष्टता अवधि तक इंतजार करना पड़ता है या महंगे नैदानिक परीक्षण दोहराने पड़ते हैं।
- उदाहरण के लिए, गाउट के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक **पारंपरिक दवा, कोलचिसिन** की कीमत **संयुक्त राज्य अमेरिका में 5000%** तक बढ़ गई।
  - एक कंपनी को डेटा विशिष्टता अधिकार दिए जाने के बाद अन्य कंपनियों के इसके निर्माण के अधिकार अवरुद्ध हो गए।
- **भारत EFTA** पाठ एक व्यापक समझौता है जिस पर वर्ष 2008 से **भारत और चार देशों** के बीच बातचीत चल रही है।
  - इन देशों द्वारा भारत में निवेश बढ़ाना और इन देशों से निर्यात की एक श्रृंखला पर टैरिफ कम करना।

59. नोटिस के बाद जमानत के मामलों में अब एडजर्नमेंट पत्र नहीं: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- एडजर्नमेंट
- एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड

समाचार:

- अदालत की सुनवाई में देरी के लिए एडजर्नमेंट को एक प्रमुख कारक के रूप में निरूपित किया गया है और वादकारियों के लिए धन की निकासी अब सुप्रीम कोर्ट में आसान नहीं होगी।

मुख्य बिंदु

- **सुप्रीम कोर्ट** द्वारा जारी एक **सर्कुलर** में कहा गया है कि वह **जमानत** और **अग्रिम जमानत** के मामलों में वकीलों के **स्थगन पत्रों** पर विचार नहीं करेगा, जिनके लिए अदालत ने पहले नोटिस जारी किया था।
- **एडजर्नमेंट पत्र अदालत** की पीठ के **समक्ष सूचीबद्ध मामलों** को स्थगित करने के लिए **पार्टियों** द्वारा अंतिम समय में किया गया अनुरोध है।
- दिन में सुनवाई के लिए बुलाए जाने पर मामला आम तौर पर स्थगित कर दिया जाता है यदि सभी पक्ष सहमत हों।
- आमतौर पर, वे इसे पेशेवर शिष्टाचार के तौर पर करते हैं।
- अदालत ने कहा कि मामलों में स्थगन की मांग करने वाले ऐसे पत्रों पर भी विचार नहीं किया जाएगा
  - जिसमें समर्पण से छूट पहले ही दी जा चुकी है;

- ऐसे मामले जिनमें स्थगन की मांग करने वाले पक्ष के पक्ष में **अंतरिम आदेश** पहले से ही लागू है;
- जिन मामलों में सजा के निलंबन की मांग की गई है।

- इसका मतलब यह होगा कि इन **श्रेणियों** के **मामलों** में पक्षों को **अनिवार्य रूप** से **अदालत** में **उपस्थित** होना होगा और पीठ अपने विवेक से निर्णय लेगी।
- अदालत ने स्थगन पर एक **मानक संचालन प्रक्रिया (SoP)** तैयार करने के लिए **न्यायाधीशों** की एक समिति का गठन किया था।

60. अरविंद पनगरिया ने 16वें वित्त आयोग की पहली बैठक की अध्यक्षता की इंडियन - एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संघ और राज्यों के कार्य और जिम्मेदारियाँ, संघीय ढांचे से संबंधित मुद्दे और चुनौतियाँ

प्रीलिम्स टेकअवे
- वित्त आयोग
- सन्दर्भ की शर्तें)ToR)
- भारत की संचित निधि

समाचार :

- हाल ही में, **16वें वित्त आयोग (XVI-FC)** ने **अरविंद पनगढ़िया** की **अध्यक्षता** में अपनी **उद्घाटन** बैठक बुलाई ।

सन्दर्भ की शर्तें (ToR)

- बैठक के दौरान, **भारत** के **राष्ट्रपति** के आदेश के अनुसार और **वित्त मंत्रालय** द्वारा अधिसूचित, इसके संदर्भ की शर्तों पर चर्चा की गई।
- संदर्भ की शर्तें (**ToR**) को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी
  - संघ और राज्यों के बीच टैक्स की शुद्ध आय का वितरण
    - जिन्हें संविधान के **अध्याय I भाग XII** के तहत उनके बीच **विभाजित** किया जाना है या किया जा सकता है
  - इस तरह की आय के संबंधित शेयरों के राज्यों के बीच आवंटन
- **संदर्भ की अन्य शर्तें (ToR):** संचालन करने वाले सिद्धांत
  - भारत की संचित निधि से राज्यों के राजस्व का अनुदान सहायता
  - राज्यों को उनके राजस्व की **अनुदान सहायता** के **माध्यम** से **भुगतान** की जाने वाली राशि।
- **ToR** के अनुसार **पंचायतों** और **नगर पालिकाओं** के संसाधनों की पूर्ति के लिए **राज्य** की **समेकित** निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय सुझाएं है ।

61. अमेरिका में ब्यूबोनिक प्लेग का दुर्लभ मामला सामने आयाएनडीटीवी -

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र सेवाओं/ के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ब्यूबोनिक प्लेग

समाचार:

- हाल ही में, **अमेरिकी राज्य ओरेगॉन** के अधिकारियों ने कहा कि वे **बुबोनिक प्लेग** के एक **दुर्लभ मानव** मामले से निपट रहे हैं जो संभवतः एक **पालतू बिल्ली** द्वारा प्रसारित हुआ था।

ब्यूबोनिक प्लेग

- **ब्यूबोनिक प्लेग** एक प्रकार का **प्लेग** है जिसका नाम **बीमारी** के कारण होने वाली **सूजन लिम्फ नोड्स** (बुबोज़ के (कारण पड़ा है।
  - प्लेग एक संक्रामक रोग है जो **यर्सिनिया पेस्टिस** नामक एक **विशेष प्रकार के जीवाणु** के कारण होता है, यह एक **जूनोटिक जीवाणु** है जो आमतौर पर **छोटे स्तनधारियों** और उनके **पिस्सू** में पाया जाता है।
- इसे **ब्लैक डेथ** कहा जाता है, इसने **मध्य युग** के दौरान **लाखों यूरोपीय** लोगों की जान ले ली।
- प्लेग लोगों में एक बहुत ही **गंभीर बीमारी** हो सकती है, **ब्यूबोनिक** प्रकार के मामले में **मृत्यु दर** का **अनुपात 30% से 60%** है, और **उपचार** न किए जाने पर यह हमेशा **न्यूमोनिक** प्रकार के लिए घातक होता है।
- **लक्षण:**
  - अचानक तेज बुखार और ठंड लगना
  - पेट, हाथ और पैर के क्षेत्रों में दर्द
  - सिर दर्द

- लिम्फ नोड्स में बड़ी और सूजी हुई गांठें जो विकसित होती हैं और उनमें (बुबोज़)से मवाद का रिसाव होता है।
- **संचरण:** यह जानवरों और मनुष्यों के बीच फैलता है
  - संक्रमित पिस्सू के काटने से
  - संक्रमित ऊतकों के साथ सीधा संपर्क
  - संक्रमित श्वसन बूंदों का साँस लेना।
- **ब्यूबोनिक प्लेग** की **ऊष्मायन** अवधि **आमतौर पर 2 से 8 दिन** होती है।
- **उपचार:** इसका उपचार **सिप्रोफ्लोक्सासिन**, **लेवोफ्लोक्सासिन**, **मोक्सीफ्लोक्सासिन**, **जेंटामाइसिन** और **डॉक्सीसाइक्लिन** जैसे **एंटीबायोटिक दवाओं** से किया जा सकता है।

62. भारत ने दवाओं के लिए 'डेटा विशिष्टता' की मांग को खारिज किया : वाणिज्य सचिव - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मुक्त व्यापार समझौता (FTA)
- TRIPS समझौता
- यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA)

समाचार:
- भारत ने **यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA)** के साथ **मुक्त व्यापार समझौते** के लिए चल रही चर्चा के दौरान **'डेटा विशिष्टता'** के अनुरोध को खारिज कर दिया है।

पृष्ठभूमि
- EFTA में **स्विट्जरलैंड**, **नॉर्वे**, **आइसलैंड** और **लिचेंस्टीन** शामिल हैं, जिन्होंने **वर्ष 2008** से भारत के साथ **व्यापार वार्ता** में **डेटा विशिष्टता** पर लगातार जोर दिया है।
  - **EFTA मुक्त व्यापार** को बढ़ावा देने और गहनता के लिए **एक अंतर-सरकारी संगठन** है।
- भारत इसे अस्वीकार करता है क्योंकि ऐसा प्रावधान उसके चलते **जेनेरिक दवा उद्योग** में बाधा बनेगा।
- यह **वैश्विक स्तर** पर **महंगी दवाओं** के किफायती विकल्प उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण रहा है।
  - भारत का **जेनेरिक दवा उद्योग** लगभग **25 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का है और देश अपनी उपज का **50% निर्यात** करता है।

डेटा विशिष्टता
- इसमें दवा **परीक्षण** और **विकास** के दौरान **उत्पादित नैदानिक परीक्षण डेटा** पर **न्यूनतम छह साल** के प्रतिबंध का प्रस्ताव करने वाले मसौदा समझौते में एक प्रावधान शामिल है।
- यह धारा किसी **दवा** की **प्रतिकृति** बनाने के **इच्छुक निर्माताओं** को बाध्य करेगी
  - या तो अपना स्वयं का डेटा तैयार करें, जो महंगा है
  - या भारत में उनके संस्करण को बेचने से पहले प्रतिबंध अवधि की प्रतीक्षा करें।
- इसके माध्यम से, **इनोवेटर कंपनियां विशिष्टता अवधि** के दौरान **प्रतिस्पर्धियों** को कम लागत वाले **संस्करणों** के लिए **मार्केटिंग लाइसेंस** प्राप्त करने से रोक सकती हैं।
- यह **विनियमन भारत** में **पेटेंट** न की गई **दवाओं** पर भी प्रभाव डाल सकता है।
- डेटा विशिष्टता **विश्व व्यापार संगठन** (**WTO**) के तहत **TRIPS** समझौते के प्रावधानों से परे है।

63. डिजिटल सेवा अधिनियम (DSA) यूरोपीय संघ का एक नया कानून- द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- डिजिटल सेवा अधिनियम
- यूरोपीय संघ

समाचार:
- किसी भी उल्लंघन के लिए भारी जुर्माने के जोखिम के साथ **यूरोपीय संघ** के **ऐतिहासिक सामग्री कानून** के पूरी तरह से लागू होने के बाद **डिजिटल कंपनियों** के पास छिपने के लिए कोई जगह नहीं होगी।

मुख्य बिंदु

- नए नियम, जिन्हें **डिजिटल सेवा अधिनियम (DSA)** के नाम से जाना जाता है, पिछले साल दुनिया के सबसे बड़े **प्लेटफार्मों** के लिए लागू किए गए थे
  - **फेसबुक** और **टिकटॉक** सहित, लेकिन अब **छोटी कंपनियों** को छोड़कर सभी पर लागू होगा।
- जब **यूरोपीय संघ** ने **वर्ष 2020** में कानून प्रस्तावित किया, तो उद्देश्य सरल था:
  - **वाइल्ड वेस्ट** को **ऑनलाइन वश** में करने के लिए, जहां **ब्रुसेल्स** को लगा कि **कंपनियां अवैध** सामग्री को रोकने या **उपभोक्ताओं** की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कार्रवाई नहीं कर रही हैं।
- **ब्रुसेल्स** ने पहले ही अपने **दाँत खोल** दिए हैं और **तकनीकी दिग्गजों** को दिखा दिया है कि इसका मतलब व्यवसाय है।
- **यूरोपीय आयोग** द्वारा सबसे बड़े **प्लेटफार्मों** से पूछताछ करने के लिए जांच की एक लहर चल रही है कि वे **उपभोक्ता संरक्षण** से लेकर **बच्चों** की **ऑनलाइन** गतिविधि तक की चिंताओं को कैसे संबोधित कर रहे हैं।
- अब तक, यूरोपीय संघ ने **"अवैध सामग्री और दुष्प्रचार"** को लेकर **तकनीकी अरबपति एलोन मस्क** के **एक्स** के खिलाफ **औपचारिक उल्लंघन** की कार्यवाही शुरू की है।
- DSA के उल्लंघन के लिए सज़ा कठोर होगी।
- **नियमों** का **उल्लंघन** करने वालों पर उनके **वैश्विक वार्षिक कारोबार** का **6%** तक जुर्माना लगाया जा सकता है, या गंभीर और बार-बार उल्लंघन के लिए **यूरोपीय संघ में प्रतिबंध** भी लगाया जा सकता है।
- **यूरोपीय संघ आधिकारिक** तौर पर किसी भी **उल्लंघन** के लिए **कंपनियों** पर जुर्माना सहित **प्रतिबंध** लगाने में सक्षम होगा
- **DSA** को बहुत बड़ी फर्मों के रूप में अपने पदनाम पर **अमेज़ॅन और ज़ालैंडो** से और प्रवर्तन के लिए भुगतान करने के लिए **मेटा और टिकटॉक** से कई कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

64. CCPA ने कोचिंगों के भ्रामक विज्ञापनों को रोकने हेतु दिशानिर्देश जारी किए - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- CCPA
- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम

समाचार:
- **केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA)** ने **कोचिंग क्षेत्र** में **भ्रामक विज्ञापनों** की रोकथाम के लिए मसौदा दिशानिर्देश जारी किए हैं।

मुख्य बिंदु
- केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) केंद्रीय उपभोक्ता मंत्रालय की एक शाखा है|
- यह ऐसे अपराधों को **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम** के दायरे में लाएगा
- इस तरह के दिशानिर्देश कुछ **कोचिंग सेंटरों** के **खिलाफ व्यापक शिकायतों** के बाद शुरू किए गए थे
  - छात्रों के **व्यक्तिगत प्रयासों** को स्वीकार किए **बिना झूठे दावे** करना और **तात्कालिकता** की झूठी भावना पैदा करना
  - छूट जाने के डर से छात्रों में चिंताएं बढ़ सकती हैं, या **माता-पिता** को **नए दिशानिर्देशों** के तहत गुमराह करने वाला माना जाएगा।

केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA):
- **CCPA उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम**, **वर्ष 2019** के प्रावधानों के आधार पर **वर्ष 2020** में स्थापित एक नियामक संस्था है।
- इसके प्रमुख के रूप में एक **मुख्य आयुक्त** और **सदस्य** के रूप में केवल दो अन्य आयुक्त होंगे
- **CCPA** में एक **जांच विंग** होगी जिसका नेतृत्व एक **महानिदेशक** करेगा।
- जिला कलेक्टरों को भी **उपभोक्ता अधिकारों** के **उल्लंघन, अनुचित व्यापार प्रथाओं** और **झूठे या भ्रामक विज्ञापनों की शिकायतों** की जांच करने की शक्ति होगी।
- यह **उपभोक्ता अधिकारों** के **उल्लंघन** या **अनुचित व्यापार प्रथाओं** से संबंधित मामलों की **स्वत: जांच** करेगा
  - किसी शिकायत पर, या केंद्र सरकार के निर्देश पर।

- ऐसी **वस्तुओं** या **सेवाओं** के **खरीदारों** को वापस मंगाई गई **वस्तुओं** या **सेवाओं** की **कीमतें वापस** करने का आदेश पारित करें
  - उन **प्रथाओं** को बंद करना जो **उपभोक्ता** के **हितों** के लिए **अनुचित** और **प्रतिकूल** हैं।
- **झूठे** और **भ्रामक विज्ञापनों** के **निर्माता** या **समर्थनकर्ता** पर **दो साल** तक की **कैद** के साथ **10 लाख रुपये** तक का जुर्माना लगाएं।

65. मध्य एशियाई देश चाबहार बंदरगाह का उपयोग करें: भारत - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- चाबहार बंदरगाह
- शाहिद बेहश्ती

समाचार:
- भारत ने **मध्य एशियाई देशों** से **भारत और दुनिया** के अन्य देशों के साथ **कनेक्टिविटी और व्यापार** बढ़ाने के लिए **ईरान** के **दक्षिण-पूर्वी तट** पर स्थित **चाबहार बंदरगाह** का उपयोग करने का आग्रह किया है।

मुख्य बिंदु
- **किर्गिज़** की **राजधानी बिश्केक** में **अफगानिस्तान** पर **सुरक्षा परिषदों** के **सचिवों/राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों** की **छठी क्षेत्रीय वार्ता** में भाग लेना
  - भारत के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अफगानिस्तान में एक "समावेशी और प्रतिनिधि" सरकार का आह्वान करते हुए कहा -
  - तालिबान शासित देश के प्रति दृष्टिकोण आम सहमति पर आधारित होना चाहिए।
- **ईरान, रूस, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान**
  - **भारत** ने **मध्य एशियाई पड़ोसियों** को **भारत और दुनिया** के **अन्य देशों** के साथ **समुद्री व्यापार** के लिए **चाबहार बंदरगाह** के साथ-साथ बंदरगाह पर **शहीद बेहिश्ती टर्मिनल** का उपयोग करने के लिए आमंत्रित किया।
- भारत ने उस **तालिबान संगठन** को मान्यता नहीं दी है जो **अमेरिकी कब्जे** की समाप्ति के बाद **अगस्त 2021** में सत्ता में आया था।
- संवाद में भाग लेते हुए **भारत मानवीय सहायता** प्रदान करने, वास्तव में **समावेशी** और **प्रतिनिधि सरकार** के गठन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है
  - **आतंकवाद** और **मादक पदार्थों** की तस्करी का मुकाबला करना और **महिलाओं**, **बच्चों** और **अल्पसंख्यकों** के **अधिकारों** का संरक्षण करना

66. PVTG आबादी के आकलन में सरकार के सामने कई तरह की चुनौतियां - द हिंदू

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय

प्रीलिम्स टेकअवे
- पीएम-जनमन
- PVTG

समाचार:
- वर्ष 2021 की जनगणना में अनिश्चित काल की देरी के साथ, सरकार का प्रयास **पीएम गति शक्ति पोर्टल** का उपयोग करना है
- इसका उद्देश्य देश भर में विशेष रूप से **कमजोर जनजातीय समूहों (PVTG)** की कुल आबादी का अनुमान लगाना है, जो किसी न किसी समस्या का सामना कर रहा है।

मुख्य बिंदु
- **PVTG** के लिए सरकार के **₹24,000 करोड़** के **PM-JANMAN पैकेज** के कार्यान्वयन के लिए जनसंख्या की जानकारी महत्वपूर्ण है।
- जब **नवंबर 2023 में पैकेज लॉन्च** किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि **PVTG गांवों** में सभी बुनियादी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा हो
  - सरकार ने कहा कि देश में लगभग 28 लाख PVTG लोग हैं।

- सरकार ने कहा कि उसका लक्ष्य उनके कब्जे वाली लगभग **22,500 बस्तियों** में बुनियादी ढांचे की खामियों को दूर करना है।
- लेकिन **जनवरी 2024** में परिचालन दिशानिर्देश जारी होने तक, **जनजातीय कार्य मंत्रालय** ने दावा किया कि **PVTG** की **कुल आबादी 36.75 लाख** थी।
- जनवरी के अंत तक, सरकार ने **31 जनवरी, 2024** तक कुल **जनसंख्या को 44.64 लाख** आंकते हुए इसे और संशोधित किया था।
- इनमें से किसी भी अनुमान में **बिहार और मणिपुर** का डेटा शामिल नहीं था, अधिकारियों का कहना है कि कुछ बस्तियों की आबादी को बाकी राज्यों के लिए भी पोर्टल में फीड किया जाना बाकी है।
- कुछ जिले **राशन वितरण चार्ट** से **जनसंख्या डेटा** का उपयोग कर रहे हैं, अन्य **वर्ष 2011** की जनगणना या सरकारी संस्थानों द्वारा **वर्ष 2015** में किए गए **सर्वेक्षणों** के डेटा का उपयोग कर रहे हैं;
- **जनमन पैकेज** के तहत संपर्क सड़कों और **आंगनबाड़ियों के निर्माण** जैसी कुछ बुनियादी ढांचा **परियोजनाओं** को मंजूरी देने से पहले **जनसंख्या मानदंड** को पूरा करने की आवश्यकता होती है।
- जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने **पीएम-जनमन** पर काम कर रहे सभी **मंत्रालयों** से कहा है कि **पोर्टल** पर **जनसंख्या डेटा स्थिर** नहीं है और यह संशोधन के अधीन है।
- जनवरी के **नवीनतम उपलब्ध सरकारी आंकड़ों** से पता चलता है कि देश भर में कम से कम **12.70 लाख PVTG परिवार** हैं।

67. सरकार जन्म तिथि प्रमाण के रूप में आधार पर जल्द ही नई एडवाइजरी जारी करेगी - द हिंदू

प्रासंगिकता: संघ और राज्यों के कार्य और जिम्मेदारियाँ, संघीय ढांचे से संबंधित मुद्दे और चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर तक शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसमें चुनौतियाँ।

प्रीलिम्स टेकअवे
- EPFO
- आधार

समाचार:
- **जनता** और **सरकारी योजनाओं** के लाभार्थियों को असुविधा से बचाने के लिए और **'जन्मतिथि'** के प्रमाण के **रूप में आधार** का उपयोग बंद करने के हालिया निर्देश के बारे में चिंता की भावना को कम करने के लिए किया जा सकता है

मुख्य बिंदु
- **भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI)** जल्द ही एक स्पष्टीकरण जारी करने की संभावना है
  - उम्र के लिए आईडी प्रमाण पर भरोसा करने वाले लोग **"जोखिम-आधारित मूल्यांकन"** करने के बाद ऐसा कर सकते हैं।
- **UIDAI** ने दिसंबर 2023 में एक संदेश में, **पहचान प्रमाणित** करने के लिए **आधार** का उपयोग करने वाली सभी **एजेंसियों** से किसी व्यक्ति की **जन्मतिथि सत्यापित** करने के लिए **स्वीकार्य दस्तावेजों** की सूची से इसे हटाने के लिए कहा था।
- **प्राधिकरण** ने कहा कि यह उसकी बताई गई स्थिति की **पुनरावृत्ति** थी और विभिन्न **उच्च न्यायालय** के फैसलों में इसे उजागर किया गया था।
- अब **आधार कार्ड** एक प्रमुख अस्वीकरण के साथ आते हैं कि वे **"पहचान का प्रमाण** हैं, **नागरिकता** या **जन्मतिथि** का नहीं"।
- **UIDAI** निर्देश वापस नहीं लेगा लेकिन जल्द ही एजेंसियों के लिए एक **एडवाइजरी** जारी करेगा
  - **कल्याणकारी** लाभों और **KYC अनुपालन** उद्देश्यों के लिए **आधार प्रमाणीकरण** पर भरोसा करें।
- **"जन्म तिथि औ**र यहां तक कि आधार में उल्लिखित पता **नामांकन** के समय प्रदान किए गए **दस्तावेजों** के आधार पर किसी व्यक्ति की उम्र और स्थान का उचित मूल्यांकन है।
- लेकिन इसे इनमें से किसी भी विवरण के लिए अचूक साक्ष्य नहीं माना जा सकता
- **आधार प्रमाणीकरण** के लिए उनके उपयोग के मामलों में शामिल **जोखिमों** का आकलन करने के बाद यह तय करना संबंधित इकाई पर निर्भर है कि उन्हें स्वीकार किया जाए या अधिक **दस्तावेजों** की मांग की जाए।

- **जन्म तिथि** को **जन्म प्रमाण** पत्र या **स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र** जैसे दस्तावेजों का उपयोग करके सत्यापित किया जा सकता है
  - जहां भी सटीक उम्र जानना महत्वपूर्ण है, चाहे वह किसी **नाबालिग या वरिष्ठ नागरिक** के लिए बैंक खाता खोलना हो,
  - पें**शन लाभ स्थानांतरित** करना, उन्होंने बताया कि किसी **व्यक्ति की उम्र की पुष्टि** के लिए **पासपोर्ट** या **ड्राइविंग लाइसेंस** का भी उपयोग किया जा सकता है।

प्रभाव का मूल्यांकन

- **कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO)** जैसी कुछ संस्थाओं ने **जन्म तिथि प्रमाण** के रूप में आधार के उपयोग को पहले ही खत्म कर दिया है।
- जबकि **अन्य विभाग** और **उपयोगकर्ता एजेंसियां** अभी भी **प्रभाव का मूल्यांकन** कर रही हैं।
- आधार का उपयोग **GST व्यवस्था** के तहत **पंजीकरण** के लिए भी किया जा रहा है, लेकिन उन मामलों में **जन्म तिथि** महत्वपूर्ण नहीं है।

68. सेनेगल में राष्ट्रपति चुनाव में देरी के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सेनेगल का
- मानचित्र आधारित प्रश्न

समाचार:

- **राष्ट्रपति माकी सैल** ने **नेशनल असेंबली** और **संवैधानिक परिषद** के बीच विवाद का हवाला देते हुए मूल रूप से **25 फरवरी** को होने वाले **राष्ट्रपति चुनावों** को स्थगित कर दिया।

मुख्य बिंदु

- विपक्षी विधायकों को जबरन **संसद** से हटा दिया गया, जिससे **माकी सैल** को कार्यालय में **10 महीने** का अतिरिक्त समय मिल गया, जिससे **देशव्यापी विरोध प्रदर्शन** शुरू हो गया।
- आलोचकों ने इस कदम की निंदा करते हुए इसे संवैधानिक तख्तापलट बताया है।

पिछली हिंसा की पुनरावृत्ति:

- जनवरी में **राष्ट्रपति** पद की दौड़ से बाहर किए गए **सोनको** को पहले कथित **अनैतिक व्यवहार** के लिए दो साल की जेल की सजा मिली थी।

कार्यकाल की सीमा पर राष्ट्रपति सॉल का विवादास्पद रुख:

- **माकी सैल,** जिन्होंने **वर्ष 2012** में अपने पूर्ववर्ती के **तीसरे कार्यकाल** के खिलाफ प्रतिरोध के बीच पदभार संभाला था, **संवैधानिक घड़ी** की **पुनर्व्याख्या के आधार** पर संभावित **तीसरे कार्यकाल** को उचित ठहराते हैं।
- विलंबित चुनावों के बीच सत्ता को मजबूत करने के सॉल के इरादों के बारे में अटकलें लगाई जाती हैं।

सेनेगल का लोकतांत्रिक रिकॉर्ड:

- **सेनेगल ऐतिहासिक** रूप से अपनी **बहुदलीय लोकतांत्रिक प्रणाली** में **सुचारू सत्ता परिवर्तन** के लिए जाना जाता है।
- वर्ष 1960 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से कभी भी **सैन्य तख्तापलट या गृहयुद्ध** का अनुभव नहीं हुआ।
- **राष्ट्रपति सैल** ने **गाम्बिया** में **याह्या जाममेह** को हटाने, **पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्र** में **लोकतांत्रिक शासन** को बढ़ावा देने के क्षेत्रीय प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्षेत्रीय स्थिरता के बारे में चिंताएँ:

- **सेनेगल** का अपनी **लोकतांत्रिक** परंपरा से हटना **सैन्य अधिग्रहण** (गिनी, बुर्किना फासो, माली, नाइजर) का सामना करने वाले **पड़ोसी देशों** के विपरीत है।
- अफ्रीकी देशों में सैन्य तानाशाही के बार-बार होने वाले खतरे से निपटने के लिए प्रमुख शक्तियों से क्षेत्र में अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया गया।

69. ग्रीस के प्रधानमंत्री रायसीना वार्ता की अध्यक्षता करेंगे - द हिंदू/ ग्रीक पीएम की 21 फरवरी को भारत यात्रा पर आयेंगे - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- रायसीना वार्ता
- ग्रीस

समाचार:
- **ग्रीस** के **प्रधान मंत्री** विदेश मंत्रालय (MEA) की **वार्षिक रायसीना वार्ता** के **मुख्य अतिथि** के रूप में अगले सप्ताह **दिल्ली की यात्रा** करेंगे।

मुख्य बिंदु
- **ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ORF)** द्वारा आयोजित सम्मेलन में आने वाले कई **अंतरराष्ट्रीय गणमान्य** व्यक्तियों में से एक होंगे।
  - इसमें लातविया, रोमानिया, एस्टोनिया, सर्बिया सहित यूरोपीय देशों के कई विदेश मंत्रियों और उप विदेश मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है।
  - नीदरलैंड, और नेपाल, वियतनाम जैसे पड़ोसी देशों के साथ-साथ दुनिया के अन्य हिस्सों से अन्य मंत्री भी शामिल हुए।
- **रायसीना वार्ता** इस साल **21-22 फरवरी** को **ब्राजील** द्वारा आयोजित **G-20 विदेश मंत्रियों** की बैठक के साथ मेल खाता है।
  - जबकि **विदेश मंत्री सम्मेलन** की मेजबानी के लिए दिल्ली में रहेंगे, अधिकांश **G-20 विदेश मंत्रियों** के **रियो डी जनेरियो** में रहने की उम्मीद है।
- सूत्रों के मुताबिक, इस कार्यक्रम में **यूक्रेन** के **उप विदेश मंत्री** के भी बोलने की उम्मीद है।
- **"अगस्त 2023** में **पीएम मोदी** की **ग्रीस यात्रा** के दौरान भारत-ग्रीस संबंधों को '**रणनीतिक साझेदारी**' तक बढ़ाया गया है।
- ये साझा सांस्कृतिक मूल्यों, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की **प्रतिबद्धता, सुरक्षा** और **रक्षा, शिपिंग, समुद्री** के क्षेत्र में सहयोग पर आधारित हैं और **क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अभिसरण** द्वारा चिह्नित हैं।
- **भारत और ग्रीस 2022** से **दोनों देशों** के बीच कानूनी **"कुशल प्रवासन"** की सुविधा के लिए एक **प्रवासन** और **गतिशीलता समझौते** पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इसे समाप्त नहीं किया जा सका है।
- यह **वर्ष 2016** से **MEA-ORF** द्वारा आयोजित **रायसीना संवाद** का **नौवां संस्करण** है।
- पिछले संस्करणों में **डेनमार्क, रवांडा, इज़राइल, यूरोपीय आयोग, इटली** और **अन्य के नेताओं** द्वारा मुख्य भाषण दिए गए थे।

70. भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों का आह्वान किया- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद
- सुरक्षा परिषद सुधार

समाचार:
- भारत ने सवाल किया है कि **शक्तिशाली संयुक्त राष्ट्र निकाय** के **पांच स्थायी सदस्यों** की **इच्छा विश्व संगठन के 188 सदस्य देशों** की **सामूहिक आवाज** को कब तक हावी रहेगी।

मुख्य बिंदु
- **संयुक्त राष्ट्र** में **भारत** के **स्थायी प्रतिनिधि राजदूत, सुरक्षा परिषद सुधार** पर **अंतर-सरकारी वार्ता** में बोलते हुए
  - इस बात पर जोर दिया गया कि **15 देशों** वाले **संयुक्त राष्ट्र निकाय** में सुधार के **वैश्विक प्रयासों** की आधारशिला "**समानता**" होनी चाहिए।
- समानता की मांग है कि प्रत्येक **राष्ट्र** को, चाहे **उसका आकार या शक्ति कुछ** भी हो, **वैश्विक निर्णय** लेने को आकार देने का समान अवसर दिया जाए।
- **परिषद** के **पांच स्थायी सदस्य** - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका
  - जिनके विशिष्ट वीटो अधिकार **अंतरराष्ट्रीय शांति** और **सुरक्षा** के **रखरखाव** के मामलों पर **सुरक्षा परिषद** में निर्णय लेने को प्रभावित करने की शक्ति रखते हैं।

- **परिषद** के **अन्य 10 सदस्य गैर-स्थायी श्रेणी** के लिए **दो साल** के लिए चुने जाते हैं और उनके पास **वीटो शक्तियाँ** नहीं होती हैं।
- केवल परिषद की अस्थायी श्रेणी में विस्तार करने से समस्या का समाधान नहीं होगा
- यह वास्तव में **स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों** के **बीच अंतर को और अधिक** बढ़ा देगा, जिससे **असमानताएं** दूर होने के बजाय और अधिक बढ़ जाएंगी।

71. उत्तरी आयरलैंड में राजनीतिक गतिरोध - हिन्दू

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मानचित्र आधारित प्रश्न

समाचार:
- **उत्तरी आयरलैंड (NI)** ने हाल ही में **वर्ष 2022** के चुनावों के बाद से **राजनीतिक अंतराल** को समाप्त करते हुए एक **नई सरकार** का **गठन** किया ।

मुख्य बिंदु

सरकार गठन में देरी क्यों?
- **कंजर्वेटिव नेतृत्व** वाली **सरकार** का हिस्सा **DUP** ने **NI** और **शेष ब्रिटेन** के बीच **आंतरिक व्यापार सीमा** पर आपत्ति जताई।
  - वर्ष 2022 के चुनावों के बाद से **स्टॉर्मोंन्ट** का बहिष्कार शुरू हो गया है।
- **आयरिश सागर** में सीमा **वर्ष 2020** के वापसी समझौते के परिणामस्वरूप हुई, जिसका लक्ष्य **यूरोपीय संघ** के साथ स्पष्ट रूप से अलग होना था।
- बातचीत के बाद, **NI** अब **यूनाइटेड किंगडम** और **यूरोपीय संघ** के **दोहरे अधिकार क्षेत्र** के तहत काम करता है।

विंडसर फ्रेमवर्क-2023:
- **यूनाइटेड किंगडम** के **निकासी प्रोटोकॉल** पर चिंताओं को संबोधित करते हुए, **विंडसर फ्रेमवर्क** ने **NI** और **ग्रेट ब्रिटेन** के बीच माल के लिए **पेपरवर्क** को सरल बना दिया।
- **जनवरी** में प्रस्तावित **कमांड पेपर प्रक्रियाओं** को और आसान बनाता है, **80% वस्तुओं** को चेक से छूट देता है और **यूनाइटेड किंगडम** के **आंतरिक बाजार** में **NI की स्थिति** को **संरक्षित** करने के लिए एक **निकाय** की स्थापना करता है।
- हालाँकि, **NI** के **दोहरे क्षेत्राधिकार** के कारण **ग्रेट ब्रिटेन** की कंपनियों को अधिक **पेपरवर्क** का सामना करना पड़ता रहेगा।

आगे की चुनौतियां:
- **ब्रेक्सिट** से संबंधित दबाव बना हुआ है, और **राजनीतिक गतिरोध संघवादियों** और **राष्ट्रवादियों** के बीच अनिवार्य **गठबंधन** में बाधा डालता है।
- **आयरिश प्रधानमंत्री** ने **NI** के **राजनीतिक परिदृश्य** में चल रही चुनौतियों का समाधान करने के लिए **वर्तमान व्यवस्था** का **पुनर्मूल्यांकन** करने की आवश्यकता का सुझाव देते हुए प्रणाली में सुधार का आह्वान किया।

72. तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019
- CrPC, 1973 की धारा 125

समाचार:
- **सरकार** द्वारा लागू **मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986** यह नहीं कहता है कि एक **त**लाकशुदा मुस्लिम महिला **CrPC, 1973** की **धारा 125** के तहत याचिका दायर नहीं कर सकती है।

मुख्य बिंदु
- यह अधिनियम **शाहबानो मामले** के फैसले के बाद **सरकार** द्वारा **अधिनियमित** किया गया था
- इसमें कहा गया है कि **मुस्लिम महिलाएं** अपने पूर्व **पति** से **भरण-पोषण** की मांग कर सकती हैं
- सुप्रीम कोर्ट ने इस सवाल पर फैसला सुरक्षित रखा कि इन दोनों में से कौन सा कानून प्रभावी होगा।

- अधिनियम यह नहीं कहता कि **धारा 125** के तहत **मुस्लिम महिलाओं** द्वारा कोई याचिका दायर नहीं की जाएगी।

मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019

- यह **अधिनियम लिखित** या **इलेक्ट्रॉनिक** रूप सहित तलाक की **सभी घोषणाओं** को **शून्य** (यानी कानून में लागू करने योग्य नहीं) और **अवैध** बनाता है।
- **अधिनियम तलाक** की **घोषणा** को **संज्ञेय अपराध** बनाता है, जिसके लिए **तीन साल तक की कैद** और जुर्माना हो सकता है।
- अपराध केवल तभी संज्ञेय होगा जब अपराध से संबंधित जानकारी **विवाहित महिला** (जिसके खिलाफ तलाक घोषित किया गया हो), या उसके **रक्त या विवाह** से **संबंधित** किसी व्यक्ति द्वारा दी गई हो।

73. महाराष्ट्र विधानसभा ने मराठा आरक्षण विधेयक को मंजूरी दी - द हिंदू/ महाराष्ट्र विधानसभा ने सर्वसम्मति से 10% मराठा आरक्षण को मंजूरी दी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग
- संविधान पीठ

समाचार:

- **महाराष्ट्र विधानसभा** ने **नौकरियों** और **शिक्षा** में **सामाजिक** और **शैक्षिक** रूप से **पिछड़े श्रेणियों** के तहत **मराठों** के लिए **10% आरक्षण** को रद्द करने के लिए सर्वसम्मति से एक विधेयक पारित किया है।

मुख्य बिंदु

- यह विधेयक **न्यायमूर्ति** (सेवानिवृत्त) **सुनील बी शुक्रे** के नेतृत्व वाले **महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (MSBCC)** की एक रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया था।

नारायण राणे समिति

- **मराठों** के लिए एक विशेष कानून की पहली बोली में, सरकार **वर्ष 2014** के **चुनावों** से पहले **समुदाय** को **सरकारी नौकरियों** और **शिक्षा** में **16% आरक्षण** देने वाला एक अध्यादेश लेकर आई।
- यह **नारायण राणे** के नेतृत्व वाली **समिति** की सिफारिशों पर आधारित था, जो वैधानिक **पिछड़ा वर्ग** आयोग नहीं था।

गायकवाड आयोग

- **गायकवाड़ पैनल** ने **43,629 परिवारों** के सर्वेक्षण के बाद **नवंबर 2018** में अपनी रिपोर्ट दी
- रिपोर्ट में कहा गया है कि **76.86% मराठा परिवार कृषि** और **कृषि श्रम** (**संयुक्त**) में लगे हुए थे।
  - **6% सरकारी** और **अर्ध-सरकारी सेवाओं** में, **3% निजी सेवाओं** में, **4% व्यापार** और **उद्योग** में, और **9% गैर-कृषि शारीरिक श्रम** में थे।
- कानून को पहली बार **बॉम्बे हाई कोर्ट** में चुनौती दी गई, जिसने फैसला सुनाया कि अधिनियम के तहत दिया गया आरक्षण "उचित" नहीं था
  - और इसे घटाकर **शिक्षा में 12%** और **सरकारी नौकरियों में 13%** कर दिया।
- मामला सुप्रीम कोर्ट में गया और **मई 2021** में एक **संविधान पीठ** ने आरक्षण पूरी तरह से रद्द कर दिया
- न्यायालय ने "किसी विशेष मामले या समुदाय को पिछड़े वर्ग में शामिल किया जाना है या नहीं, यह पता लगाने के लिए **प्रासंगिक डेटा एकत्र** करने का अधिकार राज्य पर छोड़ दिया"।
- इसी के आधार पर **जस्टिस शुक्रे पैनल** का गठन किया गया था
- **शिंदे सरकार** ने बड़े पैमाने पर **सर्वेक्षण** कराने का निर्देश दिया है।
- इसमें **सरकारी नौकरियों** और **विकसित क्षेत्रों** में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए **मराठों** को अलग से **आरक्षण** देने की मांग की गई है।

74. वाणिज्य मंत्रालय WTO में छोटे मछुआरों के हितों की रक्षा करे: NFF - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- विश्व व्यापार संगठन
- नेशनल फिशवर्कर्स फोरम

समाचार:

- **नेशनल फिशवर्कर्स फोरम (NFF)** ने **WTO** में **छोटे मछुआरों** के हितों की रक्षा करने के लिए कहा है

मुख्य बिंदु

- किसानों ने इस महीने के अंत में **मत्स्य पालन सब्सिडी** वार्ता से छोटे पैमाने पर मछली पकड़ने को बाहर रखने के लिए **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** पर दबाव डालने के लिए **वाणिज्य मंत्रालय** को एक अनुरोध भेजा है।
- **वाणिज्य मंत्रालय** के अधिकारियों का कहना है कि भारत **WTO** में **गरीब मछुआरों** को दी जाने वाली सब्सिडी पर किसी भी तरह के प्रतिबंध के खिलाफ जोर देगा
  - आगामी **अंतर-मंत्रालयी** बैठक के दौरान **अमेरिका** और **यूरोपीय संघ** सहित **उन्नत देशों** से मछली पकड़ने की सब्सिडी पर रोक लगाने की भी मांग की।
- **भारत** एकमात्र ऐसा देश है जहां छोटे स्तर के **मछुआरे बड़ी संख्या** में **मछली** पकड़ते हैं

मछलियों की संख्या में गिरावट के लिए कारक

- यह औद्योगिक प्रदूषण, **ग्लोबल वार्मिंग** और **तटीय क्षरण** जैसे अन्य कारकों के कारण है जिसने मछुआरों को प्रभावित किया है
- NFF ने सरकार से आगे कहा कि एक मजबूत **घरेलू मत्स्य पालन नीति** की जरूरत है
  - लघु-स्तरीय, दस्तकारी और स्वदेशी मछली श्रमिकों के अधिकारों को परिभाषित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं के अनुरूप और एक सामंजस्यपूर्ण राष्ट्रीय नीति के बिना
  - उनकी अनूठी विशेषताओं और मछली पकड़ने के तरीकों के कारण, विश्व व्यापार संगठन में भारत की स्थिति में प्रभावी प्रतिनिधित्व के लिए आवश्यक आधार का अभाव हो सकता है।
- **WTO** के **12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC12)** में **वर्ष 2022** में **मत्स्य पालन सब्सिडी (AFS)** पर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
  - लेकिन इसमें केवल **अवैध, असूचित** और **अनियमित (IUU)** मछली पकड़ने और अत्यधिक मछली पकड़ने वाले **स्टॉक** को शामिल किया गया है, जिसमें **विचाराधीन तीन स्तंभों** में से दो शामिल हैं।
- **AFS** के तहत, **विकासशील देशों** और **अल्प विकसित देशों (LDC)** के लिए केवल **दो साल** की विशेष और **विभेदक उपचार (S&D)** छूट उपलब्ध कराई गई थी।

75. 'INDUS-X' शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया गया - द प्रिंट

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं

प्रीलिम्स टेकअवे
- 'INDUS-X' शिखर सम्मेलन
- रक्षा उत्कृष्टता के लिए भारत के नवाचार (iDEX)

समाचार :

- **भारत** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** दो दिवसीय **'INDUS-X'** शिखर सम्मेलन के दौरान अपने रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए तैयार हैं।
- **शिखर सम्मेलन** विशेष रूप से **द्विपक्षीय रक्षा नवाचार** और **सहयो**ग को आगे बढ़ाने पर केंद्रित होगा।

भारत-अमेरिका रक्षा एक्सीलेरेशन पारिस्थितिकी तंत्र (INDUS-X)

- इसे **जून 2023** में **भारत** के **प्रधानमंत्री** की **अमेरिका** की **राजकीय यात्रा** के दौरान लॉन्च किया गया था।
- **भारत** और **अमेरिका** के बीच **रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी** और **रक्षा औद्योगिक सहयोग** को बढ़ावा देना है।
- **उद्देश्य**
  - सामरिक प्रौद्योगिकी साझेदारी और रक्षा औद्योगिक सहयोग का विस्तार करें।
  - संयुक्त चुनौतियों, अकादमिक जुड़ाव, उद्योग-स्टार्टअप कनेक्ट और रक्षा परियोजनाओं में निवेश को शामिल करते हुए एक रक्षा नवाचार पुल स्थापित करें।
- इस पहल का उद्देश्य **जेट इंजन, लंबी दूरी की तोपखाने और पैदल सेना वाहनों** के **सह-उत्पादन** की संभावनाएं तलाशना है।
- इसका आयोजन **भारत** के **इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (iDEX)** और **अमेरिकी रक्षा विभाग** द्वारा किया जाता है।
  - यह **अमेरिकी -भारत बिजनेस काउंसिल और सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (SIDM)** के सहयोग से है।

मुख्य रक्षा समझौते

- **भारत** और **अमेरिका** ने हाल के वर्षों में **LEMOA, COMCASA और BECA** जैसे प्रमुख समझौतों के माध्यम से अपने **रक्षा** और **रणनीतिक संबंधों** को मजबूत किया है।
- ये समझौते **अंतरसंचालनीयता** को बढ़ाते हैं और **उच्च-स्तरीय सैन्य प्रौद्योगिकी** और रसद के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं।

76. WHO ने डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म लॉन्च किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- डिजिटल हेल्थ पर वैश्विक पहल (GIDH)
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

समाचार:
- हाल ही में, **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** ने **डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल (GIDH)** की शुरुआत की है।
- यह **वर्ष 2023** में भारत की **G20 अध्यक्षता** के दौरान निर्धारित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक के अनुरूप है।

डिजिटल हेल्थ पर वैश्विक पहल (GIDH)
- यह **देशों** के बीच **ज्ञान और डिजिटल उत्पादों** को साझा करने के लिए **एक मंच** के रूप में **काम** करेगा।
- इसमें निम्नलिखित **चार मुख्य घटक** शामिल हैं ।
  - देश को ट्रैकर की जरूरत
  - देश संसाधन पोर्टल (किसी देश में उपलब्ध संसाधनों का मानचित्र)
  - गुणवत्ता-सुनिश्चित डिजिटल टूल साझा करने के लिए ट्रांसफ़ॉर्मेशन टूलबॉक्स
  - ज्ञान विनिमय मंच

भारत की प्रतिबद्धताएँ
- **केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री** ने **डिजिटल स्वास्थ्य** के प्रति **भारत** की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला और इसके लिए एक **संस्थागत ढांचा** स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया।
- उन्होंने कहा कि यह मंच विशेष रूप से **वैश्विक दक्षिण** के **देशों** के लिए **डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों** को **लोकतांत्रिक** बनाने में मदद करेगा।
- उन्होंने **इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रणाली** बनाने में **भारत** के **आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन** के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

महामारी के बीच डिजिटल परिवर्तन
- **संयुक्त राष्ट्र** में **भारत** के **प्रतिनिधि** ने **महामारी** के दौरान **भारत के डिजिटल परिवर्तन** पर प्रकाश डाला।
  - जिसमें **डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** के माध्यम से **केस ट्रैकिंग** और **CoWIN प्लेटफ़ॉर्म** के माध्यम से बड़े पैमाने पर **टीकाकरण अभियान** का **प्रबंधन** करना शामिल है।
- उन्होंने **डिजिटल टीकाकरण प्रमाणपत्र** जारी करने और **आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन** और **ई संजीवनी टेलीकंसल्टेशन प्लेटफॉर्म** जैसी पहल की सफलता पर जोर दिया।

WHO के उद्देश्य और समर्थन
- **WHO** के **जनरल डायरेक्टर** ने कहा कि **GIDH तीन** तरह से **देशों** को समर्थन देगा
  - उनकी जरूरतों को सुनकर
  - विखंडन और ओवरलैप से बचने के लिए संसाधनों को संरेखित करके
  - गुणवत्ता सुनिश्चित उत्पाद प्रदान करके
- उन्होंने **डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों** में विखंडन और **ओवरलैप** को रोकने के लिए **सामान्य मानकों** और **साझा दृष्टिकोण की आवश्यकता** पर भी जोर दिया।

डिजिटल स्वास्थ्य की क्षमता और दायरा
- अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ के उप महासचिव ने डिजिटल स्वास्थ्य की विशाल क्षमता पर प्रकाश डाला।
- जबकि दुनिया की लगभग आधी आबादी के पास **स्वास्थ्य सेवाओं** तक पहुंच नहीं है, लगभग **90%** के पास **3G कनेक्शन** है।
- यह **स्वास्थ्य** देखभाल पहुंच में अंतर को पाटने के लिए **डिजिटल प्रौद्योगिकी** का लाभ उठाने के अवसर को रेखांकित करता है।

77. इज़राइल-हमास युद्ध के बावजूद IMEC के साथ आगे बढ़ें: ग्रीक पीएम - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- IMEC कॉरिडोर
- हाइफ़ा बंदरगाह

समाचार:
- **नई दिल्ली** में **ग्रीक प्रधानमंत्री** ने कहा, **भारत** और **ग्रीस** को **"शांति परियोजना"** पर कायम रहना चाहिए।

मुख्य बिंदु
- **ग्रीक प्रधानमंत्री** ने कहा कि **गाजा में इजरायली युद्ध** के बावजूद **भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारे (IMEC)** की योजनाएँ "**अस्थिर**" हो रही हैं।
- "**गाजा** में **युद्ध** और **मध्य पूर्व** में **अशांति निस्संदेह** अस्थिर करने वाली है लेकिन यह **IMEC** के पीछे के शक्तिशाली तर्क को कमजोर नहीं करती है।
- "**भारत** की **G-20 अध्यक्षता** के दौरान लॉन्च किया गया **IMEC कॉरिडोर** लंबे समय में मानवता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।
- इस पहल के संस्थापक सदस्यों में **भारत, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इटली, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात** और **सऊदी अरब** शामिल हैं।
  - **गाजा** में संघर्ष के कारण पिछले छह महीनों से **MoU** के अनुसार मिलने में असमर्थ हैं।
- **भारत** के **अदानी समूह** के **स्वामित्व** वाला **इज़राइल** का **हाइफ़ा बंदरगाह**, **भारत के पश्चिमी तट** से **IMEC** के तहत प्रस्तावित **जहाज** और **रेल मार्ग** के लिए एक **प्रमुख व्यापारिक बिंदु** होने की उम्मीद थी।
  - **संयुक्त अरब अमीरात** और **सऊदी अरब** से होते हुए **जॉर्डन और इज़राइल तक, ग्रीस** के **पीरियस बंदरगाह** तक पहुंचने से पहले और **यूरोप** के बाकी हिस्सों तक।

IMEC कॉरिडोर
- प्रस्तावित **IMEC** में **रेलमार्ग**, **शिप-टू-रेल नेटवर्क** और **सड़क परिवहन मार्ग** शामिल होंगे जो **दो गलियारों** तक फैले होंगे, अर्थात,
  - पूर्वी गलियारा - भारत को अरब की खाड़ी से जोड़ता है,
  - उत्तरी गलियारा - खाड़ी को यूरोप से जोड़ता है।
- IMEC कॉरिडोर में एक बिजली केबल, एक हाइड्रोजन पाइपलाइन और एक हाई-स्पीड डेटा केबल भी शामिल होगी।
- भारत, अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यूरोपीय संघ, इटली, फ्रांस और जर्मनी हस्ताक्षरकर्ता हैं।

बंदरगाहों को जोड़ा जाएगा
- **भारत:** मुंद्रा (गुजरात), कांडला (गुजरात), और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (नवी मुंबई)।
- **मध्य पूर्व:** संयुक्त अरब अमीरात में फ़ुजैरा, जेबेल अली और अबू धाबी के साथ-साथ सऊदी अरब में दम्मम और रास अल खैर बंदरगाह।
- **रेलवे लाइन** फ़ुजैरा बंदरगाह (यूएई) को सऊदी अरब (घुवाईफ़ात और हराद) और जॉर्डन के माध्यम से हाइफ़ा बंदरगाह (इज़राइल) से जोड़ेगी।
- **इज़राइल:** हाइफ़ा बंदरगाह.
- **यूरोप:** ग्रीस में पीरियस बंदरगाह, दक्षिण इटली में मेसिना और फ्रांस में मार्सिले।

78. जनजातीय और आयुष मंत्रालयों ने स्वास्थ्य जांच पर संयुक्त पहल की घोषणा की - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय
- पोषण वाटिकाएँ

समाचार:
- **जनजातीय मंत्रालय** और **आयुष मंत्रालय** ने **संयुक्त** रूप से **आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों** के माध्यम से **जनजातीय छात्रों** की **जांच** और **स्वास्थ्य प्रबंधन** के लिए एक **राष्ट्रीय स्तर** की **परियोजना** शुरू की है।

मुख्य बिंदु

- **मंत्री** ने **एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS)** में **पोषण वाटिकाओं** की तर्ज पर **औषधीय पौधों** के **उद्यानों** को शामिल करने का सुझाव दिया।
  - अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में परंपरा के महत्व के बारे में भावी पीढ़ियों के बीच जागरूकता बढ़ाना।
- **आयुष मंत्रालय** अपने **केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS)** के सहयोग से शुरू की है।
- **जनजातीय मंत्रालय** और **ICMR -नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च इन ट्राइबल हेल्थ (NIRTH), जबलपुर** के साथ साझेदारी में **आदिवासी छात्रों** के लिए यह **स्वास्थ्य पहल** शुरू की गई है।
- इसका उद्देश्य देश के **आदिवासी क्षेत्रों** में **EMRS** में रहने वाले **छात्रों** की **स्वास्थ्य देखभाल** आवश्यकताओं को पूरा करना है।
- **मंत्री** ने आगे बताया कि इस **परियोजना** का लक्ष्य देश के **14 राज्यों** में **55 चिन्हित EMRS** में **छठी** से **12वीं** कक्षा में नामांकित **10-18 वर्ष** की आयु के छात्रों को लाभ पहुंचाना है।
- **स्क्रीनिंग एनीमिया, हीमोग्लोबिनोपैथी, कुपोषण** और **तपेदिक** जैसे मुद्दों की पहचान करने पर केंद्रित होगी।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (EMRS)

- यह **दूरदराज** के **क्षेत्रों** में **अनुसूचित जनजाति (ST)** के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है
- उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में **उच्च शिक्षा** और **रोजगार** के अवसरों तक पहुंचने में सक्षम बनाना।
- ये स्कूल न केवल **शैक्षणिक शिक्षा बल्कि छात्रों** के स्वास्थ्य सहित समग्र विकास पर भी जोर देते हैं।
- वर्तमान में, देश भर में **402** कार्यात्मक **EMRS** हैं, प्रत्येक गुणवत्तापूर्ण **शिक्षा, खेल प्रशिक्षण** और **कौशल विकास** के लिए **अत्याधुनिक सुविधाएं** प्रदान करते हैं।

79. केंद्र ने गरीब कैदियों की जमानत के लिए ₹20 करोड़ का वार्षिक फंड आवंटित किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो
- कारागार सुधार

समाचार:

- **केंद्र सरकार** ने **वित्तीय बाधाओं** के कारण देश भर की जेलों में बंद **गरीब कैदियों** को बाहर निकालने के लिए **₹20 करोड़ का वार्षिक फंड** आवंटित किया है।

मुख्य बिंदु

- **गृह मंत्रालय** ने **सभी राज्यों** और **केंद्र शासित प्रदेशों** के **जेल प्रमुखों** से **गरीब कैदियों** को **राहत प्रदान** करने के लिए **धन का उपयोग करने** का आग्रह किया है।
  - जो या तो अपने ऊपर लगाया गया **जुर्माना भरने** में असमर्थ हैं या **आर्थिक तंगी** के कारण जमानत लेने में असमर्थ हैं।
- यह पहल केंद्र की प्राथमिकता **"अंतिम लक्ष्य तक पहुंचना: कोई भी पीछे न छूटे"** का हिस्सा था, जिसके तहत **"गरीब कैदियों को सहायता योजना"** पिछले मई में शुरू की गई थी।
- **केंद्रीय गृह मंत्री** ने **योजना शुरू** होने के तुरंत बाद **सभी राज्यों** और **केंद्रशासित प्रदेशों** के **मुख्यमंत्रियों** को पत्र लिखा था और उनसे इस **पहल** का **पूरा लाभ उठाने का अनुरोध** किया था।

राज्यों से ख़राब प्रतिक्रिया

- **मंत्रालय** ने कहा कि योजना को लागू करने के लिए **राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB)** को **केंद्रीय नोडल एजेंसी (CNA)** के रूप में नियुक्त किया गया था।
- **NCRB** ने **"गरीब कैदियों को सहायता योजना"** के लिए एक **राष्ट्रीयकृत बैंक** में एक खाता खोला था।
- सभी **राज्यों** और **केंद्रशासित प्रदेशों** को **CNA** के समन्वय में आगे के लेनदेन के लिए एक सहायक खाता खोलने की सलाह दी गई थी।
- **समितियों** को **जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण** और **जेल अधिकारियों** की सहायता से पात्र कैदियों के मामलों की जांच करनी चाहिए

- **योजना** के तहत निर्धारित **दिशानिर्देशों** के मापदंडों के भीतर **जुर्माना/जमानत राशि** आदि का भुगतान करने के लिए आवश्यक राशि को मंजूरी देने की शक्ति है।

80. वर्ष 2004-19 के बीच दोबारा निर्वाचित 12 सांसदों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले: ADR - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के लिए एसोसिएशन
- सांसद, विधायक

समाचार:

- **एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR)** और **नेशनल इलेक्शन वॉच** की एक रिपोर्ट के अनुसार, **वर्ष 2004 से वर्ष 2019** तक फिर से चुने गए **23 संसद सदस्यों** में से कुल **12 के खिलाफ आपराधिक** मामले हैं।

मुख्य बिंदु

- **12 में से नौ** पर **हत्या**, **हत्या** का **प्रयास** और **डकैती** जैसे **गंभीर आरोप** हैं।
- यह रिपोर्ट **वर्ष 2004** से **वर्ष 2019** तक फिर से **निर्वाचित 23 सांसदों** के **स्व-शपथ पत्रों** के विश्लेषण के बाद तैयार की गई थी।
- दोबारा चुने गए **17 बीजेपी सांसदों** में से **सात (41%)** के **खिलाफ आपराधिक मामले** थे और दोबारा चुने गए **तीनों कांग्रेस सांसदों** के खिलाफ आपराधिक मामले थे।
- **ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM)** के एकमात्र **पुन: निर्वाचित सांस**द के खिलाफ **शिवसेना सांसद** की तरह ही एक आपराधिक मामला था।
- **पुन: निर्वाचित सांसदों** में से **चार** ने अपनी **शैक्षणिक योग्यता** कक्षा **10 और 12** के बीच घोषित की है, जबकि 18 **ने स्नातक** या उससे ऊपर की **शैक्षणिक योग्यता** घोषित की है और एक **पुन: निर्वाचित सांसद** डिप्लोमा धारक है।

राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध न्यायिक उपाय

- वर्ष 2002 में, **सुप्रीम कोर्ट ने यूनियन ऑफ इंडिया** (UOI) बनाम **एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स** मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया कि प्रत्येक **उम्मीदवार, संसद, राज्य विधानमंडल** या **नगर निगम** के लिए चुनाव लड़ रहा है।
  - उन्हें अपने **आपराधिक रिकॉर्ड**, **वित्तीय रिकॉर्ड और शैक्षिक योग्यता** घोषित करनी होगी।
- वर्ष 2005 में, **रमेश दलाल बनाम भारत संघ** मामले में **सुप्रीम कोर्ट** ने कहा कि मौजूदा **सांसद** या **विधायक** को भी **चुनाव लड़ने** के लिए **अयोग्य** ठहराया जा सकता है।
  - यदि उसे अदालत द्वारा दोषी ठहराया जाता है तो कम से **कम 2 साल** की कैद की सजा सुनाई जाती है।
- वर्ष 2013 में, **लिली थॉमस बनाम भारत संघ** मामले में, **सुप्रीम कोर्ट** ने माना कि जन प्रतिनिधित्व **अधिनियम, 1951 की धारा 8(4)** असंवैधानिक है।
  - जो दोषी ठहराए गए **सांसदों** और **विधायकों** को ऐसी सजा के खिलाफ अपील का निपटारा होने तक पद पर बने रहने की अनुमति देता है।
- वर्ष 2013 में **पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया** मामले में **सुप्रीम कोर्ट** -
  - **चुनाव आयोग** से मतदाताओं को मैदान में सभी **उम्मीदवारों** के खिलाफ **अविश्वास** व्यक्त करने के अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए 'उपरोक्त में से कोई नहीं' विकल्प प्रदान करने के लिए कहा।
- **वर्ष 2014** में **सुप्रीम कोर्ट** ने **पीएम/सीएम** को सिफारिश की कि वे अपने **मंत्रिपरिषद** में ऐसे लोगों को शामिल न करें, जिनके खिलाफ गंभीर अपराधों में आरोप तय किए गए हैं।
- **वर्ष 2016** में, **सुप्रीम कोर्ट** ने **5-न्यायाधीशों** की **संविधान पीठ** को संदर्भित किया कि क्या किसी **सांसद या विधायक** के खिलाफ **जघन्य अपराधों** में आरोप तय करने से वह अयोग्य हो जाएगा।
- इसका मतलब यह भी था कि क्या जिस **व्यक्ति** के **खिलाफ गंभीर अपराधों** में आरोप तय किए गए हैं, उसे **चुनाव** लड़ने से रोका जा सकता है

81. सरकार ने समाचार प्रकाशकों के लिए 4 वेब पोर्टल लॉन्च किए - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- केंद्रीय संचार ब्यूरो
- व्यापार करने में आसानी

समाचार:
- **केंद्रीय सूचना** एवं **प्रसारण मंत्री** ने **केंद्रीय संचार ब्यूरो**, **भारत** के समाचार पत्रों के **रजिस्ट्रार, न्यू मीडिया विंग** और **मंत्रालय के डिजिटल एड्रेसेबल सिस्टम** के **चार ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च** किए।

मुख्य बिंदु
- मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य **समाचार पत्र प्रकाशकों** और **टीवी चैनलों** के लिए अधिक **अनुकूल कारोबारी माहौल** को बढ़ावा देकर **व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित** करना है।
  - सरकारी संचार में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना, प्रामाणिक सरकारी वीडियो तक आसान पहुँच प्रदान करना
  - भविष्य में इस क्षेत्र में नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए स्थानीय केबल ऑपरेटरों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार करें।
- **चार पोर्टलों** में **समाचार पत्रों** और **पत्रिकाओं के पंजीकरण** के लिए '**प्रेस सेवा**' और **सरकार** के **विकास-संबंधी** और **नागरिक कल्याण-उन्मुख उपायों** के संपूर्ण आयाम पर **वीडियो** के लिए '**नेविगेट भारत**' शामिल हैं।
- अन्य पोर्टल स्थानीय केबल **ऑपरेटरों** के **पंजीकरण** और एक **पारदर्शी पैनल, मीडिया योजना** और **ई-बिलिंग प्रणाली** के लिए हैं।

केंद्रीय संचार ब्यूरो
- यह **भारत सरकार** के **विभिन्न मंत्रालयों** और **संगठनों** द्वारा विज्ञापन के लिए **भारत सरकार** की **नोडल एजेंसी** है
  - सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और स्वायत्त निकाय शामिल हैं।
- यह सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।
- **मुख्यालय: नई दिल्ली.**
- इसकी स्थापना **8 दिसंबर, 2017** को **I&B मंत्रालय** की **तीन पूर्ववर्ती मीडिया** इकाइयों के एकीकरण द्वारा की गई थी।
  - **विज्ञापन** और **दृश्य प्रचार निदेशालय (DAVP), क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय (DFP)** और **गीत** और **नाटक प्रभाग (S&DD)**, सभी पारस्परिक संचार में शामिल हैं।
- यह संचार के उपलब्ध साधनों के माध्यम से **ग्रामीण** और **शहरी लोगों** को **सरकार की नीतियों** और कार्यक्रमों के बारे में सूचित और शिक्षित करने के लिए अभियान चलाता है
  - प्रिंट, ऑडियो विजुअल, आउटडोर, डिजिटल और न्यू मीडिया।

82. रूस ने अपने रुपये का अधिकांश हिस्सा भारतीय बैंकों में खर्च किया - द हिन्दू

प्रासंगिकता: भारत के हितों, भारतीय प्रवासियों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मानचित्र आधारित प्रश्न
- वोस्त्रो खाता

समाचार:
- **रूस** ने अपने **रुपये के अधिकांश शेष** का उपयोग कर लिया है, जो **बड़े पैमाने** पर **रूसी रक्षा खरीद** के लिए किए गए **भुगतान** के कारण **भारतीय बैंकों** के विशेष **वोस्ट्रो खातों** में जमा हो गया था।

मुख्य बिंदु
- **रूस** द्वारा **भारतीय आयात** के **भुगतान सहित** कई **तरीकों** से रुपये के शेष का उपयोग किया गया है
  - जो **CY23** में लगभग **39%** बढ़कर **$4.05 बिलियन** हो गया
  - बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश
  - इक्विटी बाजार में निवेश
  - सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद

परियोजनाओं की खोज

- "**दोनों देश** ऐसी **परियोजनाओं** की खोज कर रहे हैं जहां **मास्को निवेश** कर सकता है, जो **भारत-रूस संयुक्त उद्यम वंदे भारत सौदे** की तर्ज पर हो सकता है।
  - **भारतीय रेलवे** के लिए **120 ट्रेनों** का **निर्माण** और **रखरखाव** करना।
  - हेवी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं,
- **रूसी मीडिया** ने एक सौदे के बारे में भी लिखा है जिसके अनुसार **भारत में गोवा शिपयार्ड वर्ष 2027** तक **रूसी निर्यात केंद्र** की भागीदारी के साथ **कैस्पियन सागर** में संचालन के लिए **24 मालवाहक जहाजों** का निर्माण करेगा।
- रूस और भारत के बीच इस तरह के सौदे रूस द्वारा रुपये के शेष का निरंतर उपयोग सुनिश्चित कर सकते हैं
- भारत और रूस ने प्रतिबंधों से बचने के लिए रुपये में भुगतान प्रणाली लागू की गई है।
- इस तंत्र के तहत, कई **रूसी बैंकों** ने **भारत में अधिकृत डीलर बैंकों** के साथ अपने **रुपया वोस्ट्रो** खाते खोले है
  - जैसे UCO, HDFC और ICICI, दोनों देशों के बीच रुपये के व्यापार को सक्षम करने के लिए।
- चूंकि भारत का निर्यात आयात की तुलना में नगण्य था, इसलिए बैंकों में अप्रयुक्त रुपये के भुगतान का ढेर एक समस्या बन गया।
- रूस ने एक समय में भारत को अपनी कुछ रक्षा बिक्री को निलंबित करने पर भी विचार किया था

83. WSC ने भारत से डेटा ट्रांसफर पर शुल्क लगाने की योजना पर पुनर्विचार करने की अपील की - द हिंदू

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ईकॉमर्स-
- विश्व व्यापार संगठन)WTO)
- विश्व सेमीकंडक्टर परिषद)WSC)

समाचार:
- हाल ही में, **सेमीकंडक्टर उद्योग** समूहों के एक **वैश्विक संघ** ने **भारत** से **सीमा** पार **डिजिटल ई-कॉमर्स** और **डेटा ट्रांसफर** पर **शुल्क** लगाने की अपनी **योजना** पर **पुनर्विचार** करने की अपील की है ।

पृष्ठभूमि
- यह याचिका **अबू धाबी** में **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** की बैठक से पहले आई है, जहां **विभिन्न देशों** के **मंत्री व्यापार** से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे।
- इसमें **वर्ष 1998** से **इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन** पर **शुल्क** लागू करने पर लगी रोक को बढ़ाना शामिल है।
- **भारत, दक्षिण अफ्रीका** और **इंडोनेशिया** जैसे **विकासशील देश** रोक को बढ़ाने के **अमेरिका और यूरोप** के प्रयासों का विरोध करने के लिए तैयार हैं।

चिंताएँ बढ़ीं
- स्थगन के पतन के परिणामस्वरूप **डिजिटल ई-कॉमर्स** और **चिप डिज़ाइन डेटा ट्रांसफर** पर **टैरिफ** लग सकता है, **चिप** की कमी बढ़ सकती है और **लागत** बढ़ सकती है।
- **वर्ल्ड सेमीकंडक्टर काउंसिल (WSC)** ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि इस तरह के टैरिफ **भारत** के **सेमीकंडक्टर उद्योग** के **विकास** और **निवेश आकर्षित** करने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न करेंगे।
  - विशेष रूप से यह देखते हुए कि **भारत दुनिया के 20%** से अधिक **सेमीकंडक्टर डिज़ाइन कार्यबल** की मेजबानी करता है।
- **स्थगन** को **नवीनीकृत** करने के **भारत** के रुख को **सेमीकंडक्टर कंपनियों** के लिए **अनुकूल निवेश माहौल** का संकेत देने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

भारत का परिप्रेक्ष्य
- भारत का तर्क है कि भौतिक वस्तुएं, जो कभी **पारंपरिक टैरिफ** नियमों द्वारा शासित होती थीं, अब **डिजिटल सेवाओं** के रूप में उनकी **उपलब्धता** के कारण **शुल्क** लगाया जाना चाहिए।
- **विकसित देशों** से ऐसे आयात बढ़ने से **विकासशील देशों** को संभावित **राजस्व** में **बड़े पैमाने** पर नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

84. भारत मुक्त व्यापार समझोतों पर हस्ताक्षर करने में जल्दबाजी नहीं करेगा - गोयल : इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मुक्त व्यापार समझौता)FTA)
- द्विपक्षीय निवेश संधि)FTA)
- आदर्श आचार संहिता)MCC)

समाचार:
- **ब्रिटेन** अभी भी बातचीत के तहत **मुक्त व्यापार समझौते (FTA)** के तहत **भारतीय अर्थव्यवस्था** को और अधिक व्यापक रूप से खोलने की वकालत करने पर जोर दे रहा है।
- आम चुनाव नजदीक आ रहे हैं और **आदर्श आचार संहिता (MCC)** जल्द ही लागू होने की उम्मीद है, ऐसे में चुनाव से पहले समझौते पर हस्ताक्षर करना संभव नहीं लग रहा है।

विवाद के मुख्य बिंदु
- भारत की **उच्च टैरिफ व्यवस्था व्यापार भागीदारों** के लिए चिंता का विषय रही है, क्योंकि इसकी **आयात टैक्स दरें वैश्विक स्तर** पर सबसे अधिक है।
- ब्रिटेन **कारों और व्हिस्की पर शुल्क** में कटौती चाहता है, जबकि **भारत का लक्ष्य ब्रिटेन** में अपने **सेवा क्षेत्र** के कार्यबल के लिए बेहतर पहुंच बनाना है।
- प्रस्तावित **द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT)** पर भी बातचीत आगे बढ़ रही है।

FTA की संभावना और महत्व
- **यूके** के साथ **FTA** किसी प्रमुख **पश्चिमी देश** के साथ पहले **व्यापक समझौते** के रूप में महत्व रखता है, जो गहन **आर्थिक एकीकरण** का वादा करता है।
- यह **यूरोपीय संघ** और **यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA)** जैसे **बड़े पश्चिमी व्यापार भागीदारों** के साथ भविष्य के **समझौतों** के लिए ए**क मॉडल** के रूप में कार्य करता है।
- **कोविड-19** के बाद **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला** में बदलाव और **चीन** पर निर्भरता से दूर विविधता लाने के **प्रयासों** के बीच **पश्चिम** के साथ **आर्थिक एकीकरण महत्वपूर्ण** हो गया है।

मुक्त व्यापार समझौता (FTA)
- व्यापार को बढ़ाने की दृष्टि से आपसी **बातचीत** के **माध्यम** से **व्यापार बाधाओं** को कम करने या समाप्त करने के लिए **देशों** या **क्षेत्रीय ब्लॉकों** के बीच एक समझौता।
- इसमें **सामान**, **सेवाएँ, निवेश, बौद्धिक संपदा, प्रतिस्पर्धा, सरकारी खरीद** और **अन्य क्षेत्र** शामिल हैं।
- **मुक्त व्यापार** की यह **अवधारणा व्यापार संरक्षणवाद** या **आर्थिक अलगाववाद** के विपरीत है।
- FTA को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है
  - अधिमान्य व्यापार समझौता
  - व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (CECA)
  - व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (CEPA)

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर FTA का प्रभाव
- **स्थानीय उत्पादन** को **विदेशी व्यापार** के साथ मिलाकर , FTA **अर्थव्यवस्थाओं** में विकास को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।
- चूंकि **FTA** के कारण प्रत्येक **देश** द्वारा **चयनित वस्तुओं** का **उत्पादन कम लागत** पर किया जाता है, **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार** से **उत्पादन** और **खपत** बढ़ती है।
- **FTA** अधिक **व्यवसायों** के लिए **सीमाओं** के पार **व्यापार** करना आसान बनाकर **आपूर्ति श्रृंखलाओं** में **विविधता** लाने में भी मदद करता है।

85. असम ने राज्य के मुस्लिम विवाह अधिनियम को रद्द करने का निर्णय लिया - इंडियन एक्सप्रेस/असम मुस्लिम विवाह अधिनियम को निरस्त करेगा - द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मुस्लिम पर्सनल लॉ
- बाल विवाह अधिनियम

समाचार:

- यह घोषणा की गई कि **असम राज्य मंत्रिमंडल** ने **असम मुस्लिम विवाह** और **तलाक पंजीकरण अधिनियम 1935** को निरस्त करने का निर्णय लिया है।
- बैठक में कैबिनेट ने **'असम निरसन अध्यादेश 2024'** को मंजूरी दे दी, जो **89 साल पुराने कानून** को निरस्त कर देगा।

मुख्य बिंदु

अधिनियम

- **वर्ष 1935** में अधिनियमित, यह **अधिनियम मुस्लिम विवाह** और **तलाक के पंजीकरण** की प्रक्रिया निर्धारित करता है।
- **वर्ष 2010** के एक संशोधन ने **मूल अधिनियम** में **'स्वैच्छिक'** शब्द को **'अनिवार्य'** से बदल दिया, जिससे असम राज्य में **मुस्लिम विवाह और तलाक का पंजीकरण** अनिवार्य हो गया।
- अधिनियम राज्य को **विवाह और तलाक** को **पंजीकृत** करने के लिए "किसी भी व्यक्ति को, मुस्लिम होने के नाते" लाइसेंस देने का अधिकार देता है, **मुस्लिम रजिस्ट्रार** को **लोक सेवक** माना जाता है।
- यह उस प्रक्रिया का वर्णन करता है जिसके माध्यम से **विवाह** और **तलाक** के आवेदन **रजिस्ट्रार** को किए जा सकते हैं, और उनके **पंजीकरण की प्रक्रिया** भी बताई गई है।
- महत्वपूर्ण रूप से, यह **अधिनियम मुस्लिम पर्सनल लॉ** के अनुरूप है।

कानून रद्द करने के पीछे असम सरकार का तर्क

- **असम सरकार** ने कहा कि **अधिनियम** में **विवाह पंजीकरण** की अनुमति देने वाले प्रावधान हैं, भले ही **दूल्हा** और **दुल्हन क्रमशः 18 और 21 वर्ष** की **कानूनी विवाह योग्य** आयु तक नहीं पहुंचे हों।
- **मुस्लिम पर्सनल लॉ** के तहत, **यौवन** प्राप्त कर चुकी **दुल्हन की शादी** को **वैध** माना जाता है, साक्ष्य के अभाव में, **15 वर्ष** की होने पर **यौवन** माना जाता है।

86. केरल ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकने के लिए एक अग्रणी कदम उठाया - द हिंदू

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ऑपरेशन अमृत
- रोगाणुरोधक प्रतिरोध (AMR)
- शेड्यूल H1 दवा

समाचार:

Mandatory: A prescription is required even for first-line antibiotics

No prescription, no antibiotics

Kerala's Operation AMRITH prohibits over-the-counter (OTC) sales of antibiotics without a prescription

- Kerala has implemented the 2011 H1 rule that prohibits OTC sales of all classes of antibiotics
- Kerala's high doctor-patient ratio even in villages may help in enforcing the H1 rule
- Over 50-70% of antibiotic prescriptions by doctors are deemed unnecessary and irrational
- Reducing the incidence of hospital-acquired infections will sharply and quickly reduce the demand for antibiotics
- All hospitals should be made to report rates of hospital-acquired infections to the State government
- Rationalising antibiotic use in hospitals, and banning growth-promotional use of antibiotics in poultry and fish farms, and agriculture will have a big impact
- Curbing antimicrobial resistance requires a multipronged approach. Enforcing the OTC regulation alone will not be sufficient

87. देशों को आतंकवादी वित्तपोषण के विस्तार के बारे में जागरूक होना चाहिए: FATF प्लेनरी - द हिंदू

प्रासंगिकता: महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियां और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे

- वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (FATF)
- विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम

समाचार:

- **वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)** की बैठक **मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद वित्तपोषण** और **प्रसार वित्तपोषण** जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के साथ संपन्न हुई।

मूल्यांकन पद्धति में संशोधन

- **FATF** ने अपनी **मूल्यांकन पद्धति** को संशोधित किया है, जिसमें कमजोर **गैर-लाभकारी संगठनों (NPO)** को **आतंकवादी वित्तपोषण** के दुरुपयोग से बचाने के लिए जोखिम-आधारित उपायों पर जोर दिया गया है।
- इन परिवर्तनों का उद्देश्य **FATF** आवश्यकताओं के गलत अनुप्रयोग से उत्पन्न होने वाले अनपेक्षित परिणामों को रोकना है।

सिफ़ारिश 8

- **अक्टूबर 2023** में, **आतंकवादी वित्तपोषण** के दुरुपयोग से **NPO** की सुरक्षा बढ़ाने के लिए **सिफारिश 8** में बदलाव पर सहमति व्यक्त की गई थी।
- **सर्वोत्तम प्रथाओं** के अपडेट का उद्देश्य **वैध NPO** गतिविधियों को बाधित किए बिना प्रभावी **जोखिम-आधारित उपायों** को लागू करने में देशों, **गैर-लाभकारी क्षेत्र** और **वित्तीय संस्थानों** की सहायता करना है।

अन्य परिणाम

- पूर्ण सत्र ने **लाभकारी स्वामित्व** और **कानूनी व्यवस्थाओं** की **पारदर्शिता** पर **सिफारिश 25** को लागू करने के लिए नए जोखिम-आधारित मार्गदर्शन भी जारी किए।

- **FATF** आवश्यकताओं को लागू करने में सहायता के लिए महत्वपूर्ण **आभासी संपत्ति गतिविधि** वाले **क्षेत्राधिकारों** की पहचान की गई।

88. भारत ने पाकिस्तान में रावी नदी का जल प्रवाह पूरी तरह से रोका - द इकॉनोमिक टाइम्स

प्रासंगिकता: भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

प्रीलिम्स टेकअवे
- IWT
- रावी नदी

समाचार:
- एक रिपोर्ट के अनुसार, **शाहपुर कंडी बैराज** के पूरा होने से **रावी नदी** से **पाकिस्तान** में **पानी का प्रवाह** प्रभावी रूप से बंद हो गया है।

शाहपुर कंडी बांध परियोजना
- यह **पंजाब** के **पठानकोट जिले** में **रावी नदी** पर मौजूदा **रंजीत सागर बांध** से नीचे की ओर स्थित है।
- **रणजीत सागर बांध** द्वारा छोड़े गए पानी का उपयोग इस **परियोजना** से **बिजली पैदा** करने के लिए किया जाता है।
- इस बांध के निर्माण के पीछे मुख्य उद्देश्य **पंजाब** और **जम्मू-कश्मीर राज्यों** में बि**जली उत्पादन** और **सिंचाई** है।
- इसका निर्माण **पंजाब सरकार** के **सिंचाई विभाग** द्वारा किया गया है।
- इस परियोजना में 55.5 मीटर ऊंचा कंक्रीट ग्रेविटी बांध, 7.70 किमी लंबा हाइडल चैनल, दो हेड रेगुलेटर और दो पावरहाउस शामिल हैं।
- परियोजना की कुल **उत्पादन क्षमता 206 मेगावाट** है।

सिंधु जल संधि
- **भारत** और **पाकिस्तान** ने **नौ साल** की बातचीत के बाद **सितंबर, 1960** में **IWT** पर हस्ताक्षर किए, जिसमें **विश्व बैंक** भी समझौते पर हस्ताक्षरकर्ता था।
- यह संधि **सिंधु नदी** और उसकी **पांच सहायक** नदियों **सतलुज, ब्यास, रावी, झेलम** और **चिनाब** के पानी के उपयोग पर दोनों पक्षों के बीच सहयोग और सूचना के आदान-प्रदान के लिए एक तंत्र निर्धारित करती है।

89. सरकार ने लड़कियों में एनीमिया नियंत्रण हेतु पहल शुरू की -द हिंदू

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थानों और निकायों का प्रदर्शन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- एनीमिया मुक्त भारत पहल
- एनीमिया

समाचार:
- **केंद्र** ने **आयुर्वेद** का उपयोग करके किशोर **लड़कियों में पोषण** में सुधार के लिए एक पहल शुरू की गई है।

मुख्य बिंदु
- **मिशन उत्कर्ष** के तहत **एनीमिया नियंत्रण** के लिए परियोजना **आयुष** और **महिला एवं बाल विकास मंत्रालयों** द्वारा एक **संयुक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य** पहल होगी।
- इसे **पायलट प्रोजेक्ट** के तौर पर सबसे पहले **पांच आकांक्षी जिलों** में **लॉन्च** किया जाएगा।
- इस योजना के लिए **दोनों मंत्रालयों** ने एक **समझौता ज्ञापन** पर **हस्ताक्षर** किए।
- मिशन उत्कर्ष के तहत **15 केंद्रीय मंत्रालय** या **विभाग निचले स्तर** के **जिलों** को **राज्य** और **राष्ट्रीय औसत** तक ऊपर उठाने के लिए काम करेंगे।
- यह परियोजना **पांच जिलों** के लगभग **10,000 आंगनवाड़ी केंद्रों** को कवर करेगी।
- **ICMR** जैसे संस्थानों के साक्ष्य द्वारा समर्थित **आयुष प्रणाली एनीमिया** से निपटने के लिए लागत प्रभावी समाधान प्रदान करेगी

एनीमिया मुक्त भारत पहल
- इस पहल का उद्देश्य **नीति निर्माताओं**, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, **समुदायों** और **व्यक्तियों** के बीच **एनीमिया** के कारणों और परिणामों के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

- विशेष रूप से **प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर** पर **एनीमिया** से संबंधित **स्वास्थ्य सेवाओं** की **डिलीवरी** और **गुणवत्ता** में सुधार करें।
- **नियमित जांच** और **स्वास्थ्य जांच** के **माध्यम** से **एनीमिया** का समय पर **निदान** और **उपचार** सुनिश्चित करें।
- **उचित** और **संतुलित पोषण** को बढ़ावा दें, जिसमें **आहार विविधीकरण, आयरन युक्त खाद्य पदार्थों** का **सेवन** और **कमजोर समूहों** के लिए **पोषण अनुपूरण** शामिल है।
- **शिशुओं** और **छोटे बच्चों** में **एनीमिया** को दूर करने के लिए **स्तनपान** और **पूरक आहार पद्धतियाँ** पर जोर दें।
- **आयरन** और **फोलिक एसिड** सहित आवश्यक **सूक्ष्म पोषक तत्वों** के साथ **चावल, गेहूं** और **नमक** जैसे **खाद्य पदार्थों** को मजबूत बनाने को प्रोत्साहित करें।

90. फिल्म प्रमाणन में व्यापक बदलाव: ऑनलाइन आवेदन, अधिक महिला प्रतिनिधित्व का प्रस्ताव - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) अधिनियम, 2023

समाचार:
- **सूचना** और **प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रमाणन प्रक्रिया** को **आधुनिक और सुव्यवस्थित** बनाने के उद्देश्य से इसमें बदलाव लागू करने के लिए तैयार है।
- ये परिवर्तन **सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) अधिनियम, 2023** के प्रावधानों के अनुरूप हैं।

मुख्य परिवर्तन
- **ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया:** संपूर्ण प्रमाणन आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जिससे पहुंच और दक्षता में वृद्धि होगी।
- **उन्नत प्रतिनिधित्व**
  - सेंसर बोर्ड में महिला सदस्यों की नियुक्ति के लिए केंद्र सरकार ऐसे कदम उठा सकती है जो वह उचित समझे।
  - ताकि महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिले, जहां बोर्ड में एक तिहाई सदस्य महिलाएं होंगी और अधिमानतः आधी महिलाएं होंगी।
- **माता-पिता के मार्गदर्शन प्रमाणपत्र का उप-वर्गीकरण**
  - **'UA' श्रेणी** में अब **आयु-आधारित संकेतक** शामिल होंगे, जैसे **UA 7+', UA 13+', और UA 16+'** जो **माता-पिता** के मार्गदर्शन के बिना देखने के लिए अनुशंसित आयु दर्शाते हैं।
    - प्रमाणीकरण की **'U'** (अप्रतिबंधित सार्वजनिक प्रदर्शनी), **'A'** (वयस्कों के लिए प्रतिबंधित) और **'S'** (विशेष देखने के लिए प्रतिबंधित) श्रेणियों को अपरिवर्तित छोड़ दिया गया है।
- **तीसरे पक्ष का उन्मूलन**
  - **रिश्वतखोरी** और **भ्रष्टाचार** के आरोपों पर अंकुश लगाने के लिए **प्रमाणन प्रक्रिया** में **तीसरे पक्ष** की भागीदारी को समाप्त किया जाएगा।
  - आवेदन केवल बोर्ड के **ऑनलाइन पोर्टल** के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं, जिसे इसके बाद **ई-सिनेप्रमाण पोर्टल** कहा जाएगा।
- **प्रमाणन की सतत वैधता:** CBFC द्वारा दिए गए प्रमाणपत्र स्थायी रूप से वैध होंगे, जिससे हर दस साल में पुनः प्रमाणीकरण की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।
- **पुनःप्रमाणीकरण एवं श्रेणी परिवर्तन**
  - **फिल्म निर्माता ऑनलाइन पोर्टल** के माध्यम से **टेलीविजन प्रदर्शनी** या अन्य **मीडिया** के लिए **पुन: प्रमाणन** या **श्रेणी** में बदलाव के लिए आवेदन कर सकते हैं।
  - हालाँकि, किसी फिल्म को **दोबारा प्रमाणित** करते समय, **बोर्ड आवेदक** को फिल्म में कुछ **काट-छाँट** या **संशोधन** करने का निर्देश दे सकता है।

91. कर्नाटक सरकार मुरुघा मठ के प्रशासन हेतु एक पैनल का गठन करें: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू

प्रासंगिकता: केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थाएं और निकाय।

प्रीलिम्स टेकअवे
- POCSO एक्ट
- श्री जगद्गुरु मुरुघराजेंद्र ब्रुहन मठ, चित्रदुर्ग।

समाचार:
- **सुप्रीम कोर्ट** ने **कर्नाटक सरकार** को **12वीं सदी** के **श्री जगद्गुरु मुरुगराजेंद्र ब्रुहन मठ, चित्रदुर्ग** के **प्रशासन** के लिए **एक समिति गठित** करने का निर्देश दिया ।

मुख्य बिंदु
- **अदालत** ने **राज्य** को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि **न तो याचिकाकर्ता** और **न ही पोंटिफ़** का **संबंधित मठ/संस्थान** के **प्रबंधन** से कोई लेना-देना होना चाहिए।
- उन्होंने आगे कहा कि मठ के तत्वावधान में संचालित **छात्रावासों** में रहने वाली **दो नाबालिग लड़कियों** के **यौन उत्पीड़**न का आरोप **पोंटिफ़** पर लगाया गया था।
- प्रशासक को नियुक्त किया गया था **पोंटिफ़- शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू** को **सितंबर 2022** में **POCSO अधिनियम** के तहत उनके खिलाफ दर्ज मामलों के बाद गिरफ्तार किया गया था।

पॉक्सो एक्ट
- यह **14 नवंबर 2012** को प्रभाव में आया, जिसे **वर्ष 1992** में बाल अधिकारों पर **संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन** के **भारत** के **अनुसमर्थन** के **परिणामस्वरूप अधिनियमित** किया गया था।
- इस विशेष कानून का उद्देश्य **बच्चों** के **यौन शोषण** और **यौन शोषण** के **अपराधों** को संबोधित करना है, जिन्हें या तो विशेष रूप से परिभाषित नहीं किया गया था या पर्याप्त रूप से दंडित नहीं किया गया था।
- अधिनियम **18 वर्ष से कम आयु** के किसी भी **व्यक्ति को बच्चे** के रूप में परिभाषित करता है ।
- यह अधिनियम अपराध की गंभीरता के अनुसार सज़ा का प्रावधान करता है।
- **अपराधियों को रोकने** और **बच्चों** के **खिलाफ ऐसे अपराधों** को रोकने के उद्देश्य से, **बच्चों पर यौन** अपराध करने के लिए **मृत्युदंड सहित** अधिक कठोर सजा का प्रावधान करने के लिए **वर्ष 2019** में **अधिनियम** की **समीक्षा और संशोधन** किया गया।
- **भारत सरकार** ने **POCSO नियम, 2020** को भी अधिसूचित कर दिया है।

92. भारत ने WTO से डिस्टेंट वॉटर फिशिंग नेशंस द्वारा सब्सिडी पर रोक लगाने का आग्रह किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- UNCLOS
- विश्व व्यापार संगठन

समाचार:
- **भारत** ने **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** के सदस्यों से **दूरवर्ती जल में मछली** पकड़ने वाले **देशों** द्वारा दी जाने वाली **सब्सिडी** पर रोक लगाने का आग्रह किया।
- **भारत** ने **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** से **डिस्टेंट वॉटर फिशिंग नेशंस (DWFN)** द्वारा सब्सिडी पर रोक लगाने का आग्रह किया।
- यह कम से कम **25 वर्षों** की अवधि के लिए उनके **विशेष आर्थिक क्षेत्र (EEZ)** से परे मछली पकड़ने से संबंधित गतिविधियों के लिए था।

मुख्य बिंदु
- यह **आबू धाबी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 13** में **मत्स्य पालन सब्सिडी** पर **WTO** वार्ता सत्र के दौरान आया
- वार्ता के दौरान, **भारत** ने अपने लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराया कि **जिम्मेदार और सतत मत्स्य** पालन एक अंतर्निहित गतिविधि है
  - **भारत** के **विशाल** और **विविध मछली पकड़ने** वाले **समुदाय** के **लोकाचार और गतिविधियों** में है।

- उस संदर्भ में **मत्स्य पालन सब्सिडी** पर किसी भी **व्यापक समझौते** में **मछली पकड़ने** वाले **समुदाय** के **हितों और कल्याण** को ध्यान में रखा जाना चाहिए
  - जो अपनी **आजीविका और भरण-पोषण** के लिए **समुद्री संसाधनों** पर निर्भर हैं।
- **भारत** ने इस बात पर जोर दिया कि **ऐतिहासिक** रूप से, **मत्स्य पालन क्षेत्र** को दी जाने वाली **सब्सिडी** के कारण **अत्यधिक शोषण** हुआ है
  - **विकासशील देशों** और **छोटी अर्थव्यवस्थाओं के विकास** के लिए **सब्सिडी** भी महत्वपूर्ण है
  - अपने **मत्स्य पालन क्षेत्र** में **विविधता लाने** के साथ-साथ अपने **मछुआरों की भोजन** और **आजीविका सुरक्षा** की रक्षा करना।।
- **मंत्रालय** ने कहा कि **बातचीत स्थिरता की अवधारणा** से जुड़ी हुई है
  - **मत्स्य पालन सब्सिडी** पर कोई भी **व्यापक समझौता सामान्य सिद्धांतों** पर बनाया जाना चाहिए
  - लेकिन **विभेदित जिम्मेदारियां** और **संबंधित क्षमताएं (CBDR- RC)**।
- इसमें **विशेष** और **विभेदक उपचार (S&DT)** के प्रावधानों को भी उचित रूप से शामिल किया जाना चाहिए, जैसा कि सभी **WTO** समझौतों के लिए होता है।
- अनुशासन के दायरे में **गैर-विशिष्ट ईंधन सब्सिडी** पर कब्जा करने और **सरकार से सरकार (G2G)** भुगतान के तहत **कॉर्पोरेट मछली पकड़ने** के अधिकार को हस्तांतरित करने का एक जरूरी मामला है।
- चूंकि सदस्य **अत्यधिक मछली पकड़ने** वाले **स्तंभ** पर **विषयों पर** बातचीत के लिए **सकारात्मक दृढ़ संकल्प** दृष्टिकोण का उपयोग करने पर सहमत हुए थे
- ऐसा कोई कारण नहीं था कि सदस्यों को **OCOF स्तंभ** के संबंध में **समान दृष्टिकोण** का उपयोग नहीं करना चाहिए।
- **भारत** ने दोहराया कि उनके **EEZ** के भीतर **मत्स्य पालन** के **स्थायी प्रबंधन** के लिए सदस्यों के **संप्रभु अधिकार** हैं
  - मंत्रालय ने कहा, जैसा कि **समुद्री कानून** पर **संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (UNCLOS)** के तहत प्रदान किया गया है, उसे **विधिवत मान्यता** दी जानी चाहिए और **संरक्षित** किया जाना चाहिए।

93. अनुच्छेद 371(A) अवैध कोयला खनन के नियमन में बाधा डालता है: नागालैंड मुख्यमंत्री - द हिंदू

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ और राज्य व्यवस्था में उनकी भूमिका

प्रीलिम्स टेकअवे
- अनुच्छेद 371A
- नागालैंड का

समाचार:
- भारत के **संविधान** का **अनुच्छेद 371A** राज्य में छोटे पैमाने पर **अवैध कोयला खनन गतिविधियों** को **विनियमित** करने के **नागालैंड सरकार** के प्रयासों में बड़ी बाधा रहा है।

मुख्य बिंदु
- **नागालैंड** के लिए विशिष्ट, **अनुच्छेद 371A** में **नागा प्रथागत कानून और प्रक्रिया** के अलावा **भूमि** और **उसके संसाधनों** की **सुरक्षा की गारंटी** देने वाले विशेष प्रावधान हैं।
- **खनन गतिविधियों** का संचालन करने वाले **ठेकेदारों** और **व्यवसायियों** को **भूमि पुनर्ग्रहण** की जिम्मेदारी उठानी चाहिए
  - इसे बंजर छोड़ने के बजाय खदानों को भरकर और पेड़ लगाकर
- नागालैंड की कोयला खनन नीति, पहली बार वर्ष 2006 में अधिसूचित की गई
  - यह रैट-होल खनन की अनुमति देता है क्योंकि कोयले के भंडार बड़े पैमाने पर और समन्वित संचालन के लिए बहुत बिखरे हुए हैं।
- छोटे पॉकेट डिपॉजिट लाइसेंस कहे जाने वाले पट्टे व्यक्तियों को दिए जाते हैं।
- रैट-होल खनन केवल वन और पर्यावरण सहित संबंधित विभागों की सहमति से ही किया जा सकता है।
- राज्य सरकार ने उचित वन और पर्यावरण मंजूरी और निश्चित खनन योजनाओं के साथ कई रैट-होल खनन पट्टे प्रदान किए।
- इसने लोगों को ऐसी खदानों को अवैध रूप से संचालित करने से नहीं रोका है।

94. भारत - नेपाल के बीच पंचेश्वर परियोजना पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हो पाया - द हिंदू

प्रासंगिकता: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते जिनमें भारत शामिल है और/या भारत के हितों को प्रभावित करते हैं।

प्रीलिम्स टेकअवे
- महाकाली नदी
- पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना

समाचार:
- **भारत** और **नेपाल** ने **दीर्घकालिक बिजली साझेदारी** पर समझौते पर हस्ताक्षर किए, लेकिन ऐतिहासिक **पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना (PMP)** पर रुकी हुई बातचीत पर कोई आगे बढ़ने में कामयाब नहीं हुए।

मुख्य बिंदु
- **संयुक्त आयोग** की बैठक के बाद, दोनों **मंत्री दीर्घकालिक बिजली व्यापार** पर **दोनों सरकारों** के बीच समझौते के आदान-प्रदान के गवाह बने।
- समझौते का ल**क्ष्य 10 वर्षों** की अवधि में **भारत** में **नेपाली** बिजली के निर्यात को **10,000 मेगावाट** के स्तर तक बढ़ाना है।
- हालाँकि, **पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना** का लक्ष्य लगभग **6,480 मेगावाट ऊर्जा** उत्पन्न करना है (जिसे दोनों पक्षों के बीच समान रूप से विभाजित किया जाएगा)
  - क्रमशः **नेपाल** में **130,000 हेक्टेयर भूमि** और **240,000 हेक्टेयर भारतीय क्षेत्र** की **सिंचाई** के लिए पानी के साथ।
- जबकि बिजली समान रूप से विभाजित है, **भारत को सिंचाई** और बाढ़ **नियंत्रण लाभों** का बड़ा हिस्सा मिलता है।
- दूसरी ओर, **काठमांडू** को लगता है कि **पानी** '**सफेद सोना**' है और भारत को इसके लिए **नेपाल को भुगतान** करना चाहिए।

पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना (PMP)
- यह **भारत** और **नेपाल** के बीच एक **द्वि-राष्ट्रीय** परियोजना है, जिसका **उद्देश्य मुख्य रूप** से **दोनों देशों** में **ऊर्जा उत्पादन** और **सिंचाई** को बढ़ाना है।
- इसमें **महाकाली नदी** (भारत में सारदा) पर **315 मीटर ऊंचे बांध** का निर्माण शामिल है।
- यह **116 किमी वर्ग** के **सतह क्षेत्र** और **लगभग 11.35 बिलियन क्यूबिक मीटर** की कुल **सकल भंडारण** मात्रा के साथ **80 किमी लंबा जलाशय** बनाता है।
- यह परियोजना **भारत और नेपाल** के बीच **फरवरी 1996** में हस्ताक्षरित **महाकाली संधि** की प्रगति को रेखांकित करती है
  - इसमें **महाकाली नदी बेसिन** के एकीकृत विकास के प्रावधान शामिल हैं।

95. कर्नाटक मंदिर विधेयक पर विवाद: राज्य मंदिर राजस्व का प्रबंधन कैसे करते हैं ? - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- वस्तु एवं सेवा कर
- कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान

समाचार:
- **हिंदू मंदिरों** पर **कराधान को नियंत्रित** करने वाले कानून में बदलाव करने की **कर्नाटक सरकार** की कोशिश को **विधान परिषद** में विफल कर दिया गया।

मुख्य बिंदु
- **कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान** और **धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक, 2024** विधानसभा में पेश किया गया
- हालांकि, दो दिन बाद **विधान परिषद** में इसे खारिज कर दिया गया।
- पहला और सबसे विवादास्पद यह था कि इसका उद्देश्य उन **संस्थानों** की **सकल आय** का **10% डायवर्ट** करना था जिनकी **सकल वार्षिक आय 1 करोड़ रुपये** से अधिक है।
  - **मंदिरों** के रखरखाव के लिए एक सामान्य पूल के बजाय, मौजूदा **"संस्थानों की शुद्ध** आय का **10%** जिनकी **सकल वार्षिक आय 10 लाख रुपये** से अधिक है"

- **शुद्ध आय** की गणना **मंदिर** के **खर्चों** का **हिसाब-किताब** करने के बाद उसके **मुनाफे** के आधार पर की जाती है, जबकि **सकल आय** का तात्पर्य **मंदिर** द्वारा **अर्जित कुल धनराशि** से है।

क्या भारत में केवल मंदिरों को ही टैक्स देना पड़ता है?

- **केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) अधिनियम** के अनुसार, किसी भी **व्यवसाय/इकाई** को **वस्तु एवं सेवा कर** के तहत **खुद को पंजीकृत** करना होगा।
  - यदि किसी **वित्तीय वर्ष** में उनका कुल **कारोबार 40 लाख रुपये** से अधिक है (तेलंगाना को छोड़कर सभी **सामान्य श्रेणी** के राज्यों में)
  - 20 लाख रुपये (विशेष श्रेणी के राज्यों में, जम्मू-कश्मीर और असम को छोड़कर)।
- किसी विशेष धर्म से संबंधित **इकाई/निकाय** के लिए कोई अलग कर नहीं है।
- **धर्मार्थ** और **धार्मिक ट्रस्टों** द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी **सेवाएँ GST** से मुक्त नहीं हैं जिनमें से कुछ हैं -
  - तीर्थयात्रा के लिए यात्रियों के परिवहन की सेवाएँ
  - आयोजन, समारोह, उत्सव
  - प्रवेश शुल्क या टिकट के विरुद्ध दर्शाता है
  - कुछ गतिविधियाँ जिन्हें छूट दी गई है उनमें शामिल हैं:
  - धार्मिक अनुष्ठान का संचालन
  - आम जनता के लिए बने किसी धार्मिक स्थान के परिसर को किराये पर देना
- हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि **'किराए पर लेना'** उन **कमरों को किराए** पर देने पर लागू नहीं होना चाहिए जहां **शुल्क प्रति दिन 1000 रुपये** या अधिक है।
- **व्यवसाय** और **अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों** के लिए **दुकानों को किराये पर लेना**' और यहां तक कि '**हॉल**, जगह को **प्रति दिन 10,000 रुपये** या उससे अधिक के किराये पर लेना।

96. CAG, ICAI स्थानीय निकायों को मजबूत करने हेतु ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करेंगे- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारत का संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)
- स्थानीय सरकार
- SDG

समाचार:

- हाल ही में, **भारत** के **नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)** ने **इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI)** के सहयोग से **ऑनलाइन पाठ्यक्रमों** की एक श्रृंखला शुरू की है।
- **उद्देश्य:** पंचायतों और नगर निकायों की लेखा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए लेखाकारों की क्षमताओं को बढ़ाना।

मुख्य बिंदु

- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य **स्थानीय सरकारों की विभिन्न श्रेणियों** के लिए मानकीकृत खाते बनाए रखने के लिए एकाउंटेंट को आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना है।
- प्रमाणित पेशेवरों का एक पूल बनाकर, यह पहल **वित्तीय प्रबंधन** में **स्थानीय निकायों** की क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करती है।
- पेशेवरों का यह समूह **जमीनी स्तर** पर **वित्तीय प्रबंधन गतिविधियों** की **अखंडता और दक्षता सुनिश्चित** करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जमीनी स्तर के लोकतंत्र का महत्व

- **भारत के राष्ट्रपति** ने एक **जीवंत** और **समावेशी** समाज को बढ़ावा देने में जमीनी स्तर के **लोकतंत्र** की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।
- एक **विशाल नेटवर्क** के साथ, **भारत की जमीनी स्त**र की शासन प्रणाली **SDG** प्राप्त करने के उद्देश्य से **विभिन्न योजनाओं** और **परियोजनाओं** को लागू करने के लिए नींव के रूप में कार्य करती है।

निधियों का प्रत्यक्ष हस्तांतरण

- **केंद्रीय वित्त आयोग स्थानीय निकायों** को धन का **सीधा हस्तांतरण** प्रदान करता है।

- हालाँकि, इन **निकायों** को **कार्यों, निधियों** और **पदाधिकारियों** के लिए **सरकार** के **उच्च स्तरों** पर निर्भरता के संदर्भ में कई **अनूठी चुनौतियों** का सामना करना पड़ता है।
- इसके लिए **स्थानीय शासन** की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन **लेखापरीक्षा दृष्टिकोण** की आवश्यकता होती है।

लेखापरीक्षा पद्धतियों का विकास

- परस्पर जुड़े शासन के युग में, **आधुनिक शासन** की **जटिलताओं** के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए **लेखापरीक्षा पद्धतियां** विकसित होनी चाहिए।
- **CAG** और **ICAI** के बीच **साझेदारी जमीनी स्तर** पर **वित्तीय प्रशासन** और **जवाबदेही** बढ़ाने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाती है।

97. पहला पेय जल सर्वेक्षण पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाएगा - पीआईबी

प्रासंगिकता: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पेय जल सर्वेक्षण पुरस्कार
- अमृत मित्र पहल

समाचार:

- हाल ही में, **आवास और शहरी मामलों** के **मंत्रालय** ने उद्घाटन **पेय जल सर्वेक्षण पुरस्कारों** की घोषणा की है ।

जल सर्वेक्षण पुरस्कार

- **जल क्षेत्र में उत्कृष्टता** के लिए **शहरों और राज्यों** को विभिन्न श्रेणियों में कुल **130 पुरस्कार** प्रदान किए जाएंगे।
  - इसमें **पेय जल गोल्ड, सिल्वर** और **ब्रॉन्ज़ सिटी अवार्ड्स** शामिल हैं जो उनकी संबंधित जनसंख्या श्रेणियों में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को दर्शाते हैं।
  - पुरस्कारों में **सर्वश्रेष्ठ जल निकाय, स्थिरता चैंपियन, पुन: उपयोग चैंपियन, जल गुणवत्ता, शहर संतृप्ति** और वर्ष की **अमृत 20 रोटेटिंग ट्रॉफी** की सराहना की जाती है।

मूल्यांकन के मानदंड

- **485** शहरों में **AMRUT 2.0** के तहत आयोजित **मूल्यांकन** में कई **पैरामीटर** शामिल हैं
  - जैसे पहुंच, कवरेज, पानी की गुणवत्ता, स्थिरता, **SCADA/फ्लोमीटर** की उपलब्धता और उपचारित पानी का पुन: उपयोग।
- महत्वपूर्ण मानदंडों पर उनके **प्रदर्शन** के **आधार** पर **शहरों** को **स्टार रेटिंग पैमाने** पर **5 स्टार** से लेकर **नो स्टार तक वर्गीकृत** किया जाएगा।

पेय जल सर्वेक्षण की पद्धति

- **स्रोत** और **नागरिक स्तर** पर **स्वतंत्र NABL प्रयोगशाला परीक्षण** के माध्यम से स्वच्छ पानी सुनिश्चित किया ।
- **GIS-सक्षम वेब पोर्टल, जियो-टैगिंग** और **इंफ्रास्ट्रक्चर मैपिंग का** उपयोग करते हुए , **सर्वेक्षण** ने **सटीक** और **पारदर्शी डेटा एक**त्र किया है ।

अपेक्षित प्रभाव

- **पेय जल सर्वेक्षण** के परिणामों से **ULB निर्णय लेने, सेवा वितरण** में **वृद्धि** और **नागरिक जुड़ाव** को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
- इस पहल का उद्देश्य स्वामित्व की भावना पैदा करना और **जल संरक्षण** और **इष्टतम उपयोग** के बारे में ज्ञान प्रसार को बढ़ावा देना है।

अमृत मित्र पहल

- यह आयोजन **अमृत मित्र** पहल के **शुभारंभ** का भी प्रतीक होगा, जिसका लक्ष्य **शहरी जल क्षेत्र में महिला** स्वयं **सहायता समूहों (SHG)** को सक्रिय रूप से शामिल करना है ।
- महिला **SHG** से नामित अमृत मित्र विभिन्न गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए **अमृत 2.0** परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में लगे रहेंगे।
  - जैसे कि बिलिंग, संग्रह, रिसाव का पता लगाना, पाइपलाइन कार्य और पानी की गुणवत्ता का नमूना लेना।
- इस पहल का उद्देश्य घरों में **सुरक्षित पेयजल** की पहुंच सुनिश्चित करते हुए और **लैंगिक असमानता** को दूर करते हुए **जल क्षेत्र** में **समावेशिता और विविधता** को बढ़ावा देना है।

सामान्य अध्ययन III

98. न्यूरालिंक ने मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफ़ेस का सफल प्रत्यारोपण किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस (BCI)
- न्यूरालिंक

समाचार:
- हाल ही में, न्यूरालिंक ने मानव में अपने **मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफ़ेस (BCI)** के सफल प्रत्यारोपण के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है ।
- यह **मानव-कंप्यूटर इंटरफेस** की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो संभावित रूप से **भौतिक** और **संज्ञानात्मक सीमाओं** को संबोधित कर सकता है।

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस (BCI)
- न्यूरालिंक **वर्ष 1970** के दशक की पिछली **प्रयोगशालाओं** और **कंपनियों** द्वारा रखी गई नींव पर आधारित है।
- प्रत्यारोपित **वायरलेस डिवाइस** में **एक चिप** और **इलेक्ट्रोड एरे** शामिल हैं जो आंदोलन से संबंधित विचारों की व्याख्या करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- अंतिम लक्ष्य **विकलांग व्यक्तियों** को केवल विचार के **माध्यम से उपकरणों** को **नियंत्रित** करने के लिए **सशक्त** बनाना है, विशेष रूप से उन लोगों को लाभ पहुंचाना है जिन्होंने अंग खो दिए हैं।

सम्बंधित चिंताएँ
- **गोपनीयता**
  - प्राथमिक चिंता यह है कि मस्तिष्क से निकाले गए डेटा को कौन नियंत्रित करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इसका शोषण न हो।
  - AI के समान नियामक ढांचा , **BCI विकास** के साथ होना चाहिए।
- **एकाधिकार और पहुंच**
  - चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के विकास में एकाधिकार से बचना महत्वपूर्ण है।
  - सार्वजनिक रूप से **वित्त पोषित अनुसंधान लागत** को कम कर सकता है, उन लोगों के लिए पहुंच सुनिश्चित कर सकता है जो महंगे हस्तक्षेप का खर्च वहन कर सकते हैं।
- **नैतिक संवाद:** जैसे-जैसे BCI बड़े पैमाने पर उपयोग के करीब पहुंचता है, दुरुपयोग या अत्यधिक अपनाने को रोकने के लिए विशेषज्ञों, नैतिकतावादियों और जनता को शामिल करने वाला संवाद महत्वपूर्ण हो जाता है।

99. बर्ड फ़्लू से अंटार्कटिक पेंगुइन पर ख़तरा बढ़ा रहा है - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
- H5N1
- फ़ॉकलैंड आइलैंड

समाचार:
- हाल ही में, पहली बार **अंटार्कटिक पेंगुइन** में **बर्ड फ्लू** के अत्यधिक घातक रूप **H5N1** की पहचान की गई थी।
- **फ़ॉकलैंड द्वीप** सरकार ने स्थिति की गंभीरता को उजागर करते हुए सी **लायन द्वीप** पर **200 से अधिक मृत या मरने वाले जेंटू चूजों** की रिपोर्ट दी है।

पेंगुइन के सामने चुनौतियाँ
- **जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण** और **व्यावसायिक मछली** पकड़ने के कारण **अंटार्कटिक पेंगुइन** पहले से ही दबाव में हैं।
- इस क्षेत्र में **तीन पेंगुइन प्रजातियाँ** अर्थात् **एम्परर पेंगुइन, दक्षिणी रॉकहॉपर पेंगुइन और मैकरोनी पेंगुइन** को असुरक्षित या खतरे के निकट सूचीबद्ध किया गया है।

खतरे की सीमा

- पिछले पतझड़ में **अंटार्कटिक क्षेत्र** में **H5N1** के आगमन से पहले, अत्यधिक **रोगजनक बर्ड फ्लू वायरस** का वहां दस्तावेजीकरण नहीं किया गया था।
- पेंगुइन में संभवतः बहुत कम प्रतिरोधक क्षमता होती है, और वायरस बड़ी, भीड़-भाड़ वाली कॉलोनियों में तेजी से फैल सकता है, जिससे संभावित रूप से बड़े पैमाने पर मौतें हो सकती हैं।
- जबकि **जेंटू पेंगुइन** में **H5N1** की पुष्टि की गई है, अन्य **स्थानीय पेंगुइन प्रजातियों** में इसकी सीमा स्पष्ट नहीं है।

वैश्विक प्रभाव और चिंताएँ

- **वैज्ञानिक अंटार्कटिका** में **वायरस** के संभावित प्रसार से चिंतित हैं, **वर्ष 2020** में उभरने के बाद से वन्यजीवों पर इसका अभूतपूर्व प्रभाव पड़ा है।
- यह क्षेत्र **100 मिलियन** से अधिक पक्षियों और **समुद्री स्तनधारियों** के लिए महत्वपूर्ण **प्रजनन क्षेत्र के रूप** में कार्य करता है, इन आबादी पर वायरस के संभावित अत्यधिक प्रभाव के बारे में चिंताएं हैं।

100. अंतरिम बजट में घरेलू पर्यटन पर खास ध्यान रखा गया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्रसाद
- MICE प्रमोशन ब्यूरो

समाचार:

- हाल ही में **वित्त मंत्री** ने अपने **बजट भाषण** में **घरेलू पर्यटन** पर खास जोर दिया था
- उन्होंने सभी **राज्य सरकारों** से प्रतिष्ठित **पर्यटन केंद्रों** का व्यापक विकास करने के साथ-साथ **वैश्विक स्तर** पर उनकी **ब्रांडिंग** और **मार्केटिंग** करने का सुझाव दिया।

मुख्य बिंदु

- लक्षद्वीप सहित द्वीपों पर **बंदरगाह कनेक्टिविटी** और **बुनियादी ढांचे** के विकास पर भी नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है
- **35 द्वीपों** के **द्वीपसमूह** पर, **सरकार लक्षद्वीप सहित** हमारे **द्वीपों** पर **बंदरगाह कनेक्टिविटी, पर्यटन बुनियादी ढांचे** और **सुविधाओं** के लिए **परियोजनाएं** शुरू करेगी।
  - उन्होंने कहा कि इससे **केंद्र शासित प्रदेश** में **रोजगार** पैदा करने में मदद मिलेगी।
- नतीजतन, **पर्यटन मंत्रालय की प्रमुख स्वदेश दर्शन योजना** (विशिष्ट विषयों के आसपास पर्यटक सर्किट के एकीकृत विकास के लिए)
  - **वर्ष 2024-25** के लिए परिव्यय बढ़कर **1,750 करोड़** रुपये हो गया है, जबकि पिछले वर्ष यह **818 करोड़ रुपये** और उससे एक साल पहले **1,412 करोड़ रुपये** था।
- पहली बार, वित्त मंत्री ने प्रस्तावित सुविधाओं की गुणवत्ता के आधार पर प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों की रेटिंग के लिए एक रूपरेखा की भी घोषणा की है
  - इन गंतव्यों को विकसित करने के लिए **राज्यों को दीर्घकालिक ब्याज-मुक्त ऋण** भी प्रदान किया जा रहा है ।
- पिछले साल के अंत में**, मंत्रालय ने शहर** को **MICE गंतव्य** के रूप में सुविधा प्रदान करने और बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण स्थलों पर **शहर-स्तरीय MICE प्रमोशन ब्यूरो** स्थापित करने के लिए एक मॉडल पर काम किया।
- भारत को एक सम्मेलन **पर्यटन स्थल** के रूप में **बढ़ावा** देने के लिए ' **मीट इन इंडिया**' नामक एक समर्पित ब्रांड भी लॉन्च किया ।
- मंत्रालय ने **वर्ष 2014-2015** में **'तीर्थयात्रा कायाकल्प** और **आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान'** (प्रशाद) योजना शुरू की थी ।
  - पर्यटन स्थलों पर बुनियादी ढांचे के **विकास** के लिए **राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** को **वित्तीय सहायता** प्रदान करना।

101. अंतरिम बजट 2024: जीडीपी पर चिंता, खर्च में कटौती - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पूंजीगत व्यय
- राजकोषीय घाटा

समाचार:
- **वित्त मंत्री** ने उपलब्धियों पर **ध्यान केंद्रित** करते हुए और पिछले **दशक का सारांश प्रदान** करते हुए, **वर्ष 2024-25** के लिए **अंतरिम केंद्रीय बजट** पेश किया।

म्यूटेड जीडीपी ग्रोथ आउटलुक
- **बजटीय विचारों** के लिए महत्वपूर्ण, नाममात्र **जीडीपी वृद्धि** दर, आगामी वर्ष के लिए **10.5%** होने का अनुमान है।
- सुस्त नाममात्र **जीडीपी वृद्धि** वास्तविक **जीडीपी वृद्धि** के लिए चुनौतियां खड़ी करती है, **वर्ष 2024-25** के लिए **6% से 6.5%** की सीमा का अनुमान है।

राजकोषीय घाटे में कमी
- **राजकोषीय घाटा**, जो बाजार से **सरकारी उधारी** का **प्रतिनिधित्व** करता है, एक महत्वपूर्ण **पैरामीटर** है।
- सरकार ने **चालू वित्त वर्ष** में राजकोषीय **घाटे** को **कोविड** के बाद की अवधि में सकल घरेलू उत्पाद के **9.2%** से घटाकर सफलतापूर्वक **5.8%** कर दिया है।

पूंजीगत व्यय
- सरकार ने **10 लाख करोड़ रुपये** के **पूंजीगत व्यय** का लक्ष्य रखा है
  - लेकिन संशोधित अनुमान से पता चलता है कि यह **9.5 लाख करोड़ रुपये** कम रह गया, जिससे समग्र **आर्थिक विकास** पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ गई है।

स्वास्थ्य और शिक्षा व्यय में कमी
- विकास के लिए महत्वपूर्ण **स्वास्थ्य** और **शिक्षा** के लिए **आवंटन ऐतिहासिक** रूप से आवश्यकता से कम रहा है।
- सरकार ने **चालू वित्त वर्ष** में **दोनों क्षेत्रों** के लिए **बजटीय लक्ष्यों** को पूरा नहीं किया है, जिससे वास्तविक खर्च कम हो गया है।

मुख्य योजनाओं में कटौती
- प्रमुख सरकारी योजनाओं, विशेष रूप से **अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति** और **अल्पसंख्यकों** जैसे हाशिए पर रहने वाले वर्गों पर **केंद्रित योजनाओं** में व्यय में कटौती का अनुभव हुआ है।
- प्रमुख योजनाओं के संशोधित अनुमानों में कटौती दिखाई गई है, जो **सामाजिक कल्याण** के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाती है।

शीर्ष राजस्व स्रोत के रूप में आयकर
- परंपरागत रूप से **बाजार उधार** पर निर्भर रहने के कारण, **सरकार** के **वित्तीय संसाधन** बदल रहे हैं।
- वित्त **वर्ष 2015** में **सरकारी संसाधनों** में **आयकर संग्रह** का योगदान सबसे अधिक **(19%)** होने का अनुमान है, जो **कॉर्पोरेट टैक्स (17%), जीएसटी (18%)** और **उधार (28%)** को पीछे छोड़ देगा।

102. वित्त मंत्री ने ऑफ-शोर विंड एनर्जी के दोहन हेतु वायबिलिटी गैप फंडिंग की घोषणा की - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
- कोयला गैसीकरण और द्रवीकरण
- ऑफ-शोर विंड एनर्जी
- नवीकरणीय ऊर्जा
- इलेक्ट्रिक वाहन

समाचार:
- हाल ही में, **वित्त मंत्री** ने **ऑफ-शोर विंड एनर्जी** की **अप्रयुक्त क्षमता** का दोहन करने के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है ।

ऑफ-शोर विंड एनर्जी को बढ़ावा
- इष्टतम पवन जोखिम के लिए **समुद्र के बीच** में स्थित **ऑफ-शोर पवन टरबाइन**, **विंड एनर्जी** की बिजली में **उच्च रूपांतरण दर** का वादा करते हैं।
- **उच्च निर्माण** और **रखरखाव लागत** के बावजूद, **सरकार का लक्ष्य बड़े पैमाने** पर प्रणालियों को प्रोत्साहित करके इनकी भरपाई करना है।

वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाएँ

- **भारत** में **वर्तमान** में **अपतटीय पवन परियोजनाओं** का अभाव है, लेकिन संभावित स्थलों, विशेष रूप से **गुजरात और तमिलनाडु** के तटों की पहचान की गई है।
- घोषणा में कम से कम एक **गीगावाट ऑफ-शोर विंड एनर्जी क्षमता** की स्थापना की सुविधा के लिए **वायबिलिटी गैप फंडिंग** शामिल है।
    - यह निवेशकों को आकर्षित करने के लिए **वित्तीय प्रोत्साहन** के रूप में कार्य करता है , जो स्वच्छ **ऊर्जा प्रौद्योगिकियों** को आगे बढ़ाने के लिए **सरकार की प्रतिबद्धता** का संकेत देता है।

बजट की ग्रीन पहल

- **ऑफ-शोर विंड वायबिलिटी गैप फंडिंग:** इसका उद्देश्य निवेशकों के लिए प्रवेश बाधाओं को कम करते हुए, अपतटीय पवन फार्मों की स्थापना को सुविधाजनक बनाना है।
- **रूफटॉप सोलर प्रोत्साहन:** रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करने वाले परिवारों को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी, जिसका लक्ष्य व्यापक रूप से अपनाने को प्रोत्साहित करना है।
- **इलेक्ट्रिक वाहन (EV) पारिस्थितिकी तंत्र समर्थन:** सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विनिर्माण और चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार में सहायता करने की योजना बना रही है।
- **संपीड़ित बायोगैस सम्मिश्रण:** चरणबद्ध तरीके से CNG और PNG में संपीड़ित बायोगैस का अनिवार्य मिश्रण बायोमास के माध्यम से बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्रोतों से बायोमास संग्रह के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की गई।
- **बायोमास एकत्रीकरण मशीनरी समर्थन:** जैव ईंधन उत्पादन में वृद्धि के लिए बायोमास संग्रह को बढ़ाने, बायोमास एकत्रीकरण मशीनरी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

कोयला गैसीकरण और द्रवीकरण

- वित्त मंत्री ने **वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन कोयला गैसीकरण और द्रवीकरण** क्षमता स्थापित करने की योजना की भी घोषणा की है ।
- **उद्देश्य:** प्राकृतिक गैस, मेथनॉल और अमोनिया जैसे **आयातित तरल या गैसीय ईंधन पर निर्भरता** कम करना।
- हालाँकि ये प्रक्रियाएँ स्वाभाविक रूप से **कोयले** को एक **स्वच्छ ऊर्जा स्रोत** नहीं बनाती हैं, लेकिन उनका **उद्देश्य बाहरी ईंधन स्रोतों** पर निर्भरता को कम करके **भारत की ऊर्जा सुरक्षा** को बढ़ाना है।
- आलोचकों का तर्क है कि स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान करने में बजट कम पड़ गया है।

103. FDI को बढ़ावा देने हेतु व्यापार साझेदारों के साथ BIT पर वार्ता - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

प्रीलिम्स टेकअवे

- द्विपक्षीय निवेश संधियाँ (BIT)
- मुक्त व्यापार समझौता (FTA)
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

समाचार:

- **अंतरिम बजट भाषण** में, **वित्त मंत्री** ने नई **द्विपक्षीय निवेश संधियों (BIT)** पर बातचीत करने के भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला।
- **उद्देश्य:** प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को बढ़ाना, विशेष रूप से FDI प्रवाह में गिरावट की स्थिति में।
- अप्रैल-सितंबर 2023 में भारत में **FDI इक्विटी प्रवाह 24% घटकर 20.48 बिलियन डॉलर** हो गया।

पृष्ठभूमि

- **वर्ष 2016 में भारत द्वारा मॉडल BIT** अपनाने के बाद नए **BIT** अपर्याप्त हो गए ।
- भारत का लक्ष्य **मुक्त व्यापार समझौतों** और **निवेश संधियों** के माध्यम से **पश्चिमी देशों** के साथ **आर्थिक एकीकरण** करना है।।
- **वित्त मंत्री** ने '**पहले भारत विकसित करो**' की भावना के **अनुरूप, निरंतर विदेशी निवेश** को प्रोत्साहित करने के लिए **BIT** पर बातचीत के महत्व पर जोर दिया।
- **वर्ष 2014-23** के दौरान **FDI** प्रवाह **596 बिलियन डॉलर** तक पहुंच गया, जो एक स्वर्ण युग का प्रतीक है और **वर्ष 2005-14** के दौरान प्रवाह दोगुना हो गया।

BIT के साथ चुनौतियाँ

- व्यापार साझेदारों ने **मॉडल BIT** में '**स्थानीय उपचारों** की समाप्ति' खंड पर भारत के जोर देने पर चिंता जताई।
    - यह **अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता** का सहारा लेने से पहले **निवेश संबंधी विवादों** को **स्थानीय स्तर** पर हल करने की वकालत करता है।

- अनुबंधों को लागू करने में आसानी के मामले में **190 देशों** में से **भारत** का **163वां स्थान** FDI प्रवाह के लिए एक चुनौती है।
  - विवाद समाधान में **1,445 दिन** और दावे के **मूल्य का 31%** समय लगा।

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- **वर्ष 2015** से पहले, भारत में **83 देशों/क्षेत्रों** के साथ **BIT** थे।
- भारत ने **वर्ष 2015** के बाद **68 देशों/क्षेत्रों** के साथ **BIT** को निलंबित कर दिया, **वर्ष 2016 मॉडल BIT** के आधार पर पुन: बातचीत का आग्रह किया।
- **निवेशक-राज्य विवादों** में **हाई-प्रोफाइल** हार के कारण निलंबन के साथ, छह **BIT** अभी भी लागू हैं।

104. रामसर साइटें में पांच और भारतीय आर्द्रभूमियाँ जोड़ी गईं - पीआईबी

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
- रामसर कन्वेंशन
- नई रामसर साइटें
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024

समाचार:

- हाल ही में, सरकार ने **विश्व वेटलैंड्स दिवस** पर भारत में **पांच नए रामसर स्थलों** को नामित करने की घोषणा की।
- भारत में कुल **रामसर** साइटें **75 से बढ़कर 80** हो गईं, जिनमें सबसे अधिक **तमिलनाडु (16 साइटें)** हैं, उसके बाद **उत्तर प्रदेश (10 साइटें)** हैं।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024

- **विषयवस्तु: आर्द्रभूमि** और **मानव कल्याण, बाढ़ सुरक्षा, स्वच्छ जल, जैव विविधता** और **मनोरंजक अवसरों** में **आर्द्रभूमि** की आवश्यक भूमिका पर प्रकाश डालता है।
- भारत, जो वर्ष **1982** से **रामसर कन्वेंशन** का एक पक्ष है, ने **रामसर साइटों** में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जो पिछले **दस वर्षों** में **26 से 80** तक पहुंच गई है।

नई रामसर साइटें

1. **अंकसमुद्र पक्षी संरक्षण रिजर्व (कर्नाटक)**
   - यह सदियों पहले निर्मित **जैव विविधता** से समृद्ध एक **मानव निर्मित ग्रामीण सिंचाई स्थल** है।
   - **पेंटेड स्टॉर्क** और **ब्लैक-हेडेड आइबिस** की **1%** से **अधिक जैव-भौगोलिक आबादी** का समर्थन करता है ।
2. **अघनाशिनी मुहाना (कर्नाटक)**
   - **अघनाशिनी नदी** और **अरब सागर** के **संगम** पर हुआ है ।
   - मुहाना का खारा पानी बाढ़ और कटाव जोखिम शमन, **जैव विविधता संरक्षण** और **आजीविका** सहायता सहित **विविध पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं** प्रदान करता है।
   - आर्द्रभूमि मुहाने के **चावल के खेतों** (स्थानीय रूप से **गजनी चावल के खेतों** के रूप में जाना जाता है), **बाइवेल्व शैल संग्रह** और **नमक उत्पादन** में **पारंपरिक मछली पालन** में मदद करती है।
3. **मगदी केरे संरक्षण रिजर्व (कर्नाटक)**
   - यह एक मानव निर्मित **आर्द्रभूमि** है जिसका निर्माण **सिंचाई उद्देश्यों** के लिए **वर्षा जल** को संग्रहीत करने के लिए किया गया है।
   - **कॉमन पोचार्ड** और **रिवर टर्न** दो **असुरक्षित प्रजातियाँ** हैं और **ओरिएंटल डार्टर ब्लैक-हेडेड आइबिस वूली-नेक्ड स्टॉर्क और पेंटेड स्टॉर्क** चार लगभग **संकटग्रस्त प्रजातियाँ** है।
   - यह बार-**हेडेड हंस** के लिए सबसे बड़े शीतकालीन **आश्रय स्थलों** में से एक है।
4. **कराईवेट्टी पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)**
   - **तमिलनाडु** के सबसे बड़े **अंतर्देशीय आर्द्रभूमियों** में से एक, यह क्षेत्र के लिए **भूजल पुनर्भरण** का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।
5. **लॉन्गवुड शोला रिजर्व फॉरेस्ट (तमिलनाडु)**
   - यह विश्व स्तर पर लुप्तप्राय **ब्लैक-चिन्ड नीलगिरि लाफिंग थ्रश, नीलगिरि ब्लू रॉबिन** और**असुरक्षित नीलगिरि वुड-कबूतर** के लिए आवास के रूप में कार्य करता है।

105. RBI ने फंड लॉन्ड्रिंग संबंधी चिंताओं के कारण पेटीएम पर प्रतिबंध लगाया - हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पेटीएम बैंक
- भारतीय रिजर्व बैंक

समाचार:
- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** की कार्रवाई में **पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (PPBL)** को **29 फरवरी** तक सभी **नए व्यापारिक लेनदेन बंद** करने का निर्देश दिया गया है।

मुख्य बिंदु
- **RBI** ने बैंक को **15 मार्च** तक सभी आगामी लेनदेन निपटाने के लिए कहा, यह बैंक द्वारा **KYC मानदंडों** के अनुपालन में **बड़ी अनियमितताओं** के कारण हुआ था ।
  - घटनाक्रम से अवगत लोगों ने कहा कि इस प्रकार **ग्राहकों, जमाकर्ताओं और वॉलेट धारकों** को गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।
- **RBI पर्यवेक्षकों** और **बाहरी लेखा परीक्षकों** ने पाया -
  - बहुत बड़ी संख्या में ग्राहकों (लाखों की संख्या में) के KYC विवरण गायब हैं
  - लाखों खातों में PAN सत्यापन विफल
  - एक ही पैन का उपयोग कई ग्राहकों के लिए किया जाता है।
  - हजारों मामलों में एक ही पैन 100 से अधिक ग्राहकों से और कुछ मामलों में 1,000 से अधिक ग्राहकों से जुड़ा हुआ था

मनी लॉन्ड्रिंग की चिंता
- बैंक को करोड़ों रुपये के लेनदेन की सुविधा प्रदान करने में भी शामिल पाया गया
  - न्यूनतम KYC आवश्यकताओं वाले प्रीपेड उपकरणों में विनियामक सीमाओं से काफी दूर, मनी लॉन्ड्रिंग की चिंताएं बढ़ रही हैं
- असामान्य रूप से बड़ी संख्या में निष्क्रिय खातों का उपयोग लेन-देन की सुविधा के लिए **'म्यूल खातों'** के रूप में किया गया पाया गया।
- RBI का हालिया निर्देश चल रही **पर्यवेक्षी प्रतिबद्धता** और **अनुपालन प्रक्रिया** का एक हिस्सा है
- भुगतान बैंक पर प्रमोटर समूह संस्थाओं के साथ व्यवहार करते समय **'आर्म्स लेंथ पॉलिसी'** का पालन नहीं करने का आरोप है ।
- इसके **वित्तीय** और **गैर-वित्तीय व्यवसाय** को **लाइसेंसिंग शर्तों** का उल्लंघन करके इसके **प्रमोटर** समूह की कंपनियों के साथ मिला दिया गया था

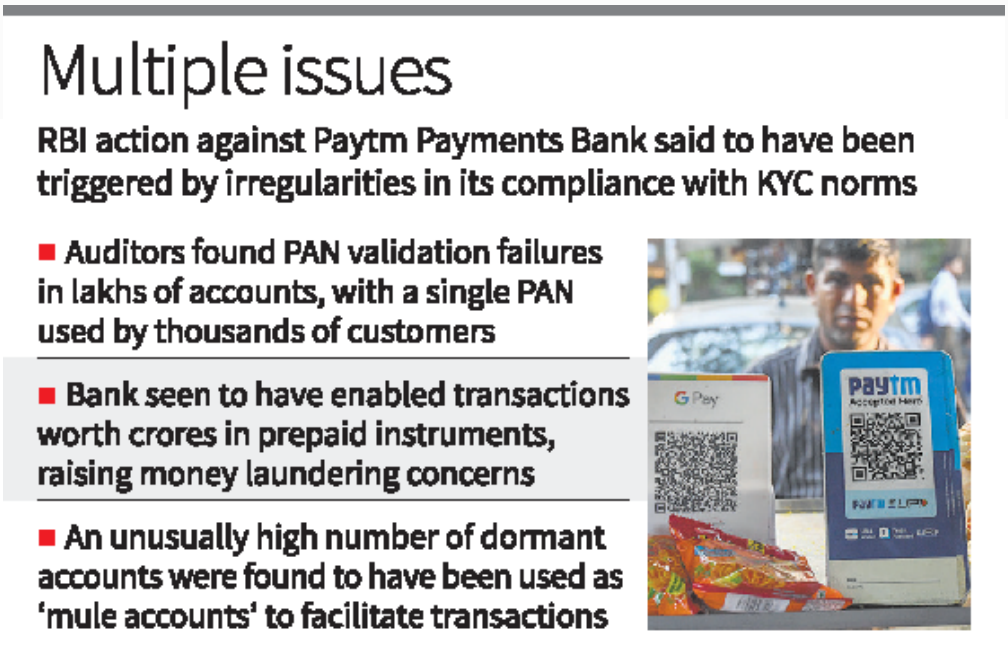

106. भारतीय नौसेना ने समुद्री डकैती का एक और प्रयास विफल किया- द हिंदू

प्रासंगिकता: सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन - आतंकवाद के साथ संगठित अपराध का संबंध।

प्रीलिम्स टेकअवे
- संयुक्त राष्ट्र समुद्र विधि समझौता (UNCLOS)
- समुद्री डकैती

समाचार:
- **भारतीय नौसेना** ने **सोमालिया** के **पूर्वी तट** पर **ईरानी ध्वज** वाले **मछली पकड़ने वाले जहाज** पर **समुद्री डकैती** के प्रयास को **विफल** कर दिया

मुख्य बिंदु
- "मछली पकड़ने वाली नौका **FV ओमारिल** पर **समुद्री डकैती** के प्रयास के बारे में जानकारी की निगरानी की गई
- **भारतीय नौसैनिक** दूर से **संचालित विमान (RPA)** क्षेत्र में **निगरानी** कर रहे हैं
  - क्षेत्र में **समुद्री डकैती रोधी मिशन** के लिए तैनात **आईएनएस शारदा** को नाव को रोकने के लिए डायवर्ट किया गया था
- पिछले तीन वर्षों के दौरान **समुद्री डाकुओं** द्वारा गहरे समुद्र में **जहाजों के अपहरण** की **सात घटनाएं** दर्ज की गई हैं
- **भारतीय नौसेना क्षेत्रीय** और **अतिरिक्त-क्षेत्रीय नौसेनाओं** और **समुद्री बलों** के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रही है

संयुक्त राष्ट्र समुद्र विधि समझौता (UNCLOS)
- वर्ष 1982 के **संयुक्त राष्ट्र समुद्र विधि समझौता (UNCLOS)** के **अनुच्छेद 101** में यह निर्धारित किया गया है कि **समुद्री डकैती** में निम्नलिखित में से कोई भी कार्य शामिल है:
- किसी **निजी जहाज** या **निजी विमान** के **चालक दल** या **यात्रियों द्वारा निजी उद्देश्यों** के लिए की गई हिंसा या हिरासत का कोई भी अवैध कार्य, या **लूटपाट** का कोई भी **कार्य और निर्देशित:**
  - डीप समुद्र में, किसी अन्य जहाज या विमान, या ऐसे जहाज या विमान पर सवार व्यक्तियों या संपत्ति के विरुद्ध
  - किसी राज्य के अधिकार क्षेत्र से बाहर किसी स्थान पर किसी जहाज, विमान, व्यक्तियों या संपत्ति के विरुद्ध;
- **किसी जहाज या** विमान के संचालन में **स्वैच्छिक भागीदारी** का कोई भी कार्य, तथ्यों की जानकारी के साथ इसे **समुद्री डाकू जहाज** या विमान बनाना;
- उप-पैराग्राफ (A) या (B) में वर्णित किसी कार्य को उकसाने या जानबूझकर बढ़ावा देने का कोई भी कार्य ।

107. वित्तीय संस्थान हाई-टेक कंपनियों को वित्त पोषित करने हेतु कोष चलाने की संभावना - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: अर्थव्यवस्था

प्रीलिम्स टेकअवे
- नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (NaBFID)
- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)

समाचार:
- भारत सरकार अपनी बजट घोषणा को लागू करने के लिए **NaBFID, NIIF और SIDBI** जैसे वित्तीय संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।
- इसने उभरते क्षेत्रों में **अनुसंधान** और **नवाचार** के लिए **1 लाख करोड़ रुपये** के आवंटन की घोषणा की है ।
- यह **धनराशि नवीन प्रौद्योगिकियों** के विकास के लिए समर्पित **निजी क्षेत्र** की परियोजनाओं के **वित्तपोषण** या पुनर्वित्त के लिए है।

नवप्रवर्तन के लिए वाणिज्यिक वित्तपोषण
- सरकार का लक्ष्य उन विशिष्ट क्षेत्रों में उद्यमों का समर्थन करना है जहां **भारत विश्व स्तर** पर प्रतिस्पर्धी बन सके और **अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों** के आयात पर निर्भरता कम कर सके।
- यह महत्वपूर्ण संभावनाओं वाले उभरते क्षेत्रों में नवीन परियोजनाओं के लिए सस्ता वित्तपोषण प्रदान करेगा।
- आवंटित **धनराशि नवीन प्रौद्योगिकियों** पर ध्यान केंद्रित करने वाले **वाणिज्यिक, लाभकारी उद्यमों** के लिए है।

लंबी अवधि के ऋण और शून्य ब्याज
- सरकार इसमें शामिल **वित्तीय संस्थानों** को शून्य ब्याज पर **50 साल** तक की लंबी अवधि के ऋण देने पर विचार कर रही है।
  - यह वित्तीय सहायता मॉडल राज्यों के लिए पूंजीगत व्यय के समान है।

- वित्तीय संस्थान, बदले में, अन्य संस्थानों को रियायती दरों पर ऋण प्रदान कर सकते हैं या सीधे **वाणिज्यिक उद्यमों** को **वित्तपोषित** कर सकते हैं।

भविष्य की सम्भावनाएँ

- फंडिंग के लिए योग्य क्षेत्रों की पहचान करने के लिए विभिन्न **मंत्रालयों** के बीच चर्चा चल रही है।
- स्वदेशी रूप से **विकसित प्रौद्योगिकियों** की सफलता से रोजगार सृजित होने और **वर्ष 2047** तक भारत को विश्व स्तरीय अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देने की उम्मीद है।

108. सरकार ने एक्ज़िम बैंक को ₹9,000 करोड़ दिए इंडियन एक्सप्रेस -

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- क्रेडिट लाइन
- एक्ज़िम बैंक

समाचार:

- **वर्ष 2023-24** में **एक्ज़िम बैंक ऑफ इंडिया** के माध्यम से दिए गए कुछ देशों को दिए गए ऋण को **"संदेहास्पद ऋण"** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- इन ऋणों पर **भारत सरकार** की **गारंटी** लागू करने के बाद **विदेश मंत्रालय** ने **वित्तीय संस्थान** को **9,013.72 करोड़ रुपये** प्रदान किए हैं।

मुख्य बिंदु

- कुछ **अफ्रीकी देशों** को दिए गए एक दशक से अधिक पुराने **ऋण गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों** में बदल जाने के बाद **एक्ज़िम बैंक** को गारंटी वापस लेनी पड़ी।
- अन्य देशों को **क्रेडिट लाइन (LOCs)** दी जाती हैं **और** इनमें से कुछ **अफ्रीकी देशों** को **NPA** में बदल दी जाती हैं।
- उन्हें संदिग्ध के रूप में वर्गीकृत किया गया है, लेकिन बट्टे खाते में नहीं डाला गया है
- **विदेश मंत्रालय ने गारंटी** के लिए **एक्ज़िम बैंक** को भुगतान के लिए **वर्ष 2024-25** में **4,383.40 करोड़** रुपये और प्रदान किए हैं
  - इसे संदिग्ध ऋणों के विरुद्ध लागू किया जा सकता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि आने वाले वर्षों में देशों को दिए गए ऐसे और **ऋणों को NPA** के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।
- **भारतीय विकास** और **आर्थिक सहायता योजना** के तहत **एशिया** (बांग्लादेश, नेपाल, भूटान को छोड़कर), **अफ्रीका**, **स्वतंत्र राज्यों** के **राष्ट्रमंडल क्षेत्र** और **लैटिन अमेरिकी क्षेत्र** के देशों के लिए **सरकार समर्थित LOC** का विस्तार किया गया है।
- एक बार जब किसी **वित्तीय संस्थान** या **सार्वजनिक क्षेत्र** के उपक्रम द्वारा गारंटी लागू कर दी जाती है,
  - धनराशि का भुगतान **वर्ष 1999-2000** से भारत के सार्वजनिक खाते में स्थापित **गारंटी मोचन निधि** से किया जाता है।
- गारंटी मोचन निधि से समतुल्य राशि वसूल की जाएगी।
- लगभग **चार दशकों** से, **आर्थिक मामलों** का विभाग **"मैत्रीपूर्ण विकासशील विदेशी देशों"** को **क्रेडिट लाइन (LOC)** का विस्तार कर रहा है।
- ये LOC '**सरकार-से-सरकार**' क्रेडिट लाइनें थीं क्योंकि समझौते पर **भारत सरकार** और **प्राप्तकर्ता देश** की सरकार के बीच हस्ताक्षर किए गए थे।
- वर्ष 2003-04 तक, LOC **G-to-G** थीं और तदनुसार, LOC द्वारा कवर की गई पूरी राशि बजट में प्रदान की जाती थी।
- वर्ष 2003-04 से, इस प्रणाली को **एक्ज़िम बैंक ऑफ इंडिया** के माध्यम से भारत सरकार समर्थित LOC का विस्तार करके प्रतिस्थापित किया गया है।

109. उर्वरक प्रबंधन के माध्यम से अमोनिया उत्सर्जन में कमी करना द हिंदू -

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
- अमोनिया
- ग्रीनहाउस गैस
- क्योटो प्रोटोकोल

समाचार:

- **मशीन लर्निंग** के आधार पर, हाल ही में, शोधकर्ता **चावल, गेहूं** और **मक्का** की फसलों से **अमोनिया उत्सर्जन** का विस्तृत अनुमान लेकर आए हैं।

- अध्ययन एक **फसल-विशिष्ट विश्लेषण** प्रदान करता है, जो **वायुमंडलीय अमोनिया** के **पर्यावरणीय प्रभाव** और **स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों** पर जोर देता है।

अमोनिया उत्सर्जन: एक वैश्विक मुद्दा

- **वायुमंडलीय अमोनिया** एक प्रमुख **पर्यावरणीय प्रदूषक** है जो **पूरे ग्रह** के **पारिस्थितिक तंत्र** के साथ-साथ **मानव स्वास्थ्य** को भी प्रभावित करता है।
- लगभग **51-60% मानवजनित अमोनिया उत्सर्जन** का पता **फसल की खेती** से लगाया जा सकता है।
  - इनमें से लगभग आधा उत्सर्जन **तीन मुख्य मुख्य** फसलों चावल, गेहूं और मक्का से जुड़ा है।
- हालाँकि, **उच्च रिज़ॉल्यूशन** पर **विशिष्ट फसल भूमि** से संबंधित **अमोनिया उत्सर्जन** में किसी भी संभावित कटौती की मात्रा निर्धारित करना चुनौतीपूर्ण है।

मशीन लर्निंग दृष्टिकोण

- शोधकर्ताओं ने **विभिन्न चरों** के आधार पर **अमोनिया उत्पादन** का **मॉडल** तैयार करने के लिए **मशीन लर्निंग** का उपयोग किया।
  - इनमें जलवायु, मिट्टी की विशेषताएं, फसल के प्रकार, सिंचाई, जुताई और उर्वरक पद्धतियां शामिल हैं।
- 2,700 से अधिक अवलोकनों से प्राप्त एक व्यापक डेटासेट ने मॉडल को सूचित किया।

वैश्विक अमोनिया उत्सर्जन आकलन

- **मशीन लर्निंग मॉडल** का अनुमान है कि **वर्ष 2018** में **वैश्विक अमोनिया उत्सर्जन 4.3 टेराग्राम** (4.3 बिलियन किलोग्राम) होगा।
- मॉडल द्वारा निर्देशित, **स्थानिक रूप** से अनुकूलन **उर्वरक प्रबंधन, संभावित रूप** से **तीन फसलों** से **वायुमंडलीय अमोनिया उत्सर्जन** को **38%** तक कम कर सकता है।
- इसमें **पारंपरिक जुताई प्रथाओं** का उपयोग करते हुए, बढ़ते मौसम के दौरान **मिट्टी में उन्नत दक्षता** वाले उर्वरकों को गहराई से डालना शामिल है।
- **प्रभावी प्रबंधन रणनीतियों** के बिना, **वर्ष 2100** तक **अमोनिया उत्सर्जन** में **4.6% से 15.8%** के बीच संभावित वृद्धि का अनुमान है।

110. विश्व और भारत में वनों स्थिति हिन्दू -

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारत राज्य वन रिपोर्ट
- राष्ट्रीय वन नीति, 1988

समाचार:

- कई साल पहले, **ज़मीन-आधारित नमूना गणना** और **उपग्रह इमेजरी** का उपयोग करके दुनिया के पेड़ों का विश्लेषण किया गया था।
- अध्ययन में पृथ्वी पर **तीन ट्रिलियन पेड़ों** का आश्चर्यजनक अनुमान सामने आया, जो पिछले विद्वानों के अनुमानों से काफी अधिक है।

वैश्विक वृक्ष वितरण

- औसतन **प्रति व्यक्ति 400** से कुछ अधिक पेड़ हैं, **दक्षिण अमेरिकी वर्षावनों** में सभी पेड़ों का **15-20%** निवास है।
- **कनाडा** और **रूस** में **बोरियल जंगलों** में **शंकुधारी पेड़ों** की **उच्च सांद्रता** है, जो प्रत्येक **कनाडाई निवासी** को लगभग **9,000 पेड़** प्रदान करते हैं।
- इसके विपरीत, **1.5 मिलियन** की आबादी वाले **मध्य पूर्वी देश बहरीन** में **प्रति वर्ग किलोमीटर** औसतन **पांच पेड़** के हिसाब से केवल **3,100 पेड़** हैं।

ऑक्सीजन स्रोतों में विविधता

- जबकि पेड़ आवश्यक ऑक्सीजन स्रोत हैं, **विशाल घास के मैदान लगभग पेड़ों जितनी ही ऑक्सीजन का योगदान करते हैं।**
- इसके अतिरिक्त, **समुद्री साइनोबैक्टीरिया और शैवाल ऑक्सीजन उत्पादन** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं , जो भूमि पौधों जितना ही योगदान देते हैं।

कार्बन पृथक्करण

- ऑक्सीजन उत्पादन के अलावा, पेड़ **कार्बन पृथक्करण** में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- सहस्राब्दी पुराने पेड़, डूबने और दफनाने के बाद कोयले में बदल गए, लंबे समय तक कार्बन को रोके रखते हैं।

भारत का वन क्षेत्र

- भारत का अनुमान **प्रति व्यक्ति 28 पेड़** है, जो **उच्च जनसंख्या घनत्व** और **वनों की कटाई** के इतिहास से प्रभावित है।
  - भारत से **तीन गुना अधिक जनसंख्या घनत्व** वाले बांग्लादेश में **प्रति नागरिक** केवल **छह पेड़** हैं।
  - **नेपाल** और **श्रीलंका** में **प्रति व्यक्ति सौ** से **कुछ अधिक पेड़** हैं।
- **भारत** के **भूगोल** में **विविधता** के कारण **प्राकृतिक वन क्षेत्र** में **बड़ा अंतर** है।
- **घनी छतरियों, उच्च वर्षा** और **समृद्ध जैव विविधता** वाले नम **उष्णकटिबंधीय वन पश्चिमी** और **पूर्वी घाट, पूर्वोत्तर** और **अंडमान और निकोबार द्वीप** समूह में प्रमुख हैं।
- **अरुणाचल प्रदेश** में **80% भूमि क्षेत्र वन क्षेत्र** के अंतर्गत है, राजस्थान में यह **10%** से भी कम है।

भारत में वन नीति लक्ष्य

- **पुनर्वनीकरण प्रयासों** के बावजूद, भारत अभी भी देश के **एक-तिहाई हिस्से** को वनाच्छादित करने के अपने **वन नीति लक्ष्य** को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है।
- **भारत राज्य वन रिपोर्ट (ISFR)** 2021 **कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु** को **वन आवरण** में सबसे महत्वपूर्ण सुधार वाले राज्यों के रूप में पहचानती है।

111. भारत को मछुआरों को बॉटम ट्रॉलिंग छोड़ने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारत और उसके पड़ोसी-संबंध।

प्रीलिम्स टेकअवे
• बॉटम ट्रॉलिंग
• नीली क्रांति योजना
• मानचित्र आधारित प्रश्न

प्रसंग:

- कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद, **पाक खाड़ी** में **श्रीलंकाई नौसेना** द्वारा **तमिलनाडु** और **पुडुचेरी** के **मछुआरों** की **लगातार गिरफ्तारी** और **सशस्त्र नागरिकों** द्वारा **समुद्र** के बीच में हमले गंभीर चिंताएं पैदा करते हैं।

बढ़ती गिरफ़्तारियाँ और हिरासतें

- **23 मछुआरों** की **हिरासत** और **डेल्फ़्ट द्वीप** के पास **दो ट्रॉलरों** की जब्ती से इस वर्ष कुल **गिरफ़्तारियाँ 69** हो गईं, जबकि पूरे पिछले वर्ष में यह **संख्या 240** थी।
- इसके अतिरिक्त, **34 मछुआरों** को रिहा कर दिया गया है, लेकिन **45** से अधिक अभी भी हिरासत में हैं, **मछली पकड़ने** के **महंगे उपकरण** और **जहाजों** को जब्त किए जाने की चिंता है।

विनाशकारी बॉटम ट्रॉलिंग आरोप

- **श्रीलंकाई उत्तरी प्रांत** के **मछुआरों** ने **तमिलनाडु** के **मछुआरों** को आरोप लगाया है कि वे **विनाशकारी बॉटम ट्रॉलिंग** में लगे हैं, जो श्रीलंका द्वारा **जुलाई 2017** से प्रतिबंधित किया गया है।
- **नीली क्रांति योजना** के माध्यम से समस्या का समाधान करने और **बॉटम ट्रॉलिंग** पर मछली पकड़ने को समाप्त करने के भारत के वादों के बावजूद , **प्रतिबंधित गतिविधियाँ** जारी है।

भारतीय मछुआरों के समक्ष चुनौतियाँ

- मछुआरों को तमिलनाडु **समुद्री मत्स्य पालन विनियमन अधिनियम 1983** के तहत भी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- इसके तहत, **मशीनीकृत** मछली पकड़ने वाली **नौकाओं** को तट से केवल **तीन समुद्री मील** से अधिक दूर तक मछली पकड़ने की अनुमति है।
- हालाँकि **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा** की **निकटता** के कारण **उल्लंघन** होता रहता है।

अनियमित संचालन और कूटनीतिक प्रयास

- मत्स्य पालन पर एक **संयुक्त कार्य समूह (JWG)** की स्थापना के लिए **वर्ष 2016** में एक समझौते के बावजूद, जिसकी बैठक **हर तीन महीने** में होगी, **केवल पांच बैठकें** हुई हैं और आखिरी बैठक **वर्ष 2022** में होगी।
- इस मुद्दे को **"मानवीय चिंता"** के रूप में मानने का **भारतीय प्रधान मंत्री** का आह्वान **दोनों पक्षों** के लगातार प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

विशेष एवं लक्षित कार्रवाई के लिए आह्वान

- **गहरे समुद्र** में **मछली पकड़ने** को बढ़ावा देने, नीचे की ओर **मछली पकड़ने को छोड़ने** और **आपसी करुणा** और **नियमित राजनयिक वार्ता** के माध्यम से मुद्दे को हल करने सहित **विशेष एवं लक्षित** कार्रवाई आवश्यक है।

- इन चिंताओं को दूर करने में विफलता से **पाक खाड़ी** में **भारतीय मछुआरों** के लिए खतरनाक स्थितियाँ बनी रहेंगी।

112. भारत निर्मित टाइफाइड वैक्सीन की प्रभावशीलता द हिंदू -

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।
समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- टाइफाइड
- वैक्सीन के प्रकार

Protective in children of all age groups under 12 years

The trial was carried out in in Malawi, Africa, a typhoid fever-endemic setting, in children aged nine months to 12 years

- Children were vaccinated with a single dose of the vaccine during the period February to September 2018
- 14,069 children received the typhoid vaccine while the remaining 14,061 children received the control vaccine (MenA)
- The efficacy at the end of 4.3 years of median follow-up was 70·6% in children aged nine months to two years
- The efficacy in children aged two-four years was 79·6%, while the efficacy was 79·3% in children aged five-12 years
- The absolute risk reduction was 5·1 typhoid infections per 1,000 vaccinated children
- The estimated reduction in vaccine efficacy over time was only 1·3% per year over four years

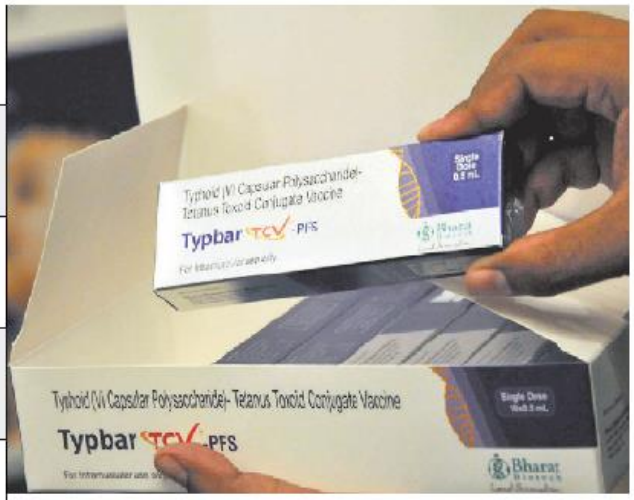

Greenlighted: Conjugated typhoid vaccine manufactured by Bharat Biotech received WHO prequalification in 2017

113. स्वदेशी CAR-T सेल थेरेपी अब व्यावसायिक उपयोग के लिए उपलब्ध - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।
समाचार :

प्रीलिम्स टेकअवे
- CAR-T सेल थेरेपी
- काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर्स

- **CAR-T सेल थेरेपी** के व्यावसायिक उपयोग से **कैंसर के उपचार में** महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई है ।

CAR-T सेल थेरेपी

- **अग्रणी उपचा**र जो **कैंसर से लड़ने** के लिए **रोगी की प्रतिरक्षा प्रणाली** को **आनुवंशिक रूप** से **पुन: प्रोग्राम** करता है
- उपचार के बाद **थेरेपी आशाजनक** परिणाम प्रदर्शित कर रही है।
- यह एक **क्रांतिकारी थेरेपी** है जो प्रतिरक्षा कोशिकाओं, विशेष रूप से **T-कोशिकाओं** को **शक्तिशाली** कैंसर सेनानियों में बदल देती है जिन्हें **CAR-T कोशिकाओं** के रूप में जाना जाता है।
- थेरेपी में कैंसर **कोशिकाओं** के लिए विशिष्ट **काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर्स (CARs)** को व्यक्त करने के लिए रोगी की T-**कोशिकाओं** को इकट्ठा करना और आनुवंशिक रूप से संशोधित करना शामिल है।
- फिर इन संशोधित कोशिकाओं को **कैंसर कोशिकाओं** को लक्षित करने और उन पर हमला करने के लिए रोगी में वापस डाला जाता है
- यह एक लक्षित **इम्यूनोथेरेपी दृष्टिकोण** प्रदान करता है।

थेरेपी की सफलता

- **CAR-T** सेल थेरेपी **B-सेल कैंसर,** विशेष रूप से **तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया** के इलाज में इसकी प्रभावकारिता पर प्रकाश डालती है।
- प्रारंभिक निष्कर्ष आशाजनक जीवित रहने की दर और कम छूट दर का सुझाव देते हैं।
- यह **कैंसर** से संबंधित **मृत्यु दर** को कम करने और **कैंसर के उपचार** में **क्रांति** लाने की क्षमता को इंगित करता है।

स्वदेशी रूप से विकसित थेरेपी

- **NexCAR 19 (थेरेपी का शीर्षक)** को **Immuno ACT, IIT बॉम्बे** और **टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल** द्वारा सहयोगात्मक रूप से विकसित किया गया है।
- **ImmunoACT CDSCO** अनुमोदन प्राप्त करने वाली पहली **CAR-T सेल थेरेपी** है।
- इस **थेरेपी** को **अक्टूबर 2023** में **केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO)** से मंजूरी मिली।
- थेरेपी का विकास भारत में कैंसर के इलाज में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हो रही है।

114. भारत का टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात 11.7% तक पहुंचने का अनुमान: राजस्व सचिव-द हिंदू

प्रासंगिकता : सरकारी बजटिंग।

प्रीलिम्स टेकअवे
- टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात
- भारत में कॉर्पोरेट कराधान

समाचार :

- वर्ष 2024-25 में भारत का **टैक्स-टू-जीडीपी अनुपात 11.7%** तक पहुंचने का अनुमान है।

राशन में वृद्धि की प्रासंगिकता

- यह एक **ऐतिहासिक ऊंचाई का प्रतीक है।**
- इस उछाल का श्रेय **प्रत्यक्ष करों** में **वृद्धि** को दिया जाता है
- इसका उद्देश्य एक निष्पक्ष कर संरचना बनाना है।

टैक्स कलेक्शन बढ़ाने के सरकार के प्रयास

- सरकार **विवादों, मुकदमेबाजी** और **दखल देने वाले प्रवर्तन तरीकों** को कम करने के लिए कर **व्यवस्था को सरल** और **तर्कसंगत** बनाने के प्रयास कर रही है।
- इस उद्देश्य को प्राप्त करने में **प्रत्यक्ष करों** की **महत्वपूर्ण भूमिका** होने का अनुमान है।
- **कॉर्पोरेट** और **व्यक्तिगत आयकर** में **हालिया कटौती** ने इस प्रयास को और बढ़ावा दिया है।

नई टैक्स व्यवस्था

- नई टैक्स व्यवस्था लागू होने से महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं
- यह उच्च कर-मुक्त आय सीमा की पेशकश कर रहा है, लेकिन बिना किसी कटौती के।
- आयकरदाताओं का एक **बड़ा हिस्सा आकर्षित** होने की उम्मीद है ।
- व्यक्तिगत आय कर संग्रहण में काफी वृद्धि हुई है, हालांकि साल के अंत तक कमी का पूर्वानुमान है।

जीएसटी को तर्कसंगत बनाने की संभावनाएं

- **जीएसटी दर** संरचना की समीक्षा करने के लिए नियुक्त **मंत्रियों समूह (GoM)** का पुनर्गठन किया गया है।
- **विभिन्न वस्तुओं** पर **दरों** को **तर्कसंगत** बनाने के लिए **निरंतर समायोजन जीएसटी परिषद** के लिए प्राथमिकता बनी हुई है।

भविष्य के लिए उम्मीदें

- 2024-25 के लिए **राजस्व वृद्धि** के अनुमान मामूली हैं, उछाल दर में थोड़ी गिरावट की उम्मीद है।
- अनुमान है कि टैक्स **राजस्व 10.5%** की **नाममात्र जीडीपी वृद्धि** से थोड़ी अधिक दर से बढ़ेगा।

कॉर्पोरेट टैक्स व्यवस्था

- **नई विनिर्माण इकाइयों** को **कॉर्पोरेट टैक्स** की कम दर से **लाभ प्राप्त** करने की **समय सीमा निकट** आ रही है,
  - कई कंपनियां पहले ही इसका लाभ उठा चुकी हैं।
- **कॉर्पोरेट टैक्स आय** का एक महत्वपूर्ण हिस्सा **22%** की **कम दर** पर दाखिल किया जा रहा है, जो **वर्ष 2019** में इसकी शुरुआत के बाद से बढ़ोतरी का संकेत देता है।

115. भारत में 5-6 वर्षों में गैस क्षेत्र में 67 अरब डॉलर का निवेश होगा: पीएम-द हिंदुस्तान टाइम्स

प्रीलिम्स टेकअवे
- हरित हाइड्रोजन मिशन
- भारत में प्राकृतिक गैस उत्पादन

प्रासंगिकता : भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार :
- भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 में **प्रधान मंत्री** ने **भारत की प्राकृतिक गैस आपूर्ति श्रृंखला** में महत्वपूर्ण निवेश प्रवाह का अनुमान लगाया।
- अनुमान के अनुसार **5-6 वर्षों** के भीतर **67 बिलियन अमरीकी डालर** का निवेश होने का अनुमान है।

प्राकृतिक गैस उत्पादन में सुधार प्रेरित वृद्धि
- **प्रधान मंत्री** ने **घरेलू प्राकृतिक गैस उत्पादन** को बढ़ावा देने वाले **सरकारी सुधारों** पर प्रकाश डाला
  - **ऊर्जा मिश्रण** में अपनी हिस्सेदारी मौजूदा **6.3% से बढ़ाकर 2030** तक **15%** करने का लक्ष्य है।
- वर्ष 2070 तक **शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन** की दिशा में **भारत** के **प्रक्षेप पथ** को रेखांकित किया गया है,
  - **बिजली उत्पादन, उर्वरक उत्पादन, ऑटोमोबाइल** के लिए **CNG** और **खाना पकाने** में **प्राकृतिक गैस** को **कोयले के स्वच्छ विकल्प** के रूप में स्थापित करना।

भारत का ऊर्जा परिदृश्य और विकास की संभावनाएँ
- भारत की मजबूत **आर्थिक वृद्धि से ऊर्जा** की मांग बढ़ रही है,
  - यह इसे दुनिया का **ऊर्जा, तेल** और **LPG** का तीसरा सबसे **बड़ा उपभोक्ता** और **LNG** और **ऑटोमोबाइल बाजार** का **चौथा सबसे बड़ा आयातक** बन गया।
- भारत की **सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)** की **वृद्धि दर वैश्विक** अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए **7.5%** से अधिक हो गई है
  - भारत को **दुनिया की सबसे तेजी** से बढ़ती **अर्थव्यवस्था** के रूप में स्थापित करना।
- IMF का पूर्वानुमान **भारत की तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था** के रूप में उभरने की क्षमता के अनुरूप है।

भारत के ऊर्जा बाज़ार में निवेश के अवसर
- प्रधानमंत्री ने वैश्विक निवेशकों से **भारत में पूंजी** लगाने का आग्रह किया
  - तेजी से बढ़ता ऊर्जा बाज़ार
  - समृद्धि को बढ़ावा देना
  - पर्यावरणीय स्थिरता
- सरकारी प्रयास **टिकाऊ और किफायती ईंधन** पहुंच सुनिश्चित करते हैं
- भारत के **ऊर्जा मिश्रण विस्तार** में **पारंपरिक ईंधन** के साथ-साथ **जैव ईंधन और हाइड्रोजन** जैसे **नवीकरणीय स्रोत** भी शामिल हैं
  - **ऊर्जा क्षेत्र** के विस्तार के लिए **रिकॉर्ड निवेश निर्धारित** किया गया है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था और जैव ईंधन को अपनाना
- **प्रधानमंत्री** ने **भारत** के **चक्रीय अर्थव्यवस्था सिद्धांतों** को अपनाने पर प्रकाश डाला,
  - इथेनॉल सम्मिश्रण पहल के साथ
  - जैव ईंधन अपनाने को बढ़ावा देने वाले वैश्विक गठबंधन
  - 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आर्थिक अवसरों को खोलना।

पर्यावरण प्रतिबद्धता और कार्बन उत्सर्जन में कमी
- भारत की पर्याप्त जनसंख्या के बावजूद कार्बन उत्सर्जन में हिस्सेदारी मामूली है
  - पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील ऊर्जा स्रोतों को विकसित करने पर ध्यान देने के साथ है।

नवीकरणीय ऊर्जा नेतृत्व और सौर विस्तार
- **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** में **भारत विश्व स्तर** पर **चौथे स्थान** पर है ,
  - सौर ऊर्जा में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है
  - एक करोड़ घरों में **सोलर रूफटॉप पैनल** स्थापित करने का **राष्ट्रव्यापी मिशन** भी शामिल है ।
- **हरित हाइड्रोजन क्षेत्र** में भारत की प्रगति ,

- भारत को **हाइड्रोजन उत्पादन** और **निर्यात** के **केंद्र** के रूप में देखना
- निवेशकों और उद्योगों के लिए **आकर्षक अवसर** प्रदान करना ।

भारत ऊर्जा सप्ताह 2024: ऊर्जा नवाचार का संगम

- यह आयोजन **6 से 9 फरवरी तक गोवा** में आयोजित किया गया था।
- यह भारत की प्रमुख **ऊर्जा प्रदर्शनी** और **सम्मेलन** के रूप में कार्य करता है
- यह **संपूर्ण ऊर्जा मूल्य श्रृंखला** में **हितधारकों** को एकजुट करता है।

116. पेट्रोनेट ने कतर LNG खरीद अनुबंध को अगले 20 वर्षों के लिए बढ़ाया- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : बुनियादी ढाँचा - ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे आदि।

प्रीलिम्स टेकअवे
- DES बेसिस
- भारतीय LNG आयात

समाचार :

- **पेट्रोनेट LNG** और **कतर एनर्जी** ने तरलीकृत **प्राकृतिक गैस (LNG)** की आपूर्ति को मौजूदा अनुबंध समाप्ति तिथि से आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण सौदे को अंतिम रूप दिया है।
- यह **अनुबंध 2028** से शुरू होकर अतिरिक्त **20 वर्षों** के लिए **7.5 मिलियन टन प्रति वर्ष** (mtpa) **LNG** की आपूर्ति बढ़ाता है।

अनुबंध प्रक्रिया और संविदात्मक शर्तें

- वार्ता प्रक्रिया में **भारत और कतर** की **सरकारों** के बीच चर्चा शामिल थी
- नए समझौते के तहत, **LNG** आपूर्ति **फ्री ऑन बोर्ड (FOB)** आधार से **डिलीवर एक्स शिप (DES) आधार** पर परिवर्तित हो जाएगी, जिसमें कोई **निश्चित शुल्क** का उल्लेख नहीं किया जाएगा।
- नए अनुबंध के तहत मूल्य निर्धारण की शर्तों से भारतीय खरीदारों के लिए महत्वपूर्ण बचत होने की उम्मीद है ।
  - 20-वर्ष की अवधि में संभावित रूप से लगभग $6 बिलियन की बचत होगी ।

भारत के ऊर्जा लक्ष्यों पर प्रभाव

- अनुबंध का विस्तार भारत की **प्राथमिक ऊर्जा** में **प्राकृतिक गैस** की हिस्सेदारी बढ़ाने के लक्ष्य के अनुरूप है
  - वर्तमान में **6%** से थोड़ा अधिक के साथ **वर्ष 2030** तक **15 प्रतिशत** तक मिलाएं।

अनुबंध का महत्व

- मौजूदा **दीर्घकालिक समझौता** राष्ट्रीय महत्व रखता है, जो **भारत के LNG आयात** का लगभग **35 प्रतिशत** है।
- कतर **भारत** में LNG का **सबसे बड़ा निर्यातक** बना हुआ है , जो भारत के आधे से अधिक LNG आयात के लिए जिम्मेदार है।
- कतर से भारत का LNG आयात इसकी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, **वित्त वर्ष 2013** में **LNG आयात का मूल्य 8.32 बिलियन डॉलर** था।

पर्यावरणीय विचार

- **प्राकृतिक गैस** को भारत के **ऊर्जा परिवर्तन उद्देश्यों** के अनुरूप, **पारंपरिक पेट्रोलियम ईंधन** के एक **स्वच्छ विकल्प** के रूप में देखा जाता है।
- अनुबंध का विस्तार विभिन्न क्षेत्रों में **निरंतर LNG आपूर्ति सुनिश्चित** करता है , जिससे **भारत की ऊर्जा सुरक्षा** और **आर्थिक विकास** को सुविधाजनक बनाया जा सके।

117. NGT 'प्रक्रियात्मक अखंडता' के साथ काम करे: सुप्रीम कोर्ट - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT)
- सुप्रीम कोर्ट

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट** ने हाल ही में **एकतरफा निर्णय** लेने के लिए **NGT** को **असामान्य फटकार** लगाई।
- यह आलोचना **दिल्ली स्थित** एक व्यवसाय के खिलाफ **NGT** की कार्रवाई से उत्पन्न हुई है, जिसमें **पर्यावरणीय उल्लंघनों** के लिए **निष्पक्ष सुनवाई** के बिना उस पर जुर्माना लगाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियाँ

- सुप्रीम कोर्ट ने **NGT** के **एकतरफा फैसले, निष्पक्ष सुनवाई** की **कमी** और **उचित प्रक्रिया** के बिना भारी जुर्माना लगाने की प्रवृत्ति की आलोचना की है।
- इसमें कहा गया है कि **NGT की कार्रवाइयों** को **बार-बार चुनौती** दी गई है और **सुप्रीम कोर्ट** ने उन पर रोक लगा दी है, जिससे प**र्यावरण संरक्षण** के प्रयास कमजोर हो गए हैं।
- न्यायालय ने **पर्यावरण संरक्षण** में **विश्वसनीयता** हासिल करने के लिए **NGT के लिए प्रक्रियात्मक अखंडता** और **न्याय और उचित प्रक्रिया** के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

- **सुप्रीम कोर्ट** ने **NGT** के **आदेशों को खारिज** कर दिया और **मामले को वापस** NGT को भेज दिया।
- इसने NGT को नोटिस जारी करने, सभी प्रभावित पक्षों को सुनने और फिर **उचित निर्णय** लेने का निर्देश दिया।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT)

- यह एक **विशिष्ट है राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम (2010)** के तहत गठित **निकाय ।**
- **उद्देश्य:** पर्यावरण संरक्षण और वनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों का प्रभावी और शीघ्र निपटान करना।
- NGT की स्थापना के साथ, **भारत ऑस्ट्रेलिया** और **न्यूजीलैंड** के बाद एक विशेष **पर्यावरण न्यायाधिकरण** स्थापित करने वाला **दुनिया का तीसरा देश** बन गया।
- NGT 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित है।
- **आवेदन या अपील** को दाखिल करने के **6 महीने** के भीतर अंतिम रूप से निपटान करना अनिवार्य है।
- ट्रिब्यूनल का **आदेश/निर्णय/निर्णय के खिलाफ अपील** सिविल न्यायालय के डिक्री के रूप में निष्पादन योग्य होता है।
- NGT के **आदेश/निर्णय/निर्णय के खिलाफ अपील आम** तौर पर **पत्र-व्यवहार की तारीख** से **नब्बे दिनों** के भीतर **सर्वोच्च न्यायालय** में की जा सकती है।
- NGT पर्यावरण से संबंधित **सात कानूनों** के तहत **दीवानी मामलों** को देखती है।
  - जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974,
  - जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) उपकर अधिनियम, 1977,
  - वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980,
  - वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981,
  - पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986,
  - सार्वजनिक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991 और
  - जैविक विविधता अधिनियम, 2002.

NGT की संरचना

- ट्रिब्यूनल में **अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य** और **विशेषज्ञ सदस्य** शामिल हैं।
- ये तीन वर्ष की **अवधि या पैंसठ वर्ष** की **आयु तक**, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे
- ये **पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र नहीं** हैं.
- अध्यक्ष की **नियुक्ति भारत** के **मुख्य न्यायाधीश (CJI)** के परामर्श से **केंद्र सरकार** द्वारा की जाती है।
- **न्यायिक सदस्यों** और **विशेषज्ञ सदस्यों** की नियुक्ति के लिए **केंद्र सरकार** द्वारा एक **चयन समिति** का गठन किया जाएगा।

118. अमेरिका ने कालिख प्रदूषण के लिए कड़े मानक तय किए - द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
• ब्लैक कार्बन (Soot)
• प्रदूषण

समाचार:

- हाल ही में, **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने **कालिख प्रदूषण** पर सख्त नियमों की घोषणा की, जिसका उद्देश्य समय से पहले होने वाली मौतों को रोकने के लिए विभिन्न स्रोतों से **सूक्ष्म कण पदार्थ** को कम करना है ।
- नया नियम **प्रति घन मीटर हवा** में **सूक्ष्म कण प्रदूषण** का अधिकतम स्तर **9 माइक्रोग्राम** निर्धारित करता है, जो एक दशक पहले स्थापित **12 माइक्रोग्राम** से कम है।

नियम के लाभार्थी

- पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (EPA) प्रशासक ने कहा कि **वर्ष 2032** तक इस नियम से **46 अरब डॉलर** का **नेट स्वास्थ्य लाभ** होगा, जिसमें **800,000 अस्थमा आक्रमणों** की **रोकथाम** और **4,500 पूर्वागामी मौतों** की रोकथाम शामिल है।
- इस नियम से विशेष रूप से **बच्चों, वृद्धों** और पहले से **किसी स्वास्थ्य समस्या** से जूझ रहे लोगों जैसी **कमजोर आबादी** को लाभ होगा।
- इससे **औद्योगिक प्रदूषण** से **असमान रूप** से प्रभावित **कम आय** और **अल्पसंख्यक समुदायों** को भी लाभ होने की उम्मीद है।

विभिन्न प्रतिक्रियाएँ

- **पर्यावरण** और सा**र्वजनिक स्वास्थ्य संगठन** नए **पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (EPA)** नियम को नागरिकों, विशेषकर भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में देखते हैं।
- हालाँकि, उद्योग समूह आशंकाएँ व्यक्त करते हैं, संभावित **नौकरी के नुकसान, बिजली संयंत्रों** या **रिफाइनरियों** के **परिचालन बंद** होने की आशंका है।
  - ये सख्त मानकों के कारण औद्योगिक परियोजनाओं पर बढ़ती अनुपालन चुनौतियों और संभावित सीमाओं की चेतावनी देते हैं।
- प्रशासन **तकनीकी प्रगति** और **प्रदूषण मानकों** को पूरा करने में पिछली सफलताओं का हवाला देते हुए उद्योग की चिंताओं को खारिज करता है।

संभावित आर्थिक परिणाम

- **कालिख मानक** को कम करने से **औद्योगिक विस्तार** के लिए **परमिट** प्राप्त करने में चुनौतियाँ पैदा हो सकती हैं, जो संभावित रूप से **आधुनिकीकरण परियोजनाओं** को प्रभावित कर सकती हैं।
- यह कंपनियों को ढीले प**र्यावरणीय नियमों वाले देशों** में परिचालन शुरू करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

119. वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति 4.5% रहने का अनुमान: RBI - द हिंदू/RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने रेपो रेट 6.5% पर बरकरार रखा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मौद्रिक नीति समिति
- मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण
- मुद्रा स्फ़ीति

समाचार:

- **मौद्रिक नीति समिति (MPC)** ने **4% मुद्रास्फीति** को स्थायी रूप से प्राप्त करने की अपनी **प्रतिबद्धता** पर जोर देते हु**ए ब्याज दरों** को **अपरिवर्तित** रखा है ।
- **वित्त वर्ष 2015** में मुद्रास्फीति **4.5% त**क मध्यम होने का अनुमान है , **1 अप्रैल** से शुरू होने वाले **वित्तीय वर्ष** के लिए वास्तविक **सकल घरेलू उत्पाद** की **वृद्धि 7%** रहने का अनुमान है ।
- **भू-राजनीतिक घटनाएँ, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान** और **अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों** में **अस्थिरता मुद्रास्फीति** के लिए जोखिम पैदा करती है।

मुद्रा स्फ़ीति

- किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं के **सामान्य मूल्य स्तर** में दीर्घकालिक वृद्धि **।**
- यह अधिकांश रोजमर्रा या मानक उत्पादों और सेवाओं के मूल्य निर्धारण पर विचार करता है।
  - इनमें भोजन, कपड़े, आवास, मनोरंजन, परिवहन, उपभोक्ता सामग्री आदि शामिल हैं।
- यह सकारात्मक है जब यह **उपभोक्ता मांग** और **खपत में सुधार** करने और **आर्थिक विकास** को संचालित करने में मदद करता है।
- यहां तक कि **मुद्रास्फीति** का मतलब **अपस्फीति** को **नियंत्रण** में रखना है और यह **अर्थव्यवस्था** पर एक दबाव है।

मुद्रास्फीति लक्ष्य

- यह एक **केंद्रीय बैंकिंग नीति** है जो एक **निर्धारित वार्षिक मुद्रास्फीति दर** प्राप्त करने के लिए **मौद्रिक नीति** में बदलाव पर केंद्रित है।

- **मान्यता:** मूल्य स्थिरता को बनाए रखना , जो **मुद्रास्फीति को प्रबंधित** करके हासिल किया जाता है, **दीर्घकालिक आर्थिक विकास उत्पन्न** करने का सबसे अच्छा तरीका है ।
- **RBI अधिनियम, 1934** के तहत, **केंद्र सरकार**, RBI के परामर्श से, **पांच साल** में एक बार **उपभोक्ता मूल्य सूचकांक** (CPI) के संदर्भ में **मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारित** करती है।
- **मुद्रास्फीति लक्ष्य** को प्राप्त करने के लिए आवश्यक **नीति दर** निर्धारित करने के लिए **छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (MPC)** के गठन का प्रावधान करता है ।
- वर्तमान में, **RBI** का लक्ष्य **मुद्रास्फीति** को **4%** पर रखना है, लेकिन वह 2% से 6% के बीच मुद्रास्फीति को सहन करेगा।

मौद्रिक नीति समिति (MPC)

- **RBI अधिनियम, 1934** की **धारा 45ZB** के तहत **, केंद्र सरकार** को **छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (MPC) गठित** करने का अधिकार है।
- **उद्देश्य:** मुद्रास्फीति लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आवश्यक नीति दर निर्धारित करना
- मौद्रिक नीति समिति का निर्णय बैंक पर बाध्यकारी होगा।
- **संरचना:** MPC में **6 सदस्य होंगे** ।
  - RBI गवर्नर इसके पदेन अध्यक्ष के रूप में
  - मौद्रिक नीति के प्रभारी उप गवर्नर
  - केंद्रीय बोर्ड द्वारा नामित किया जाने वाला बैंक का एक अधिकारी
  - केंद्र सरकार द्वारा तीन व्यक्तियों की नियुक्ति की जाएगी
  - उन्हें अर्थशास्त्र या बैंकिंग या वित्त या मौद्रिक नीति के क्षेत्र में ज्ञान और अनुभव रखने वाले योग्य, ईमानदार और प्रतिष्ठित व्यक्ति होना चाहिए।

120. कर्नाटक में क्यासानूर वन रोग का प्रकोप - द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- क्यासानूर वन रोग (KFD)

समाचार:

- साल की शुरुआत से **कर्नाटक** में **क्यासानूर वन रोग (KFD)** के कारण दो मौतें हुई हैं।
- इसकी खोज के बाद से इस बीमारी से मरने वालों की **कुल संख्या 560** से अधिक हो गई है।

क्यासानूर वन रोग (KFD)

- **मंकी बुखार** के रूप में भी जाना जाने वाला **KFD** एक **वायरल संक्रमण है** जो पहली बार **1956 में शिवमोग्गा जिले** के जंगलों में देखा गया था।
- **मंकी** किसी प्रकोप के संकेतक के रूप में काम करते हैं, क्योंकि वे भी संक्रमित हो जाते हैं।
- माना जाता है कि यह रोग **पारिस्थितिक परिवर्तनों** के कारण सक्रिय हुआ है।

संचरण और लक्षण

- **संचरण:** संक्रामक टिक्स के संपर्क के माध्यम से, विशेष रूप से विभिन्न प्रयोजनों के लिए वन क्षेत्रों में जाने वाले व्यक्तियों के बीच।
- **लक्षण**
  - ये आम तौर पर टिक काटने के तीन से आठ दिन बाद दिखाई देते हैं और इसमें बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, आंखों की लाली और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल लक्षण शामिल होते हैं।
  - गंभीर मामलों में नाक से रक्तस्राव शामिल हो सकता है।

निदान एवं उपचार

- निदान **रक्त परीक्षण के माध्यम से होता है।**
- **KFD** के लिए कोई विशिष्ट उपचार नहीं है ; डॉक्टर लक्षणों का प्रबंधन करते हैं और रोगियों की बारीकी से निगरानी करते हैं।
- **वैक्सीन** विकसित करने के पिछले प्रयासों को अप्रभावी माना गया था, लेकिन **ICMR** कथित तौर पर **वैक्सीन विकास** के लिए **इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स** के साथ सहयोग कर रहा है।

निवारक उपाय

- संक्रमण को रोकने के लिए, वन विभाग जंगली क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले परिवारों को **टिक प्रतिरोधी तेल (DEPA oil)** वितरित कर रहा है।
  - तेल को **खुली त्वचा** पर लगाना चाहिए।
- सरकार मरीजों को मुफ्त इलाज देने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

121. भारत का UAV 20 किलोमीटर ऊंची उड़ान भर सकता है - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट (HAPS) वाहन
- मानवरहित हवाई वाहन (UAV)

समाचार:

- हाल ही में, बेंगलुरु में **राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाओं (NAL) ने सौर ऊर्जा से संचालित "स्यूडो उपग्रह"** का पहला परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया ।
- **कर्नाटक के चैलकेरे परीक्षण रेंज** में सफल परीक्षण उड़ान **उन्नत मानव रहित हवाई वाहन (UAV) प्रौद्योगिकी** में भारत के प्रवेश का प्रतीक है ।

HAPS की मुख्य विशेषताएं

- हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट (HAPS) **वाणिज्यिक हवाई जहाज** की **ऊंचाई** को पार करते हुए **18-20 किमी** की ऊंचाई पर उड़ सकता है।
- **सौर ऊर्जा** द्वारा संचालित , **HAPS लागत** के एक अंश पर **उपग्रह क्षमताओं** के समान,महीनों या वर्षों तक उड़ान बनाए रख सकता है।
- **HAPS पारंपरिक उपग्रहों** की तुलना में परिचालन खर्च को कम करते हुए **, रॉकेट लॉन्च** की आवश्यकता को भी समाप्त करता है ।

HAPS विकास के पीछे तर्क

- **वर्ष 2017** में **डोकलाम** गतिरोध के बाद **निरंतर सीमा निगरानी** की आवश्यकता के कारण **उच्च-धीरज, उच्च ऊंचाई वाले उड़ान उपकरणों** का विकास हुआ।
- सहनशक्ति और निरंतर निगरानी क्षमताओं के मामले में **HAPS बैटरी** चालित **UAV** और **उपग्रहों** पर लाभ प्रदान करता है।
- इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में भारत की निगरानी और निगरानी क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

निगरानी से परे अनुप्रयोग

- HAPS **आपदा प्रबंधन** में काम कर सकता है और **दूरदराज के इलाकों** में **मोबाइल संचार नेटवर्क** प्रदान कर सकता है।
- बहुत सी अन्य चीजें जिन्हें करने के लिए उपग्रहों को तैनात किया गया है, वे भी इन वाहनों द्वारा की जा सकती हैं।

वैश्विक संदर्भ और प्रतिस्पर्धा

- **चीन, दक्षिण कोरिया** और **यूके** जैसे अन्य देश भी **HAPS तकनीक** की खोज कर रहे हैं।
- **भारतीय स्टार्टअप** सहित निजी कंपनियां **HAPS** विकास में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं।

122. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेलवे को 5 मेगाहर्ट्ज़ वायरलेस स्पेक्ट्रम की मंजूरी दी- द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सेल्यूलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI)
- ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली(
- ट्राई(TRAI)

समाचार:

- हाल ही में, **भारतीय रेलवे ने बालासोर** घटना के बाद **सुरक्षा उद्देश्यों** के लिए **700 मेगाहर्ट्ज बैंड** में **अतिरिक्त 5 मेगाहर्ट्ज युग्मित स्पेक्ट्रम** की मांग की है।
- **कैबिनेट** ने आवंटन लंबित रहने तक **स्पेक्ट्रम को नीलामी** से बाहर रखकर **आरक्षित करने का फैसला** किया है।

पिछला स्पेक्ट्रम अनुदान

- **रेलवे को पिछला स्पेक्ट्रम** अनुदान केवल **सीमित डेटा ट्रांसफर** क्षमता प्रदान करता था, जो ट्रेनों को सुरक्षा उद्देश्यों के लिए लगातार **वीडियो फुटेज अपलो**ड करने की अनुमति देने के लिए पर्याप्त नहीं था।
- इससे **वाईफाई कनेक्शन** वाले **रेलवे स्टेशनों** पर **वीडियो फुटेज को डंप** करना जरूरी हो गया।
- रेलवे ने **सुरक्षा उपायों** को बढ़ाने के लिए चलती ट्रेनों से **वास्तविक समय के डेटा** और **वीडियो कैप्चर** की आवश्यकता पर जोर दिया।

अतिरिक्त स्पेक्ट्रम के लिए अनुरोध

- **उच्च क्षमता** वाले **वाईफाई** वाले **स्टेशनों** पर **डेटा डंप** करने से वास्तविक समय **डेटा कैप्चर** का उद्देश्य पूरा नहीं होता है, खासकर आपात स्थिति के दौरान।
- आपात्काल के दौरान **दूरसंचार नेटवर्क** भीड़भाड़ वाले हो सकते हैं, जिससे **राहत और बहाली कार्यों** में बाधा आ सकती है।
- **स्पेक्ट्रम आवंटन विभिन्न** सुरक्षा सुविधाओं के कार्यान्वयन को सक्षम करेगा और **यात्री सुरक्षा, निगरानी** और **संपत्ति की विश्वसनीयता** को बढ़ाएगा।

सेल्यूलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) का विरोध

- **COAI**ने **700 मेगाहर्ट्ज बैंड** में **स्पेक्ट्रम मुफ्त** देने का विरोध करते हुए तर्क दिया कि इसका उपयोग **वैश्विक स्तर** पर **वाणिज्यिक दूरसंचार परिचालन** के लिए किया जाता है।
- इसने **गैर-दूरसंचार उद्देश्यों** के लिए आवंटित किए जाने पर **5G जैसी प्रौद्योगिकियों** के लिए **स्पेक्ट्रम** उपलब्धता की पर्याप्तता के बारे में भी चिंता व्यक्त की गई है।

ट्राई की सिफ़ारिश

- **ट्राई(TRAI)** ने **रेलवे** को अनुरोध की तुलना में **स्पेक्ट्रम का एक छोटा हिस्सा** आवंटित करने और **दूरसंचार ऑपरेटरों को रेलवे संचार** में हस्तक्षेप किए बिना स्पेक्ट्रम का उपयोग करने की अनुमति देने का सुझाव दिया।
- ट्रेनों को पटरियों के साथ **डेटा ट्रांसमिशन** के लिए **सीमित स्पेक्ट्रम क्षमता** की आवश्यकता होती है, जिससे **स्पेक्ट्रम संसाधनों** के साझा उपयोग की अनुमति मिलती है।

123. QCI और ओपन ONDC ने डिजीरेडी सर्टिफिकेशन पोर्टल लॉन्च किया - पीआईबी

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- डिजिरेडी सर्टिफिकेशन (DRC) पोर्टल
- ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC)

समाचार:

- हाल ही में, **क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (QCI)** और **ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC)** ने **डिजीरेडी सर्टिफिकेशन (DRC)** पोर्टल लॉन्च करने की घोषणा की।

डिजीरेडी प्रमाणन पोर्टल

- **उद्देश्य:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र में डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देना।
- इसका उद्देश्य **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) संस्थाओं की डिजिटल तैयारी** का आकलन और प्रमाणित करना है ।
- MSME के लिए उनकी तैयारियों का मूल्यांकन करने के लिए एक **ऑनलाइन स्व-मूल्यांकन** उपकरण है।
- यह MSME को **ONDC प्लेटफॉर्म पर विक्रेताओं** के रूप में सहजता से शामिल होने में सक्षम बनाएगा, जिससे उनकी **डिजिटल क्षमताओं** और **व्यावसायिक क्षमता** का विस्तार होगा।
- दस्तावेज़ीकरण, प्रौद्योगिकी दक्षता, वर्कफ़्लो एकीकरण और ऑर्डर प्रबंधन सहित **डिजिटल तैयारी के विभिन्न पहलुओं का आकलन करें ।**

डिजीरेडी प्रमाणन पोर्टल के लाभ

- यह **MSME** और **छोटे खुदरा विक्रेताओं** के लिए एक सुव्यवस्थित विक्रेता यात्रा की सुविधा प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि वे मौजूदा **डिजिटल वर्कफ़्लो** में निर्बाध रूप से एकीकृत हो सकें।
- यह विक्रेताओं के लिए **अतिरिक्त व्यावसायिक** संभावनाएं प्रस्तुत करता है , जिससे उन्हें **डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र** का अभिन्न अंग बनने की अनुमति मिलती है।

+91-9477560001, +91-9477560002, +91-9477560005
info@geoias.com
www.geoias.com
BRANCH: Delhi Kolkata, Raipur, Patna | Head office: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009

- यह **MSME को सशक्त बनाने** और **ई-कॉमर्स** को अधिक **समावेशी और सुलभ** बनाने के **भारत** के **मिशन** में एक महत्वपूर्ण क्षण है ।

124. भारत हाइपरलोकल एक्सट्रीम वेदर पूर्वानुमान में परिवर्तन के लिए तैयार- द हिंदू

प्रासंगिकता: आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग
- मौसम सूचना नेटवर्क और डेटा प्रणाली (WINDS)

समाचार:
- कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने **दीर्घकालिक, हाइपर-स्थानीय मौसम डेटा** उत्पन्न करने के लिए **मौसम सूचना नेटवर्क** और **डेटा सिस्टम** (**WINDS**) शुरू किया है।

प्रमुख बिंदु
- **आपदा प्रबंधन** पर निर्णय लेने के लिए **बारिश**, **चक्रवात, लू और सूखे** की सटीक **भविष्यवाणी** करना महत्वपूर्ण है।
- भारत में **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** मौसम विज्ञान से संबंधित सभी मामलों में **प्रमुख सरकारी एजेंसी** है
  - यह कई प्रकार के चरों का **अवलोकन, मॉडलिंग और व्याख्या** करके **मौसम** के **पैटर्न** की **भविष्यवाणी** करने के **अविश्वसनीय** रूप से **जटिल विज्ञान** में माहिर है।
- हालाँकि, भारत जैसे **उष्णकटिबंधीय देशों में, मौसम परिवर्तनशीलता** स्वाभाविक रूप से अधिक है।
- पिछले कुछ वर्षों में IMD के पूर्वानुमानों में काफी सुधार हुआ है क्योंकि यह प्रौद्योगिकियों में उन्नत हुआ है
  - **अमेरिका, ब्रिटेन** और **जापान** द्वारा उपयोग किए जाने वाले के समान, जो सटीक पूर्वानुमान देने के लिए जाने जाते हैं।
- फिर भी, अभी भी ऐसे कई दिन और भूगोल हैं जिनके लिए **भारतीय पूर्वानुमान** गलत हो जाते हैं, खासकर **सर्दी और गर्मी** के मानसून के दौरान।
- प्रमुख बाधाओं में से एक **मौसम निगरानी ग्राउंड स्टेशनों की कमी है।**
- वर्तमान में, **IMD** लगभग **800** स्वचालित **मौसम स्टेशन (AWS)**, **1,500 स्वचालित वर्षा गेज (ARG)** और **37 डॉपलर मौसम रडार (DWR)** संचालित करता है।
- यह **3,00,000** से अधिक **ग्राउंड स्टेशनों (AWS/ARG)** और लगभग **70 DWR** की कुल आवश्यकताओं के विपरीत है।
- वर्तमान में, **पूर्वानुमान** में उपयोग किए जाने वाले अधिकांश **पूर्वानुमान सॉफ़्टवेयर वैश्विक पूर्वानुमान प्रणाली** और **मौसम अनुसंधान** और **पूर्वानुमान मॉडल** पर आधारित हैं,
- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने पहल की है
  - दीर्घकालिक, **अति-स्थानीय मौसम डेटा** उत्पन्न करने के लिए।
- यह **प्रणाली कृषि** और **अन्य क्षेत्रों** में **व्यापक अनुप्रयोगों** के लिए डेटा को भी बढ़ावा देगी, इससे **राष्ट्रीय स्तर का डेटा बेस** बनाने में मदद मिलेगी

125. भारत नया पृथ्वी प्रणाली मॉडल विकसित कर रहा है - हिंदुस्तान टाइम्स

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पृथ्वी प्रणाली मॉडल
- मानसून संवहन, बादल और जलवायु परिवर्तन (MC4) उप-योजना

समाचार:
- **भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM)** भारत का पहला **पृथ्वी प्रणाली मॉडल (ESM)** विकसित करने के लिए **सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज रिसर्च (CCCR)** के साथ सहयोग कर रहा है।

पृथ्वी प्रणाली मॉडल का विकास
- पृथ्वी प्रणाली मॉडल वायुमंडल, **महासागर**, **भूमि**, **बर्फ** और **जीवमंडल** सहित **पृथ्वी प्रणाली के विभिन्न** घटकों को एकीकृत करता है ।
- **उद्देश्य:** भारतीय मानसून वर्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ वैश्विक और क्षेत्रीय जलवायु के विश्वसनीय भविष्य के अनुमान प्रदान करना।

- **जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली** विकसित करने के लिए **मानसून संवहन, बादल** और **जलवायु परिवर्तन** (MC4) **उप-योजना के तहत ₹192.28 करोड़** का आवंटन स्वीकृत किया गया है।

पृथ्वी प्रणाली मॉडल की कार्यक्षमता

- ESM को विभिन्न **पृथ्वी प्रणाली घटकों** के बीच बातचीत का अनुकरण करने के लिए एक **ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर** के रूप में डिज़ाइन किया गया है।
- यह सटीक **जलवायु परिवर्तन** की **भविष्यवाणियों** के लिए **संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान और डेटा आत्मसात तकनीकों** का उपयोग करता है।
- **IITM-ESM** अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए **राष्ट्रीय पर्यावरण पूर्वानुमान केंद्र (NCEP, USA**)के **जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (CFS)** के तत्वों को शामिल करता है।
- मॉडल का विकास जारी है और **वर्ष 2025** तक पूरा होने की उम्मीद है।

पृथ्वी प्रणाली मॉडल का महत्व

- यह **जलवायु परिवर्तन** की **जटिलताओं को समझने** में सहायता करेगा, विशेष रूप से **इसकी विविध भौगोलिक विशेषताओं** वाले **भारतीय उपमहाद्वीप** पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- **क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन** पहलुओं को संबोधित करके, **मॉडल** का लक्ष्य मजबूत **वैज्ञानिक विश्लेषण** और **आकलन** के **आधार** पर **नीति-प्रासंगिक** जानकारी प्रदान करना है।

126. भारत अपने मर्चेंट शिपिंग एक्ट 1958 में संशोधन करेगा- द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- वायु प्रदूषण
- मर्चेंट शिपिंग अधिनियम

समाचार:

- भारत अपने **मर्चेंट शिपिंग कानूनों** को फिर से तैयार करने पर विचार कर रहा है क्योंकि यह **वर्ष 1958** के **मौजूदा नामांकित अधिनियम** को बदल देगा।

मुख्य बिंदु

- नए प्रावधानों में **अद्यतन अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सम्मेलनों** को शामिल करने पर विचार किया जाएगा जिसमें देश एक पक्ष है
  - NRI भारत के **विदेशी नागरिकों, सीमित देयता भागीदारी सहित कॉर्पोरेट्स** द्वारा भारतीय ध्वज के तहत जहाजों के आसान पंजीकरण की अनुमति देना
  - जहाजों के **इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण** को सक्षम करना और **लॉग-बुक, रिकॉर्ड बुक** जैसे ई-दस्तावेजों को मान्यता प्रदान करना।
- **मर्चेंट शिपिंग** से तात्पर्य उन **गतिविधियों** से है जो रक्षा या युद्ध के **बजाय वाणिज्य** के लिए की जाती हैं।
- प्रस्तावित कानून में बदलावों पर वर्तमान में **बंदरगाह**, **जहाजरानी** और **जलमार्ग मंत्रालय नोडल मंत्रालय** के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है।

प्रस्ताव

- नए प्रावधानों के तहत प्रस्तावित एक **त्रिस्तरीय विवाद समाधान सिस्टम** है।
- यह जहाज-मालिकों और बचाने वालों (समुद्र में खोए हुए जहाजों को बचाने में लगे लोग) के बीच उत्पन्न होने वाली असहमति को हल करने पर ध्यान देगा।
  - और समुद्री यात्रियों और जहाज के मालिकों या मालिकों या एजेंटों के बीच भी।
- समाधान तंत्र **"मैजिस्ट्रेट** द्वारा प्रवर्तन के बजाय **शिपिंग मास्टर** के **पुरस्कार** को लागू करने योग्य बनाने पर विचार करेगा।"
- पहले "**परित्यक्त जहाजों**" जैसे अस्पष्ट शब्दों को परिभाषित किया गया है, जबकि नए नियम **"असुरक्षित जहाजों"** के खिलाफ भी कार्रवाई का आह्वान करते हैं।
- **केंद्र** को **परित्यक्त जहाजों** के संबंध में उपाय करने के लिए **बंदरगाह अधिकारियों** और अन्य को निर्देश देने का अधिकार दिया गया है।
- वर्ष 1958 के **मर्चेंट शिपिंग अधिनियम** ने **भारतीय जहाजों के पंजीकरण** के लिए प्रावधान किया और क्षेत्र के विकास की गति को तेज करने के लिए प्रावधानों को सक्षम किया।

- अधिनियम को **24 भागों** में विभाजित किया गया है, **प्रत्येक भाग व्यापारी शिपिंग** के विशिष्ट पहलुओं से संबंधित है जैसे:
  - जहाजों, नौकायन जहाजों और मछली पकड़ने वाले जहाजों का पंजीकरण, राष्ट्रीय शिपिंग बोर्ड, जहाजों का रखरखाव, नाविकों और प्रशिक्षुओं की नियुक्ति, छुट्टी और प्रत्यावर्तन आदि।
- समुद्र में चलने वाले जहाजों से उत्पन्न होने वाले वायु प्रदूषण को भी उचित कार्रवाई के दायरे में लाया गया है।

127. दिसंबर में औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)
- खुदरा मुद्रास्फीति

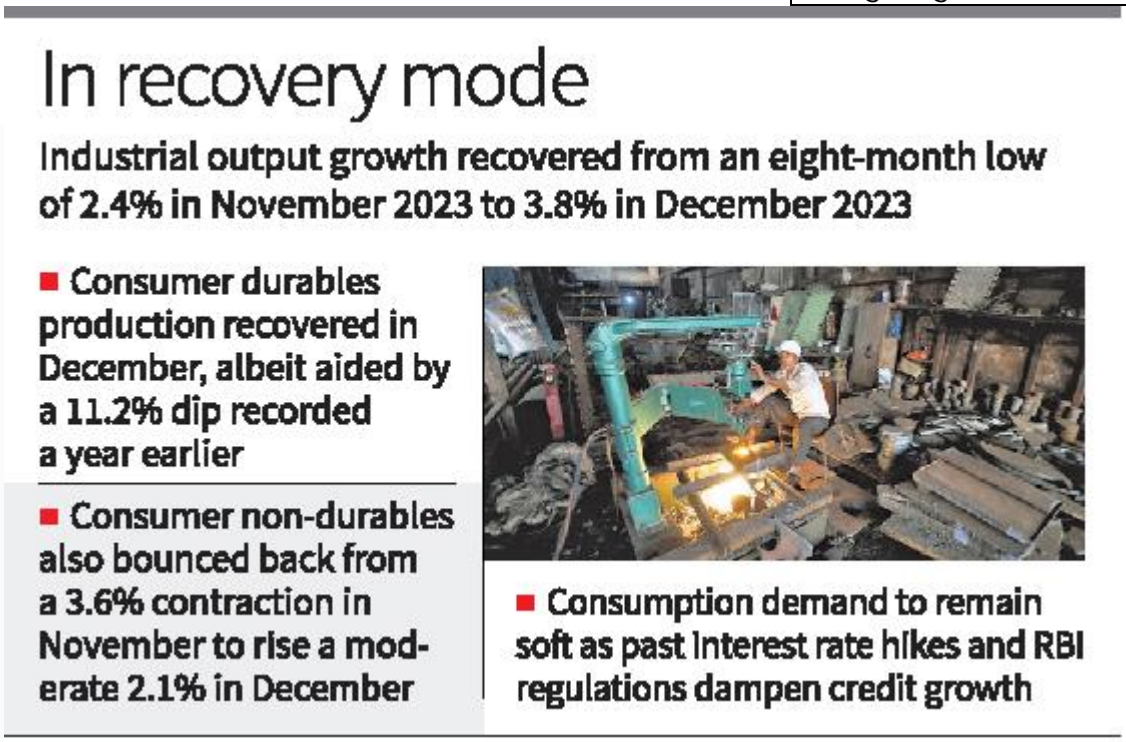

128. उद्योग निकाय के प्रस्ताव खारिज, केंद्र ई-गेमिंग को विनियमित करेगा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- ऑनलाइन गेमिंग
- स्व-नियामक संगठन (SRO)

- **MeitY** अब उन **ऑनलाइन गेम्स** को अनुमति देने और **प्रमाणित** करने के लिए एक **रूपरेखा** तैयार करेगा जिनमें **पैसा** शामिल है।
- इसका मतलब है कि **भारत सरकार ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र** के लिए **उद्योग-आधारित स्व-नियामक संगठन (SRO)** के बजाय एक **नियामक** के रूप में कार्य करेगी।

उद्योग-प्रभुत्व वाले SRO की अस्वीकृति

- **आईटी नियमों** के अनुसार, **ऑनलाइन** वास्तविक धन वाले खेलों को एक **नियामक संस्था** से अनुमोदन की आवश्यकता होती है, जबकि **बिना मौद्रिक भागीदारी** वाले खेलों को विनियमन की आवश्यकता नहीं होती है।
- सरकार ने पिछले साल **ऑनलाइन गेमिंग नियमों** को **अधिसूचित** किया था और उद्योग को **SRO** के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए **3 महीने** का समय दिया था।
- हालाँकि, प्राप्त प्रस्तावों पर **गेमिंग कंपनियों** और उनके **उद्योग संघों** का भारी दबदबा था।

- इसलिए, **MeitY** ने एक **तटस्थ नियामक निकाय** की आवश्यकता पर जोर देते हुए **SRO** प्रस्तावों को खारिज कर दिया।

विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन गेमिंग

1. **ई-स्पोर्ट्स**
   - ये ऐसे **वीडियो गेम** हैं जो **वर्ष 1990** के दशक में **निजी** तौर पर या **वीडियो गेम स्टोर** में **कंसोल** पर खेले जाते थे
   - अब, वे **व्यक्तिगत** रूप से या **टीमों** में पेशेवर **खिलाड़ियों** के बीच **संरचित** तरीके से **ऑनलाइन** खेले जाते हैं।
2. **फैंटेसी स्पोर्ट्स**
   - ये ऐसे खेल हैं जिनमें **खिलाड़ी** कई **टीमों** में से **वास्तविक खेल खिलाड़ियों** की एक टीम का चयन करता है और **वास्तविक जीवन** में **खिलाड़ियों** के प्रदर्शन के आधार पर **अंक** अर्जित करता है।
3. **ऑनलाइन कैज़ुअल गेम**
   - ये **कौशल-आधारित** हो सकते हैं, जहां **परिणाम मानसिक** या **शारीरिक कौशल** या मौका-आधारित से काफी प्रभावित होता है
   - संयोग के खेल को **जुआ** माना जा सकता है यदि **खिलाड़ी पैसे या मौद्रिक मूल्य** की किसी चीज़ पर दांव लगाते हैं।

भारतीय ऑनलाइन गेमिंग बाज़ार

- **कोविड-19 महामारी** के दौरान **ऑनलाइन गेमिंग उद्योग** तेजी से बढ़ा ।
- **भारतीय मोबाइल गेमिंग उद्योग** का **राजस्व वर्ष 2025** में **5 बिलियन डॉलर** तक पहुंचने की उम्मीद है ।
- देश में उद्योग **वर्ष 2017-2020** के बीच **38%** की **चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR)** से बढ़ा, जबकि **चीन** में यह **8%** और **अमेरिका** में **10%** था।
- **गेमिंग** में **भारत** में नए भुगतान करने वाले **उपयोगकर्ताओं (NPUs)** का **प्रतिशत** दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहा है।
  - **वर्ष 2020** में **40%** के साथ और **वर्ष 2021** में **50%** तक पहुंचने की उम्मीद है।
- **फिक्की** की एक रिपोर्ट के अनुसार, **भारत** में **लेनदेन-आधारित खेलों** के **राजस्व में 26%** की वृद्धि हुई, जबकि भुगतान करने वाले **खिलाड़ियों की संख्या 2020** में **80 मिलियन** से बढ़कर **वर्ष 2021** में **95 मिलियन (17%)** हो गई।

129. भारत स्थायी समाधान के बिना व्यापार विवादों के प्रति संवेदनशील- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- विश्व व्यापार संगठन
- बाली मंत्रिस्तरीय

समाचार:

- भारत **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** में **व्यापार विवादों** के **प्रति संवेदनशील** होगा और **खाद्य सब्सिडी** पर दबाव बढ़ने का सामना करना पड़ेगा

मुख्य बिंदु

- यदि **भारत खाद्यान्न** के लिए **सार्वजनिक भंडारण** पर **स्थायी समाधान** प्राप्त करने में विफल रहता है तो **विश्व व्यापार संगठन** (**WTO**) में व्यापार विवादों के प्रति संवेदनशील होगा।
  - इस महीने के अंत में **अबू धाबी** में 13वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन
- **WTO** में एक **स्थायी** समाधान **भारत और विकासशील देशों** के **गठबंधन** को **उच्च कृषि सहायता** देने की छूट देगा।
- यह विशेष महत्व रखता है क्योंकि **किसान सभी फसलों** के लिए **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** की **गारंटी के लिए कानून बनाने** की मांग को लेकर **राष्ट्रीय राजधानी** में एक बार फिर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।
- हालाँकि, अधिक **कृषि सहायता** देने से **वैश्विक व्यापार विकृत** होने के कारण **भारत WTO** में **कानूनी** विवादों में फंस सकता है।
- भारत को पहले से ही **केर्न्स समूह** से **विरोध का सामना** करना पड़ रहा है

- कृषि निर्यातक देशों का एक समूह जिसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील और कनाडा शामिल हैं
- जो दावा करते हैं कि **भारत** के **सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग (PSH)** कार्यक्रम में विशेष रूप से **चावल** के लिए अत्यधिक **सब्सिडी** दी जाती है और इससे **अन्य देशों** की **खाद्य सुरक्षा** प्रभावित हो रही है।

- **भारत** के **स्थायी समाधान** के **प्रति इतना उत्सुक** होने का मुख्य कारण यह है कि **पीस क्लॉज़** में कुछ प्रावधान अस्पष्ट हैं।
- भारत ने **चावल** खरीद पर निर्धारित **10 प्रतिशत सब्सिडी सीमा** का उल्लंघन करने के लिए **WTO** में कई बार '**पीस क्लॉज़**' का इस्तेमाल किया है।
- चावल पर **भारत** की **सब्सिडी** कई मौकों पर **सीमा** से अधिक हो गई थी, जिसके कारण उसे **वर्ष 2013** में बाली **मंत्रिस्तरीय बैठक** के दौरान सहमत हुए '**पीस क्लॉज़**' को लागू करने के लिए मजबूर होना पड़ा था।
  - जो **विकासशील देशों को सदस्यों** द्वारा कानूनी कार्रवाई किए बिना **10 प्रतिशत** की सीमा का उल्लंघन करने की अनुमति देता है।
- "केर्न्स समूह सभी देशों पर **वर्ष 2030** तक **कृषि सहायता** में **50 प्रतिशत** की कटौती करने के लिए भी दबाव डाल रहा है
  - जिसके परिणामस्वरूप भारत जैसे देशों को विकसित देशों की तुलना में भारी त्याग करना पड़ेगा

पीस क्लॉज़

- इसमें कहा गया है कि आप अपनी **सब्सिडी के कारण व्यापार** को विकृत कर रहे हैं, लेकिन कोई भी आप पर मुकदमा नहीं करेगा, बशर्ते आप कुछ शर्तों को पूरा करते हों।
- शर्तों में यह शामिल है कि किसी देश को दूसरे देशों की **खाद्य सुरक्षा** को **नुकसान** नहीं पहुंचाना चाहिए या **व्यापार** को विकृत नहीं करना चाहिए।
- ये स्थितियाँ **अस्पष्ट प्रकृति** की हैं और इसीलिए **भारत** को विवाद में ले जाया जा सकता है।
- यही कारण है कि भारत और अन्य **विकासशील देश स्थायी समाधान** पर जोर दे रहे हैं

130. खाद्य पदार्थों की कीमतों से मुद्रास्फीति ऊंची रह सकती है - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- खुदरा मुद्रास्फीति
- अवस्फीति

समाचार:

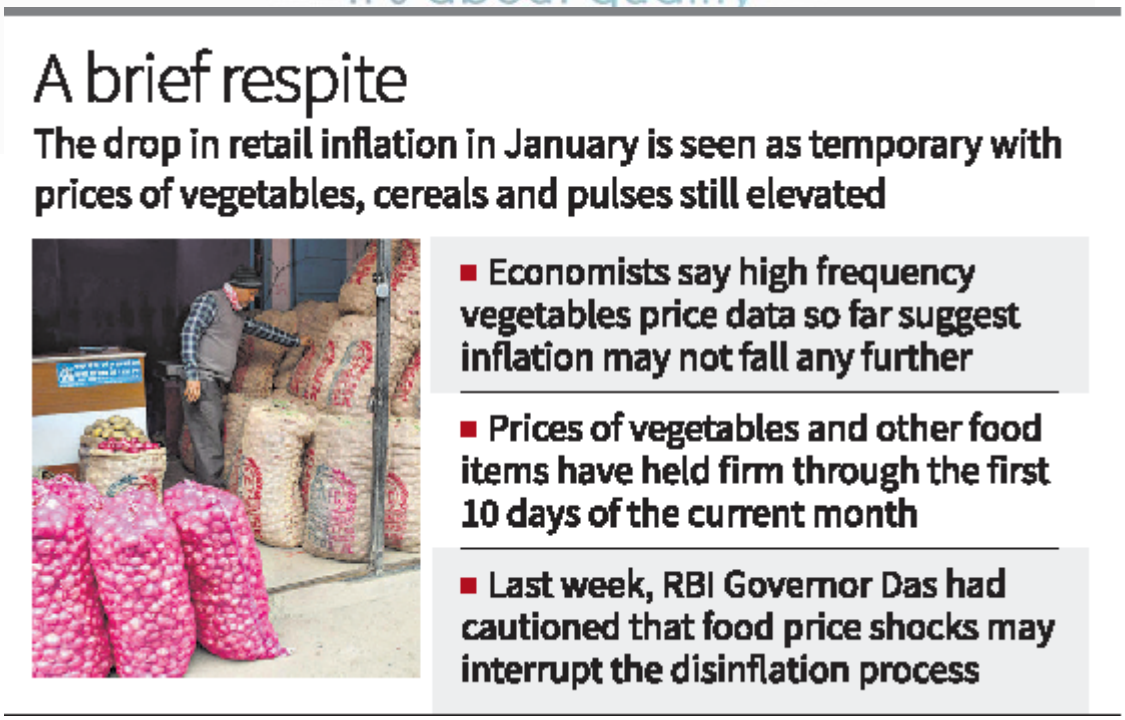

131. नीति आयोग ने कृषि वानिकी (GROW) रिपोर्ट और पोर्टल लॉन्च किया गया- पीआईबी

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मरुस्थलीकरण से निपटने पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन
- पेरिस समझौता

समाचार:
- नीति आयोग ने **कृषि वानिकी (GROW) रिपोर्ट** और **पोर्टल** के साथ **बंजर भूमि** की **हरियाली** और **बहाली** का अनावरण किया
- इसका उद्देश्य पूरे भारत में **पर्यावरण संरक्षण** और **स्थायी भूमि उपयोग** के प्रयासों को बढ़ावा देना है।

मुख्य बिंदु
- अत्याधुनिक रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए रिपोर्ट एक व्यापक राज्य-वार और जिला-वार विश्लेषण प्रस्तुत करती है।
  - हरियाली और पुनर्स्थापन परियोजनाओं में लगे सरकारी विभागों और उद्योगों को महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करना।
- **नीति आयोग** के नेतृत्व में, रिपोर्ट में **रिमोट सेंसिंग** और **GIS तकनीकों** का इस्तेमाल किया गया
  - भारत के सभी जिलों में कृषि वानिकी प्रथाओं की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।
- इसके अतिरिक्त, इसने **विषयगत डेटासेट** का उपयोग करते हुए, **राष्ट्रीय स्तर** की **प्राथमिकता** के लिए एक **कृषि वानिकी उपयुक्तता सूचकांक** (**ASI**) पेश किया।
- **GROW** पहल में **'भुवन'** पर "**कृषि वानिकी** (**GROW**) **उपयुक्तता मानचित्रण** के साथ **बंजर भूमि** की **हरियाली** और **बहाली**" पोर्टल का शुभारंभ शामिल है।
  - राज्य और जिला-स्तरीय डेटा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना।
- इस पोर्टल से **सरकारी निकायों** द्वारा **कृषिवानिकी पहलों** को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।
- वर्तमान में, कृषिवानिकी भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का **8.65%**, लगभग **28.42 मिलियन हेक्टेयर** को कवर करती है।
- **GROW** रिपोर्ट कम उपयोग वाले क्षेत्रों, विशेष रूप से **बंजर भूमि** को उत्पादक कृषि वानिकी क्षेत्रों में परिवर्तित करने की अपार क्षमता पर जोर देती है।
- यह पहल **वर्ष 2030** तक **26 मिलियन हेक्टेयर** बंजर भूमि को बहाल करने की **राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं** के अनुरूप है
  - एक अतिरिक्त **कार्बन सिंक** स्थापित करें जो **2.5 से 3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड** के बराबर मात्रा को अलग करने में सक्षम हो।

तीन प्राथमिक कारणों से कृषिवानिकी को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता है:
- लकड़ी और लकड़ी के उत्पादों के आयात को कम करना, कार्बन पृथक्करण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को कम करना और कृषि योग्य भूमि के उपयोग को अनुकूलित करना।
- भारत, **वर्ष 2014** में **राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति** के अग्रणी के रूप में, **कृषि पारिस्थितिकीय भूमि उपयोग प्रणालियों** के माध्यम से **उत्पादकता, लाभप्रदता और स्थिरता** बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।
- कृषिवानिकी, जो पेड़ों, **फसलों और पशुधन को एकीकृत** करती है, **खाद्य सुरक्षा, पोषण, ऊर्जा, रोजगार** और **पर्यावरण संरक्षण** से संबंधित **बहुमुखी चुनौतियों** का समाधान करती है।
- ये प्रयास वैश्विक प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हैं जैसे:
  - पेरिस समझौता
  - बॉन चैलेंज
  - संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य
  - मरुस्थलीकरण से निपटने पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन
  - किसानों की आय दोगुनी करने की पहल

- ग्रीन इंडिया मिशन, अन्य।

132. चीनी नागरिकों ने रक्षा सीमा गांवों पर कब्ज़ा करना शुरू किया इंडियन एक्सप्रेस-

प्रासंगिकता: सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन - आतंकवाद के साथ संगठित अपराध का संबंध।

प्रीलिम्स टेकअवे
- वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रम
- LAC

समाचार:
- **चीनी नागरिकों** ने भारत की **उत्तर-पूर्वी सीमाओं** के पार उनके कई **मॉडल "ज़ियाओकांग"** सीमा रक्षा गांवों पर कब्ज़ा करना शुरू कर दिया है
- चीन 2019 से **वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)** के पास इसका निर्माण कर रहा है।

मुख्य बिंदु
- चीन ने पिछले कुछ महीनों में **लोहित घाटी** और **अरुणाचल प्रदेश** के **तवांग सेक्टर** के पार **LAC** के किनारे बने कुछ गांवों पर कब्जा करना शुरू कर दिया है।
- **चीन तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** के साथ भारत की सीमाओं पर **628 ऐसे "समृद्ध गांवों"** का निर्माण कर रहा है।
  - पिछले **पांच वर्षों** से अधिक समय से इसमें **लद्दाख और अरुणाचल** प्रदेश शामिल हैं।
- चीनी **पूर्वोत्तर सीमा** से लगी **LAC** पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहे हैं
  - भले ही LAC **तवांग और सिलीगुड़ी कॉरिडोर** को छोड़कर अधिकांश आबादी वाले क्षेत्रों या महत्व के क्षेत्रों से बहुत दूर है।
- अधिकारी ने कहा कि **चीनियों** ने अपने मौजूदा **बुनियादी ढांचे** में लगातार सुधार किया है
  - **दर्रों के माध्यम** से उनकी कनेक्टिविटी में सुधार करना, **सड़कों और पुलों** और उनके **आदर्श गांवों** का निर्माण करना।
- चीन **भूटानी क्षेत्र** में **सीमावर्ती गांवों** सहित **बुनियादी ढांचे** का निर्माण भी कर रहा है।
- पिछले तीन से **चार वर्षों** में, **भारत ने अपने सीमा बुनियादी ढांचे** पर भी काम बढ़ाया है -
  - इसमें आगे की **कनेक्टिविटी** में सुधार, **LAC** के लिए **वैकल्पिक मार्गों** का निर्माण करने के साथ-साथ उन्हें जोड़ना भी शामिल है।
- **वाइब्रेंट विलेजेज कार्यक्रमों** के तहत, **भारत** ने **पहले चरण** में **663 सीमावर्ती गांवों** को सभी सुविधाओं के साथ **आधुनिक गांवों** में विकसित करने की योजना बनाई है।
- इनमें से कम से कम **17 ऐसे गांव** हैं जो **लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम** और **अरुणाचल** प्रदेश में **चीन की सीमा** से लगे हैं
  - कार्यक्रम के तहत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकास के लिए चुना गया है।
- दर्रों की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए काम चल रहा है
  - राज्य में विभिन्न स्थानों पर **इंटर वैली कनेक्टिविटी** और **हेलीपैड** और **उन्नत लैंडिंग ग्राउंड** के निर्माण के लिए **लेटरल** स्थापित करना है |

133. पेंशन सम्बंधित चिंताएँ द हिंदू -

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कर्मचारी भविष्य निधि संगठन)EPFO)
- कर्मचारी पेंशन योजना)EPS), 1995

समाचार:
- हाल ही में **कर्मचारी भविष्य निधि संगठन)EPFO)** के **केंद्रीय न्यासी बोर्ड** ने **वर्ष 2023-24** के लिए **भविष्य निधि** (**PF**) जमा में **0.1 प्रतिशत अंक** की वृद्धि की सिफारिश की है।
- यह EPFO ने पिछले साल जो किया था, उसके अनुरूप है।

मुख्य बिंदु
- हालाँकि, **8.25%** की अनुशंसित दर **वर्ष 2023-24** जैसे चुनाव पूर्व **वर्ष 2018-19** की तुलना में **0.4-प्रतिशत अंक** कम है।

- कुछ महीने पहले, **वित्त मंत्रालय** ने **कर्मचारी पेंशन योजना)EPS), 1995** के तहत आवश्यक बजटीय समर्थन में "**भारी वृद्धि**" का हवाला देते हुए **न्यूनतम पेंशन राशि** को दोगुना करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।
- **बजटीय सहायता** में एक और **घटक** है जो **प्रति माह ₹15,000** की **राशि तक वेतन** का **1.16%** केंद्र **सरकार** के योगदान को संदर्भित करता है।
- वित्त मंत्रालय की गणना है कि **न्यूनतम पेंशन में 100% वृद्धि समग्र बजटीय** सहायता में आनुपातिक वृद्धि से अधिक होगी
  - चूंकि **वर्ष 2014** तक कई **पेंशनभोगियों** को **मासिक पेंशन** के रूप में **₹1,000** से भी कम प्राप्त हुआ था।
- EPS को "**परिभाषित अंशदानपरिभाषित लाभ-**" सामाजिक सुरक्षा योजना के रूप में वर्णित करते हुए,
  - सरकार ने राज्यसभा में कहा कि सभी लाभों का भुगतान योगदान के माध्यम से संचय से किया गया था
  - 31 मार्च, 2019 को फंड के मूल्यांकन के अनुसार, "**एक्चुरियल घाटा**" था।
- हालाँकि, **EPFO** की **वार्षिक रिपोर्ट)2022-23)** में इस तर्क को लगभग **ख़त्म** कर दिया गया है।
- **न्यूनतम पेंशन** में बढ़ोतरी न करने के अपने कारणों के बावजूद, **सरकार** को ध्यान देना चाहिए कि **वर्ष 2022-23** के लिए **न्यूनतम** और **मूल पेंशन** के बीच का अंतर लगभग **₹970 करोड़** था।
- इसलिए, **न्यूनतम पेंशन** को दोगुना करने में कोई परेशानी नहीं है।
- उच्च **PF पेंशन** के मामले में, **नियम 2022** के **सुप्रीम कोर्ट** के फैसले के बाद बनाए गए हैं, जिसमें वर्ष 2014 से पहले के अधिकांश सेवानिवृत्त लोगों को कवर नहीं किया जाएगा;
  - **उच्च पेंशन** के लिए ऐसे लगभग **चार लाख** आवेदन हैं। **PF पेंशन** मामलों में अधिक **व्यापक दृष्टिकोण** से **वरिष्ठ नागरिकों** को मदद मिलेगी।

134. केरल ने केंद्र से वन्यजीव अधिनियम में संशोधन का अनुरोध करने वाला प्रस्ताव पारित किया द हिंदू -

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम
- वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन)CITES)

समाचार:
- **केरल विधान सभा** ने एक **सर्वसम्मत प्रस्ताव अ**पनाया जिसमें **केंद्र सरका**र से **मानव-वन्यजीव संघर्ष** को कम करने के लिए **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम** में उचित संशोधन करने का आग्रह किया गया।

मुख्य बिंदु
- जंगलों से **सटी बस्तियों** में **वन्यजीवों** की घुसपैठ और **निवासियों** पर **घातक हमलों** ने **सरकार को केंद्र** से **कानून** को और अधिक **समसामयिक बनाने** का **अनुरोध** करने के लिए मजबूर किया था।
- प्रस्ताव में मांग की गई कि **केंद्रीय कानून मुख्य वन संरक्षकों** को **जंगली जानवरों** को नष्ट करने के लिए घातक बल का उपयोग करने का अधिकार दे
  - यह **आवासीय इलाकों** में **अतिक्रमण** है और **मानव जीवन** के लिए एक **आसन्न खतरा** पैदा करता है।
- प्रस्ताव में **केंद्र सरकार** से **जंगली सूअरों** को **हिंसक पशु घोषित** करने की मांग की गई।
- इसने केंद्र से **वन्यजीव आबादी** को नियंत्रित करने के लिए **वैज्ञानिक और मानवीय** उपाय शुरू करने का भी अनुरोध किया।
- यह **संकल्प राज्य** के लिए सर्वोपरि था, यह देखते हुए कि वन इसके **भौगोलिक विस्तार का 30%** कवर करते थे।
- UDF ने **वायनाड** में संभावित घातक **वन्यजीव घुसपैठ** से **आवासीय इलाकों** को बचाने के लिए **पूर्व-कार्रवाई** नहीं करने के लिए **वन अधिकारियों** को दोषी ठहराया था।

वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम 1972
- यह जंगली जानवरों और पौधों की विभिन्न प्रजातियों की सुरक्षा, उनके आवासों के प्रबंधन, विनियमन के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है
  - और जंगली जानवरों, पौधों और उनसे बने उत्पादों के व्यापार पर नियंत्रण करता है
- यह **अधिनियम** उन **पौधों** और **जानवरों** की सूची भी सूचीबद्ध करता है जिन्हें **सरकार** द्वारा अलग-अलग **स्तर** की **सुरक्षा** और **निगरानी** प्रदान की जाती है।

- **वन्यजीव अधिनियम** द्वारा **CITES(वन्यजीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन)** में **भारत** का प्रवेश आसान बना दिया गया था।
- इससे पहले, **जम्मू** और **कश्मीर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972** के अंतर्गत नहीं आता था।
- पुनर्गठन अधिनियम के परिणामस्वरूप भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम अब जम्मू-कश्मीर पर लागू होता है।

135. इसरो श्रीहरिकोटा से INSAT-3DS लॉन्च करेगाइंडियन एक्सप्रेस -

प्रासंगिकता : विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- इन्सैट-3DS
- कक्षाओं के प्रकार
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग)IMD)
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन)ISRO)

समाचार:
- **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन** (**इसरो**) जल्द ही **श्रीहरिकोटा** से **INSAT-3DS** लॉन्च करेगा ।

प्रमुख बिंदु
- यह **चक्रवातों, मानसून प्रणालियों, तूफानों** और अन्य प्राकृतिक **आपदाओं पर** नज़र रखने के लिए नए उपग्रह उत्पादों के विकास की सुविधा प्रदान करेगा।
- यह **वायुमंडल**, **भूमि** और **महासागरों** का **मूल्यवान अवलोकन** भी प्रदान करेगा।
- **अनुदान:** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
- **पेलोड:** चार पेलोड - एक इमेजर, एक साउंडर, एक डेटा रिले ट्रांसपोंडर और एक सैटेलाइट सहायता प्राप्त खोज और बचाव ट्रांसपोंडर।

मल्टी-स्पेक्ट्रल इमेजर और साउंडर के लाभ
- **मल्टी-स्पेक्ट्रल इमेजर छह तरंग दैर्ध्य बैंड** में **पृथ्वी** की छवियां उत्पन्न करेगा।
  - यह जल वाष्प (आर्द्रता) जैसे रंग-निर्भर वायुमंडलीय मापदंडों के दृश्य में सहायता करेगा।
- **साउंडर वातावरण** की **ऊर्ध्वाधर प्रोफ़ाइल** बनाने में योगदान देगा और **तापमान** और **आर्द्रता** जैसी जानकारी प्रदान करेगा।

तीसरी पीढ़ी का मौसम विज्ञान उपग्रह
- यह **भूस्थैतिक कक्षा** से **तीसरी पीढ़ी के मौसम संबंधी उपग्रह श्रृंखला** की निरंतरता है।
- यह **INSAT-3D और INSAT-3DR** जैसे पूर्ववर्तियों का अनुसरण करता है, जो **वर्ष 2016** में लॉन्च होने के बाद से चालू हैं।

इन्सैट डेटा के लाभ
- वर्ष 2003 से, **भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** अपने परिचालन **मौसम विज्ञान उद्देश्यों** के लिए **INSAT** डेटा का उपयोग कर रहा है।
- **उपग्रह-आधारित** उत्पादों ने **पूर्वानुमान सटीकता, वातावरण** और **महासागर निगरानी** और **समग्र मौसम संबंधी सेवाओं** में उल्लेखनीय सुधार किया है।
  - इन सबके कारण जीवन, संपत्ति और आजीविका का नुकसान कम हुआ।

136. वैश्विक दलहन सम्मेलन में भारत से दालों का उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया - द हिंदू/ भारत में दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने का प्रयास कर रहा- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसल-फसल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधित बाधाएं; किसानों की सहायता में ई-प्रौद्योगिकी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- दालों में आत्मनिर्भरता
- NAFED

समाचार:
- **वैश्विक दलहन सम्मेलन,** जो **दाल उत्पादकों, प्रोसेसरों और व्यापारियों** की एक **वार्षिक बैठक** है, ने सुझाव दिया कि **भारत पोषण संबंधी आवश्यकताओं** को पूरा करने के लिए **दालों** का उत्पादन बढ़ाए।

मुख्य बिंदु

- केंद्र ने **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** में नियमित रूप से वृद्धि करके देश में **दालों** की खेती में सुधार के लिए पर्याप्त उपाय किए हैं।
- **दो दिवसीय सम्मेलन संयुक्त** रूप से **नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NAFED)** और **ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन (GPC)** द्वारा आयोजित किया जाता है।
- पिछले दशक में **दालों** का **उत्पादन 60%** बढ़कर **वर्ष 2014** में **171 लाख टन** से बढ़कर **वर्ष 2024** में **270 लाख टन** हो गया है।

वर्ष 2027 तक आत्मनिर्भरता'

- भारत **चना** और कई **अन्य दलहन फसलों में आत्मनिर्भर** हो गया था, केवल **अरहर और उड़द** में थोड़ी कमी रह गई थी।
- **वर्ष 2027** तक **दालों में आत्मनिर्भरता** हासिल करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।
- यह एक ऐसी **फसल** है जो **मिट्टी** को **फायदा** पहुँचाती है।
- यह **पौष्टिक** है और **छोटी जोत** वाले **किसानों** को लाभ पहुंचाता है।
- यदि **भारत खेती** में सुधार के प्रयास करता है, तो सभी **हितधारकों** को लाभ मिलेगा।

137. जनवरी में व्यापार घाटा कम होकर 9 महीने के निम्न स्तर - द हिंदू/ जनवरी में वस्तुओं का निर्यात 3% बढ़ा, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स आयात से व्यापार घाटा बढ़ा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- व्यापार घाटा
- भुगतान शेष

138. भारत वेनेजुएला के कच्चे तेल के शीर्ष खरीदार के रूप में उभरा- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे
- पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC)
- रुझान आधारित प्रश्न

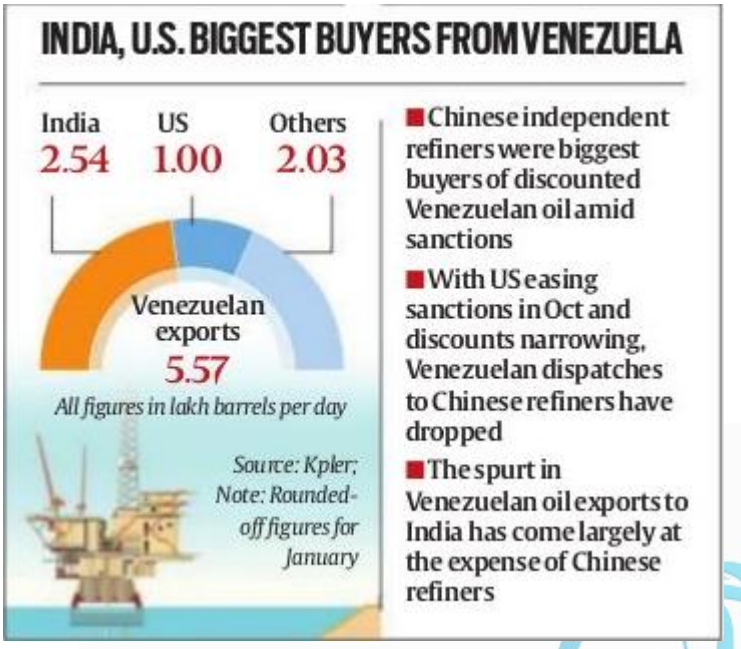

139. संयुक्त राष्ट्र संघ ने भूमध्यसागरीय वनों को पुनर्स्थापित करने की पहल की - डाउन टू अर्थ

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- तराई आर्क लैंडस्केप पहल
- श्रीलंका मैंग्रोव पुनर्जनन पहल

समाचार:
- संयुक्त राष्ट्र संघ ने **अफ्रीका**, **लैटिन अमेरिका**, **भूमध्यसागरीय** और **दक्षिण पूर्व एशिया** से सात पहलों को **अंतर सरकारी संगठन** के **विश्व बहाली फ्लैगशिप** के रूप में नामित किया है।
- परियोजनाएँ **जंगल की आग, सूखे, वनों की कटाई** और **प्रदूषण** के कारण होने वाले विनाश के चरम बिंदु पर **पारिस्थितिक तंत्र** के **पुनरुद्धार** और **संरक्षण** के इर्द-गिर्द घूमती हैं।

मुख्य बिंदु
- यह पुरस्कार **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** (**UNEP**) और **UN** के **खाद्य** एवं **कृषि संगठन** (**FAO**) द्वारा प्रदान किया जाता है
  - पहल को संगठन से **तकनीकी और वित्तीय सहायता** के लिए पात्र बनाता है।
- यह पुरस्कार **दो एजेंसियों** के नेतृत्व में **पारिस्थितिकी तंत्र बहाली** पर **संयुक्त राष्ट्र दशक** के एक भाग के रूप में कार्य करते हैं।
- इसके साथ ही, **वर्ष 2030** तक **आठ मिलियन हेक्टेयर** से अधिक की बहाली की योजना बनाई गई है।"
- **लिविंग इंडस पहल** को **वर्ष 2022** में **विनाशकारी जलवायु परिवर्तन-प्रेरित** बाढ़ के मद्देनजर **पाकिस्तान संसद** से मंजूरी मिली।
- इसका आधिकारिक लॉन्च **शर्म अल-शेख** में जलवायु **परिवर्तन** पर **संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन** के पक्षकारों के **27वें सम्मेलन** में हुआ।
- इस पहल का लक्ष्य नीति **निर्माताओं**, **अभ्यासकर्ताओं** और **नागरिक समाज** के लिए **25 उच्च प्रभाव** वाले **हस्तक्षेपों** के **कार्यान्वयन** के माध्यम से **वर्ष 2030** तक **नदी बेसिन** के **25 मिलियन हेक्टेयर** को बहाल करना है, जिसमें पाकिस्तान के सतह क्षेत्र का 30 प्रतिशत शामिल है।
- यह सिंधु नदी को अधिकारों के साथ एक जीवित इकाई के रूप में नामित करता है
  - अन्यत्र भी नदियों की सुरक्षा के लिए एक उपाय किया गया।

- इसमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, बोलीविया, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, भारत, न्यूजीलैंड, पेरू और श्रीलंका शामिल हैं।

- **पेरूवियन संरक्षण गैर-लाभकारी ECOAN** के **नेतृत्व में एक्सिओन एंडिना सामाजिक आंदोलन** का लक्ष्य **दस लाख हेक्टेयर** के वन क्षेत्र की रक्षा और पुनर्स्थापित करना है।
- "उम्मीद है कि उन्हें **वर्ष 2030** तक **दवा**, **सौर पैनल** और **स्वच्छ जलते मिट्टी** के **स्टोव** तक पहुंच से लेकर विभिन्न तरीकों से इस पहल से लाभ होगा।
  - बेहतर चराई प्रबंधन, टिकाऊ कृषि, सूक्ष्म व्यवसाय और स्वदेशी संस्कृतियों के पारिस्थितिक पर्यटन प्रबंधन के लिए।
- **श्रीलंका मैंग्रोव पुनर्जनन पहल स्थानीय समुदायों** के सह-नेतृत्व वाला एक **विज्ञान-संचालित कार्यक्रम** है।
- **संयुक्त राष्ट्र** के बयान के अनुसार, यह **पारिस्थितिकी** तंत्र में **प्राकृतिक संतुलन** की बहाली पर ध्यान केंद्रित करता है। **वर्ष 2015** में इसकी शुरुआत के बाद से, प्रयासों से **500 हेक्टेयर मैंग्रोव** को बहाल किया गया है।
- तराई **आर्क लैंडस्केप पहल का उद्देश्य**
  - **स्थानीय समुदायों** के **सहयोग** से **तराई आर्क लैंडस्केप** के **महत्वपूर्ण गलियारों** के जंगलों को पुनर्स्थापित करें
  - नागरिक वैज्ञानिकों, समुदाय-आधारित अवैध शिकार विरोधी इकाइयों, वन रक्षकों आदि के रूप में।
- **अफ्रीका** की **शुष्क भूमि** में **वनों** को बढ़ाने की पहल का लक्ष्य आज के **41,000 हेक्टेयर** से बढ़कर **वर्ष 2030** तक **229,000 हेक्टेयर** तक विस्तार करना है।
- **गरीबी**, **भूख** और **कुपोषण उन्मूलन** की लड़ाई में **पारिस्थितिकी तंत्र** की बहाली एक **दीर्घकालिक** समाधान है ।"
  - चूँकि हम **जनसंख्या वृद्धि** और **खाद्य पदार्थों** और **पारिस्थितिकी तंत्र** की **वस्तुओं** और **सेवाओं** की बढ़ती आवश्यकता का सामना कर रहे हैं,

140. IBBI विशेषज्ञ पैनल ने स्वैच्छिक मध्यस्थता तंत्र का सुझाव दिया- द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- दिवाला और दिवालियापन संहिता (IBC)
- इनसॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्टसी बोर्ड ऑफ इंडिया

समाचार:
- पूर्व **कानून सचिव** की **अध्यक्षता में IBBI** द्वारा **नियुक्त विशेषज्ञ समिति** ने **दिवाला** और **दिवालियापन संहिता (IBC)** के तहत एक **स्वैच्छिक मध्यस्थता** तंत्र की सिफारिश की है।

मुख्य बिंदु
- वर्तमान में, **IBC** के तहत **मध्यस्थता** एक **विधायी आदेश** के रूप में मौजूद नहीं है।
- **मध्यस्थता** किसी **विवाद** को बातचीत के **माध्यम** से **निपटाने** और **दो** या **दो** से **अधिक पक्षों** के बीच **विवादों** को **सुलझाने** के लिए एक **तटस्थ तीसरे पक्ष** का उपयोग है।
- समिति ने **सतर्क** रुख अपनाया है और संहिता के **मूलभूत उद्देश्यों** को संतुलित करने का प्रयास किया है।
  - दिवाला समाधान प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाने के लिए पार्टियों को स्वेच्छा से 'अदालत के बाहर' मध्यस्थता प्रक्रिया का विकल्प चुनने की स्वायत्तता के साथ "समयबद्ध पुनर्गठन" और "मूल्य का अधिकतमकरण"।
- समिति ने संहिता के तहत विवाद **समाधान** तंत्र के रूप में "**चरण आधारित**" और **चरणबद्ध** तरीके से **स्वैच्छिक मध्यस्थता** शुरू करने की सिफारिश की है।
  - विभिन्न मौजूदा दिवाला **समाधान प्रक्रियाओं** के लिए **समय-सीमा** की **पवित्रता** बनाए रखते हुए।

प्रक्रिया में लचीलापन
- रूपरेखा का मुख्य सार इसकी **स्वतंत्रता** और **कार्यान्वयनात्मक शिक्षा** के **त्वरित समावेश** के लिए जगह प्रदान करने का लचीलापन है।
- समिति ने संहिता के तहत प्रक्रियाओं के आसपास विवादों के समाधान हेतु -
  - एक **पूरक तंत्र** के रूप में **मध्यस्थता** की शुरुआत के लिए संभावित ढांचे की सिफारिश की है।
- मध्यस्थता ढाँचा संहिता के भीतर एक **स्व-निहित खाका** के रूप में सर्वोत्तम रूप से कार्य करेगा
  - यह सुनिश्चित करने के लिए **स्वतंत्र बुनियादी ढांचे** के साथ कि **संहिता** के **उद्देश्यों** को **समयसीमा**, **सार्वजनिक अधिकारों** के संदर्भ में संहिता की **मूल संरचना** से समझौता किए बिना या **कमजोर** किए बिना पूरा किया जाए।

- हालाँकि, ऐसे **महत्वपूर्ण मुद्दे** हैं जिन पर **योजना लागू** होने से पहले **ध्यान** देने की आवश्यकता है।
- एक उल्लेखनीय चिंता **स्वैच्छिक मध्यस्थता प्रावधानों** के **प्रारंभिक** दायरे से **वित्तीय लेनदारों** का **बहिष्कार** है,

141. रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारी वजन वाले टॉरपीडो को मंजूरी दी- द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियां और उनका अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- DAC
- DAP 2020

समाचार:
- **रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC)** ने **84,560 करोड़ रूपये** के प्रस्तावों के लिए खरीद प्रक्रिया में पहला कदम, आवश्यकता की स्वीकृति (AoN) प्रदान की है।

मुख्य बिंदु
- प्रस्तावों में कुछ लंबे समय से लंबित सौदे शामिल हैं
  - जैसे कि **नौसेना** की स्कॉर्पीन **श्रेणी की पनडुब्बियों** के लिए **हैवीवेट टॉरपीडो (HWT)** और **भारतीय वायु सेना (IAF)** के लिए **उड़ान रिफ्यूलर विमान (FRA)** नए सिरे से शुरू करना।
- अन्य प्रमुख सौदों में नौसेना और **तटरक्षक बल** के लिए **मध्यम दूरी** के **समुद्री टोही** और **बहु-मिशन समुद्री** विमान शामिल हैं
  - नई पीढ़ी की **टैंक रोधी खदानें**, **वायु रक्षा सामरिक नियंत्रण रडार**, और **सॉफ़्टवेयर-परिभाषित** रेडियो।
- "इसके अलावा, भारतीय नौसैनिक जहाजों को विरोधियों द्वारा उत्पन्न खतरों से एक कदम आगे रखना है
  - क्षमताओं वाले **एक्टिव-टोव्ड ऐरे सोनार** की खरीद के लिए खरीदें (भारतीय) श्रेणी के तहत **AoN** प्रदान किया गया है
  - **प्रतिद्वंद्वी पनडुब्बियों** का लंबी दूरी तक पता लगाने के लिए कम **आवृत्तियों** और **विभिन्न गहराईयों** पर काम करना।

DAP-2020'
- **भूकंपीय सेंसर** और **दूरस्थ निष्क्रियता** के प्रावधान वाली **नई पीढ़ी** की **एंटी-टैंक खदानों** की खरीद
  - अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं के साथ रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (DAP) 2020 की खरीद (स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित श्रेणी) के तहत मंजूरी दे दी गई है।
- **DAC** ने **बेंचमार्किंग** और लागत गणना, भुगतान अनुसूची और खरीद मात्रा के संबंध में **DAP 2020** में संशोधन को मंजूरी दे दी है।
- **DAC** ने **विदेशी सैन्य बिक्री मार्ग** के तहत **अमेरिका से नौसेना** द्वारा खरीदे गए **24 MH-60R बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टरों** के लिए **मरम्मत पुनःपूर्ति** के माध्यम से निरंतर समर्थन के लिए **AoN** को भी मंजूरी दे दी।

142. DoT ने 'संगम: डिजिटल ट्विन' पहल का अनावरण किया- PIB

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- संगम: डिजिटल ट्विन पहल
- डिजिटल ट्विन टेक्नोलॉजी

समाचार:
- हाल ही में, **दूरसंचार विभाग (DoT)** ने **'संगम डिजिटल ट्विन'** पहल शुरू की।
- यह **रियल टाइम निगरानी, सिमुलेशन और विश्लेषण** के लिए **भौतिक संपत्तियों** की **आभासी प्रतिकृतियां** बनाने के लिए **डिजिटल ट्विन तकनीक** का लाभ उठाना चाहता है।

'संगम: डिजिटल ट्विन' पहल
- यह पहल अवधारणा का प्रमाण (PoC) है जिसे दो चरणों में क्रियान्वित किया गया है
  - पहला चरण उद्देश्यों को स्पष्ट करने और क्षमता को उजागर करने के लिए खोजपूर्ण प्रयासों पर केंद्रित है।
  - **दूसरे चरण** में **भविष्य** की **बुनियादी ढांचा परियोजनाओं** में **सफल रणनीतियों** को स्केल करने और दोहराने के लिए भविष्य का खाका तैयार करने के लिए **विशिष्ट उपयोग** के मामलों का **व्यावहारिक प्रदर्शन** शामिल होगा।
- **उद्देश्य**
  - नवीन अवसंरचना समाधानों की अवधारणा और कार्यान्वयन के बीच अंतर को पाटना।
  - तेज़ और अधिक प्रभावी सहयोग की सुविधा के लिए एक मॉडल ढांचा विकसित करना।

- भविष्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सफल रणनीतियों को बढ़ाने के लिए एक रोडमैप प्रदान करना।
- यह पहल **विज़न 2047** के लिए प्रयास कर रहे **तकनीकी युग में संचार, गणना और संवेदन** में पिछले दशक की सफलताओं की पृष्ठभूमि में आती है।
- यह **नवाचार, डेटा** और **डिजाइन** की **शक्ति का उपयोग** करके **टिकाऊ, कुशल** और **नवीन बुनियादी ढांचे** के समाधानों को आगे बढ़ाने का एक रोमांचक अवसर प्रस्तुत करता है।

उन्नत प्रौद्योगिकियों का एकीकरण

- यह बुनियादी ढांचे की योजना और डिजाइन को नया आकार देने के लिए **5G, IoT, AI, AR/VR, AI, AI नेटिव 6G** और अगली पीढ़ी की **कम्प्यूटेशनल प्रौद्योगिकियों** जैसी **उन्नत प्रौद्योगिकियों** को **एकीकृत** करता है।
- यह **समग्र नवाचार** प्राप्त करने के लिए **सार्वजनिक संस्थाओं, बुनियादी ढांचा योजनाकारों, तकनीकी दिग्गजों, स्टार्टअप** और **शिक्षा जगत** के बीच सहयोग पर जोर देता है।

143. लोन कंपनियों ने RBI से LTV मानदंडों की जांच करने का अनुरोध किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ऋण-से-मूल्य (LTV) अनुपात
- प्राथमिकता क्षेत्र ऋण

समाचार:

- हाल ही में, **एसोसिएशन ऑफ गोल्ड लोन कंपनियों** ने **RBI** से कुछ **बैंक शाखाओं** द्वारा उस मानदंड के उल्लंघन की जांच करने का अनुरोध किया, जो गिरवी रखे गए **सोने के आभूषणों** के बदले **ऋण राशि** की सीमा निर्धारित करता है।
- यह मामला तब सामने आया है जब **RBI** द्वारा **लोन-टू-वैल्यू (LTV)** मानदंड में **अस्थायी छूट** समाप्त होने के बाद भी बैंक अपने **गोल्ड लोन पोर्टफोलियो** को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

LTV मानक का उल्लंघन

- **एसोसिएशन** ने **सार्वजनिक** और **निजी दोनों क्षेत्रों** के बैंकों द्वारा **75% LTV** मानदंड का उल्लंघन करने के उदाहरणों पर प्रकाश डाला।
  - मानक कहता है कि **ऋण राशि संपार्श्विक के मूल्य का 75%** से अधिक नहीं हो सकती।
- कुछ **बैंक शाखाएँ नियामक दिशानिर्देशों** का उल्लंघन करते हुए, **80-90%** तक के ऋण के साथ, इस सीमा से अधिक स्वर्ण ऋण दे रही हैं।

कृषि स्वर्ण ऋण पर फोकस

- **प्राथमिकता क्षेत्र ऋण** वर्गीकरण के **लाभ** और **डिफ़ॉल्ट** के मामले में आसान वसूली के कारण **बैंक कृषि स्वर्ण ऋण** पर तेजी से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
- हालाँकि, **गैर-कृषि क्षेत्र** में **स्वर्ण ऋण में वृद्धि** जारी है।
- इसके अतिरिक्त, बिना **कृषि गतिविधि** वाले **ग्राहकों** द्वारा **कृषि ऋण** लेने को लेकर भी चिंताएं हैं जो कि नियमों के विरुद्ध है।

गोल्ड लोन ग्रोथ

- **क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस** एंड **एनालिटिक्स रिसर्च रिपोर्ट** के अनुसार, वित्तीय **वर्ष 2018** और **वर्ष 2022** के बीच **गोल्ड लोन फाइनेंस** में **15%** की **CAGR** देखी गई।
  - यह सोने की स्थिर कीमतों और महामारी के दौरान बढ़ी हुई मांग से प्रेरित था।
- मार्च 2022 के अंत तक, बैंकों और **NBFC** के पास सामूहिक रूप से **5,09,400 करोड़ रुपये** का बकाया स्वर्ण ऋण था, जिसमें बैंकों के पास 78% और **NBFC** के पास **22% शेयर** थे।

144. OpenAI ने सोरा लॉन्च किया- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- OpenAI सोरा
- ChatGPT

समाचार:

- हाल ही में, **OpenAI** ने **सोरा(sora)** पेश किया, जो एक नया **जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GenAI) मॉडल** है जो **टेक्स्ट प्रॉम्प्ट** को **वीडियो** में बदलने में सक्षम है।
- यह **टेक्स्ट-टू-वीडियो रूपांतरण** में पिछली विसंगतियों को संबोधित करते हुए **AI** के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

सोरा(Sora) की क्षमताएं

- यह एक बार में **संपूर्ण वीडियो** बना सकता है या पहले से बनाए गए **वीडियो को लंबा** करने के लिए उनमें और जोड़ सकता है।
- यह **दृश्य गुणवत्ता** बनाए रखते हुए और **उपयोगकर्ता** के संकेत का **पालन** करते हुए एक **मिनट** तक **लंबे वीडियो** तैयार कर सकता है।
- यह एक **स्थिर छवि** को भी **एनिमेट** कर सकता है, इसे एक **गतिशील वीडियो प्रस्तुति** में बदल सकता है।
- यह कई **पात्रों, विशिष्ट प्रकार** की **गति और विषय** और **पृष्ठभूमि के सटीक विवरण** के साथ **जटिल दृश्य** बनाने में सक्षम है।

सुरक्षा प्रोटोकॉल

- **OpenAI** ने **सोरा** के दुरुपयोग का पता लगाने और उसे रोकने के लिए **सुरक्षा प्रोटोकॉल** विकसित किए हैं
  - इसमें उपयोग नीतियों का उल्लंघन करने वाले संकेतों को अस्वीकार करने के लिए एक टे**क्स्ट क्लासिफायरियर** शामिल है
  - अनुपालन के लिए जेनरेट किए गए वीडियो की समीक्षा करने के लिए **इमेज क्लासिफायरियर** शामिल है।
- कंपनी चिंताओं को समझने और **प्रौद्योगिकी** के लिए **सकारात्मक उपयोग** के मामलों की पहचान करने के लिए **नीति निर्माताओं**, **शिक्षकों** और **कलाकारों** के साथ जुड़ने की योजना बना रही है।
- कंपनी आगे के सुधारों के लिए **फीडबैक इकट्ठा** करने के लिए **दृश्य कलाकारों**, **डिजाइनरों** और **फिल्म निर्माताओं** के साथ भी काम करेगी।

सोरा की कमियाँ

- जटिल दृश्यों की भौतिकी का सटीक अनुकरण करने में संघर्ष करता है
- कारण और प्रभाव के विशिष्ट उदाहरणों को समझना ।
  - उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति कुकी से एक टुकड़ा काट सकता है, लेकिन बाद में, कुकी पर काटने का कोई निशान नहीं हो सकता है।
- यह स्थानिक विवरणों को भी भ्रमित कर सकता है और समय के साथ सामने आने वाली घटनाओं के सटीक विवरण के साथ संघर्ष कर सकता है।

145. सरकार ने मंत्रालयों के खर्च के लिए रिपोर्टिंग सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव दिया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: सरकारी बजटिंग।

प्रीलिम्स टेकअवे
- विनियोग
- अनुदान

समाचार:

- लगभग **18 वर्षों** के अंतराल के बाद, **सरकार** संसद की **लोक लेखा समिति (PAC)** से मंजूरी मिलने के बाद '**नई सेवा**' और '**सेवा के नए साधन**' के लिए अपनी **वित्तीय सीमाओं** को संशोधित करने के लिए तैयार है।

मुख्य बिंदु

- **पैनल** ने **मंत्रालयों/विभागों** द्वारा **नई नीति-संबंधित व्यय** के लिए **रिपोर्टिंग सीमा** को **50 करोड़ रुपये** से ऊपर बढ़ाने के **वित्त मंत्रालय** के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

- लेकिन **100 करोड़ रुपये** से अधिक नहीं, साथ ही **100 करोड़ रुपये** से अधिक खर्च करने के लिए **संसद की पूर्वानुमति** अनिवार्य है।

- अनुमोदन, जो **सकल घरेलू उत्पाद** की वृद्धि और **बजट आकार** में विस्तार के अनुरूप आया है, ने '**सेवा के नए साधन**' के लिए **रिपोर्टिंग सीमा** तय की है
  - **मूल विनियोग** का **20 प्रतिशत** तक या **100 करोड़ रुपये** तक, जो भी अधिक हो।
- इस तरह का **आखिरी संशोधन 2006** में लागू हुआ था।
- पहले **नई नीति-संबंधी व्यय** के लिए कम **वित्तीय सीमा** के कारण, **मंत्रालयों/विभागों** के **पूरक प्रस्तावों** की संख्या में कथित वृद्धि हुई है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि संसद की मंजूरी लेने में लगने वाला समय परियोजनाओं के निष्पादन में देरी का कारण बनेगा।

नई सेवा (NS) और सेवा का नया साधन (NIS)

- **नई सेवा (NS)** एक **नए नीतिगत निर्णय से उत्पन्न** होने वाले व्यय को संदर्भित करती है, जिसे **पहले संसद** के ध्यान में नहीं लाया गया है, जिसमें एक **नई गतिविधि** या **एक नया निवेश** शामिल है।
- **सेवा** का **नया साधन (NIS) मौजूदा नीति** के महत्वपूर्ण विस्तार से उत्पन्न होने वाले **अपेक्षाकृत बड़े व्यय** को संदर्भित करता है।
- जब भी किसी मौजूदा **पॉलिसी** के विस्तार के कारण व्यय किया जाता है तो '**नई सेवा/सेवा** के नए **साधन**' के लिए **वित्तीय सीमाएं** लागू की जाती हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, **बजट आकार** में **पर्याप्त वृद्धि** ने **मंत्रालयों की प्रत्यायोजित शक्तियों** को कम कर दिया है, जिससे **संसद** की **रिपोर्टिंग/अनुमोदन** के लिए **बड़े पैमाने** पर प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं।
- **PAC** और **भारत के नियंत्रक** एवं **महालेखा परीक्षक** (CAG) **NS/NIS** सीमाओं का पालन नहीं करने वाले अनावश्यक **पूरक पुनर्विनियोजन** और **संसद** को रिपोर्ट किए बिना या **वित्त मंत्रालय** की पूर्व मंजूरी प्राप्त किए बिना **पुनर्विनियोजन** के बढ़ते मामलों की ओर इशारा कर रहे हैं।
- **PAC** ने **10.04 प्रतिशत** से **79.77 प्रतिशत** के बीच अधिक व्यय पर चिंता जताई थी।
  - **वित्त वर्ष 2019-20** के दौरान **मंत्रालयों/विभागों** द्वारा अपनी अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए **अनुपूरक अनुदान** की **उच्च मात्रा प्राप्त** करने के बाद भी **अनुदान/विनियोग** के लिए व्यय किया गया।
- प्रस्तावित संशोधन की आवश्यकता के बारे में बताते हुए, **वित्त मंत्रालय** के तहत **व्यय विभाग** ने **PAC** को अपने प्रस्तुतीकरण में कहा
- पिछले **चार वित्तीय वर्षों** में, **मंत्रालय** ने **पुनर्विनियोजन** के लिए **2,500 टोकन** को **संसद** के **संज्ञान** में लाया।

146. देश में शिक्षा के स्तर के साथ बेरोजगारी बढ़ रही है: IIM अध्ययन - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मनरेगा
- बेरोजगारी
- श्रम बल भागीदारी दर

समाचार:

- **आईआईएम लखनऊ** के एक अध्ययन के अनुसार, **भारत की अर्थव्यवस्था में स्थिर रोजगार वृद्धि, कमजोर रोजगार लोच** और **धीमी संरचनात्मक परिवर्तन** देखा जा रहा है।
- इसके अतिरिक्त श्रम बाजार में संरचनात्मक समस्याएं पैदा हो रही हैं जैसे कम **महिला श्रम बल भागीदारी** और शिक्षा स्तर के साथ **बेरोजगारी दर (UR)** में वृद्धि।

रोजगार वृद्धि में रुझान

- वर्ष 1987-88 से 2004-05 तक उत्पादन और रोजगार में वृद्धि, इसके बाद वर्ष 2004-05 से 2018-19 तक 'रोजगार रहित विकास' और उसके बाद न्यूनतम उछाल आया।
- कृषि क्षेत्र, हालांकि सबसे अधिक युवाओं को रोजगार देता है, इसने समग्र अर्थव्यवस्था में कम मूल्य-वर्धित योगदान दिया, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण रोजगार चुनौतियां पैदा हुईं।
- आर्थिक विकास रोजगार सृजन में तब्दील नहीं हुआ है और इसके परिणामस्वरूप शुद्ध श्रम विस्थापन हुआ है।

विकास के लिए नीतिगत सिफ़ारिशें

- अध्ययन में समावेशी विकास हासिल करने के लिए श्रम प्रधान विनिर्माण क्षेत्र की पहचान करने और उसे बढ़ावा देने का सुझाव दिया गया है।
- इसके अतिरिक्त, नौकरी की मात्रा के साथ-साथ नौकरियों की गुणवत्ता और शालीनता की जांच करना भी महत्वपूर्ण है।
  - चूंकि उत्पादकता और नौकरी की शालीनता के बीच एक मजबूत संबंध है।

श्रम बाज़ार में शिक्षा का स्तर

- श्रम बाजार में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानता है और कम शिक्षित युवाओं की तुलना में उच्च शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी का स्तर बढ़ रहा है।
- वर्ष 2020-21 में, भारत में कुल श्रम शक्ति अनुमानित 556.1 मिलियन थी।
- इस कुल में से, 292.2 मिलियन (54.9%) स्व-रोज़गार में थे, 22.8% नियमित रोज़गार में थे और अनुमानित 22.3% आकस्मिक रोज़गार में थे।
- अशिक्षित और कम शिक्षित वर्ग (प्राथमिक से नीचे) के लिए UR क्रमशः 0.57% और 1.13% था।
- लेकिन उच्च शिक्षित वर्ग (स्नातक और ऊपर) के लिए, '15-29 वर्ष' आयु वर्ग के लिए वर्ष 2020-21 में यह 14.73% था।

श्रम बाज़ार में लैंगिक असमानता

- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में लैंगिक आधारित असमानता बनी हुई है।
- इसके अतिरिक्त, वर्ष 1983 से वर्ष 2020-21 तक पुरुषों की तुलना में महिलाओं में LFPR की गिरावट अधिक है।
- वर्ष 2020-21 में 15-59 वर्ष की आयु वालों के लिए समग्र महिला कार्य बल भागीदारी दर (WFPR) 32.46% थी, जो पुरुषों की तुलना में पूरे 44.55 प्रतिशत अंक कम थी।
- इसके अलावा, 15-59 वर्ष की आयु के लिए उसी वर्ष पुरुष WFPR (81.10%) का कुल प्रतिशत महिला वयस्कों (33.79%) के दोगुने से भी अधिक है।

सार्वजनिक नीतियों का प्रभाव

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और इसी तरह की पहलों का ग्रामीण आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- ये नीतियां मजदूरी बढ़ाती हैं, महिला श्रम बल की भागीदारी बढ़ाती हैं और निम्न-जाति के श्रमिकों के बीच सौदेबाजी की शक्ति में सुधार करती हैं।

147. सेना LAC पर ऑपरेशन के लिए नई कोर का गठन करेगी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन - आतंकवाद के साथ संगठित अपराध का संबंध।

प्रीलिम्स टेकअवे

- वास्तविक नियंत्रण रेखा
- मानचित्र आधारित प्रश्न

समाचार:

- **सेना** अपने **मुख्यालय उत्तर भारत (HQ UB) क्षेत्र** को एक **पूर्ण परिचालन कोर** में **परिवर्तित** कर रही है

मुख्य बिंदु

- यह एक ऐसा कदम है जो **शांतिकाल** के **कर्तव्यों** की अपनी **वर्तमान जिम्मेदारी** से अपना ध्यान **वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)** पर संचालन की ओर स्थानांतरित कर देगा।
- **बरेली** में स्थित, **मुख्यालय यूबी** क्षेत्र वर्तमान में एक स्थिर गठन है जो **उत्तराखंड** और **पश्चिमी उत्तर प्रदेश** के **शांतिकालीन स्थानों** और **प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों** की देखभाल करता है।
  - **हिमाचल प्रदेश** और **उत्तराखंड** के साथ लगने वाली **LAC** के अलावा इसे **केंद्रीय थिएटर** भी कहा जाता है।
- एक **कोर** में **जिम्मेदारी** के **क्षेत्र** में **संचालन** करने के लिए **पर्याप्त भंडार** के साथ सभी **हथियारों और सेवाओं** के तत्व शामिल होते हैं।
- इसे **तीन डिवीजनों** को रखने के लिए संरचित किया गया है, लेकिन मौजूदा **परिचालन आवश्यकताओं** के अनुसार कम या ज्यादा रखा जा सकता है। **प्रत्येक डिवीजन** में **15,000 से 18,000 सैनिक शामिल** हैं।
- इससे पहले, **यूबी क्षेत्र** में प्रमुख **सीमावर्ती क्षेत्रों** में गश्त करने के लिए केवल **एक ब्रिगेड** और उसके अधीन कुछ **स्काउट बटालियन** थीं।
- लेकिन **LAC** पर कुछ **विवादित बिंदुओं** पर **चीनी सैनिकों** के साथ लगातार **आमना-सामना** और **सीमा** पर **प्रभुत्व** बढ़ाने पर **ध्यान केंद्रित** करने पर विचार किया जा रहा है।
- फॉर्मेशन को धीरे-धीरे उन्नत किया गया और इसके तहत **उत्तराखंड** में स्थित **तीन स्वतंत्र ब्रिगेड** और एक पैदल **सेना डिवीजन** को रखकर इसकी **युद्धक क्षमता** में वृद्धि की गई।
- **अधिकारियों** के अनुसार, क्षेत्र में **सैन्य घनत्व** में वृद्धि और अतिरिक्त उभरती **परिचालन आवश्यकताओं** के कारण **परिचालन कार्यों** के **प्रति फोकस** में बदलाव की आवश्यकता है।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC)

- **LAC** वह सीमा है जो **भारतीय-नियंत्रित क्षेत्र** को **चीनी-नियंत्रित क्षेत्र** से अलग करती है।
- इसे **तीन सेक्टरों** में **विभाजित** किया गया है:
  - पूर्वी क्षेत्र जो अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम तक फैला है
  - उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में मध्य क्षेत्र
  - लद्दाख में पश्चिमी क्षेत्र।
- भारत **LAC** को **3,488 किमी लंबा** मानता है, जबकि **चीनी** इसे लगभग **2,000 किमी** ही मानते हैं।
- **भारत** की दावा रेखा **भारतीय सर्वेक्षण विभाग** द्वारा जारी मानचित्रों पर **चिह्नित आधिकारिक सीमा** में देखी गई रेखा है, जिसमें **अक्साई चिन** और **गिलगित-बाल्टिस्तान** दोनों शामिल हैं।
- इसका मतलब यह है कि **LAC भारत** के लिए **दावा रेखा** नहीं है।
- चीन के मामले में, **पूर्वी क्षेत्र** को छोड़कर **LAC** दावा रेखा है, जहां वह **पूरे अरुणाचल प्रदेश** को **दक्षिण तिब्बत** के रूप में दावा करता है।

148. एम्स में सुपर कंप्यूटर और AI की मदद से कैंसर का उपचार - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- कैंसर

समाचार:
- **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली** के **शोधकर्ताओं** द्वारा **विकसित** एक **सुपर कंप्यूटर** और **AI,** डॉक्टरों को अपने रोगियों के लिए सर्वोत्तम **कैंसर थेरेपी** की पहचान करने में मदद कर सकता है।

मुख्य बिंदु
- **आई-ऑन्कोलॉजी AI** का लक्ष्य उन **3,000 कैंसर रोगियों** के **जीनोम** को अनुक्रमित करना है जो वर्तमान में **एम्स** में इलाज की मांग कर रहे हैं।
- **AI** मॉडल को **एम्स** के **1,500 स्तन** और **डिम्बग्रंथि कैंसर रोगियों** पर **प्रशिक्षित** किया गया है और **चिकित्सकों** द्वारा प्रदान किए गए निदान की तुलना में यह **75 प्रतिशत** से अधिक सटीक पाया गया है।
- **जीनोमिक डेटा चिकित्सा शोधकर्ताओं** और **डॉक्टरों** के लिए एक **शक्तिशाली उपकरण** है।
- इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलती है कि **डीएनए** में **भिन्नताएं** हमारे **स्वास्थ्य** को कैसे प्रभावित करती हैं।
- **जीनोमिक अनुक्रमण** के माध्यम से, वे हमारी **आनुवंशिक संरचना** को समझते हैं और हमारे जीन में परिवर्तन का पता लगाते हैं।

AI टूल कैसे काम करता है?
- पुणे के **सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग** के साथ विकसित यह **प्लेटफॉर्म डॉक्टरों** को **कैंसर रोगियों के रक्त परीक्षण** और **लैब रिपोर्ट, स्कैन** और **अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट** और उनके इतिहास को **संग्रहीत** करने की अनुमति देता है।
- **डेटा एकत्र** करने और **एकत्र** करने के साथ-साथ, **AI-सक्षम प्लेटफॉर्म** विभिन्न प्रकार के **डेटासेट** को **पढ़ने** और **डॉक्टरों** को **निर्णय** लेने में मदद करने में भी सक्षम है।

- "मान लीजिए, कुछ **हज़ार कैंसर रोगियों** के **नैदानिक डेटा** और **जीनोमिक संरचना** का **अध्ययन** करने के बाद
  - यह उपकरण डॉक्टरों को अगले मरीज के लिए उचित उपचार चुनने में मदद करने में सक्षम होगा
- **जीनोमिक परीक्षण कैंसर थेरेपी** AI **जीनोमिक डेटा चिकित्सा शोधकर्ताओं** और **डॉक्टरों** के लिए एक **बहु उपयोगी** उपकरण है।
- AI स्वचालित रूप से उन लोगों को चिह्नित करने में सक्षम होगा जिनमें कुछ असामान्यताएं होंगी।
- उदाहरण के लिए, **भारत** में **लोगों** का **हीमोग्लोबिन स्तर कोकेशियान आबादी** की तुलना में कम है, इसे ध्यान में रखते हुए हमारे उपचार **प्रोटोकॉल को समायोजित** किया जा सकता है।

AI और कैंसर देखभाल में बड़ा परिवर्तन

- **विश्व स्तर** पर, **कैंसर के इलाज** के लिए **AI** के उपयोग में रुचि बढ़ रही है क्योंकि इससे **डॉक्टरों** को मदद मिल सकती है
  - **नए उपचार विकसित** करने से लेकर **रोग** के **प्रारंभिक चरण में रोगियों** का निदान करने और उचित उपचार का चयन करने तक।

149. सरकार ने प्राकृतिक रबर क्षेत्र के विकास हेतु वित्तीय सहायता में वृद्धि की - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसल-फसल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधित बाधाएं; किसानों की सहायता में ई-प्रौद्योगिकी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्राकृतिक रबर
- केरल

समाचार:

- **केंद्र सरकार** ने अगले **दो वित्तीय वर्षों (2024-26)** के लिए **प्राकृतिक रबर क्षेत्र योजना** के **सतत विकास आवंटन** में **23 प्रतिशत** की वृद्धि की है।

मुख्य बिंदु

- यह **प्राकृतिक रबर** की उपलब्धता में कमी के बीच आया है जिसके परिणामस्वरूप **वियतनाम, मलेशिया** और अन्य **दक्षिण पूर्व एशियाई देशों** से **प्राकृतिक रबर** का **आयात** बढ़ गया है।
- **देश** में **13 लाख** से **अधिक रबर उत्पादक** हैं और इसमें **उत्पादन** का एक बड़ा हिस्सा **केरल** का है
- निधियों का उपयोग निम्न के लिए किया जाएगा:
  - रबर के बागान का समर्थन करना
  - रोपण सामग्री का उत्पादन
  - उत्पादकता में वृद्धि
  - रबर उत्पादक समितियों का गठन
  - रबर अनुसंधान और प्रशिक्षण।
- **आंध्र प्रदेश, ओडिशा** और **उत्तर-पूर्व राज्यों** जैसे **गैर-पारंपरिक क्षेत्रों** में, **वर्ष 2024-26** के दौरान **3,752 हेक्टेयर क्षेत्र** को **रबर की खेती** के तहत लाया जाएगा।
- यह **योजना रबर बोर्ड** के माध्यम से क्रियान्वित की गई है।
- "**शोध** का उद्देश्य **रबर की खेती** को **नए क्षेत्रों** में विस्तारित करने के लिए **देश** के **विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों** के लिए **उपयुक्त रबर क्लोन विकसित** करना होगा।

150. नासा ने ओडीसियस अंतरिक्ष यान लॉन्च किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ओडीसियस अंतरिक्ष यान
- वाणिज्यिक लूनर पेलोड सेवा कार्यक्रम (CLPS)
- नासा

समाचार :

- हाल ही में **अमेरिका** ने एक **रोबोटिक लूनर लैंडर** को अंतरिक्ष में लॉन्च किया।

- सफल होने पर, यह **वर्ष 1972** में **अपोलो 17 चंद्रमा** पर उतरने के बाद **चंद्रमा** पर धीरे से उतरने वाला पहला **अमेरिकी अंतरिक्ष यान** बन जाएगा।
- अन्य कंपनियों के **तीन असफल प्रयासों** के बाद, यह **चंद्रमा** की **सतह** तक पहुंचने का **पहला निजी प्रयास** भी बन जाएगा।

इसे ओडीसियस क्यों कहा जाता है?

- मिशन की प्रभारी कंपनी, **ह्यूस्टन की इंटुएटिव मशीन्स** के कर्मचारियों के बीच एक प्रतियोगिता के बाद इसका नाम **ओडीसियस** रखा गया।
- प्राचीन ग्रीक महाकाव्य "**ओडिसी**" के नायक की यात्रा से प्रेरित है ।
- लूनर मिशन की लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रकृति के सादृश्य के रूप में कार्य करती है ।

ओडीसियस का महत्व

- यह नासा के **पारंपरिक प्रयासों** की तुलना में काफी कम लागत पर **लूनर मिशन** शुरू करने की **निजी कंपनियों** की क्षमता को दर्शाता है।
- **नासा** और **वाणिज्यिक संस्थाओं** दोनों द्वारा **व्यापक लूनर अन्वेषण** का मार्ग प्रशस्त कर सकता है ।

नासा की भागीदारी

- **नासा प्राथमिक ग्राहक** है, जो अपने **पेलोड** के लिए **इंटुएटिव मशीन्स** को **$118 मिलियन** का भुगतान करता है।
- पेलोड में शामिल हैं
  - **स्टीरियो कैमरा:** यह लैंडिंग के दौरान उठने वाली धूल के गुबार का निरीक्षण करेगा।
  - **रेडियो रिसीवर** : यह रेडियो सिग्नलों पर आवेशित कणों के प्रभाव को मापता है।
- यह प्रक्षेपण हाल ही में अन्य **निजी लूनर मिशनों** की विफलताओं के बाद हुआ है, जो इसमें शामिल जोखिमों को रेखांकित करता है।
  - **पिट्सबर्ग** की एक **अमेरिकी कंपनी एस्ट्रोबोटिक टेक्नोलॉजी** ने अपने **लैंडर पेरेग्रीन** को चंद्रमा पर भेजने का प्रयास किया।
  - लेकिन इसके प्रणोदन प्रणाली में खराबी के कारण लैंडिंग की कोई संभावना नहीं रह गई।

वाणिज्यिक चंद्र पेलोड सेवा कार्यक्रम (CLPS)

- ओडीसियस और पेरेग्रीन दोनों **नासा के वाणिज्यिक चंद्र पेलोड सेवा कार्यक्रमCLPS**का हिस्सा हैं।
- **उद्देश्य:** नासा द्वारा अपने स्वयं के **लूनर लैंडर** के निर्माण और संचालन के बजाय **लूनर अन्वेषण** के लिए वाणिज्यिक कंपनियों का उपयोग करना।

151. सरकार 'जंगल' का मतलब शब्दकोश में इस्तेमाल करें: सुप्रीम कोर्ट - द हिंदू/ चिड़ियाघर या सफारी की स्थापना हेतु सुप्रीम कोर्ट से अंतिम मंजूरी की आवश्यकता - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे

- वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980
- वन (संशोधन) अधिनियम, 2023

समाचार:

- हाल ही में **SC ने वन (संरक्षण) अधिनियम,1980** में **वर्ष 2023** में पेश किए गए संशोधनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आदेश पारित किया।

पृष्ठभूमि

- **वर्ष 1980** का **क़ानून वनों की कटाई** को रोकने के लिए लागू किया गया था, जिससे **पारिस्थितिक असंतुलन** पैदा हो रहा था।
- याचिकाओं में तर्क दिया गया कि **संशोधित अधिनियम** ने **'वन'** को घोषित वनों या **वर्ष 1980** के बाद **सरकारी रिकॉर्ड** में दर्ज वनों तक सीमित कर दिया है।

सरकारी रिकार्ड

- हालाँकि, केंद्र ने **वन कवरेज** की सीमा को कम करने के किसी भी प्रयास से इनकार किया।
- इसमें धारा **1A** में दिए गए स्पष्टीकरण का हवाला दिया गया, जिसने **"सरकारी रिकॉर्ड"** की परिभाषा को व्यापक बनाया।

- किसी भी **राज्य** या **केंद्र शासित प्रदेश, स्थानीय शासी निकायों, परिषदों** या **मान्यता प्राप्त समुदायों** द्वारा **वनों के रूप में पहचानी गई भूमि** को शामिल करना।

निर्णय

- **सुप्रीम कोर्ट** ने निर्देश दिया कि अभिव्यक्ति **'वन'** का फिलहाल "**व्यापक** और **सर्वव्यापी**" अर्थ बना रहेगा।
- इसने **सरकार** को **'जंगल' के "शब्दकोश अर्थ"** पर वापस लौटने का निर्देश दिया, जैसा कि **टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद** मामले में **वर्ष 1996** के फैसले में बरकरार रखा गया था।
- इसने स्पष्ट किया कि **'वन'** में न केवल आधिकारिक रिकॉर्ड में बल्कि **शब्दकोश** अर्थ के अनुसार भूमि शामिल है।
- इसमें **1.97 लाख वर्ग किमी** अघोषित वन भूमि शामिल होगी।

अंतरिम उपायों

- **राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों** को पिछले **अदालती आदेशों** का पालन करते हुए **31 मार्च** तक **वन भूमि** के **व्यापक रिकॉर्ड संकलित** करने होंगे।
- **शब्दकोश** का अर्थ तब तक जारी रहेगा जब तक **राज्य** और **केंद्रशासित प्रदेश सरकारी रिकॉर्ड** में **'वन'** के रूप में दर्ज सभी भूमि का "**समेकित रिकॉर्ड**" तैयार नहीं कर लेते।

चिड़ियाघरों पर नियंत्रण

- **खंडपीठ** ने आगे निर्देश दिया कि **चिड़ियाघर** या **सफारी** की स्थापना के लिए **सुप्रीम कोर्ट** से **अंतिम मंजूरी** की आवश्यकता होगी।

152. कॉर्पोरेट मंत्रालय ने लेनिएन्सी प्लस' व्यवस्था का अनावरण किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- CCI
- लेनियेंसी प्लस

समाचार:

- **कॉरपोरेट मंत्रालय (MCA)** ने **लेनियेंसी प्लस**' व्यवस्था की शुरुआत को अधिसूचित किया है

मुख्य बिंदु

- यह **भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI)** के लिए एक **नया कार्टेल डिटेक्शन टूल** लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे **देश** में **एंटी ट्रस लॉट** प्रवर्तन में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है।
- शासन के तहत, एक कार्टेल की जांच के तहत कंपनियों को अन्य अज्ञात कार्टेल्स की रिपोर्ट **CCI** को करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- इस तरह के कार्यक्रम से **प्रतिस्पर्धा अधिकारियों को गुप्त कार्टेल की खोज करने** और **उल्लंघन के अंदरूनी** सबूत प्राप्त करने में मदद मिलती है।

लेनियेंसी प्लस क्या है?

- **लेनियेंसी प्लस** एक **सक्रिय अविश्वास प्रवर्तन** रणनीति है
- इसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धा नियामक को अज्ञात अन्य कार्टेल की रिपोर्ट करने के लिए पहले से ही एक कार्टेल की जांच के तहत कंपनियों को प्रोत्साहित करके लेनियेंसी आवेदन आकर्षित करना है।
- **लाभ** :
  - जानकारी का खुलासा करने वाले व्यक्ति के लिए पहले कार्टेल में जुर्माने में कमी, कंपनी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना नए प्रकट किए गए कार्टेल के संबंध में कम जुर्माना प्राप्त करना।
- जबकि प्रतिस्पर्धा अधिनियम **CCI** को **लेनियेंसी या कम दंड के आवेदनों से निपटने** के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है, हाल तक इसने लेनियेंसी प्लस को मान्यता नहीं दी थी।

CCI मसौदा विनियमन

- CCI ने पिछले साल कम जुर्माने वाले नियमों का मसौदा जारी किया था।
- मसौदा विनियम किसी चल रही **कार्टेल जांच में किसी अन्य असंबंधित कार्टेल** के विवरण का खुलासा करने के लिए प्रोत्साहन के रूप में लेनियेंसी के आवेदन की पेशकश करते हैं।

- उम्मीद की जाती है कि **लेनियेंसी प्लस व्यवस्था** से आवेदकों को कई कार्टेल के संबंध में खुलासे के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे **CCI को कार्टेल जांच पर समय** और **संसाधनों की बचत** करने में मदद मिलेगी।
- यह व्यवस्था **ब्रिटेन, अमेरिका, सिंगापुर और ब्राजील** जैसे न्यायक्षेत्रों में पहले से ही मान्यता प्राप्त है।

153. भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग: सरकारी सहायता और निवेश रुझान- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सेमीकंडक्टर
- ATMP प्लांट

समाचार:
- **इलेक्ट्रॉनिक्स** और **आईटी राज्य मंत्री** ने हाल ही में पुष्टि की कि **टाटा समूह** और **इजरायली चिप कंपनी टॉवर सेमीकंडक्टर** ने **देश** में **फाउंड्री** स्थापित करने के लिए आवेदन किया है।

मुख्य बिंदु
- घरेलू नौकरी की संभावनाओं को बढ़ावा देने के अलावा, यह **प्रौद्योगिकी की भू-राजनीति** में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर चिप मुकाबले में भारत को बढ़त भी प्रदान करेगा।
  - इसे अब तक चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आकार दिया गया है।
- **चिप निर्माताओं** को आकर्षित करने के लिए **भारत** अपने कुछ प्रमुख सहयोगियों **अमेरिका** और **यूरोप** के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

वर्तमान में प्रस्ताव
- भारत की चिप प्रोत्साहन योजना मोटे तौर पर पारिस्थितिकी तंत्र के तीन पहलुओं को शामिल करती है
  - पूर्ण विकसित फाउंड्रीज़ जो चिप्स का निर्माण कर सकती हैं
  - पैकेजिंग संयंत्र जिन्हें ATMP सुविधाएं कहा जाता है;
  - संयोजन और परीक्षण परियोजनाओं को OSAT संयंत्र कहा जाता है।
- अब तक, **अमेरिका** स्थित **माइक्रोन टेक्नोलॉजी** ने **2.75 बिलियन डॉलर** का **ATMP प्लांट** स्थापित करने के अपने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसकी सुविधा **गुजरात** में शुरू हो रही है।
- समझा जाता है कि **टाटा समूह** ने भी **ATMP संयंत्र** के लिए आवेदन किया है।

भारत का सेमीकंडक्टर विनिर्माण पर ध्यान
- इसलिए, यह स्पष्ट है कि घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के सरकार के दृष्टिकोण के लिए घरेलू स्तर पर अर्धचालकों का निर्माण महत्वपूर्ण है।
  - अंततः विदेशों, विशेषकर चीन से अपने आयात को कम करें
  - जो अपनी चुनौतियों के बावजूद ऐसे विनिर्माण के लिए नंबर एक गंतव्य बना हुआ है।

154. एनोक्सिक समुद्री बेसिन कार्बन पृथक्करण के लिए उत्कृष्ट विकल्प - Phys.org

प्रासंगिकता : संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट

प्रीलिम्स टेकअवे
- एनोक्सिक समुद्री बेसिन
- कार्बन पृथक्करण

समाचार :
- वैज्ञानिकों के अनुसार, गहरे समुद्र में बड़े पैमाने पर **कार्बन पृथक्करण** करने के लिए **एनोक्सिक समुद्री** बेसिन सबसे व्यवहार्य स्थानों में से एक हो सकते हैं।

कार्बन पृथक्करण के लिए तर्क
- जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, जिसमें **ग्लोबल वार्मिंग** को **पूर्व-औद्योगिक स्तरों** से **1.5 डिग्री सेल्सियस** तक सीमित करना शामिल है, **नेट नेगेटिव CO2** हटाने की रणनीतियाँ आवश्यक हैं।
- **पौधों के बायोमास** को **समुद्र तल** पर भेजना **कार्बन भंडारण** के लिए एक आशाजनक तरीका प्रदान करता है, जिससे **अपघटन** के दौरान **वायुमंडल में CO2** और **मीथेन** की रिहाई को रोका जा सकता है।
- एनोक्सिक समुद्री बेसिनों को कार्बन भंडारण के लिए उपयुक्त स्थलों के रूप में पहचाना जाता है।

इष्टतम स्थल: काला सागर
- शोधकर्ताओं ने **बायोमास भंडारण** और **संरक्षण** के लिए उनकी क्षमता का आकलन करते हुए तीन बेसिनों **काला सागर, कैरियाको बेसिन** और **ओर्का बेसिन** की जांच की है ।

- तीन बेसिनों में से, काला सागर अपनी गहराई, अलगाव और चल रही एनोक्सिया के कारण सबसे व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरता है।

एनोक्सिक समुद्री बेसिन

- उन्हें **ऑक्सीजन** की कमी और **मुख्य धाराओं** से अलगाव की विशेषता है।
- अधिकांश अनॉक्सी बेसिनों में, पानी अत्यधिक स्थिर होता है और इसमें कई हजार वर्षों का मिश्रण समय हो सकता है।
- ये **पशु जीवन** का समर्थन नहीं कर सकते हैं और मुख्य रूप से **सूक्ष्मजीवों** और कुछ बहुत **विशिष्ट कवक** द्वारा **ऑक्सीजन युक्त वातावरण** में प्राणियों की तुलना में अलग चयापचय के साथ रहते हैं।
- कई **एनोक्सिक बेसिनों** में **जहरीले रसायन** भी होते हैं, जो **भू-तापीय गतिविधि** या **बेसिन** में रहने वाले सूक्ष्म जीवों द्वारा उत्पन्न होते हैं।
- कुछ में नमक के गुंबद, कठोर नमक के बड़े ढेर भी हैं।
- कुछ एनोक्सिक बेसिनों में, **मीथेन** और **अन्य गैसें समुद्र तल** के नीचे **जलाशयों** में एकत्र होती हैं।
  - गैसें ऊपर की ओर **रिसकर समुद्र तल** पर **तलछट** के **गुंबदों** को ऊपर धकेल सकती हैं जिन्हें मिट्टी के **ज्वालामुखी** कहा जाता है।
  - गैसें सॉफ्ट तलछट के माध्यम से फट सकती हैं, जिससे तलछट से भरे पानी के पतले स्तंभों के "**लघु-विस्फोट**" हो सकते हैं।

एनोक्सिक समुद्री बेसिनों का निर्माण

- **स्थायी एनोक्सिक बेसिन** तब बनते हैं जब **समुद्र तल** पर एक कप जैसी संरचना में **पानी के स्तंभ** की एक मजबूत परत बन जाती है।
- परत नमक की **सघनता** या **तापमान** के कारण **घनत्व** में अंतर के कारण होती है।
- एक बार जब स्तरीकरण होता है, तो शेष **महासागर** के साथ **परिसंचरण** कम हो जाता है और **सूक्ष्मजीव** पानी में **ऑक्सीजन** का उपभोग करते हैं।

155. मणिपुर HC ने मैतेई की ST मांग पर दिए गए आदेश का हिस्सा हटाया - द हिंदू

प्रासंगिकता: सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन - आतंकवाद के साथ संगठित अपराध का संबंध।

प्रीलिम्स टेकअवे
- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग
- मैतेई

समाचार:

- **मणिपुर उच्च न्यायालय** की एक **पीठ** ने अपने **27 मार्च, 2023** के आदेश को संशोधित करते हुए **पैराग्राफ 17(iii)** को हटाने का आदेश दिया।

मुख्य बिंदु

- **अनुच्छेद 17(iii)** ने **मणिपुर सरकार** को निर्देश दिया था कि वह **मैतेई** को **अनुसूचित जनजातियों** की सूची में शामिल करने पर विचार करे।
- ऐसा कहा जाता है कि इस निर्देश ने राज्य में **मैतेई और आदिवासी कुकी-ज़ो समुदायों** के बीच चल रहे जातीय संघर्ष को जन्म दिया है।
- सरकारी रिकॉर्ड बताते हैं कि **वर्ष 1982** और **वर्ष 2001** में **मैतेई** के लिए **ST दर्जे** पर विचार किया गया और खारिज कर दिया गया

ST सूची में शामिल करने की प्रक्रिया

- **राज्य सरकारें जनजातियों** को **ST** की सूची में शामिल करने की सिफारिश करने लगती हैं।
- **राज्य सरकार** की अनुशंसा के बाद **जनजातीय कार्य मंत्रालय** समीक्षा करता है और अनुमोदन के लिए **गृह मंत्रालय** के अधीन **भारत** के **रजिस्ट्रार जनरल** को भेजता है।
- मंजूरी के बाद इसे **राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग** को भेजा जाता है और फिर अंतिम निर्णय के लिए **कैबिनेट** के पास भेजा जाता है।

- एक बार जब **कैबिनेट** इसे अंतिम रूप दे देती है, तो वह **संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950** और **संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश, 1950** में संशोधन करने के लिए संसद में एक विधेयक पेश करती है।
- संशोधन विधेयक **लोकसभा** और **राज्यसभा** दोनों द्वारा पारित होने के बाद, **राष्ट्रपति कार्यालय संविधान** के **अनुच्छेद 341 और 342** के तहत अंतिम निर्णय लेता है।

156. RBI ऑनलाइन ऐप्स के माध्यम से अनधिकृत ऋण के प्रसार को रोके: वित्त मंत्री - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- प्रथम ऋण डिफॉल्ट गारंटी (FLDG)
- GIFT IFSC

समाचार:
- वित्त मंत्री ने भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) सहित वित्तीय क्षेत्र के नियामकों से ऑनलाइन ऐप्स के माध्यम से अनधिकृत ऋण के प्रसार को रोकने के लिए और उपाय करने को कहा।

मुख्य बिंदु
- **वित्त मंत्री** ने **वित्तीय स्थिरता** और **विकास परिषद (FSDC)** की **28वीं बैठक** को संबोधित किया
- दुनिया के प्रमुख **अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों** में से एक बनने के लिए **GIFT IFSC** को उसकी रणनीतिक भूमिका में समर्थन देने के लिए चल रहे अंतर-नियामक मुद्दों पर भी चर्चा की गई।
- इसका उद्देश्य सक्रिय रहना, **निरंतर सतर्कता** के साथ **साइबर सुरक्षा तैयारी** बनाए रखना और **भारतीय वित्तीय प्रणाली** में ऐसी किसी भी कमजोरियों को कम करने के लिए उचित और समय पर कार्रवाई करना है।
- **धोखाधड़ी** वाले **ऋण ऐप्स** ने कई **भोले-भाले उधारकर्ताओं** से उनके पैसे ठग लिए हैं, जिससे कई मामलों में संकट पैदा हुआ है।

प्रथम ऋण डिफॉल्ट गारंटी (FLDG)
- **FLDG** एक **ऋण मॉडल** और **डिजिटल** ऋण देने वाले **ऐप्स** और उनके **भागीदार बैंकों** और **NBFC** के बीच एक **क्रेडिट-साझाकरण** समझौता है।
- इन समझौतों के अनुसार, **डिजिटल ऋण** देने वाले **ऐप्स डिफ़ॉल्ट** के मामले में अपने भागीदारों को एक **निश्चित राशि** तक मुआवजा देने के लिए **क्रेडिट गारंटी** देंगे।
- **बैंक** और **NBFC** जैसी **विनियमित संस्थाएं** इन **फिनटेक** या **डिजिटल ऋण** देने वाले ऐप्स के माध्यम से अपनी **पुस्तक** से ऋण देती हैं।

157. इसरो ने CE20 क्रायोजेनिक इंजन का परीक्षण सफलतापूर्वक किया - द हिंदू/ गगनयान मिशन के लिए क्रायोजेनिक इंजन के परीक्षण में सफलता मिली: इसरो - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- गगनयान मिशन
- क्रायोजेनिक इंजन
- इसरो

समाचार:
- **ग्राउंड क्वालिफिकेशन परीक्षणों** के अंतिम दौर को पूरा करने के साथ **अ**पने **CE20 क्रायोजेनिक इंजन की मानव रेटिंग** में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
- **क्रायोजेनिक इंजन गगनयान मिशन** के लिए **मानव-रेटेड LVM3 लॉन्च वाहन** के **क्रायोजेनिक चरण** को शक्ति प्रदान करता है।

मानव रेटिंग
- **मानव-रेटिंग** से तात्पर्य उस **प्रणाली की रेटिंग** से है जो **मनुष्यों को सुरक्षित** रूप से ले जाने में सक्षम है।
- **मानव रेटिंग मानकों** को पूरा करने के लिए जीवन **प्रदर्शन परीक्षण, सहनशक्ति परीक्षण** और विभिन्न **परिस्थितियों** में **प्रदर्शन मूल्यांकन** सहित कठोर परीक्षण किए गए।

- **CE20 इंजन** को **विभिन्न परिस्थितियों** में **39 हॉट फायरिंग परीक्षणों** से गुजरना पड़ा, कुल मिलाकर **8,810 सेकंड**।
- यह **मानव रेटिंग योग्यता** के लिए **6,350 सेकंड** की **न्यूनतम** आवश्यकता को पार कर गया।

क्रायोजेनिक इंजन

- एक **क्रायोजेनिक इंजन अंतरिक्ष प्रक्षेपण** वाहनों के अंतिम चरण को शक्ति प्रदान करता है जो **क्रायोजेनिक्स** का उपयोग करता है।
  - क्रायोजेनिक्स भारी वस्तुओं को उठाने और अंतरिक्ष में रखने के लिए बेहद कम तापमान (-150°C से नीचे) पर सामग्रियों के उत्पादन और व्यवहार का अध्ययन है।
- यह प्रणोदक के रूप में **तरल ऑक्सीजन (LOx)** और **तरल हाइड्रोजन (LH2)** का उपयोग करता है।
- अब तक केवल छह देशों जैसे **अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, जापान और भारत** के पास ये लॉन्च वाहन हैं।
- **भारत** के सबसे भारी **प्रक्षेपण यान** अर्थात **GSLV** और **GSLV Mk III** प्रक्षेपण यान के ऊपरी चरण में **क्रायोजेनिक ईंधन** का उपयोग करते हैं।

लाभ

- यह अधिक कुशल है और अन्य **प्रणोदक रॉकेट चरणों** की तुलना में जलने वाले **प्रत्येक किलोग्राम प्रणोदक** के लिए अधिक जोर प्रदान करता है।
- **क्रायोजेनिक ऊपरी चरण** का उपयोग **रॉकेट की पेलोड** ले जाने की क्षमता को बढ़ाता है।
- दोनों ईंधन **(LOx और LH2) रॉकेट उद्योग** में उपयोग किए जाने वाले **पर्यावरण-अनुकूल अन्य प्रणोदक** हैं।

नुकसान

- यह **तकनीकी** रूप से **ठोस/पृथ्वी-भंडारण योग्य** तरल **प्रणोदक चरणों** की तुलना में बहुत अधिक जटिल प्रणाली है।
- **अत्यधिक कम तापमान** पर **प्रणोदक** के उपयोग और संबंधित **थर्मल** और **संरचनात्मक** समस्याओं के कारण है ।

158. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष क्षेत्र में 100% FDI को मंजूरी दी - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI)
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI)

समाचार:

- हाल ही में, **केंद्रीय मंत्रिमंडल** ने मौजूदा **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) नीति**, विशेषकर **अंतरिक्ष क्षेत्र** में संशोधन को मंजूरी दे दी।

संशोधन

- संशोधित नीति **अंतरिक्ष क्षेत्र** में **भारतीय कंपनियों** में **निवेश** के लिए संभावित **निवेशकों** को **आकर्षित** करने के लिए अं**तरिक्ष क्षेत्र में 100% FDI** की अनुमति देती है।
- संशोधित नीति की सुविधा का विस्तार करती है
  - **उपग्रह निर्माण** और संचालन, **उपग्रह डेटा उत्पादों** और **ग्राउंड/उपयोगकर्ता खंड** के लिए **स्वचालित मार्ग** के तहत **74%** तक **FDI**
  - **लॉन्च वाहनों** और **संबंधित प्रणालियों/उपप्रणालियों** और **स्पेसपोर्ट** के निर्माण के लिए **स्वचालित मार्ग** के तहत **49%** तक **FDI**
  - **उपग्रहों, ग्राउंड सेगमेंट** और **उपयोगकर्ता सेगमेंट** के लिए **घटकों/प्रणालियों** के निर्माण के लिए **स्वचालित मार्ग** के तहत **100%** तक **FDI** की अनुमति है।

निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के लाभ

- इससे **रोजगार** पैदा होने, **आधुनिक प्रौद्योगिकी समावेशन** को बढ़ावा मिलने और क्षेत्र की **आत्मनिर्भरता** बढ़ने की उम्मीद है।

- इसका उद्देश्य **भारतीय कंपनियों** को **वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं** में एकीकृत करना है, जिससे वे **देश** के भीतर **विनिर्माण सुविधाएं स्थापित** करने में सक्षम हो सकें।

उपग्रहों का विभाजन उप-क्षेत्र

- **उपग्रह उप-क्षेत्र** को **विदेशी निवेश** के लिए परिभाषित सीमाओं के साथ **तीन गतिविधियों** में विभाजित किया गया है।
- मौजूदा **FDI नीति** के अनुसार, **उपग्रहों की स्थापना और संचालन** में केवल **सरकारी अनुमोदन मार्ग** से **विदेशी निवेश** की अनुमति है।

159. पेमेंट बैंक छोटे ऋण देने की हेतु आरबीआई की मंजूरी मांग सकते हैं- द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- चालू खाता और बचत बैंक खाता
- पेमेंट बैंक

समाचार:

- पेमेंट बैंक (PB) **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** से संपर्क कर सकते हैं ताकि उन्हें **छोटे मूल्य** की सावधि और **आवर्ती जमा** लेने की अनुमति मिल सके।

मुख्य बिंदु

- **सावधि जमा** पर **वाणिज्यिक बैंकों** द्वारा दी जा रही **उच्च ब्याज दरों** को देखते हुए कम लागत वाली बचत **बैंक (SB) जमा राशि जुटाना** एक कठिन काम साबित हो रहा है।
- अब, केवल छह पेमेंट बैंक **एयरटेल पेमेंट्स बैंक**, **फिनो पेमेंट्स बैंक**, **इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक**, **जियो पेमेंट्स बैंक, NSDL पेमेंट्स बैंक** और **पेटीएम** पेमेंट बैंक चालू हैं।

जमा के बहिर्प्रवाह को रोकने के लिए FD/RD की आवश्यकता

- **"वाणिज्यिक बैंकों** की **कम लागत** वाली **CASA (चालू खाता, बचत खाता) जमा** में पिछली कुछ **तिमाहियों** में कमी आई है
  - चूँकि ग्राहक सावधि **जमा, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर, म्यूचुअल फंड, इक्विटी** आदि में निवेश पसंद करते हैं।
  - जो बेहतर रिटर्न प्रदान करते हैं इस स्थिति को देखते हुए, ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे **पेमेंट बैंक अपने बचत बैंक (SB)** जमा में गिरावट को रोक सकें।
- इसलिए, जमा के बहिर्प्रवाह को रोकने का एकमात्र तरीका **FD** और **आवर्ती जमा (RD)** की पेशकश करने की अनुमति देना है।

अप द कैप

- ये बैंक केवल प्रति व्यक्तिगत **ग्राहक ₹2 लाख** की अधिकतम **शेष राशि के साथ डिमांड जमा** (चालू खाता और **बचत बैंक खाता/CASA)** स्वीकार कर सकते हैं।
- वे **ऋण** देने की गतिविधियाँ नहीं कर सकते हैं, लेकिन **म्यूचुअल फंड इकाइयों** और **बीमा उत्पादों** आदि जैसे **वित्तीय उत्पादों** का वितरण कर सकते हैं
  - और दूसरे बैंक के व्यवसाय संवाददाता के रूप में कार्य करें।

160. कैबिनेट ने बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (FMBAP) के विस्तार को मंजूरी दी - पीआईबी

प्रासंगिकता: आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम
- नदी प्रबंधन और सीमा क्षेत्र

समाचार:

- 'हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **"बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (FMBAP)**" के विस्तार को मंजूरी दे दी है।
- **वर्ष 2021-22** से **वर्ष 2025-26** तक **5 वर्षों** की अवधि में कुल **बजट 4,100 करोड़ रुपये** को मंजूरी दे दी है।

बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम के बारे में मुख्य बिंदु:

- यह पहल **केंद्र प्रायोजित योजना** के रूप में संचालित होती है।

इसमें **दो मुख्य घटक** शामिल हैं:

- **बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम (FMP):**

- इसमें बाढ़ नियंत्रण, **कटाव-रोधी उपायों, जल निकासी विकास** और **समुद्र-कटाव-रोधी** प्रयासों से संबंधित **महत्वपूर्ण परियोजनाओं** के लिए **राज्य सरकारों** को **केंद्रीय** सहायता शामिल है।

- **नदी प्रबंधन और सीमा क्षेत्र (RMBA):**
  - यह पहलू **पड़ोसी देशों** के साथ **साझा सीमा वाली नदियों** पर बाढ़ **नियंत्रण** और **कटाव-रोधी पहल** पर केंद्रित है।
  - इसमें **हाइड्रोलॉजिकल** अवलोकन, बाढ़ का पूर्वानुमान और **पड़ोसी देशों** के साथ **संयुक्त जल संसाधन परियोजनाओं** की **जांच** और **निर्माण-पूर्व चरणों** से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।
  - **केंद्र सरकार** इस घटक के लिए **100%** सहायता प्रदान करती है।

वित्त पोषण संरचना:

- **राज्य श्रेणी** के आधार पर **वित्त पोषण पैटर्न** अलग-अलग होता है।
- **विशेष श्रेणी** के **राज्यों** को **90% (केंद्र)** से **10% (राज्य)** के अनुपात में धन मिलता है।
- **सामान्य/गैर-विशेष श्रेणी** के राज्य **60% (केंद्र) से 40% (राज्य) वित्त पोषण पैटर्न** का पालन करते हैं।
- **RMBA** घटक न केवल **बाढ़ और कटाव** के मुद्दों को संबोधित करता है बल्कि **सीमावर्ती नदियों के किनारे सुरक्षा एजेंसियों और सीमा चौकियों** की महत्वपूर्ण स्थापनाओं की सुरक्षा भी करता है।
- इस योजना में **बाढ़ प्रबंधन** के लिए एक प्रभावी **गैर-संरचनात्मक उपाय** के रूप में मान्यता प्राप्त बाढ़ **मैदान ज़ोनिंग** को लागू करने वाले **राज्यों** को **प्रोत्साहित** करने के प्रावधान शामिल हैं।

महत्व:

- **जलवायु परिवर्तन** के प्रत्याशित प्रभाव के कारण हाल के वर्षों में **चरम मौसम** की **घटनाओं** की **आवृत्ति** और **तीव्रता में वृद्धि** के लिए इस **कार्यक्रम** की मंजूरी महत्वपूर्ण है।
- **स्थिति** और **खराब** होने की आशंका है, जिससे बाढ़ की **सीमा, तीव्रता और आवृत्ति** के संदर्भ में **प्रबंधन** में **चुनौतियां** बढ़ जाएंगी।''

161. ICRISAT ने 'दुनिया का पहला' अरहर स्पीड ब्रीडिंग प्रोटोकॉल शुरू किया - डाउन टू अर्थ

प्रासंगिकता: देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसल-फसल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधित बाधाएं; किसानों की सहायता में ई-प्रौद्योगिकी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पीली क्रांति
- अरहर

समाचार:

- एक नए तेजी से **ब्रीडिंग प्रोटोकॉल** से **वैज्ञानिकों** के लिए **तेज गति से फसल** की **बेहतर गुणवत्ता** वाली **किस्मों** को **विकसित** करना आसान हो जाएगा।

अरहर दाल

- **अरहर**, जिसे भारत में **तुअर** के नाम से जाना जाता है, एक महत्वपूर्ण **फलियां वाली फसल** और **प्रोटीन** से भरपूर आहार है, जिसे आम तौर पर दाल के रूप में खाया जाता है।
- मुख्य रूप से **भारत** के **अर्ध-शुष्क क्षेत्रों** में खेती की जाती है, यह **उष्णकटिबंधीय जलवायु** में **पनपती** है और **वर्षा, तापमान और मिट्टी** की स्थिति के लिए विशिष्ट आवश्यकताओं को प्रदर्शित करती है।
- **जलवायु परिस्थितियों** के संदर्भ में, **अरहर** के लिए **600-650 मिमी वार्षिक वर्षा** की आवश्यकता होती है ।
  - शुरुआती **आठ हफ्तों** के दौरान **नमी की स्थिति** और **फूल आने और फली** के विकास के दौरान **शुष्क स्थिति** के साथ।
- **तापमान** के लिहाज से, यह **बरसात** के **मौसम** में **26°C से 30°C** और **बरसात** के बाद के **मौसम** (नवंबर से मार्च) में **17°C से 22°C** के बीच पनप सकता है।
- विभिन्न प्रकार की मिट्टी के अनुकूल होने के बावजूद, **रेतीली दोमट या दोमट मिट्टी खेती** के लिए सबसे उपयुक्त मानी जाती है।
- **अरहर फली** के विकास के दौरान कम **विकिरण** के **प्रति विशेष रूप से संवेदनशील** है, जिसके परिणामस्वरूप **मानसून और बादल वाले मौसम में फली** का **निर्माण** इष्टतम स्तर से कम होता है।

- अक्सर **विभिन्न प्रकार की फसलों के साथ अंतरफसल उगाई जाती है,** ऐसा अनुमान है कि **भारत** में **अरहर** की **80-90%** खेती में अंतरफसल शामिल होती है।
- इसके कृषि महत्व के बावजूद, **अरहर को विल्ट, स्टेरिलिटी मोज़ेक रोग, फाइटोफ्थोरा ब्लाइट, अल्टरनेरिया ब्लाइट और पाउडरी मिल्ड्यू** जैसी बीमारियों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- विशेष रूप से, इसके विस्तारित **विकास चक्र** और **दिन की लंबाई** के प्रति **संवेदनशीलता** ने **ब्रीडिंग प्रयासों** में बाधा उत्पन्न की है, जिसके कारण **छह दशकों में वैश्विक स्तर** पर केवल लगभग **250 किस्में** ही जारी की जा सकी हैं।
- सकारात्मक बात यह है कि कम **ग्लाइसेमिक इंडेक्स** के कारण **अरहर** कई **स्वास्थ्य लाभ प्रदान** करती है
- यह **थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन, विटामिन B-6, फोलेट, विटामिन A, कैल्शियम, जिंक, आयरन, मैग्नीशियम** और **फॉस्फोरस** से भरपूर होता है।
- **भारत** में **प्रमुख अरहर उत्पादक** राज्यों में **उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड** शामिल हैं।

162. कोयला बिजली स्वीकृतियां बढ़ने से चीन के जलवायु लक्ष्य खतरे में- द हिंदू

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

प्रीलिम्स टेकअवे
- IPCC
- गैर-जीवाश्म ईंधन

समाचार:

- **चीन** ने **वर्ष 2023** में **114 गीगावाट (GW) कोयला बिजली क्षमता** को मंजूरी दी, जो **एक साल पहले** से **10% अधिक** है, दुनिया के शीर्ष **कार्बन प्रदूषक** के साथ अब दर्जनों **नए संयंत्रों** को मंजूरी देने के बाद **जलवायु लक्ष्यों** से कम होने का खतरा है।

मुख्य बिंदु

- **चीन** ने **कोयले** से चलने वाली **नई उत्पादन** क्षमता को "**सख्ती से नियंत्रित**" करने का वादा किया है, और **रिकॉर्ड संख्या** में **नए पवन** और **सौर संयंत्रों** को अपने **ग्रिड** से भी जोड़ा है।
- लेकिन **वर्ष 2021** में बिजली की कमी की लहर के बाद, **चीन ने भी कोयला बिजली** में उछाल की अनुमति दी, जो उसके ऊर्जा परिवर्तन को धीमा कर सकता है
  - अमेरिकी थिंक टैंक ग्लोबल एनर्जी मॉनिटर (GEM) और हेलसिंकी स्थित सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) के विश्लेषण के अनुसार।
- **वर्ष 2025 कार्बन** और **ऊर्जा तीव्रता लक्ष्यों** को पूरा करने के लिए अब **"कठोर कार्रवाई"** की आवश्यकता है, और **चीन वर्ष 2025 तक अपने कुल ऊर्जा मिश्रण** में **गैर-जीवाश्म ईंधन** की हिस्सेदारी को **20%** तक बढ़ाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भी संघर्ष कर सकता है।
- चीन के CO2 उत्सर्जन में **वर्ष 2023** में अनुमानित **5.2%** की **वृद्धि** हुई, और **वर्ष 2020** के बाद से **12%** की वृद्धि हुई है, **CREA** के प्रमुख विश्लेषक **लॉरी मायलीविर्टा** ने **कार्बन ब्रीफ** द्वारा प्रकाशित एक अलग नोट में लिखा है

1.5 डिग्री सेल्सियस वार्मिंग लक्ष्य की पृष्ठभूमि?

- **पेरिस समझौते** का लक्ष्य इस सदी के अंत तक **तापमान वृद्धि** को **2 डिग्री सेल्सियस त**क सीमित करना है।
- यह लक्ष्य महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन याद रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं।
- **2 डिग्री सेल्सियस** का लक्ष्य सख्त **वैज्ञानिक प्रमाणों** के **आधार** पर निर्धारित नहीं किया गया था।
- इसके बजाय, इसे शुरुआत में **वर्ष 1970** के दशक में **विलियम नॉर्डहॉस** नामक एक **अर्थशास्त्री** द्वारा प्रस्तावित किया गया था।
- **छोटे द्वीप राज्यों** के **गठबंधन** ने लक्ष्य को **1.5 डिग्री सेल्सियस** तक कम करने पर जोर दिया, जिससे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भविष्य के परिदृश्यों में और सुधार किया जा सके।

- जलवायु परिवर्तन पर अग्रणी वैज्ञानिक निकाय, **इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC)** के अनुसार, यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है, तो **वर्ष 2030-2052** तक दुनिया में **1.5 डिग्री सेल्सियस** तक तापमान बढ़ने की संभावना है।
- इसके अलावा, **1.5 डिग्री सेल्सियस** बनाम **2 डिग्री सेल्सियस वार्मिंग** के बीच प्रभावों के अंतर पर **IPCC** की **विशेष रिपोर्ट** से पता चलता है कि उष्णकटिबंधीय देश
  - जैसे कि भारत में **जलवायु परिवर्तन** के कारण **आर्थिक विकास** पर सबसे बड़ा प्रभाव पड़ने का अनुमान है।

163. आदित्य-L1 ने सौर ऊर्जा पर कोरोनल मास इजेक्शन के प्रभाव का पता लगाया : द हिंदू - इसरो

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- आदित्य L1 मिशन
- PAPA पेलोड
- कोरोनल मास इजेक्शन)CMEs)

समाचार:
- हाल ही में, **इसरो** ने **आदित्य-L1 उपग्रह पर आदित्य (PAPA) पेलोड** के लिए **प्लाज्मा विश्लेषक पैकेज** की परिचालन स्थिति की घोषणा की है।
- **PAPA पेलोड** को विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र **(VSSC)/ISRO** की **अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला** और **एवियोनिक्स इकाई** द्वारा विकसित किया गया है।

PAPA पेलोड की मुख्य विशेषताएं
- **PAPA** एक **ऊर्जा** और **द्रव्यमान विश्लेषक** है जिसे कम **ऊर्जा सीमा** में **सौर पवन इलेक्ट्रॉनों और आयनों** के **इन-सीटू माप** के लिए **डिज़ाइन** किया गया है।
- इसमें **दो सेंसर** शामिल हैं जैसे **सोलर विंड इलेक्ट्रॉन एनर्जी प्रोब (स्वीप)** और **सोलर विंड आयन कंपोजिशन एनालाइजर (SWICAR)**।
  - ये सौर घटनाओं के व्यापक अवलोकन की सुविधा प्रदान करते हैं।
- **सेंसर सौर पवन कणों** के आगमन की दिशा का भी पता लगाते हैं जिससे **सौर पवन गतिशीलता** की समग्र समझ सक्षम होती है।

परिचालन स्थिति एवं उपलब्धियाँ
- **PAPA 12 दिसंबर, 2023** से चालू है, और **नाममात्र** का प्रदर्शन कर रहा है।
- इसके **उन्नत सेंसरों** ने **कोरोनल मास इजेक्शन (CMEs)** के प्रभाव का सफलतापूर्वक पता लगाया, जिसमें **10-11 फरवरी, 2024** में होने वाले प्रभाव भी शामिल हैं।
- सेंसर लगातार **सौर पवन इलेक्ट्रॉनों** और आयनों का निरीक्षण कर रहे हैं, जो **अंतरिक्ष मौसम** की स्थिति की **निगरानी** में **प्रभावशीलता** का प्रदर्शन कर रहे हैं।
- **पेलोड** का **प्रदर्शन** सभी **परिचालन मोड** में इसके **डिजाइन** के साथ **संरेखित** होता है, जो **सौर घटनाओं** का **विश्लेषण** करने की इसकी क्षमता को प्रदर्शित करता है।

164. अमेरिका का रोबोटिक स्पेसक्राफ़्ट लैंडर ओडीसियस चंद्रमा की सतह पर उतरा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ओडीसियस
- वाणिज्यिक चंद्र पेलोड सेवा कार्यक्रम)CLPS)

समाचार:
- आखिरी सफल अ**पोलो मिशन** के 52 साल बाद, अमेरिका निर्मित अंतरिक्ष यान, **ओडीसियस**, 23 फरवरी को **चंद्रमा** पर उतरा।
- इसने चंद्रमा की सतह पर निजी **अंतरिक्ष कंपनियों** के **आगमन** को चिह्नित किया।

मिशन विवरण

- **इंटुएटिव मशीन्स** द्वारा विकसित **ओडीसियस** ने **स्पेसएक्स** के **फाल्कन 9 रॉकेट** पर **नासा** के **छह पेलोड** लेकर **चंद्रमा** पर उड़ान भरी।
- अंतरिक्ष यान नासा के छह पेलोड चंद्रमा पर ले गया।
- **लैंडर मॉड्यूल, नोवा-सी,** पिछले साल **चंद्रयान -3** के बाद **चंद्रमा** के **दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र** में उतरने वाला **दूसरा मॉड्यूल** बन गया।
- **वित्त पोषण**: इस मिशन के लिए, **NASA** ने **कमर्शियल लूनर पेलोड सर्विसेज (CLPS)** प्रोग्राम के तहत **इंटुएटिव मशीनों** को **$118m** का भुगतान किया।

इसे ओडीसियस क्यों कहा जाता है?

- मिशन की प्रभारी **कंपनी**, **ह्यूस्टन** की **इंटुएटिव मशीन्स** के **कर्मचारियों** के बीच एक प्रतियोगिता के बाद इसका नाम **ओडीसियस** रखा गया।
- यह नाम प्राचीन ग्रीक महाकाव्य "**ओडिसी**" के नायक की यात्रा से प्रेरित है।
- **ओडिसी** की यात्रा **चंद्र मिशन की लंबी** और चुनौतीपूर्ण प्रकृति के **सादृश्य** के रूप में कार्य करती है।

मिशन का महत्व

- यह **चंद्र अन्वेषण** में एक नए चरण का प्रतीक है जो **दीर्घकालिक मानव उपस्थिति** का समर्थन करने के लिए बुनियादी ढांचे और **प्रौद्योगिकी** की स्थापना पर केंद्रित है।
- इसका उद्देश्य **चंद्र संसाधनों** के **दोहन** और **सतत अन्वेषण** को बढ़ावा देने के लिए आधार तैयार करना है।
  - यह पिछली **लूनर लैंडिंग** के विपरीत है, जो मुख्य रूप से वैज्ञानिक प्रयास थे।
- यह जानकारी मौजूद पानी की मात्रा और इस महत्वपूर्ण संसाधन की पहुंच जैसे **कारकों का मूल्यांकन करने में मदद करेगी।**
- यह महत्वपूर्ण है क्योंकि **नासा सितंबर 2026** में **आर्टेमिस III** के साथ एक **क्रू मिशन** भेजने की तैयारी कर रहा है।

वाणिज्यिक चंद्र पेलोड सेवा कार्यक्रम (CLPS)

- **CLPS** के तहत, अब तक, कम से कम **14 निजी कंपनियों** को **नासा** के **पेलोड को चंद्रमा** तक ले जाने के लिए अनुबंधित किया गया है।
- **उद्देश्य:** चंद्रमा अन्वेषण की विज्ञान और प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं के संबंध में निजी अंतरिक्ष उद्योग में बाजार और प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना।

165. वैज्ञानिकों को पॉज़िट्रोनियम के लेजर कूलिंग अनुसंधान में सफलता मिली - द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और रोजमर्रा की जिंदगी में उनके अनुप्रयोग और प्रभाव।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पॉज़िट्रोनियम
- AEgIS पहल

समाचार:

- **एंटी-हाइड्रोजन एक्सपेरिमेंट ग्रेविटी, इंटरफेरोमेट्री, स्पेक्ट्रोस्कोपी (AEgIS)** के शोधकर्ताओं के एक **अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने पॉज़िट्रोनियम** के **लेजर कूलिंग** का सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

पॉज़िट्रोनियम

- यह एक **मौलिक परमाणु** है जो एक **इलेक्ट्रॉन (e-)** और एक **पॉज़िट्रॉन (e+)** से बना है, दोनों लेप्टान हैं जो **विद्युत चुम्बकीय** और कमजोर **बलों** के माध्यम से परस्पर क्रिया करते हैं।
- बहुत ही कम जीवन के साथ, यह **142 नैनोसेकंड** के **आधे जीवन** के साथ नष्ट हो जाता है।
- इसे शुद्ध **लेप्टोनिक परमाणु** माना जाता है।
  - **सामान्य परमाणुओं** के विपरीत, जिनमें **बेरिऑन** और **लेप्टान** का मिश्रण होता है, **पॉज़िट्रोनियम** में केवल **इलेक्ट्रॉन** और **पॉज़िट्रॉन** होते हैं।
- इसकी **हाइड्रोजन** जैसी **प्रणाली**, **उत्तेजना** के लिए आधी **आवृत्तियों** के साथ, इसे **लेजर कूलिंग** का प्रयास करने और **मौलिक भौतिकी सिद्धांतों** के **परीक्षण** करने के लिए एक **आदर्श उम्मीदवार** बनाती है।

AEgIS पहल

- **AEgIS** प्रयोग को औपचारिक रूप से **वर्ष 2008** में **CERN** द्वारा स्वीकार किया गया था, निर्माण और कमीशनिंग **वर्ष 2012-2016** तक जारी रही।
- इसमें 19 यूरोपीय समूहों और एक भारतीय समूह के भौतिक विज्ञानी शामिल हैं।

- **बेंगलुरु** में **रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (RRI)** के **प्रोफेसर सादिक रंगवाला भारतीय प्रयास** का नेतृत्व कर रहे हैं।
- यह प्रयोग स्विट्जरलैंड के जिनेवा में **यूरोपीय परमाणु अनुसंधान संगठन (CERN) में आयोजित किया गया था।**
- **महत्व:** AEgIS प्रयोग में एंटी-हाइड्रोजन के निर्माण और एंटीहाइड्रोजन पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण त्वरण के मापन के लिए एक महत्वपूर्ण अग्रदूत के रूप में कार्य करता है।

उपलब्धियों

- AEgIS टीम ने **पॉज़िट्रोनियम परमाणुओं** को **~380 केल्विन से ~170 केल्विन** तक सफलतापूर्वक ठंडा किया।
- एक **आयाम** में **शीतलन** प्रदर्शित करने के लिए **अलेक्जेंड्राइट**-आधारित **लेजर प्रणाली** की **70-नैनोसेकंड** पल्स का उपयोग किया गया था।
- तैनात **लेजर** या तो **गहरे पराबैंगनी** या **अवरक्त आवृत्ति बैंड** में थे।

भविष्य के निहितार्थ

- **पॉज़िट्रोनियम** जैसे **एंटी-परमाणुओं** की **लेजर कूलिंग** और उनकी **स्पेक्ट्रोस्कोपिक** तुलना **क्वांटम इलेक्ट्रोडायनेमिक्स (QED)** के लिए महत्वपूर्ण परीक्षण हैं।
- यह उपलब्धि **बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट** जैसी **विदेशी बहु-कण प्रणाली** बनाने के लिए दरवाजे खोलती है।

166. WTO बैठक: भारत खाद्य सुरक्षा का स्थायी समाधान चाहता है - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- संयुक्त समर्थन पहल
- सार्वजनिक स्टॉक-होल्डिंग

समाचार:

- **भारत चीन** के नेतृत्व वाले **निवेश सुविधा समझौते** के प्रस्ताव का कड़ा विरोध करेगा

मुख्य बिंदु

- भारत **WTO मंत्रिस्तरीय बैठक** में **खाद्य सुरक्षा** और **मछुआरों** के हितों की सुरक्षा के लिए अनाज के **सार्वजनिक भंडारण** का स्थायी समाधान खोजने पर जोर दे रहा है।

खाद्य सुरक्षा के मुद्दे

- **सार्वजनिक स्टॉक-होल्डिंग (PSH)** कार्यक्रम एक **नीति उपकरण** है जिसके तहत **सरकार किसानों** से **MSP** पर **चावल और गेहूं** जैसी फसलें खरीदती है।
- गरीबों को खाद्यान्न का भंडारण और वितरण करता है।
- भारत अपनी बड़ी, कमज़ोर आबादी के लिए **PSH** की आवश्यकता पर बल देता है और **MC13** से स्थायी समाधान चाहता है।
- **MSP** आम तौर पर प्रचलित बाजार दरों से अधिक है और **800 मिलियन** से अधिक लाभार्थियों के लिए **खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित** करने के लिए इन्हें कम कीमत पर बेचता है।
- हालाँकि, कृषि पर **WTO** का समझौता **MSP** पर भोजन खरीदने की सरकार की क्षमता को सीमित करता है।
- **वैश्विक व्यापार मानदंडों** के तहत, **WTO सदस्य देश** के **खाद्य सब्सिडी बिल** को **वर्ष 1986-88** के संदर्भ मूल्य के आधार पर उत्पादन के मूल्य के **10 प्रतिशत** की सीमा का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।
- समाधान के हिस्से के रूप में, **भारत ने खाद्य सब्सिडी सीमा** की गणना के लिए फॉर्मूले में संशोधन जैसे उपाय करने को कहा है।
- विकसित देशों का मानना है कि ऐसे कार्यक्रम खाद्यान्न की वैश्विक व्यापार कीमतों को विकृत करते हैं।
- **संयुक्त समर्थन पहल (JSIs)** या **बहुपक्षीय समझौते** भारत कुछ देशों के लिए बढ़ाए जा रहे इस कदम का विरोध करता है।

167. प्रधानमंत्री ने 'दुनिया की सबसे बड़ी कृषि भंडारण योजना' लॉन्च की - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसल-फसल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधित बाधाएं; किसानों की सहायता में ई-प्रौद्योगिकी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- सहकार से समृद्धि
- सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना

समाचार:

- प्रधान मंत्री ने **"सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना"** स्थापित करने की योजना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- सबसे बड़ी **अनाज भंडारण योजना** के तहत 1**1 राज्यों** में **11 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS)** में शुरू की जा रही एक पायलट परियोजना का उद्घाटन
- इससे किसान अपनी उपज का भंडारण कर सकेंगे और अपनी जरूरत के हिसाब से सही समय पर बेच सकेंगे।
- इससे उन्हें बैंकों से ऋण लेने में भी मदद मिलेगी।
- इसके अलावा, उन्होंने देश भर में **18,000 पैक्स** में **कम्प्यूटरीकरण**, खेती को **अत्याधुनिक तकनीक** से जोड़ने और पूरी तरह से **डिजिटल भुगतान** पर स्विच करने के लिए एक परियोजना का उद्घाटन किया।
- **सहकार से समृद्धि** (सहकारिता के माध्यम से समृद्धि) का **दृष्टिकोण सहकारी क्षेत्र** को फिर से जीवंत करना और छोटे और सीमांत किसानों को सशक्त बनाना है।
- उनकी **सरकार** ने **सहकारी समितियों** पर **न्यूनतम वैकल्पिक** कर कम कर दिया था -
  - इसे कॉर्पोरेट क्षेत्र के बराबर लाया गया और 3 करोड़ रुपये से अधिक की आय पर स्रोत पर कर कटौती के स्लैब को बढ़ाया गया
- **नई भंडारण योजना** का लक्ष्य **सहकारी समितियों** के माध्यम से अगले पांच वर्षों में **700 लाख टन** की अतिरिक्त क्षमता जोड़ना है, जो वास्तव में मौजूदा क्षमता को दोगुना कर देगा।
- एक पूर्ण सहयोग मंत्रालय का निर्माण और नव-पंजीकृत राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड के माध्यम से सरकारी खाते पर गैर-बासमती चावल और चीनी निर्यात का मार्ग -
  - यह दर्शाता है कि सरकार सहकारी समितियों को कितना महत्व दे रही है।

168. केंद्र ने प्रमुख उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़े जारी किये - द हिंदू/घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण: भारतीय दूध, फल और सब्जियों पर अधिक खर्च कर रहे हैं - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (HCES)
- एंजेल वक्र परिकल्पना

समाचार:

- हाल ही में, **सरकार** ने **अगस्त 2022** और **जुलाई 2023** के बीच आयोजित **अखिल भारतीय घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण** के निष्कर्ष जारी किए।
- GDP**, गरीबी स्तर** और **उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति (CPI)** सहित महत्वपूर्ण **आर्थिक संकेतकों** की समीक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा ।

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (HCES)

- **घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (HCES**) आमतौर पर हर **पांच साल** में **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)** द्वारा आयोजित किया जाता है।
- इसे देश भर के **शहरी और ग्रामीण** दोनों घरों के उपभोग व्यय पैटर्न पर जानकारी एकत्र करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इस अभ्यास में एकत्र किए गए आंकड़ों से **वस्तुओं (खाद्य और गैर-खाद्य)** और **सेवाओं** पर औसत व्यय का पता चलता है।
- हालाँकि,**वर्ष 2017-18** में किए गए पिछले **सर्वेक्षण** के **निष्कर्ष** उद्धृत "डे**टा गुणवत्ता"** मुद्दों के कारण कभी जारी नहीं किए गए थे।

सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष

1. औसत MPCE

- वर्ष 2011-12 के बाद से औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (MPCE) शहरी परिवारों में 33.5% (₹3,510) और ग्रामीण भारत में 40.42% (₹2,008) तक बढ़ गया।
- MPCE संख्याओं में सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मुफ्त में मिलने वाली चीज़ों का अनुमानित मूल्य शामिल नहीं है।
- हालाँकि, इसमें ऐसी योजनाओं के माध्यम से प्राप्त कुछ गैर-खाद्य वस्तुएं शामिल थीं, जिनमें कंप्यूटर, मोबाइल फोन, साइकिल और कपड़े शामिल थे।
- मुफ्त वस्तुओं की अनुमानित लागत जोड़ने पर, औसत मासिक उपभोग व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 3,860 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6,521 रुपये था।

2. ग्रामीण और शहरी परिवारों के बीच औसत MPCE

- ग्रामीण और शहरी परिवारों के बीच औसत MPCE में अंतर वर्ष 2011-12 में 83.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2022-23 में कम होकर 71.2 प्रतिशत हो गया है।
- इससे पता चलता है कि 11 साल की अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोग व्यय शहरी उपभोग व्यय से अधिक बढ़ गया है।

3. भोजन पर व्यय का हिस्सा

- ग्रामीण परिवारों में भोजन पर खर्च का अनुपात वर्ष 2011-12 में 52.9% से घटकर 46.4% हो गया है।
- शहरी परिवारों ने अपने कुल मासिक व्यय का केवल 39.2% भोजन पर खर्च किया, जबकि 11 साल पहले यह 42.6% था।
- यह कटौती देश की रिटेल मुद्रास्फीति गणना में खाद्य कीमतों के लिए कम महत्व में तब्दील हो सकती है।

भोजन की संरचना में परिवर्तन

- अनाज और दालों पर खर्च कम हुआ है जबकि दूध, फल और सब्जियों पर खर्च बढ़ा है।
- ग्रामीण और शहरी उपभोक्ता पहली बार अनाज की तुलना में फलों और सब्जियों पर अधिक खर्च कर रहे हैं।

पशु प्रोटीन और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता

- दालों जैसे पादप प्रोटीन की तुलना में अंडे, मछली और मांस जैसे पशु प्रोटीन को प्राथमिकता दी जा रही है।
- उपभोक्ता अपने खर्च का एक बड़ा हिस्सा प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों और खरीदे गए पके हुए भोजन पर आवंटित कर रहे हैं।

एंजेल वक्र परिकल्पना

- देखे गए रुझान एंगेल कर्व परिकल्पना के अनुरूप हैं।
- इसमें मोटे तौर पर कहा गया है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, परिवार भोजन पर एक छोटा हिस्सा खर्च करते हैं।
- भोजन में भी, वे "श्रेष्ठ" वस्तुएँ अधिक और "निम्न" वस्तुएँ कम खरीदेंगे।

4. गैर-खाद्य वस्तुओं पर उपभोग व्यय

- वर्ष 2011-12 की तुलना में वर्ष 2022-23 में ग्रामीण भारत (54%) और शहरी भारत (61%) दोनों में गैर-खाद्य वस्तुओं पर उपभोग व्यय में वृद्धि हुई।
- खर्च का एक बड़ा हिस्सा अब शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन तथा उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं और सेवाओं पर भी खर्च किया जा रहा है।
- जैसे-जैसे घरेलू आय बढ़ती है और आवश्यक वस्तुओं पर खर्च घटता है, विवेकाधीन खर्च और बढ़ेगा।

5. आय असमानता

- ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी के निचले 5% की MPCE शीर्ष 5% की तुलना में काफी कम थी, जो आय असमानता को दर्शाता है।
- ग्रामीण आबादी के शीर्ष 5 प्रतिशत का MPCE इसके निचले 5 प्रतिशत से 7.65 गुना अधिक है
- शहरी आबादी के शीर्ष 5 प्रतिशत का MPCE उसके निचले 5 प्रतिशत से 10 गुना अधिक है।

6. राज्यों के बीच तुलना

- सिक्किम में ग्रामीण (₹7,731) और शहरी क्षेत्रों (₹12,105) दोनों के लिए उच्चतम MPCE था।
- यह छत्तीसगढ़ में सबसे कम है, जहां ग्रामीण परिवारों के लिए यह ₹2,466 और शहरी परिवारों के लिए ₹4,483 था।

नीति क्रियान्वयन

- HCES डेटा दूध, मछली, पोल्ट्री उत्पाद, फल और सब्जियों जैसी वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को इंगित करता है।
- फल, सब्जियां, पशुधन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, मुख्य रूप से बाजार के नेतृत्व में।
  - यह अनाज और गैर-बागवानी फसलों की धीमी वृद्धि के विपरीत है।
- MSP की मांग मुख्य रूप से MSP के अंतर्गत नहीं आने वाली फसलों के किसानों की ओर से है, जो HCES डेटा में परिलक्षित मांग के रुझान के साथ नीति को संरेखित करने के महत्व पर प्रकाश डालती है।

169. RBI ने NPCI से TPAP के लिए पेटीएम के अनुरोध पर विचार करने को कहा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

समाचार:

प्रीलिम्स टेकअवे

- TPAP
- NPCI

- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** ने **नेशनल पेमेंट काउंसिल ऑफ इंडिया (NPCI)** से **One97 कम्युनिकेशंस (OCL)** के अनुरोध की जांच करने को कहा है।
- **OCL Paytm** का मालिक है, और उसने **Paytm एप्लिकेशन** के निरंतर **एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस** संचालन के लिए **थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रदाता (TPAP)** बनने का अनुरोध किया है।

मुख्य बिंदु

- ग्राहकों को **UPI-आधारित भुगतान** लेनदेन प्रदान करने के लिए **TPAP** अनुमोदन अनिवार्य है।
- वर्तमान में, **Paytm ऐप** पर सभी **UPI लेनदेन OC**L की सहयोगी कंपनी **Paytm पेमेंट्स बैंक (PPBL)** के माध्यम से किए जा रहे हैं, जो **TPAP** के रूप में पंजीकृत है।
- चूंकि **RBI** ने **PPBL** को **15 मार्च 2024** तक अपना परिचालन बंद करने के लिए कहा है, इसलिए **UPI** भुगतान सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होने के लिए **Paytm ऐप** के लिए कोई **TPAP** पंजीकरण नहीं होगा।

TPAP क्या है?

- **थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन** प्रदाता एक इकाई है जो अंतिम-**उपयोगकर्ता ग्राहकों** को **UPI -आधारित** भुगतान लेनदेन की सुविधा के लिए **UPI** अनुरूप ऐप प्रदान करता है।
- ये **एप्लिकेशन मोबाइल वॉलेट**, **मर्चेंट ऐप या कोई अन्य प्लेटफ़ॉर्म** हो सकते हैं जो भुगतान के लिए **UPI** का उपयोग करते हैं।
- NPCI, **भारत** में **रिटेल भुगतान** और **निपटान प्रणालियों** के संचालन के लिए **प्रमुख संगठन, UP**I **प्लेटफॉर्म** का मालिक है और इसका संचालन करता है।
- TPAP NPCI द्वारा प्रदान किए गए **UPI** बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हैं और लेनदेन की सुविधा के लिए **भुगतान सेवा प्रदाताओं (PSP)** और **बैंकों** के साथ काम करते हैं।
- वे यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि उनके एप्लिकेशन NPCI द्वारा निर्धारित सुरक्षा मानकों और अनुपालन दिशानिर्देशों का पालन करते हैं।

यदि OCL को TPAP अनुमोदन मिल जाता है तो क्या होगा?

- **पेटीएम** के लिए, ग्राहकों को **UPI -आधारित भुगतान लेनदेन** सुविधा प्रदान करना जारी रखने के लिए **NPCI से TPAP अनुमोदन** आवश्यक है।
- नियामक ने कहा कि OCL को तब तक नए उपयोगकर्ता जोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि सभी मौजूदा उपयोगकर्ता संतोषजनक तरीके से नए स्टॉक पर स्थानांतरित नहीं हो जाते।
- **NPCI** नियमों के अनुसार, बड़े **TPAP** को अनिवार्य रूप से केवल **मल्टीबैंक मॉडल** के माध्यम से **UPI** में भाग लेना होता है।

कितने TPAP हैं?

- वर्तमान में, **22 NPCI-अनुमोदित तृतीय पक्ष यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI)** ऐप हैं जिनका उपयोग **UPI आईडी** का उपयोग करके अन्य **UPI** उपयोगकर्ताओं से पैसे भेजने और प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।
- इनमें अमेज़न पे, गूगल पे, ग्रो, ज्यूपिटर मनी, मोबिक्विक, फोनपे, सैमसंग पे, टाटान्यू और व्हाट्सएप शामिल हैं।

170. प्रधानमंत्री ने 3 अंतरिक्ष परियोजनाओं का उद्घाटन किया -द हिंदू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- PSLV
- इसरो

समाचार:

- प्रधानमंत्री **गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान** कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करेंगे और **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)** की तीन सुविधाएं समर्पित करेंगे।

मुख्य बिंदु

- **गगनयान,** जिसके **वर्ष 2025** में लॉन्च होने की उम्मीद है, अं**तरिक्ष यात्रियों** को **कक्षा** में भेजकर और उन्हें **सुरक्षित रूप** से **पृथ्वी** पर वापस लाकर **मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता** के प्रदर्शन की परिकल्पना करता है।
- **पीएम करेंगे लोकार्पण:**

- VSSC में स्थापित ट्राइसोनिक विंड टनल
- सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, **श्रीहरिकोटा** में **ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV)** के लिए एकीकरण सुविधाएं स्थापित की गईं।
- **तमिलनाडु** के **महेंद्रगिरि** में इसरो **प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स** में **सेमी-क्रायोजेनिक इंटीग्रेटेड इंजन** और **स्टेज टेस्ट फैसिलिटी (SIET)** है।

- **पवन सुरंग**, जो देश में अपनी तरह की पहली है, इसकी **मैक संख्या सीमा 0.2 से 4 त**क है
  - जिसका अर्थ है कि यह **सबसोनिक** से लेकर **सुपरसोनिक** तक ध्वनि की गति से **चार गुना अधिक गति (मैक संख्या 4)** उत्पन्न कर सकता है।
- सुरंग आगामी **लॉन्च वाहन परियोजनाओं** के **एंड-टू-एंड डिजाइन** में **आत्मनिर्भरता** प्रदान करेगी।
- नई **PSLV** एकीकरण सुविधाएं (**PIF**) इसरो को एक वर्ष में **PSLV मिशनों** की **संख्या 15** तक बढ़ाने की क्षमता देगी।
- नई सुविधा में, **PSLV** रॉकेट को **लॉन्च पैड** के **नवीनीकरण** के साथ समानांतर रूप से एकीकृत किया जाएगा।
- **SIET** इसरो को **SCE-2000 सेमी-क्रायोजेनिक इंजन** का **परीक्षण** करने की क्षमता देगा जो प्रणोदक और **रॉकेट चरण** के रूप में **परिष्कृत केरोसिन** (जिसका नामISROSENEरखा गया है) और **तरल ऑक्सीजन** का उपयोग करता है।

171. अडानी ग्रुप ने देश की पहली निजी क्षेत्र की गोला-बारूद-मिसाइल का अनावरण किया -द हिंदू

प्रासंगिकता: विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियां और उनका अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- मेक प्रोग्राम
- बालाकोट

समाचार:
- **निजी क्षेत्र** में पहली बार **गोला-बारूद** और **मिसाइलों** के निर्माण के लिए दो सुविधाएं **अडानी डिफेंस** और **एयरोस्पे**स द्वारा **कानपुर** में खोली गईं।

मुख्य बिंदु
- **सेना प्रमुख जनरल** और **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री** ने **500 एकड़** में फैले **ट्विनफैसिलिटी कॉम्प्लेक्स** का उद्घाटन किया।
- इसके साथ ही, **नई पीढ़ी** के **गोला-बारूद** के विकास के लिए **मेक प्रोग्राम** भी संसाधित किए जा रहे हैं, जिसमें **इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज़** भी शामिल हैं जो वर्तमान में **इन्वेंट्री** में नहीं हैं।
- कानपुर परिसर **दक्षिण एशिया** में सबसे **बड़े एकीकृत गोला बारूद विनिर्माण परिसरों** में से एक बनने के लिए तैयार है
- ये सुविधाएं **सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक बलों** और **पुलिस** के लिए **उच्च गुणवत्ता** वाले **छोटे, मध्यम** और **बड़े कैलिबर गोला-बारूद** का उत्पादन करेंगी।
- सुविधा ने **छोटे कैलिबर गोला-बारूद** का उत्पादन शुरू कर दिया है, जिसकी शुरुआत **भारत की वार्षिक** आवश्यकता का **25%** अनुमानित **150 मिलियन राउंड** से हुई है।
- यह अनावरण **बालाकोट हवाई** हमले की **पांचवीं वर्षगांठ** के साथ हुआ, जब **भारतीय वायु सेना** ने **26 फरवरी, 2019** को **पाकिस्तान** के **बालाकोट** में **आतंकी शिविरों** पर हमला किया था।

निर्यात की संभावना
- यह देखते हुए कि **सेना** द्वारा **विनिर्माण** के लिए प्रस्तावित **गोला-बारूद श्रेणियों** में पर्याप्त **निर्यात क्षमता** भी है
- दुनिया भर में **गोला-बारूद निर्माण** में विशेषज्ञता वाले सीमित **खिलाड़ियों** और हमारी **प्रतिस्पर्धी विनिर्माण** लागत को ध्यान में रखते हुए, **भारतीय उद्योग** को एक बड़ा फायदा होगा।

172. शोधकर्ताओं ने भ्रूण की सटीक गर्भकालीन आयु का पता लगाने हेतु AI मॉडल विकसित किया -द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- Indiaai.
- ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPAI)

समाचार:
- **शोधकर्ताओं** ने **गर्भावस्था** के **दूसरे** और **तीसरे तिमाही** में **भ्रूण की गर्भकालीन आयु** को **सटीक रूप** से निर्धारित करने के लिए एक **भारत-विशिष्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल** विकसित किया है।

मुख्य बिंदु
- मॉडल को **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास** और **ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट,** फरीदाबाद के शोधकर्ताओं द्वारा डिजाइन किया गया है।
- यह **जन्म परिणामों** पर **उन्नत शोध** के लिए **DBT इंडिया पहल (GARBH-Ini)** कार्यक्रम के लिए एक अंतःविषय समूह का हिस्सा है।
- गार्भिनी-GA2 **भारतीय जनसंख्या डेटा** का उपयोग करके विकसित और मान्य किया जाने वाला पहला अंतिम-तिमाही जीए अनुमान मॉडल है।
- **वर्तमान** में **पश्चिमी आबादी** के लिए उपयोग किए जाने वाले **मॉडल उपयोग** में हैं जो **भारतीय आबादी** में **भ्रूण** के **विकास में भिन्नता** के कारण **गर्भावस्था** के बाद के भाग में लागू होने पर गलत साबित हो सकते हैं।
- **गार्भिनी-GA2 भ्रूण** की **उम्र का सटीक** अनुमान लगाता है, जिससे त्रुटि लगभग **तीन गुना कम** हो जाती है।
- **भारतीय डेटा गर्भवती महिलाओं** को उचित देखभाल प्रदान करने और जन्म की **सटीक तारीख निर्धारित** करने में मदद करेगा, जिससे **मातृ और शिशु मृत्यु दर** में कमी आएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)
- **AI** एक **कंप्यूटर** या **कंप्यूटर** द्वारा **नियंत्रित रोबोट** की उन कार्यों को करने की क्षमता है जो आमतौर पर मनुष्यों द्वारा किए जाते हैं क्योंकि उन्हें **मानव बुद्धि** और **निर्णय** की आवश्यकता होती है।
- हालाँकि कोई भी **AI उन विविध प्रकार** के कार्यों को नहीं कर सकता है जो एक सामान्य मानव कर सकता है, कुछ **AI विशिष्ट कार्यों** में मनुष्यों की बराबरी कर सकते हैं।
- AI की **आदर्श विशेषता** इसकी तर्कसंगत बनाने और कार्रवाई करने की क्षमता है जिससे किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने का सबसे अच्छा मौका मिलता है।
- AI का एक **उपसमुच्चय मशीन लर्निंग (ML)** है।
- **डीप लर्निंग (DL):**
  - तकनीकें पाठ, छवियों या वीडियो जैसे बड़ी मात्रा में **असंरचित डेटा** के **अवशोषण** के माध्यम से इस स्वचालित सीखने को सक्षम बनाती हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित भारत की अन्य पहल
- IndiaAI
- ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPAI)
- यूएस इंडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पहल
- युवाओं के लिए जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिसर्च, एनालिटिक्स और नॉलेज एसिमिलेशन प्लेटफॉर्म

173. सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए G-Sec उधार लेने का निर्णय लिया - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- पूंजीगत व्यय
- RBI से लाभांश

समाचार:
- **वित्त मंत्रालय** के एक **वरिष्ठ अधिकारी** ने कहा कि **सरकार चालू वित्त वर्ष** की शेष अवधि के दौरान **"उधार लेने** के लिए" **ट्रेजरी बिल** के **माध्यम** से **उधार** नहीं लेगी।

मुख्य बिंदु
- **सरकार** ने **चालू वित्त वर्ष** के लिए **G Sec** उधार पूरा कर लिया है और उसे **वित्त वर्ष 2025** में भारतीय **रिजर्व बैंक से वित्त वर्ष 24** के समान लाभांश की उम्मीद है।

- इस बीच, **वित्त मंत्रालय** के **अधिकारी** ने कहा कि **पूंजीगत व्यय का 80%** और **राजस्व व्यय का 79% फरवरी की शुरुआत** में पूरा हो चुका है और मार्च के अंत तक RE हासिल करने की उम्मीद है।
- **जनवरी-मार्च तिमाही** के दौरान, सरकार ने **RBI** के परामर्श से **T- बिल** की **13 साप्ताहिक नीलामी** के माध्यम से **₹3.93 लाख करोड़** उधार लेने की योजना बनाई।
- अब तक 8 नीलामियां पूरी हो चुकी हैं, जबकि शेष पांच नीलामियों के माध्यम से ₹1.7 लाख करोड़ जुटाने की योजना है, अगली नीलामी 28 फरवरी को होगी।

कोई कूपन दर नहीं

- T बिल एक ऐसा उपकरण है जो छूट पर जारी किया जाता है जबकि भुनाया बराबर मूल्य पर दिया जाता है।
- चूंकि ऐसे उपकरण पर **कोई कूपन दर** देय नहीं है, **छूट मूल्य** और **अंकित मूल्य** के बीच का अंतर निवेशकों के लिए कमाई है।
- ऐसा उपकरण **तीन परिपक्वता** अवधियों **91 दिन, 182 दिन** और **364 दिन** में जारी किया जाता है।
- साथ ही, सरकार दिनांकित **सरकारी प्रतिभूतियों (G Sec)** के साथ **दीर्घकालिक** उधार भी लेती है।
- ऐसे **बांड** की **परिपक्वता अवधि 1 वर्ष से लेकर/या 50 वर्ष** तक हो सकती है।
- ऐसे बांड ब्याज दर रखते हैं और **मूलधन और ब्याज** के लिए **संप्रभु गारंटी** का आनंद लेते हैं।
- जैसा कि बजट में बताया गया है, दिनांकित **प्रतिभूतियों** के **माध्यम** से उधार लेना **सरकारी** उधार का हिस्सा है और इसका उपयोग **राजकोषीय घाटे** को **पाटने** के लिए किया जाता है।

RBI से लाभांश

- इस बीच, सरकार को उम्मीद है कि मार्च में समाप्त होने वाले **चालू वित्तीय वर्ष** के लिए **भारतीय रिजर्व बैंक** से उसकी **लाभांश आय पिछले वित्तीय वर्ष** के समान स्तर पर रहेगी।

पूंजीगत व्यय

- अधिकारी ने कहा कि **संशोधित अनुमान** के प्रतिशत के रूप में **पूंजीगत व्यय राजस्व व्यय** से अधिक हो गया है।
- अधिकारी ने उम्मीद जताई कि दोनों खर्चों का **RE** पूरा हो जाएगा।

174. सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने HCES के आंकड़े जारी किये - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण
- MoSPI

समाचार:

- **वर्ष 2022-23** के लिए **घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (HCES)** के जारी होने के बाद एक **आंतरिक विवाद** के बाद वर्ष **2023-24** के लिए सर्वेक्षण के अगले दौर को जारी रखा जाए या इसे रद्द कर दिया जाए।

मुख्य बिंदु

- यह पता चला है कि **सांख्यिकी** और **कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)** के भीतर एक प्रभावशाली वर्ग द्वारा सर्वेक्षण के **फील्डवर्क** को **वर्ष 2023-24** के लिए स्थगित करने का कदम उठाया गया था।
  - **वर्ष 2022-23 सर्वेक्षण परिणामों** को अंतिम रूप देने का हवाला देते हुए, यह वर्तमान में चल रहा है।
- MoSPI **वर्ष 2022-23** और **वर्ष 2023-24** के लिए **बैक-टू-बैक सर्वेक्षणों** पर काम कर रहा है ताकि यह देखा जा सके कि **संशोधित पद्धति उपभोग व्यय** के लिए **मजबूत और स्थिर** परिणाम दे रही है या नहीं।
- अधिकारियों ने कहा कि **वर्ष 2022-23** और **वर्ष 2023-24** के लिए **बैक-टू-बैक सर्वेक्षण आयोजित** करने के पीछे का उद्देश्य संशोधित पद्धति की मजबूती का आकलन करना था।
- **वर्ष 2022-23** के लिए संशोधित **HCES** में, **उपभोग बास्केट** को **तीन व्यापक श्रेणियों** में अलग करने सहित कई नई सुविधाएँ पेश की गई हैं।

- खाद्य पदार्थों, उपभोग्य सामग्रियों और सेवाओं, और टिकाऊ वस्तुओं के साथ-साथ खाद्यान्न जैसी कल्याणकारी योजनाओं के तहत मुफ्त वस्तुओं और सब्सिडी पर इनपुट मांगने वाले प्रश्नों को शामिल किया गया है।

सर्वेक्षण के मुख्य बिंदु

- सर्वेक्षण में **2.62 लाख घरों** को शामिल किया गया, जिनमें से **1.55 लाख ग्रामीण क्षेत्रों** में और **1.07 लाख** शहरी क्षेत्रों में थे।
- HCES **वर्ष 2022-23** के नतीजों से पता चला है कि **वर्ष 2022-23** तक **11 वर्षों** में ग्रामीण उपभोग खर्च शहरी खर्च की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ा है।
  - ग्रामीण और शहरी दोनों परिवारों के लिए भोजन पर व्यय की हिस्सेदारी में गिरावट के साथ।
- प्रति व्यक्ति ग्रामीण **औसत मासिक उपभोग** खर्च **वर्ष 2011-12** में **1,430 रुपये प्रति व्यक्ति** से बढ़कर **वर्ष 2022-23** में **3,773 रुपये प्रति माह** हो गया, जो **164 प्रतिशत** की बढ़ोतरी है।
- यह **वर्ष 2011-12** में **प्रति व्यक्ति 2,630 रुपये** की तुलना में **वर्ष 2022-23** में प्रति व्यक्ति शहरी औसत **मासिक उपभोग व्यय** में **146 प्रतिशत** की **वृद्धि** के साथ **6,459 रुपये** से अधिक है।

175. सरकार ने इंटरसेप्शन रिकॉर्ड को नष्ट करने के लिए आईटी नियमों में संशोधन किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- आईटी नियम
- सेंसरशिप

समाचार:

- **सरकार** ने **सूचना प्रौद्योगिकी (IT) नियमों** में संशोधन किया है
- **नियम गृह सचिव** या **केंद्र** के अन्य **नौकरशाहों** को **अवरोधन या डिक्रिप्ट** जानकारी के **डिजिटल रिकॉर्ड** को नष्ट करने के निर्देश जारी करने की अनुमति देते हैं।

मुख्य बिंदु

- अब तक, **शक्ति कानून प्रवर्तन निकायों** जैसी **सुरक्षा एजेंसियों** के पास है।
- इस बदलाव से **डिजिटल साक्ष्यों** को नष्ट करने के निर्देश जारी करने की **केंद्र की शक्तियां व्यापक** हो जाएंगी।
- एक गजट **अधिसूचना** में, **आईटी मंत्रालय** ने कहा कि वह **सूचना प्रौद्योगिकी** (सूचना के अवरोधन, निगरानी और डिक्रिप्शन के लिए प्रक्रिया और सुरक्षा उपाय) **नियम, 2009** की **धारा 23** में संशोधन कर रहा है।
  - "सुरक्षा एजेंसी" को "**सक्षम प्राधिकारी और सुरक्षा एजेंसी**" शब्दों से प्रतिस्थापित करके।
- इस कानून के **नियम 23** में कहा गया है कि **सूचना** के **अवरोधन** या **निगरानी या डिक्रिप्शन** के निर्देशों से संबंधित प्रत्येक रिकॉर्ड, जिसमें **इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड** भी शामिल है
  - **इंटरसेप्ट** या **मॉनिटर** की गई या **डिक्रिप्ट** की गई जानकारी को सुरक्षा एजेंसी द्वारा **हर छह महीने** में नष्ट कर दिया जाएगा
  - ऐसे मामले को छोड़कर जहां ऐसी जानकारी आवश्यक है, या कार्यात्मक आवश्यकताओं के लिए आवश्यक होने की संभावना है।

आईटी नियमों में बदलाव

- वर्ष 2021 **आईटी नियमों** ने पिछले **दिशानिर्देशों** को बदल दिया और **बिचौलियों** और **डिजिटल समाचार** मीडिया को विनियमित करने की मांग की है।
- सोशल मीडिया **प्लेटफार्मों** को **गोपनीयता** को खतरे में डालते हुए किसी भी जानकारी के पहले प्रवर्तक की पहचान करने के लिए **तकनीकी समाधान** प्रदान करने की आवश्यकता थी।
- **अप्रैल 2023** में पेश किए गए **संशोधन सरकार** को स्वयं निर्णय लेने की शक्ति देते हैं कि कौन सी जानकारी फर्जी है और **सेंसरशिप** की व्यापक शक्तियों का प्रयोग करती है।
  - नकली या गलत समझे जाने वाले पोस्ट को हटाने के लिए मध्यस्थों को बाध्य करके।

- **नए नियम कानून** के बजाय कार्यकारी आदेश के माध्यम से भाषण को प्रतिबंधित करके **भारत में भाषण** की **स्वतंत्रता** और **नागरिक स्वतंत्रता** को खतरे में डालते हैं।

176. व्यापार कूटनीति: सरकार ने उच्च शुल्कों पर अंकुश लगाने के लिए लाल झंडी दिखाई- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- RCEP
- उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना

समाचार:
- **सरकार** के **विभिन्न पक्षों** ने **सीमा शुल्क** में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी के केंद्र के कदमों पर आपत्ति जताना शुरू कर दिया है, खासकर **चीनी घटकों और इनपुट** के **आयात पर हाल** ही में किए गए आक्रामक हमले के बारे में है ।

मुख्य बिंदु
- **सरकार** के भीतर एक वर्ग **राजनयिक उपकरण** के रूप में **टैरिफ** का उपयोग करने में अधिक **सूक्ष्म दृष्टिकोण** के पक्ष में है
- ऐसा न करने पर **भारत** के **विनिर्माण-केंद्रित** जोर का लाभ बर्बाद होने की संभावना है जिसमें **उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI)** जैसी योजनाएं शामिल हैं।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स** से लेकर **फार्मास्यूटिकल्स** और **कपड़ा** से लेकर **चमड़े** तक के क्षेत्रों में न केवल **घरेलू उद्योग** के लिए **इनपुट** के साथ, चीन अभी भी **भारत** के **आयात** का **14 प्रतिशत** हिस्सा रखता है।
  - बल्कि पूंजीगत सामान भी चीन से प्राप्त किया जा रहा है।
- यह, इस तथ्य के साथ जुड़ा है कि **भारत** में **औसत टैरिफ आठ साल** पहले **वर्ष 2014** में **13 प्रतिशत** से **बढ़कर 2022** में **18.1 प्रतिशत** हो गया है।
  - इसने भारत को **वियतनाम, थाईलैंड और मैक्सिको** जैसे देशों के मुकाबले अप्रतिस्पर्धी बना दिया है।
- इन क्षेत्रों में **आयात** की **बाधाओं** के कारण या तो **घरेलू उत्पादन** में कमी आ रही है या **भारतीय विनिर्माण** के लिए **प्रतिस्पर्धात्मक** लाभ में कमी आ रही है।

चीन के साथ व्यापार कूटनीति
- इस वर्ष की शुरुआत में, **इलेक्ट्रॉनिक्स** और **सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** ने **वित्त मंत्रालय** को **उच्च टैरिफ** के कारण उच्च उत्पादन लागत के बारे में चिंता व्यक्त की थी।
- **MeitY** ने **सर्किट बोर्ड, चार्जर** और पूरी तरह से असेंबल किए गए फोन सहित भागों पर लगभग **20 प्रतिशत शुल्क** को कम से **कम 5 प्रतिशत कम** करने पर जोर दिया था।
- इसके अलावा, **चीन** से सस्ते **गुणवत्ता** वाले **आयात** को रोकने के लिए, **भारत** ने **गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (QCOs)** लगाए जो **MSME** को आवश्यक **इनपुट सामग्री** प्राप्त करने से रोकते हैं।
- जबकि **भारतीय उद्योग** जगत **टैरिफ** और **गैर-टैरिफ बाधाओं** सहित **संरक्षणवादी** उपायों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहा है
  - यह उद्योग ही है जो चाहता है कि **सरकार सभी क्षेत्रों** में **पूंजीगत वस्तुओं** और **प्रमुख इनपुट** के **आयात** पर शुल्क कम करे।
- **चीन** के **कुल व्यापार** में भारत की हिस्सेदारी नगण्य है, लेकिन **फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स** सहित प्रमुख क्षेत्रों में यह काफी हद तक चीनी आयात पर निर्भर है।
- आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि भारत बमुश्किल **3 प्रतिशत चीनी निर्यात** का घर है।
- भारत ने **क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (RCEP)** सहित महत्वपूर्ण **मेगा क्षेत्रीय व्यापार व्यवस्थाओं** से बाहर रहने का विकल्प चुना है।
- विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि कुछ मामलों में जहां सीमा शुल्क बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है, शुल्क WTO-अनिवार्य **"बाध्य दरों"** के करीब हैं या प्रभावी रूप से पार कर गए हैं।
  - ये सीमा शुल्क दरें हैं जो एक देश MFN सिद्धांत के तहत अन्य सभी सदस्यों के लिए प्रतिबद्ध है
  - इन दरों का उल्लंघन प्रभावी रूप से किसी देश को "**संरक्षणवादी**" के रूप में **ब्रांडेड** होने के जोखिम में डाल सकता है

- **सितंबर 2017** से **सौर पैनलों** पर **शुल्क वृद्धि** के कार्यान्वयन का **नवीन** और **नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय** और **सौर परियोजना डेवलपर्स** दोनों ने विरोध किया था।

177. प्रधानमंत्री ने रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का शुभारंभ किया -द हिंदू

प्रासंगिकता : आधारभूत संरचना - ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे आदि।

प्रीलिम्स टेकअवे
- अमृत भारत स्टेशन योजना
- पीएम-गति शक्ति

समाचार :
- **प्रधानमंत्री** ने **आधारभूत संरचना** के विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण **रेलवे परियोजनाओं** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु
- आधुनिक भारत में **विकास की तीव्र गति** का प्रमाण है ।
- **भारत** को एक **आकर्षक निवेश गंतव्य** के रूप में स्थापित करने में **आधारभूत संरचना** की भूमिका है।

स्टेशन पुनर्विकास पर फोकस
- **'अमृत भारत' स्टेशन योजना** के तहत **554 स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं** की आधारशिला रखी गई है।
- चयनित **स्टेशनों** पर **उन्नत यात्री सुविधाओं** की शुरूआत की जा रही है
  - जिसमें बेहतर फुट-ओवर ब्रिज, प्रतीक्षा क्षेत्र और निगरानी प्रणालियाँ शामिल हैं।

गोमतीनगर स्टेशन पुनर्विकास
- **उत्तर प्रदेश** में लगभग **₹385 करोड़** की लागत वाले **गोमतीनगर स्टेशन** का उद्घाटन हुआ ।
- यह रेलवे परिवर्तन और विकास की एक झलक है।

ऐतिहासिक चुनौतियों पर काबू पाना
- **रेलवे** में **वित्तीय घाटे** को **लाभप्रदता और विस्तार** की ओर **स्थानांतरित** कर दिया गया है।
- पिछले एक दशक में **रेलवे बजट आवंटन** में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और घाटे में कमी आई है।

त्वरित ट्रैक विस्तार
- रेल मंत्री ने वित्त वर्ष 2024 में **5,000 किलोमीटर** नए ट्रैक जोड़ने की योजना की घोषणा की है ।
- पिछले 10 **वर्षों** में **31,000 किमी** की **रेलवे लाइन** जोड़ी गई ।
- ट्रैक विस्तार दर में **उल्लेखनीय वृद्धि हुई** है
  - 4 किमी प्रति दिन (2004-14) से वर्तमान में 15 किमी प्रति दिन।

विद्युतीकरण महत्वपूर्ण उपलब्धि
- **41,000 किमी** से अधिक ट्रैक का **विद्युतीकरण** किया गया, जो **भारतीय रेलवे** के लिए एक ऐतिहासिक **उपलब्धि** है।
- **स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं** को पूरा करने की **समय-सीमा 3** वर्ष अनुमानित है।

178. भारतीय जनसंख्या के 10000 जीनोम अनुक्रमित किए गए - द हिंदू/ भारत में 10,000 मानव जीनोम अनुक्रमित - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट
- मानव जीनोम परियोजना

समाचार:
- **सरकार** की **जीनोम इंडिया** पहल **99 अलग-अलग समूहों** वाली **विविध भारतीय आबादी** से 10,000 **स्वस्थ जीनोम** का **अनुक्रमण पूरा** करके एक **महत्वपूर्ण उपलब्धि** तक पहुंच गई है।
- यह उपलब्धि **भारत** के **व्यापक आनुवंशिक मानचित्र** की स्थापना का **प्रतीक** है, जो **नैदानिक** और **अनुसंधान अनुप्रयोगों** के लिए अ**पार संभावनाएं** प्रदान करता है।

प्रौद्योगिकी प्रगति
- **सरकार** ने **जीनोम अनुक्रमण प्रौद्योगिकी** में उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला, जिससे **कुछ ही महीनों** में **हजारों जीनोम** को पूरा करने में सक्षम बनाया गया है।

- यह **वर्ष 2003** में घोषित पहले **संपूर्ण मानव जीनोम** अनुक्रम के विपरीत है, जो **3 अरब डॉलर** की लागत से **13 वर्षों** में पूरा हुआ है।

आनुवंशिक वेरिएंट विश्लेषण

- **जीनोम** के एक **सबसेट** के विश्लेषण से पता चला कि **भारत** में **135 मिलियन आनुवंशिक वेरिएंट** पाए गए, जिनमें कुछ विशिष्ट आबादी के लिए विशिष्ट विविधताएँ थीं।
- ये **वेरिएंट रोग-संकेत** देने वाले और **प्रतिरोध-संकेत** देने वाले **वेरिएंट** की पहचान करने, **निदान** और **चिकित्सीय विकास** में **सहायता** करने के लिए **निहितार्थ** रखते हैं।

भारत-विशिष्ट डेटाबेस की आवश्यकता

- भारतीय आबादी के लिए **अद्वितीय उत्परिवर्तन** की **व्यापकता** के कारण **भारत-विशिष्ट आनुवंशिक डेटाबेस** की आवश्यकता होती है, जो **विश्व स्तर** पर मौजूद नहीं हो सकता है।
- एक उत्परिवर्तन **MYBPC3** जो कम उम्र में **कार्डियक अरेस्ट** का कारण बनता है, **भारतीय आबादी** के **4.5%** में पाया जाता है लेकिन **विश्व स्तर** पर **दुर्लभ** है।
- **LAMB3** नामक **एक** और **उत्परिवर्तन** जो **घातक त्वचा** की स्थिति का कारण बनता है, **मदुरै** के पास लगभग **4% आबादी** में पाया जाता है लेकिन इसे **वैश्विक डेटाबेस** में नहीं देखा जाता है।

आधार सामग्री भंडारण

- **व्यापक डेटासेट,** कुल **8 पेटाबाइट डेटा, भारतीय जैविक डेटा केंद्र (IBDC)** में संग्रहीत किया जाएगा।
- इसे **अनुसंधान उद्देश्यों**, **वैज्ञानिक ज्ञान** और **नवाचार** में योगदान के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।
- एक **व्यापक आनुवंशिक मानचित्र** की उपलब्धता से **जीव विज्ञान** में **प्रगति** होने और **भारत** की **जैव-अर्थव्यवस्था** के **विकास में योगदान** मिलने की उम्मीद है।

179. MSME को वैश्विक स्तर पर पहुंचने हेतु गुणवत्ता, स्थायित्व पर काम करना होगा: पीएम - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- MSME
- MSME के लिए सरकारी पहल
- इलेक्ट्रिक वाहन (EV)

समाचार:

- हाल ही में, **प्रधानमंत्री** ने **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला** में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के लिए **गुणवत्ता** और **स्थायित्व** पर ध्यान केंद्रित करने वाले **MSME** के महत्व पर प्रकाश डाला है।
- '**ऑटोमोटिव MSME** उद्यमियों के लिए भविष्य की **डिजिटल गतिशीलता** का निर्माण' कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने **ऑटोमोटिव उद्योग** में **MSME क्षेत्र** की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी।

मुख्य बिंदु

- उन्होंने स्वीकार किया कि **विश्व स्तर** पर कई वाहनों में **भारतीय MSME** द्वारा **निर्मित घटकों** को शामिल किया गया है, जो **ऑटोमोबाइल उद्योग** में उनके महत्व को दर्शाता है।
- उन्होंने **MSME** के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में दोषों के बिना **घटकों के उत्पादन** और **पर्यावरणीय** स्थिरता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया ।

MSME के लिए सरकारी पहल

- **MSME** को समर्थन देने और **नौकरियों को संरक्षित** करने के लिए **सरकार** द्वारा **COVID-19** महामारी के दौरान विभिन्न योजनाएं शुरू की गईं।
  - जैसे पीएम-मुद्रा, पीएम-विश्वकर्मा और MSME क्रेडिट गारंटी योजना
- उन्होंने **MSME** को कम लागत वाले **ऋण**, **कार्यशील पूंजी सुविधाओं** और विस्तार के अवसरों तक पहुंच का आश्वासन दिया है।

- उन्होंने **MSME** की जरूरतों को पूरा करने के लिए **कौशल विकास** के लिए एक अलग **मंत्रालय** की स्थापना करके **कौशल विकास** में सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला है।
- **उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकियों** को बढ़ावा देने और **वैश्विक निवेश** को आकर्षित करने के लिए **PLI योजना** पर भी प्रकाश डाला गया, जिसके लिए **MSME** को अपनी क्षमताओं का विस्तार करने की आवश्यकता है।
- उन्होंने **ऑटोमोटिव उद्योग** में **MSME** को उजागर करने के लिए **TVS ओपन मोबिलिटी प्लेटफॉर्म** और **TVS मोबिलिटी-CII सेंटर फॉर एक्सीलेंस** भी लॉन्च किया है।
  - इससे उन्हें संचालन को औपचारिक बनाने, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ एकीकृत करने और आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) के लिए प्रोत्साहन

- **पीएम** ने **उद्यमियों** से **इलेक्ट्रिक वाहनों** की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने का आग्रह किया है ।
- उन्होंने **रूफटॉप सोलर योजना** जैसी पहल का भी उल्लेख किया जो घरों को **इलेक्ट्रिक वाहनों** के लिए **चार्जिंग स्टेशनों** में बदलने की सुविधा प्रदान करती है।

180. Google के AI मॉडल GENIE से वीडियो गेम बनाये जा सकते है - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- Google Genie
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

समाचार:

- हाल ही में, **Google DeepMind** ने **Genie** का अनावरण किया, जो उपयोगकर्ताओं को **उच्च-ऊर्जा गेम** में पाई जाने वाली **वर्चुअल वर्ल्ड** के समान अपनी **वर्चुअल वर्ल्ड** बनाने में सक्षम बनाता है।

Genie

- **Genie** एक नया मॉडल है जो **गेम मैकेनिक्स** में पूर्व **प्रशिक्षण** के बिना, केवल पाठ या छवि संकेतों के आधार पर **इंटरैक्टिव वीडियो गेम** बनाने में सक्षम है।
  - अन्य कई जेनरेटिव **AI मॉडल भाषा, छवियों** और यहां तक कि **वीडियो** के साथ **रचनात्मक सामग्री** तैयार करते हैं।
- यह **सिंथेटिक छवियों, तस्वीरों** और यहां तक कि **रेखाचित्रों** से खेलने योग्य दुनिया की एक **अंतहीन विविधता** उत्पन्न कर सकता है।
- यह **इंटरनेट** से प्राप्त **वीडियो** पर **प्रशिक्षित** एक अग्रणी **जेनेरिक इंटरैक्टिव** वातावरण के रूप में खड़ा है।
  - यह उल्लेखनीय है क्योंकि इसमें **कार्यों या नियंत्रित छवि क्षेत्रों** के बारे में लेबल किए गए डेटा का अभाव है।
- इसमें **11 बिलियन पैरामीटर** हैं और इसमें **स्पेटियोटेम्पोरल वीडियो टोकननाइज़र, ऑटोरेग्रेसिव डायनामिक्स मॉडल** और एक **स्केलेबल अव्यक्त एक्शन मॉडल** जैसे विभिन्न घटक शामिल हैं।
- यह नवाचार न केवल **रचनात्मक संभावनाओं** का विस्तार करता है बल्कि सामान्य **AI एजेंटों** की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का भी प्रतिनिधित्व करता है।
  - एक **स्वतंत्र प्रोग्राम** या **इकाई** जो **सेंसर** के माध्यम से अपने परिवेश को समझकर उसके साथ संपर्क करती है।

181. प्रधानमंत्री ने हाइड्रोजन ईंधन सेल फेरी का उद्घाटन किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे
- हरित नौका पहल
- हरित हाइड्रोजन

समाचार:

- हाल ही में **प्रधानमंत्री** ने **भारत** की **पहली स्वदेश निर्मित हाइड्रोजन ईंधन सेल फेरी नाव** का वर्चुअल उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- पायलट जहाज, **24-मीटर कैटामरन,** अपने पूर्णतः वा**तानुकूलित यात्री स्थान** में **50 यात्रियों** को समायोजित करने की क्षमता रखता है।
- शहरी गतिशीलता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई, **नौका नाव उन्नत हाइड्रोजन ईंधन सेल तकनीक** से सुसज्जित है।
- यह जहाज **हरित नौका पहल** का हिस्सा है, जो **पर्यावरण** के अ**नुकूल परिवहन समाधानों** के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।
- **कोचीन शिपयार्ड** में निर्मित यह **जहाज स्वच्छ ऊर्जा समाधान** और **देश** की **नेट-शून्य प्रतिबद्धताओं** को अपनाने की दिशा में **भारत की यात्रा** में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

होम ग्रोन टेक्नोलॉजी

- **हाइड्रोजन ईंधन पोत** में **कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL)** द्वारा विकसित पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक है ।
- यह **तकनीक देश** के अन्य क्षेत्रों में भी दोहराए जाने की संभावना रखती है और देश भर में **टिकाऊ शहरी गतिशीलता समाधान** पेश करती है।

ग्रीन हाइड्रोजन हब पोर्ट

- **VO चिदंबरनार बंदरगाह**, जहां **जहाज को हरी झंडी** दिखाई गई थी, को **देश के पहले ग्रीन हाइड्रोजन हब पोर्ट** के रूप में नामित किया गया है।
- **बंदरगाह** की **विकास परियोजनाओं** में **अलवणीकरण संयंत्र, हाइड्रोजन उत्पादन** और **बंकरिंग सुविधा** शामिल है।
  - यह वैकल्पिक **ऊर्जा स्रोतों** की खोज के प्रति **तमिलनाडु** की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

182. गगनयान मिशन: LVM3 रॉकेट अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाएगा- द प्रिंट

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- चंद्रयान
- गंगानयन

समाचार:

- **भारत** का पहला **मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान, तीन अंतरिक्ष यात्रियों** को एक तंग लेकिन भारी **कैप्सूल** के अंदर **अंतरिक्ष** में ले जाएगा
- वापस लौटने और **हिंद महासागर में दुर्घटनाग्रस्त** होने से पहले यह कम से **कम तीन दिनों तक पृथ्वी** की परिक्रमा करेगा।

मुख्य बिंदु

- **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** अगले **साल किसी समय** अनुमानित **लॉन्च** के साथ **9,000 करोड़ रुपये** का मिशन विकसित कर रहा है।
- हाल ही में, **प्रधानमंत्री** ने मिशन के लिए चुने गए **चार अंतरिक्ष यात्री उम्मीदवारों** के नामों की घोषणा की है ।

0गगनयान संरचना

- **पृथ्वी की कक्षा** में **उड़ान** भरने वाले **संपूर्ण अंतरिक्ष यान** को **कक्षीय मॉड्यूल** कहा जाता है।
- इसमें **सर्विस** और **क्रू मॉड्यूल** दो भाग होते हैं।
- **क्रू मॉड्यूल,** एक **पिरामिड के आकार की तंग संरचना, अंतरिक्ष यात्रियों** को रखेगी।
- **सर्विस मॉड्यूल अंतरिक्ष यान** को कक्षा में प्रवेश करने और बाद में **कक्षा छोड़कर सतह** पर उतरने में **सक्षम** बनाता है।
- **इसरो** का **LVM3** रॉ**केट गगनयान यान** को **अंतरिक्ष** में ले जाएगा।
- **पृथ्वी की कक्षा** में पहुंचने से पहले **कक्षीय मॉड्यूल LVM3** से अलग हो जाएगा।
- फिर**, पांच इंजन, सर्विस मॉड्यूल** में प्रणोदन प्रणाली के हिस्से, **कक्षीय मॉड्यूल** को कक्षा में स्थापित करने के लिए फायर करेंगे।
- वापसी यात्रा के दौरान, **सर्विस मॉड्यूल इंजन मॉड्यूल** को कक्षा से दूर तोड़ने और इसे पृथ्वी की ओर ले जाने के लिए फिर से फायर करेंगे।

क्रू मॉड्यूल

- **क्रू मॉड्यूल पूरी** तरह से स्वायत्त है, जिसमें मुख्य रूप से **पर्यावरण नियंत्रण** और **जीवन समर्थन प्रणाली (ECLSS)** शामिल है।
  - ऑक्सीजन का उत्पादन, दबाव बनाए रखना, तापमान समायोजित करना आदि के लिए जिम्मेदार।
- इसरो ने इस प्रणाली को अन्य देशों से खरीदने की कोशिश की लेकिन बाद में तकनीक खुद ही विकसित कर ली।
- क्रू मॉड्यूल में **क्रू एस्केप सिस्टम (CES)** भी शामिल है।
  - जिसे प्रक्षेपण के दौरान सक्रिय किया जा सकता है और केवल **आपात स्थिति** में उपयोग के लिए **वायुमंडल** के भीतर सक्रिय रखा जा सकता है।
- क्रू मॉड्यूल अधिकतम तीन लोगों को ले जा सकता है।

प्रक्षेपण यान

- **लॉन्च व्हीकल मार्क-3 रॉकेट** का **मानव-रेटेड संस्करण (HLVM3**) गगनयान मिशन लॉन्च करेगा।
- अंतरिक्ष यान कक्षा में पहुंचने तक **HLVM3** के ऊपर उड़ान भरेगा।
- HLVM3 एक **तीन चरण** वाला **प्रक्षेपण यान** है और यह **पृथ्वी की निचली कक्षा** में **10,000 किलोग्राम** और **भूस्थैतिक कक्षा में 400 किलोग्राम वजन** ले जा सकता है।
- एक **ठोस प्रणोदक HLVM3 प्रथम चरण** को शक्ति प्रदान करता है।
- दूसरे चरण में **दो विकास इंजन** हैं
- तीसरा चरण अंतरिक्ष यान को उसके **क्रायोजेनिक इंजनों** के माध्यम से शक्ति प्रदान करता है और अलग होने से पहले उसे गंतव्य कक्षा की ओर प्रक्षेपित करता है।
- रॉकेट से **चंद्रयान-2 और -3 मिशन लॉन्च** किया गया।
- रॉकेट को कई **सुरक्षा अतिरेक, संरचनाओं** और **घटकों** को **मजबूत करने,** नए और **अतिरिक्त नेविगेशन** सिस्टम आदि के साथ कई **पुनर्मूल्यांकन** और **संशोधनों** से गुजरना पड़ा।
- **मॉड्यूल ने वायुमंडल** में प्रवेश के लिए सही कोण तय करने में मदद करने के लिए **अभिविन्यास युद्धाभ्यास** भी किया।

183. नमो ड्रोन दीदी पहल: ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और कृषि पद्धतियों का आधुनिकीकरण करना - द प्रिंट

प्रासंगिकता: देश के विभिन्न हिस्सों में प्रमुख फसल-फसल पैटर्न, - विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली, कृषि उपज का भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दे और संबंधित बाधाएं; किसानों की सहायता में ई-प्रौद्योगिकी।

प्रीलिम्स टेकअवे
- IFCCO
- ड्रोन दीदी

समाचार:

- **कृषि ड्रोन** के उपयोग में **15,000 महिलाओं** के नेतृत्व वाले स्वयं **सहायता समूहों (SHG)** को प्रशिक्षित करने के लिए पिछले साल **15 अगस्त** को पीएम द्वारा '**नमो ड्रोन दीदी पहल**' की घोषणा की गई थी।

नमो ड्रोन दीदी'

- यह उन **महिला ड्रोन पायलटों** को दिया गया नाम है जिन्हें **सरकार** की '**नमो ड्रोन दीदी पहल**' के तहत प्रशिक्षित किया गया है।

उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य **15,000 महिलाओं** के नेतृत्व वाले स्वयं **सहायता समूहों (SHG)** को **कृषि ड्रोन** से **प्रशिक्षित** करना और **लैस** करना है।
- इसका उद्देश्य किसानों को फसल की **निगरानी, उर्वरकों** का **छिड़काव और बीज बोने** जैसे **कृषि कार्यों** में सहायता प्रदान करना है
  - इस प्रकार **ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता** हासिल करने में मदद मिलेगी और साथ ही यह क्षेत्र कम श्रम-गहन बनेगा।
- कोर्स पूरा करने के बाद, इन **महिलाओं** को **रिमोट पायलट सर्टिफिकेट (RPC)** मिलता है।
- **ड्रोन** उड़ाने के लिए **DGCA** से प्रमाणन आवश्यक है और ये '**ड्रोन दीदी**' के रूप में कार्य कर सकते हैं।'
- **भारतीय किसान उर्वरक सहकारी समिति (IFFCO**) शुरुआत से ही **नमो ड्रोन दीदी योजना** का हिस्सा रही है।

- **किसान स्वामित्व** वाली **उर्वरक कंपनी** और **भारत की सबसे बड़ी उर्वरक कंपनी** शुरू से ही **नमो ड्रोन दीदी योजना** का हिस्सा रही है।
- IFFCO **दो प्रमुख** उर्वरक **नैनो यूरिया** और **नैनो DAP** का उत्पादन करती है

फैक्ट फटाफट

1. इंडेक्स ऑफ़ एट कोर इंडस्ट्रीज (ICI)

- यह एक उत्पादन मात्रा सूचकांक है जो आठ चयनित मुख्य उद्योगों के सामूहिक और व्यक्तिगत उत्पादन प्रदर्शन को मापता है।
- मुख्य उद्योग: प्राकृतिक गैस, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, कच्चा तेल, सीमेंट, बिजली, इस्पात और उर्वरक।
- सामान्य आर्थिक गतिविधियों और अन्य औद्योगिक गतिविधियों पर उनके मजबूत प्रभाव के कारण इन्हें मुख्य उद्योग कहा जाता है।
- सूचकांक की गणना लासपेयर्स सूत्र का उपयोग करके की जाती है।
- वे औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में शामिल समग्र वस्तुओं के कुल वजन का कुल 40.27% शामिल हैं।
- नई IIP श्रृंखला ने ICI के लिए आधार वर्ष को 2004-05 के प्रारंभिक आधार से संशोधित कर 2011-12 कर दिया है।
- आर्थिक सलाहकार (OEA), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के कार्यालय द्वारा प्रकाशित।

2. भारत 5G पोर्टल

- यह क्वांटम, 6G, IPR और 5G डोमेन में स्टार्टअप, उद्योग और शिक्षा जगत के हितों की सेवा करने वाला एक व्यापक मंच है।
- इसमें PANIIT USA के सहयोग से फ्यूचर टेक-एक्सपर्ट्स पंजीकरण पोर्टल भी शामिल है।
  - उद्देश्य: आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र को मदद और सलाह देना।
- यह अकादमिक अनुसंधान एवं विकास विकास, उद्योग मानकों, OEM, स्टार्टअप/MSMEs और विषय वस्तु विशेषज्ञों को शामिल करने वाले सभी क्वांटम, IPR, PoCs/पायलट, 5G और 6G-संबंधित कार्यों के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में कार्य करता है।
- इसका उद्देश्य भारत की 5G क्षमताओं को आगे बढ़ाना और दूरसंचार क्षेत्र के भीतर नवाचार, सहयोग और ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा देना है।

3. अल्जाइमर रोग

- एक हालिया अध्ययन के अनुसार, दुर्लभ चिकित्सा दुर्घटनाओं के कारण अल्जाइमर एक इंसान से दूसरे इंसान में फैल सकता है।
- अल्जाइमर रोग एक मस्तिष्क की स्थिति है जो स्मृति, सोच, सीखने और संगठन कौशल में प्रगतिशील गिरावट का कारण बनती है।
- यह मनोभ्रंश का सबसे आम प्रकार है, जो सभी मनोभ्रंश मामलों में से 60-80% के लिए जिम्मेदार है।
- इसमें मस्तिष्क के वे भाग शामिल होते हैं जो विचार, स्मृति और भाषा को नियंत्रित करते हैं।
- यह स्थिति आमतौर पर 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को प्रभावित करती है, केवल 10% मामले इससे कम उम्र के लोगों में होते हैं।
- कारण: सटीक कारण पूरी तरह से समझा नहीं गया है, लेकिन ऐसा माना जाता है कि यह आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारकों के संयोजन से प्रभावित होता है।
- बीमारी के शुरुआती लक्षणों में हाल की घटनाओं या बातचीत को भूल जाना शामिल है।
- समय के साथ, यह गंभीर स्मृति समस्याओं और रोजमर्रा के कार्यों को करने की क्षमता के नुकसान में बदल जाता है।
- उपचार: अल्जाइमर का कोई इलाज नहीं है, लेकिन कुछ दवाएं और उपचार लक्षणों को प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं।

4. लैब ग्रोन फिश

- हाल ही में, ICAR-सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (CMFRI) ने प्रयोगशाला में मछली का मांस उगाने के लिए मांस प्रौद्योगिकी समाधान की पेशकश करने वाले एक निजी क्षेत्र के स्टार्ट-अप के साथ एक सहयोगात्मक अनुसंधान समझौता किया है।

- लैब-विकसित मछली महज एक प्रकार का लैब-विकसित या संवर्धित/संवर्धित मांस है।
- खेती की गई मछली के मांस का उत्पादन मछली से विशिष्ट कोशिकाओं को अलग करके और पशु घटकों से मुक्त मीडिया का उपयोग करके प्रयोगशाला सेटिंग में विकसित करके किया जाता है।
- अंतिम उत्पाद से 'असली' मछली के मांस के स्वाद, बनावट और पोषण संबंधी गुणों को दोहराने की उम्मीद है।
- हाल ही में, कई देशों ने इस अग्रणी तकनीक में काफी प्रगति की है।
- इज़राइल सबसे आगे है, उसके बाद सिंगापुर, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन हैं।

5. पेमेंट्स बैंक

- पेमेंट्स बैंक किसी भी अन्य बैंक की तरह ही होता है, लेकिन बिना किसी क्रेडिट जोखिम के छोटे पैमाने पर संचालित होता है।
- इसकी स्थापना नचिकेत मोर समिति की सिफारिशों के आधार पर की गई थी।
- उद्देश्य: बैंक रहित और कम बैंकिंग सुविधा वाले क्षेत्रों में बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं प्रदान करके, प्रवासी श्रम बल, कम आय वाले परिवारों, छोटे उद्यमियों आदि की मदद करके वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाना।
- यह कंपनी अधिनियम 2013 के तहत एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत है और बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 22 के तहत लाइसेंस प्राप्त है।
- यह कई कानूनों द्वारा शासित होता है, जैसे बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 आरबीआई अधिनियम, 1934 विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999, आदि।
- विशेषताएँ
  - वे विभेदित हैं, सार्वभौमिक बैंक नहीं।
  - पेमेंट्स बैंकों के लिए न्यूनतम चुकता इक्विटी पूंजी 100 करोड़ होगी।
  - यह 2,00,000 रुपये तक की जमा राशि स्वीकार कर सकता है, बचत और चालू खाते के रूप में मांग जमा स्वीकार कर सकता है।
  - जमा के रूप में प्राप्त धन को केवल वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) के रूप में सुरक्षित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश किया जा सकता है।
    - यह राशि मांग जमा शेष का 75% होनी चाहिए।
    - शेष 25% अन्य अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के पास सावधि जमा के रूप में रखा जाना है।
  - यह प्रेषण सेवाएं, मोबाइल भुगतान/स्थानांतरण/खरीदारी, और एटीएम/डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग और तृतीय-पक्ष फंड स्थानांतरण जैसी अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर सकता है।
  - यह क्रेडिट और अन्य सेवाओं के लिए किसी अन्य बैंक का बैंकिंग संवाददाता (BC) बन सकता है जो वह प्रदान नहीं कर सकता है।
  - यह ऋण जारी नहीं कर सकता और क्रेडिट कार्ड सावधि जमा या NRI जमा स्वीकार नहीं कर सकता।
  - यह गैर-बैंकिंग वित्तीय गतिविधियों को चलाने के लिए सहायक कंपनियों की स्थापना नहीं कर सकता है।

6. ग्रीन छत

- एक हालिया शोध के अनुसार, माइकोरिज़ल कवक से उपचारित ग्रीन छतें अधिक विविध मिट्टी समुदाय को बढ़ावा देती हैं जो दीर्घकालिक ग्रीन छत स्थिरता का समर्थन करने की अधिक संभावना है।
- ग्रीन छतें बैलेस्टेड छतें होती हैं जिनमें वॉटरप्रूफिंग झिल्ली, बढ़ते माध्यम (मिट्टी), और पारंपरिक छत के ऊपर वनस्पति (पौधे) होते हैं।
- पारंपरिक छतों के समान हरित छत प्रणालियों में जल निकासी, तूफानी जल प्रबंधन को संबोधित करने और जलरोधी झिल्ली का उपयोग करके इमारत की सुरक्षा करने की आवश्यकता होती है।
- हालाँकि, उन्हें न्यूनतम वजन बनाए रखते हुए संभावित रूप से समर्थन, सिंचाई और जड़ सुरक्षा बाधाओं की पेशकश करते हुए एक अनुकूल विकास वातावरण भी स्थापित करना होगा।
- दो प्रकार की ग्रीन छतें मौजूद हैं। गहन और व्यापक.
  - सघन ग्रीन छतें अनिवार्य रूप से ऊंचे पार्क हैं। वे अपने जटिल संरचनात्मक समर्थन, सिंचाई, जल निकासी और जड़ सुरक्षा परतों के साथ झाड़ियों, पेड़ों, पैदल मार्गों और बेंचों को बनाए रख सकते हैं।

- विस्तृत ग्रीन छतें अपेक्षाकृत हल्की होती हैं। वे हार्दिक देशी ग्राउंड कवर का समर्थन करते हैं जिसके लिए कम रखरखाव की आवश्यकता होती है। व्यापक ग्रीन छतें आमतौर पर केवल अपने पर्यावरणीय लाभों के लिए मौजूद होती हैं और सुलभ छत उद्यान के रूप में कार्य नहीं करती हैं।

- ग्रीन छतें पारंपरिक छतों की तुलना में अधिक समय तक चलती हैं, प्राकृतिक इन्सुलेशन के साथ ऊर्जा लागत को कम करती हैं, लोगों और जानवरों के लिए शांतिपूर्ण आश्रय स्थल बनाती हैं, और तूफानी पानी को अवशोषित करती हैं, जिससे संभावित रूप से जटिल और महंगी जल निकासी प्रणालियों की आवश्यकता कम हो जाती है।
- व्यापक पैमाने पर, ग्रीन छतें हवा की गुणवत्ता में सुधार करती हैं और शहरी हीट आइलैंड प्रभाव को कम करने में मदद करती हैं, एक ऐसी स्थिति जिसमें शहर और उपनगरीय विकास गर्मी को अवशोषित और फँसाते हैं।

7. वन स्टॉप सेंटर योजना

- यह केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MWCD) के तहत तैयार की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- उद्देश्य:
  - हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एक छत के नीचे निजी और सार्वजनिक दोनों स्थानों पर एकीकृत समर्थन और सहायता प्रदान करना।
  - महिलाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसा से लड़ने के लिए एक ही छत के नीचे कई प्रकार की सेवाओं तक तत्काल, आपातकालीन और गैर-आपातकालीन पहुंच की सुविधा प्रदान करना।
- यह जाति, वर्ग, धर्म, क्षेत्र, यौन रुझान या वैवाहिक स्थिति की परवाह किए बिना हिंसा से प्रभावित 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों सहित सभी महिलाओं का समर्थन करता है।
- यह योजना निर्भया फंड के माध्यम से वित्त पोषित है और केंद्र सरकार योजना के तहत 100% वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- दिन-प्रतिदिन के कार्यान्वयन और प्रशासनिक मामले जिला कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी होगी।

8. इमेजिंग टेलीस्कोप एरे (eROSITA)

- हाल ही में, जर्मन eROSITA कंसोर्टियम ने सॉफ्ट एक्स-रे इमेजिंग टेलीस्कोप द्वारा पहले ऑल-स्काई सर्वेक्षण के अपने हिस्से के लिए डेटा जारी किया है।
- eROSITA रूसी-जर्मन "स्पेक्ट्रम-रॉन्टजेन-गामा" (SRG) वेधशाला पर एक विस्तृत क्षेत्र का एक्स-रे टेलीस्कोप है।
- यह एक संवेदनशील एक्स-रे दूरबीन है जो आकाश के बहुत बड़े क्षेत्रों में गहरी, स्पष्ट तस्वीरें देने में सक्षम है।
- इसमें L2 बिंदु के चारों ओर हेलो कक्षा में रखे गए सात समान वोल्टर-1 दर्पण मॉड्यूल शामिल हैं।
- यह एक संपूर्ण आकाश सर्वेक्षण कर रहा है, जिसमें हर छह महीने में एक बार पूरे आकाशीय क्षेत्र का मानचित्रण किया जाता है।
  - दिसंबर 2023 तक ऐसे आठ ऑल-स्काई चार्ट की योजना बनाई गई है।
- इससे कई मिलियन सक्रिय गैलेक्टिक नाभिक का नमूना मिलने की भी उम्मीद है, जो उभरती हुई ब्रह्मांडीय संरचना के भीतर सुपरमैसिव ब्लैक होल के विकास का एक अनूठा दृश्य प्रदान करेगा।
- यह सर्वेक्षण खगोलभौतिकी घटनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ-साथ चार्ज एक्सचेंज प्रक्रिया के माध्यम से एक्स-रे उत्सर्जित करने वाले सौर मंडल निकायों में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

9. बायो-मैन्युफैक्चरिंग, बायो-फाउंड्री योजना

- पुनर्चक्रित संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, सरकार 'जैव-विनिर्माण और जैव-फाउंड्री' की एक योजना शुरू करेगी।
- यह उपभोक्ताओं और उद्योग को बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर, बायो-प्लास्टिक, बायो-फार्मास्यूटिकल्स और बायो-कृषि उत्पाद जैसे पर्यावरण-अनुकूल विकल्प प्रदान करेगा।
- "यह योजना आज के उपभोग्य विनिर्माण प्रतिमान को पुनर्योजी सिद्धांतों पर आधारित प्रतिमान में बदलने में मदद करेगी
- 'बायो-मैन्युफैक्चरिंग और बायो-फाउंड्री' की अवधारणा मोटे तौर पर सर्कुलरिटी पर आधारित है जिसमें संसाधनों का पुनर्चक्रण और पुन: उपयोग विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण होगा।

- यह जैव ऊर्जा और जैव-निम्नीकरणीय वस्तुओं के स्रोत के रूप में इथेनॉल के उत्पादन सहित विभिन्न उपयोगों के लिए जैव-कृषि इनपुट का भी उपयोग करेगा। इसी प्रकार, जैव-आधारित फीडस्टॉक का उपयोग जैव-रिफाइनरियों में किया जाएगा।

10. एक्सरसाइज वायु शक्ति

- यह एक त्रिवार्षिक अभ्यास है जो हर तीन साल में एक बार होता है।
- उद्देश्य: पूर्ण स्पेक्ट्रम संचालन (दिन और रात) करने के लिए भारतीय वायुसेना की क्षमता का प्रदर्शन करना, और विमान और हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान और मानव रहित हवाई वाहनों की भागीदारी देखना।
- IAF सूची में अग्रिम पंक्ति के विमान शामिल हैं
  - रूसी SU-30MKI और मिग-29UPG लड़ाकू विमान,
  - फ्रेंच राफेल और मिराज 2000,
  - अमेरिकी C-130 और C-17 परिवहन विमान, AH-64ई अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर और CH-47F चिनूक भारी-लिफ्ट हेलीकॉप्टर,
  - स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (तेजस), उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (ध्रुव) और हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर।

11. समान नागरिक संहिता (UCC)

- UCC पूरे देश में सभी धार्मिक समुदायों के लिए उनके व्यक्तिगत मामलों जैसे विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने आदि के लिए एक कानून प्रदान करता है।
- UCC को संविधान के भाग IV के भाग में राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों (DPSP) के हिस्से के रूप में अनुच्छेद 44 में परिभाषित किया गया है।
- अनुच्छेद 44 - इसमें कहा गया है कि 'राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।'
- UCC का लक्ष्य सभी नागरिकों के लिए, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, एक समान कानूनी ढांचा लागू करना है।

12. मैगसेफ

- मैगसेफ चार्जर एक वायरलेस चार्जर/पावर बैंक है जो आपके फोन को सबसे आसान तरीकों से चार्ज करने के लिए आपके वायरलेस-संगत मोबाइल फोन के पीछे से जुड़ता है।
- यह अंदर की तरफ 5,000 या 10,000 mAh के बैटरी पैक से लैस है, जिसे पावर बैकअप के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- इस प्रकार का चार्जर आपके मोबाइल फोन के पीछे मौजूद चुंबकीय धारा और मैगसेफ चार्जर पर लगे चुंबक का उपयोग करता है।
- एक अच्छा मैगसेफ चार्जर किसी भी अन्य वायरलेस पावर बैंक की तरह ही होता है जो आपके मोबाइल फोन से जुड़ जाता है और पावर बैंक के रूप में काम करता है।
- किसी भी अन्य पावर बैंक की तरह, मैगसेफ चार्जर को भी चार्ज करने की आवश्यकता होती है।

13. वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक

- सूचकांक एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संसाधन है जो 100 से अधिक विकासशील देशों में तीव्र बहुआयामी गरीबी को मापता है।
- इसे पहली बार 2010 में OPHI और UNDPके मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय द्वारा लॉन्च किया गया था।
- MPI स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर से संबंधित 10 संकेतकों में अभावों की निगरानी करता है।
- इसमें गरीबी की घटना और तीव्रता दोनों शामिल हैं।
- एक व्यक्ति बहुआयामी रूप से गरीब है यदि वह भारित संकेतकों (दस संकेतकों में से) के एक तिहाई या अधिक (मतलब 33% या अधिक) से वंचित है।
- जो लोग भारित संकेतकों के आधे या अधिक से वंचित हैं, उन्हें अत्यधिक बहुआयामी गरीबी में रहने वाला माना जाता है।

14. सुबिका पेंटिंग्स

- यह चित्रकला की एक शैली है जो मैतेई समुदाय के सांस्कृतिक इतिहास से जटिल रूप से जुड़ी हुई है।
- यह अपनी छह पांडुलिपियों अर्थात् सुबिका, सुबिका अचौबा, सुबिका लाईशाबा, सुबिका चौदित, सुबिका चेइथिल और थेंगराखेल सुबिका के माध्यम से जीवित है।
- हालाँकि शाही इतिहास, चीथारोल कुंबाबा, किसी विशिष्ट संस्थापक का उल्लेख नहीं करता है, लेकिन ऐसी संभावना है कि यह कला तब अस्तित्व में थी जब राज्य में लेखन परंपरा शुरू की गई थी।
- विशेषज्ञों का अनुमान है कि सुबिका पेंटिंग का उपयोग 18वीं या 19वीं शताब्दी से हो रहा है।

15. केन्द्रीय गृहमन्त्री दक्षता पदक

- केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने हाल ही में चार मौजूदा पदकों को मिलाकर एक नया पदक, केंद्रीय गृह मंत्री दक्ष पदक लॉन्च किया है।
- उद्देश्य: राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सेवा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान को पहचानना और सम्मानित करना।
- यह पुरस्कार पुलिस बलों, सुरक्षा संगठनों, खुफिया विंग, केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों और फोरेंसिक विज्ञान इकाइयों के सदस्यों के लिए खुला है।
- विशेष रूप से नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के क्षेत्र में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के कार्मिकों पर भी विचार किया जा सकता है।
- यह नया पदक आतंकवाद विरोधी, सीमा कार्रवाई, हथियार नियंत्रण, वामपंथी उग्रवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी की रोकथाम और बचाव कार्यों सहित संचालन में उत्कृष्टता के लिए विभिन्न सुरक्षा और खुफिया संगठनों के व्यक्तियों को प्रदान किया जाएगा।
- पदक का डिज़ाइन और प्रतीकवाद
  - केन्द्रीय गृहमन्त्री दक्षता पदक एक गोलाकार रजत स्वर्ण गिल्ट पदक होगा।
  - अग्रभाग पर बीच में 'सरदार पटेल का चेहरा' का प्रतीक होगा और नीचे 'जय भारत' शब्द होंगे।
  - ऊपरी किनारे पर 'राष्ट्र प्रहरी' (हिंदी में) लिखा होगा, जबकि निचले किनारे पर 'सेंटिनल ऑफ द नेशन' (अंग्रेजी में) लिखा होगा।
  - पीछे की ओर बीच में अशोक चक्र होगा और नीचे 'सत्य सेवा सुरक्षा' लिखा होगा।

16. डस्टेड अपोलो तितली

- हाल ही में हिमाचल प्रदेश में दुर्लभ डस्टेड अपोलो तितली देखी गई।
- यह वर्ष 1890 में इसकी खोज के बाद से इस क्षेत्र में प्रजातियों का पहला फोटोग्राफिक दस्तावेज़ीकरण है।
- डस्टेड अपोलो, जो अपने उच्च ऊंचाई वाले निवास स्थान के लिए जाना जाता है, की वितरण सीमा लद्दाख से पश्चिम नेपाल तक फैली हुई है, जो आंतरिक हिमालय में 3,500 से 4,800 मीटर की ऊंचाई पर उड़ती है।
- ऊपरी अग्रपंख पर अपने पूर्ण डिस्कल बैंड और पिछले पंखों पर एक संकीर्ण अंधेरे सीमांत बैंड द्वारा प्रतिष्ठित, यह तितली काफी हद तक लद्दाख बैंडेड अपोलो से मिलती जुलती है।
- हिमाचल प्रदेश में 11 अपोलो प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं, पाँच को अनुसूचित प्रजाति घोषित किया गया है, और सबसे अधिक खतरे का सामना कर रही हैं, उनके संरक्षण पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता बढ़ रही है।

17. व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी)PII)

- PII किसी संगठन या एजेंसी द्वारा रखा गया कोई भी डेटा या जानकारी है जिसका उपयोग संभावित रूप से किसी विशिष्ट व्यक्ति की पहचान करने के लिए किया जा सकता है।
- इसमें आधार, पैन, मतदाता पहचान, पासपोर्ट, जन्म तिथि, संपर्क नंबर, संचार पता और बायोमेट्रिक जानकारी जैसी जानकारी शामिल है।
- PII के घटक किसी व्यक्ति के गृह देश के आधार पर भिन्नभिन्न होते हैं।-
- अतिरिक्त जानकारी के साथ गैर-PII का उपयोग किसी व्यक्ति की पहचान करने के लिए किया जा सकता है।

- गैर-PII जानकारी में फोटोग्राफिक छवियां (विशेष रूप से चेहरे या अन्य पहचानने वाली विशेषताओं की), जन्म स्थान, धर्म, भौगोलिक संकेतक, रोजगार की जानकारी, शैक्षिक योग्यता और चिकित्सा रिकॉर्ड शामिल हैं।

18. ओपन मार्केट सेल स्कीम

- FCI समयसमय पर केंद्रीय पूल से अधिशेष खाद्यान्न-, विशेषकर गेहूं और चावल, खुले बाजार में पूर्व निर्धारित कीमतों-पर बेचता है।
- FCI ई नीलामी के माध्यम से ऐसा करता है जहां खुले बाजार के बोलीदाता निर्दिष्ट मात्रा में-खरीद सकते हैं।
- राज्यों को नीलामी में भाग लिए बिना OMSS के माध्यम से खाद्यान्न खरीदने की अनुमति है।
  - यह NFSA (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाभार्थियों को वितरित करने के लिए केंद्रीय निकाय से मिलने वाली (राशि से परे उनकी जरूरतों के लिए है।
- उद्देश्य
  - FCI द्वारा रखे गए खाद्यान्न के अधिशेष स्टॉक का निपटान करना
  - खुले बाजार में कीमतों को नियंत्रित करना।
- विक्रय की प्रक्रिया
  - FCI नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड)NCDEX) प्लेटफॉर्म पर साप्ताहिक नीलामी आयोजित करता है।

19. हलाल प्रमाणीकरण

- यह गारंटी देता है कि भोजन इस्लामी कानून के अनुसार तैयार किया गया है और मिलावट रहित है।
- यह यह भी सुनिश्चित करता है कि उत्पाद में कोई भी "निषिद्ध" घटक शामिल नहीं है, और यह "अशुद्ध" माने जाने वाले किसी भी पदार्थ या वस्तु के संपर्क में नहीं आया है।
- यह मुख्य रूप से मांस उत्पादों और अन्य खाद्य उत्पादों जैसे दूध, डिब्बाबंद भोजन और एडिटिव्स पर लागू होता है।
- भारत में, हलाल प्रमाणीकरण आमतौर पर तीसरे पक्ष की संस्था द्वारा प्रदान किया जाता है।
- भारत में हलाल प्रमाणन प्रदान करने वाली कुछ निजी कंपनियों में MTR , वेंकीज़, सूफ़ी और मैकडॉनल्ड्स शामिल हैं।

20. आईएनएस संध्याक

- भारतीय नौसेना ने हाल ही में विजाग में नौसेना डॉकयार्ड में अपने नवीनतम सर्वेक्षण पोत, संधायक को चालू किया।
- यह गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स)GRSE), कोलकाता में बनाए जा रहे चार सर्वेक्षण पोत जहाजों की श्रृंखला में पहला है।
  - आईएनएस संध्याक में लागत के हिसाब से 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है।
- उद्देश्य बंदरगाह और हार्बर दृष्टिकोण के लिए व्यापक तटीय और गहरे पानी के हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण का संचालन : करना, साथ ही नेविगेशनल चैनलों और मार्गों का निर्धारण करना।
- परिचालन क्षेत्र विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र)EEZ) और विस्तारित महाद्वीपीय शेल्फ को कवर करते हुए समुद्री सीमा तक फैला हुआ है।
- यह समुद्र विज्ञान और भूभौतिकीय डेटा इकट्ठा करने के लिए सुसज्जित है, जो रक्षा और नागरिक दोनों अनुप्रयोगों में काम करता है।
- अपनी द्वितीयक भूमिका में, जहाज सीमित रक्षा क्षमताएं प्रदान कर सकता है और युद्धकाल या आपात स्थिति के दौरान अस्पताल जहाज के रूप में काम कर सकता है।
- यह अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक उपकरणों से सुसज्जित है, जिसमें डेटा अधिग्रहण और प्रसंस्करण प्रणाली, स्वायत्त अंडरवाटर वाहन, रिमोट से संचालित वाहन, डीजीपीएस लंबी दूरी की पोजिशनिंग सिस्टम और डिजिटल साइड स्कैन-सोनार शामिल हैं।
- दो डीजल इंजनों द्वारा संचालित, जहाज की गति क्षमता 18 समुद्री मील से अधिक है।

21.अल्डाब्रा रेल प्रजाति

- उड़ान रहित अल्डाब्रा रेल 130,000 साल पहले विलुप्त हो गई थी, लेकिन यह प्रजाति पुनरावृत्त विकास के माध्यम से फिर से प्रकट हुई।
  - पुनरावृत्तीय विकास समय के विभिन्न बिंदुओं पर एक ही पैतृक वंश से एक विशिष्ट गुण या शरीर योजना का बार-बार होने वाला विकास है।
- अल्डाब्रा रेल अफ्रीका के दक्षिणपूर्वी तट पर मूंगा एटोल पर स्थित है।-
- यह व्हाइट प्रजाति है और हिंद महासागर में एकमात्र जीवित उड़ान-की एक उप (ड्रायोलिम्नास कुविएरी) थ्रोटेड रेल-रहित पक्षी है।
- यह लगभग एक मुर्गे के आकार का है, इसकी परतदार भूरे रंग की पीठ, जंग लगा हुआ लाल सिर और सफेद गला है।
- एक बार फिर से उड़ान भरने की अपनी क्षमता खोने के कारण, एल्डब्रा रेल अनिवार्य रूप से दो बार विकसित हुई है, पुनरावृत्त विकास नामक प्रक्रिया के माध्यम से मृतकों में से जीवित हो गई है।
- वर्ष 2019 के एक अध्ययन में 136,000 साल पहले लहरों के नीचे डूबने से पहले एटोल पर अल्डाब्रा रेल के प्रमाण मिले थे।

22.ट्राइकोग्लॉसम

- हाल ही में, शोधकर्ताओं ने केरल में ट्राइकोग्लोसम स्याम्विश्वनाथि नामक एक नई कवक प्रजाति की खोज की है ।
- ट्राइकोग्लोसम, जिओग्लोसैसी (एस्कोमाइकोटा) परिवार में वर्गीकृत कवक की एक प्रजाति है, जिसे आमतौर पर मशरूम जैसे कई तंतुओं के कारण "हेयरी अर्थ टंग्स" कवक के रूप में जाना जाता है।
- ये काले, गहरे या भूरे रंग के होते हैं।
- ये मृतोपजीवी व्यवहार प्रदर्शित करते हैं लेकिन पौधों की जड़ों में एंडोफाइट्स के रूप में भी पाए जा सकते हैं।
- ये दुनिया के सात महाद्वीपों में से कम से कम पांच में उष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण जंगलों में विश्व स्तर पर वितरित हैं।
- ये कार्बनिक पदार्थों के अपघटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

23.ग्रैमी अवार्ड

- ग्रैमी अवार्ड, जिसे मूल रूप से ग्रामोफोन अवार्ड कहा जाता है, संयुक्त राज्य अमेरिका में नेशनल एकेडमी ऑफ रिकॉर्डिंग आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा संगीत उद्योग में कलाकारों को एक वर्ष में उनके असाधारण काम के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।
- इसे वर्ष 1958 के कलाकारों का सम्मान करने के लिए वर्ष 1959 में शुरू किया गया था। एक बार जब यह बन गया, तो समिति ने एमिल बर्लिनर के ग्रामोफोन को श्रद्धांजलि के रूप में इसे ग्रैमी कहने का फैसला किया।
- "जनरल फील्ड" चार पुरस्कार हैं जो शैली द्वारा प्रतिबंधित नहीं हैं जैसे एल्बम ऑफ द ईयर, रिकॉर्ड ऑफ द ईयर, सॉन्ग ऑफ द ईयर और सर्वश्रेष्ठ नए कलाकार।
- सम्मानित होने वालों को ग्रामोफोन की एक स्वर्ण प्रतिमा प्राप्त होती है।
- शक्ति, इंडो-जैज़ सुपरग्रुप जिसमें उस्ताद ज़ाकिर हुसैन, जॉन मैकलॉघलिन, वी सेल्वगनेश, गणेश राजगोपालन और शंकर महादेवन शामिल हैं, ने "दिस मोमेंट" के लिए सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम का ग्रैमी जीता।
- कोविड के दौरान बनाया गया यह एल्बम, कर्नाटक शास्त्रीय संगीत के साथ पूर्वी और पश्चिमी ध्वनियों और उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत का मिश्रण दिखाता है।

24.GRAPES-3 एक्सपेरिमेंट

- GRAPES-3 को एयर शावर डिटेक्टरों की एक श्रृंखला और एक बड़े क्षेत्र म्यूऑन डिटेक्टर के साथ ब्रह्मांडीय किरणों का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- भारत के ऊटी में स्थित, यह टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च द्वारा संचालित है।
- इसका उद्देश्य विभिन्न खगोल भौतिकी सेटिंग्स में ब्रह्मांडीय किरणों के त्वरण की जांच करना है।
- उद्देश्य: अध्ययन करना

- आकाशगंगा और उससे आगे >1014 eV ब्रह्मांडीय किरणों की उत्पत्ति, त्वरण और प्रसार।
- ब्रह्मांडीय किरणों के ऊर्जा स्पेक्ट्रम में "कनी " का अस्तित्व।
- ब्रह्मांड में उच्चतम ऊर्जा (~1020 eV) कॉस्मिक किरणों का उत्पादन और/या त्वरण।
- न्यूट्रॉन सितारों और अन्य कॉम्पैक्ट वस्तुओं से मल्टी-टीईवी γ-किरणों का खगोल विज्ञान।

- GRAPES-3 प्रयोग ने हाल ही में लगभग 166 टेरा-इलेक्ट्रॉन-वोल्ट (TeV) ऊर्जा पर कॉस्मिक-रे प्रोटॉन स्पेक्ट्रम में एक नई सुविधा की खोज की, जबकि स्पेक्ट्रम को 50 TeV से लेकर 1 पेटा-इलेक्ट्रॉन-वोल्ट (PeV) से थोड़ा अधिक तक मापा गया।

25.ओबिलिस्क

- ओबिलिस्क मानव शरीर में मौजूद वायरस जैसी संस्थाओं का एक नया खोजा गया वर्ग है।
- इसमें विविध RNAका एक वर्ग शामिल है जो मानव और वैश्विक माइक्रोबायोम में उपनिवेशित हो गया है और किसी का ध्यान नहीं गया है।
- RNA की उनकी मुड़ी हुई लंबाई से बनी अत्यधिक सममित, रॉड जैसी संरचनाओं के नाम पर, ओबिलिस्क के आनुवंशिक अनुक्रम केवल 1,000 वर्ण (न्यूक्लियोटाइड) आकार के होते हैं।
- आनुवंशिक सामग्री के इन रहस्यमय टुकड़ों में कोई पता लगाने योग्य अनुक्रम या यहां तक कि किसी अन्य जैविक एजेंटों के लिए ज्ञात संरचनात्मक समानताएं भी नहीं हैं।
- ये अन्य आनुवंशिक अणुओं की तुलना में भी काफी बड़े होते हैं जो पौधों से लेकर बैक्टीरिया तक कोशिकाओं के अंदर सह-अस्तित्व में रहते हैं, जिन्हें प्लास्मिड कहा जाता है, जो आमतौर पर DNA से बने होते हैं।
- ओबिलिस्क जीवों के अपने वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे वायरस और वाइरोइड के बीच कहीं स्थित होते हैं।
- हालाँकि अन्य ओबिलिस्क के मेजबान अज्ञात हैं, ऐसी संभावना है कि उनमें से कुछ बैक्टीरिया में पाए जा सकते हैं।
- हमारे शरीर के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के ओबिलिस्क मौजूद दिखाई देते हैं।

26.इमेज करेक्शन एल्गोरिथम

- भारत के रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) के वैज्ञानिकों ने एक उपन्यास इमेज करेक्शन एल्गोरिथम विकसित किया है
- इसका उद्देश्य अल्ट्राकोल्ड परमाणुओं के अध्ययन में उपयोग की जाने वाली इमेजेज को बढ़ाना है।
- परम शून्य के करीब तापमान तक ठंडा किए गए ये परमाणु दिलचस्प क्वांटम यांत्रिकी गुणों का प्रदर्शन करते हैं।
- वर्तमान इमेजिंग विधियां, जो प्रतिदीप्ति, अवशोषण और चरण-विपरीत तकनीकों पर निर्भर करती हैं, हस्तक्षेप फ्रिंज जैसी खामियों से ग्रस्त हैं जो वास्तविक इमेजेज को अस्पष्ट करती हैं।
- नया एल्गोरिदम इन फ्रिंजों को 50% तक कम कर देता है
- इससे स्पष्ट इमेजेज प्राप्त होती हैं और परमाणु संख्या और तापमान अनिश्चितता जैसे मापदंडों की अधिक सटीक गणना संभव हो पाती है।
- यह प्रगति अल्ट्राकोल्ड परमाणुओं के व्यवहार और उनके क्वांटम गुणों में गहरी अंतर्दृष्टि को दिखाती है।

27.चीनी सब्सिडी योजना

- केंद्रीय कैबिनेट ने सब्सिडी वाली चीनी योजना को बढ़ा दिया है.
- इसका उद्देश्य 31 मार्च, 2026 तक अंत्योदय अन्न योजना (AAY) वाले परिवारों को रियायती दरों पर चीनी उपलब्ध कराना है।
- इस पहल का उद्देश्य सबसे गरीब नागरिकों के पोषण सेवन को बढ़ाना है। इस योजना के तहत, केंद्र सरकार भाग लेने वाले राज्यों में AAY परिवारों को प्रति माह चीनी पर 18.50 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडी प्रदान करती है।
- योजना के विस्तार से 15वें वित्त आयोग (वर्ष 2020-21 से वर्ष 2025-26) की अवधि के दौरान 1850 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ प्रदान करने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) के तहत मुफ्त राशन प्रदान करती है।
- यह समाज के कमजोर वर्गों का समर्थन करने के लिए सस्ती कीमतों पर 'भारत आटा,' 'भारत दाल,' 'भारत चावल,' टमाटर और प्याज जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थ बेचता है।

28. जम्मू-कश्मीर में ओबीसी को आरक्षण

- केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण प्रदान करने के लिए लोकसभा में एक नया विधेयक पेश किया है।
- इस कानून का उद्देश्य मौजूदा कानूनों को संवैधानिक प्रावधानों के साथ संरेखित करना है।
- यह भारत की आजादी के बाद पहली बार पंचायतों और नगर पालिकाओं में ओबीसी के लिए प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगा।
- प्रस्तावित जम्मू और कश्मीर स्थानीय निकाय कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 प्रासंगिक अधिनियमों में संशोधन करके उन्हें संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप लाने का प्रयास करता है।
- यह विधेयक स्थानीय शासन में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण से संबंधित प्रावधानों को प्रभावित करेगा।
- वर्तमान में, जम्मू-कश्मीर में इन स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है।
- विधेयक का उद्देश्य कानून पारित होने के बाद आरक्षित सीटों की संख्या निर्धारित करने के लिए एक आयोग को सशक्त बनाकर इस अंतर को संबोधित करना है।

29. व्योमित्र

- भारत वर्ष 2025 में अपने मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारी कर रहा है।
- देश पहले महत्वपूर्ण प्रणालियों का परीक्षण करने के लिए व्योममित्र नामक एक ह्यूमनॉइड रोबोट को अंतरिक्ष में भेजने की योजना बना रहा है।
- व्योममित्र, जिसका वजन 40 किलोग्राम है और इसरो द्वारा विकसित किया गया है।
- यह अंतरिक्ष यान की कक्षा के भीतर मानवीय कार्यों का अनुकरण करेगा।
- यह नियंत्रण पैनल संचालित करने, मापदंडों की निगरानी करने, जीवन समर्थन संचालन करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके बातचीत में संलग्न होने के लिए सुसज्जित है।
- व्योममित्र का लक्ष्य चालक दल की उड़ानों से पहले गगनयान मॉड्यूल की आदत और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- उनकी तैनाती भविष्य के गगनयान मिशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

30. अभ्यास (ABHYAS)

- हाल ही में, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने हाई-स्पीड एक्सपेंडेबल हवाई लक्ष्य 'अभ्यास' के चार उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किए।
- अभ्यास एक हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (HEAT) है।
- इसे DRDO के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (ADE) द्वारा डिजाइन किया गया है।
- यह हथियार प्रणालियों के अभ्यास के लिए एक यथार्थवादी खतरे का परिदृश्य प्रस्तुत करता है।
- यह सशस्त्र बलों में शामिल किए जाने वाले उपकरणों के सत्यापन के लिए आदर्श मंच है (केवल वे उपकरण जिनके लिए हवाई जुड़ाव की आवश्यकता होती है)।
- इसे ADE द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित ऑटोपायलट की मदद से स्वायत्त उड़ान के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसमें हथियार अभ्यास के लिए आवश्यक एक रडार क्रॉस-सेक्शन और एक दृश्य और अवरक्त वृद्धि प्रणाली है।
- लक्ष्य ड्रोन में एक लैपटॉप-आधारित ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम होता है जिसके साथ विमान को एकीकृत किया जा सकता है और उड़ान पूर्व जांच, उड़ान के दौरान डेटा रिकॉर्डिंग, उड़ान के बाद रीप्ले और उड़ान के बाद विश्लेषण किया जा सकता है।

31. इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (ICIMOD)

- हाल ही में, ICIMOD के विशेषज्ञों ने हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र को विनाश के कगार पर एक जीवमंडल घोषित किया और प्रकृति के नुकसान को रोकने के लिए साहसिक कार्रवाई और तत्काल वित्त का आह्वान किया।
- ICIMOD, 1983 में स्थापित, हिंदू कुश हिमालय (HKH) के लोगों की ओर से काम करने वाला एक अंतर-सरकारी ज्ञान और शिक्षण केंद्र है।

- मिशन: ज्ञान का निर्माण और साझा करना जो क्षेत्रीय नीति और कार्रवाई को संचालित करता है और निवेश को आकर्षित करता है जो एचकेएच के विविध देशों और समुदायों को हरित, अधिक समावेशी और जलवायु-लचीला विकास में बदलने में सक्षम बनाता है।
- सदस्य देश: अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, म्यांमार, नेपाल और पाकिस्तान।
- मुख्यालय: काठमांडू, नेपाल
- कार्य
  - यह महत्वपूर्ण पर्वतीय समस्याओं के नवीन समाधान खोजने के लिए सूचना और ज्ञान सृजन और साझाकरण के माध्यम से क्षेत्र की सेवा करता है।
  - यह विज्ञान को नीतियों और ज़मीनी प्रथाओं से जोड़ता है।
  - यह एक क्षेत्रीय मंच प्रदान करता है जहां विशेषज्ञ, योजनाकार, नीति निर्माता और व्यवसायी सतत पर्वतीय विकास की उपलब्धि के लिए विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

32. हाइपरवेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट फैसिलिटी

- हाल ही में, आईआईटी-कानपुर ने भारत की पहली हाइपरवेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट सुविधा की सफलतापूर्वक स्थापना और परीक्षण किया।
- भारत की पहली हाइपरवेलोसिटी एक्सपेंशन टनल टेस्ट फैसिलिटी, S2, जिसका उपनाम 'जिगरथंडा' है, एक 24 मीटर लंबी सुविधा है जो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के भीतर आईआईटी कानपुर के हाइपरसोनिक एक्सपेरिमेंटल एयरोडायनामिक्स लेबोरेटरी (HEAL) में स्थित है।
- इसे एयरोनॉटिकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट बोर्ड (ARDB), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), और आईआईटी कानपुर के वित्त पोषण और समर्थन से तीन वर्षों में स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया था।
- यह वाहनों के वायुमंडलीय प्रवेश, क्षुद्रग्रह प्रवेश, स्क्रैमजेट उड़ानों और बैलिस्टिक मिसाइलों के दौरान आने वाली हाइपरसोनिक स्थितियों का अनुकरण करते हुए 3-10 किमी/सेकेंड के बीच उड़ान गति उत्पन्न करने में सक्षम है।
- यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति होगी।
- यह गगनयान, पुन: प्रयोज्य लॉन्च वाहन (RLV) और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइलों जैसे इसरो और DRDO के चल रहे मिशनों के लिए परीक्षण मैदान के रूप में काम करेगा, जिससे अधिक उन्नत और विश्वसनीय एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों के विकास को सक्षम किया जा सकेगा।

33. वैक्सीन सेफ्टी नेट

- स्वस्थ भारतीय परियोजना (THIP), भारत में एक स्वास्थ्य सूचना मंच, विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैक्सीन सुरक्षा नेट (VSN) के सदस्य के रूप में शामिल है।
- वैक्सीन सेफ्टी नेट विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्थापित वेबसाइटों का एक वैश्विक नेटवर्क है जो वैक्सीन सुरक्षा पर विश्वसनीय जानकारी प्रदान करता है।
- यह डिजिटल सूचना संसाधनों के एक विविध समूह का एक नेटवर्क है, VSN सदस्य विभिन्न भाषाओं में वैक्सीन सुरक्षा पर वैज्ञानिक रूप से आधारित जानकारी प्रदान करते हैं।
- परियोजना में एक प्रमुख खिलाड़ी वैक्सीन सुरक्षा पर वैश्विक सलाहकार समिति (GACVS) है।
  - इसकी स्थापना WHO द्वारा वर्ष 1999 में संभावित वैश्विक महत्व के वैक्सीन सुरक्षा मुद्दों पर त्वरित, कुशलतापूर्वक और वैज्ञानिक कठोरता के साथ प्रतिक्रिया देने के लिए की गई थी।
- GACVS ने विश्वसनीयता, सामग्री, पहुंच और डिजाइन के संबंध में अच्छी सूचना प्रथाओं के लिए मानदंडों की तीन श्रेणियां विकसित कीं, जिनका वैक्सीन सुरक्षा पर जानकारी प्रदान करने वाले डिजिटल संसाधनों को पालन करना चाहिए।
- WHO इन मानदंडों के पालन के लिए उन इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का मूल्यांकन करता है।
- इसका लगातार विस्तार हो रहा है और आज तक, 45 देशों की 110 वेबसाइटें 43 भाषाओं में वैक्सीन सुरक्षा जानकारी प्रदान करती हैं।

34. कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट

- कलादान परियोजना बंगाल की खाड़ी के माध्यम से भारत और म्यांमार को जोड़ेगी।
- भारत के पूर्वी बंदरगाहों से म्यांमार के साथ-साथ म्यांमार के माध्यम से भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से तक कार्गो के शिपमेंट के लिए परिवहन का एक बहु-मॉडल मोड बनाने के लिए भारत और म्यांमार द्वारा संयुक्त रूप से इसकी पहचान की गई थी।
- यह कोलकाता को म्यांमार के राखीन राज्य में सिटवे बंदरगाह से जोड़ेगा, जो मुख्य रूप से बंगाल की खाड़ी पर 500 किमी से अधिक की दूरी तय करेगा।
- इसका निर्माण भारत द्वारा अनुदान सहायता योजना के तहत किया जा रहा है।
- परियोजना में चार महत्वपूर्ण चरणों की परिकल्पना की गई है।
- कोलकाता से सितवे जलमार्ग
- सितवे से पलेतवा अंतर्देशीय (कलादान नदी) जलमार्ग
- म्यांमार में भारत-म्यांमार सीमा चौकी तक पलेतवा
- मिज़ोरम में लॉन्गत्लाई को सड़क से जोड़ना
- इस परियोजना से भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के आर्थिक विकास में योगदान मिलने की उम्मीद है।
  यह उत्तर-पूर्वको एक रणनीतिक लिंक भी प्रदान करता है, जिससे सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर दबाव कम होता है।

35. ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स

- यह एक ओपन-सोर्स नेटवर्क है जो खरीदारों और विक्रेताओं को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की परवाह किए बिना एक-दूसरे के साथ लेनदेन करने में सक्षम बनाता है।
- यह किसी भी नेटवर्क-सक्षम एप्लिकेशन द्वारा सभी क्षेत्रों में स्थानीय वाणिज्य को खोजने और संलग्न करने में सक्षम बनाएगा।
- यह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) की एक पहल है।
- उद्देश्य
  - डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान के सभी पहलुओं के लिए खुले नेटवर्क को बढ़ावा देना।
  - नए अवसर पैदा करना, डिजिटल एकाधिकार पर अंकुश लगाना और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और छोटे व्यापारियों का समर्थन करना और उन्हें ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर आने में मदद करना।
  - डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स को लोकतांत्रिक बनाने के लिए, इसे प्लेटफ़ॉर्म-केंद्रित मॉडल से ओपन-नेटवर्क में ले जाना।
- इससे संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को डिजिटल बनाने, आपूर्तिकर्ताओं के समावेश को बढ़ावा देने, लॉजिस्टिक्स में दक्षता हासिल करने और उपभोक्ताओं के लिए मूल्य बढ़ाने की उम्मीद है।

36. किलकारी कार्यक्रम

- हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्रियों ने गुजरात और महाराष्ट्र में स्थानीय सामग्री के लाभार्थियों के लिए एक मोबाइल स्वास्थ्य (m-हेल्थ) पहल, किलकारी कार्यक्रम को वस्तुतः लॉन्च किया।
- यह गर्भावस्था के दूसरे तिमाही से लेकर बच्चे के एक वर्ष का होने तक सीधे परिवारों के मोबाइल फोन पर गर्भावस्था, प्रसव और बच्चे की देखभाल के बारे में मुफ्त, साप्ताहिक, समय-उपयुक्त 72 ऑडियो संदेश भेजता है।
- जो महिलाएं प्रजनन बाल स्वास्थ्य (RCH) पोर्टल में पंजीकृत हैं, उन्हें सीधे मोबाइल फोन पर पहले से रिकॉर्ड की गई ऑडियो सामग्री के साथ एक साप्ताहिक कॉल प्राप्त होती है।
- किलकारी ऑडियो संदेश डॉ. अनीता नामक एक काल्पनिक डॉक्टर चरित्र की आवाज़ के रूप में मौजूद हैं।
- यह सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) द्वारा केंद्रीय रूप से आयोजित किया जाता है।
- राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा प्रौद्योगिकी, टेलीफोनी बुनियादी ढांचे या परिचालन लागत में कोई और निवेश वहन करने की आवश्यकता नहीं है।

- यह कार्यक्रम MoHFW के केंद्रीकृत प्रजनन बाल स्वास्थ्य (RCH) पोर्टल के साथ एकीकृत है और इस mHealth सेवा के लिए जानकारी का एकमात्र स्रोत है।

37. MXenes

- शोधकर्ताओं ने हाल ही में MXene कोटिंग्स का उपयोग करने की क्षमता पर रिपोर्ट दी है जो अंतरिक्ष में माइक्रोवेव का मार्गदर्शन कर सकती है और उपग्रह पेलोड को हल्का कर सकती है।
- MXenes, पहली बार वर्ष 2011 में खोजे गए, सिरेमिक हैं जो द्वि-आयामी (2D) सामग्रियों के सबसे बड़े फेफैमिलीज़ में से एक हैं।
- अधिकांश 2D सिरेमिक के विपरीत, MXenes में स्वाभाविक रूप से अच्छी चालकता और उत्कृष्ट वॉल्यूमेट्रिक कैपेसिटेंस होता है।
  - ये टाइटेनियम जैसी संक्रमण धातुओं के कार्बाइड और नाइट्राइड से बनी आणविक शीट हैं।
- विभिन्न प्रकार के MXenes में, टाइटेनियम कार्बाइड ($Ti_3C_2T_x$) का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है।
- MXenes के कुछ संभावित अनुप्रयोगों में उनकी उच्च चालकता और बड़े सतह क्षेत्र, विद्युत चुम्बकीय हस्तक्षेप परिरक्षण, कैटेलिसिस, सेंसर और जल शोधन के कारण ऊर्जा भंडारण (जैसे लिथियम-आयन बैटरी और सुपरकैपेसिटर) शामिल हैं।

38. अल्ट्राकोल्ड परमाणु

- रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (RRI) के भारतीय वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक नया छवि-सुधार एल्गोरिथ्म तैयार किया है जो अल्ट्राकोल्ड परमाणुओं के अध्ययन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है।
- ये परमाणु जिनका तापमान परम शून्य (शून्य केल्विन) के करीब होता है, अल्ट्राकोल्ड परमाणु कहलाते हैं।
- पूर्ण शून्य के करीब कम तापमान पर, परमाणु शास्त्रीय भौतिकी के बजाय क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों के अनुसार व्यवहार करते हैं।

39. फॉरएवर केमिकल्स

- हाल ही में, शोधकर्ताओं ने केवल तीन मिनट या उससे कम समय में फॉरएवर केमिकल्स के निशान का पता लगाने के लिए एक नई प्रयोगशाला-आधारित विधि का प्रदर्शन किया।
- PFAS (प्रति और पॉलीफ्लोरिनेटेड एल्काइल पदार्थ), जिसे फॉरएवर केमिकल्स के रूप में भी जाना जाता है, 4,700 से अधिक अत्यधिक स्थायी मानव निर्मित रसायनों का एक बड़ा रासायनिक समूह है।
- इन्हें पहली बार 1940 के दशक में विकसित किया गया था और अब ये विभिन्न उपभोक्ता उत्पादों में पाए जाते हैं।
- इनमें नॉनस्टिक पैन, पानी प्रतिरोधी वस्त्र और आग दमन फोम शामिल हैं, क्योंकि उनकी तेल और पानी दोनों को पीछे हटाने की क्षमता है।
- PFAS आज तक का सबसे स्थायी सिंथेटिक रसायन है और प्राकृतिक वातावरण में शायद ही नष्ट होता है।
- ये दुनिया भर में लोगों और जानवरों के रक्त में पाए गए हैं, और विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पादों में निम्न स्तर पर मौजूद हैं।
- PFAS के संपर्क में आने से कैंसर, बच्चों में कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली, वजन बढ़ना और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला जुड़ी हुई है।

40. सारथी पोर्टल

- हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री ने 'सारथी' प्लेटफॉर्म का अनावरण किया।
- उद्देश्य: भारत में किसानों और ग्रामीण आबादी के लिए विशेष रूप से तैयार PMFBY सहित बीमा उत्पादों की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करना।
- यह संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) भारत के सहयोग से शुरू किया गया व्यापक डिजिटल बीमा मंच है।
- यह पोर्टल बीमा उत्पादों को देखने, खरीदने और उनका लाभ उठाने के लिए एक सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म होगा।
- प्लेटफ़ॉर्म में डिजिटल भुगतान विकल्प और सुव्यवस्थित प्रीमियम संग्रह, सहज दावा आरंभ, ट्रैकिंग और समाधान के अलावा हितधारकों के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस हैं।

41.बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (BOT) मॉडल

- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) निजी डेवलपर्स के लिए बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (BOT) मॉडल के तहत निर्माण और संचालन के लिए उच्च यातायात घनत्व वाले गलियारों की एक सूची लेकर आया है।
- BOT एक प्रकार का समझौता है जिसका उपयोग अक्सर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में किया जाता है, विशेष रूप से सार्वजनिक सुविधाओं या उपयोगिताओं के निर्माण और संचालन में किया है।
- यह एक पारंपरिक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल है जिसमें एक निजी इकाई को एक निश्चित अवधि के लिए एक विशिष्ट परियोजना या सुविधा को डिजाइन, वित्त, निर्माण, संचालन और रखरखाव करने के अधिकार और जिम्मेदारियां दी जाती हैं।
- निजी संस्था अनुबंध अवधि के दौरान परियोजना से जुड़े वित्तीय और परिचालन जोखिमों को भी वहन करती है।
- अनुबंध अवधि के अंत में, सुविधा का स्वामित्व और नियंत्रण वापस सरकार या सार्वजनिक प्राधिकरण को स्थानांतरित कर दिया जाता है, जो मूल मालिक हो सकता है।
- स्थानांतरण अक्सर पूर्व निर्धारित मूल्यांकन या मुआवजा तंत्र के साथ होता है।
- निजी कंपनी को रियायत अवधि के दौरान राजस्व प्राप्त होता है, जबकि सरकार को अग्रिम निवेश के बिना बुनियादी ढांचे के विकास से लाभ होता है।
- BOT विशेष रूप से ग्रीनफील्ड परियोजनाओं (बिना पूर्व कार्य के नई परियोजनाएं) और बड़े पैमाने पर, पूंजी-गहन परियोजनाओं के लिए उपयुक्त है।

42.जिरकोन मिसाइल

- कीव में एक लक्ष्य को भेदने की कोशिश में, रूसी सेना ने हाल ही में 3M22 जिरकोन मिसाइल लॉन्च की है।
- 3M22 जिरकॉन, या SS-N-33, रूस में विकसित एक स्क्रैमजेट-संचालित पैंतरेबाज़ी एंटी-शिप हाइपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल है।
- कथित तौर पर यह मिसाइल 9 मैक तक की गति और 1000 किमी की दूरी तक उड़ान भरने में सक्षम है।
- यह दो चरणों वाली मिसाइल है जो पहले चरण में ठोस ईंधन और दूसरे चरण में स्क्रैमजेट मोटर का उपयोग करती है।
- मिसाइल में ठंडे सुपरसोनिक दहन रैमजेट इंजन का उपयोग किया जाता है, जो मिसाइल की आगे की गति के कारण सुपरसोनिक गति से बहने वाली हवा को संपीड़ित करके दहन की सुविधा प्रदान करता है।
- मार्गदर्शन प्रणाली: सक्रिय और निष्क्रिय रडार साधक।
- उड़ान के दौरान, मिसाइल पूरी तरह से एक प्लाज्मा बादल से ढकी होती है जो रेडियो फ्रीक्वेंसी की किसी भी किरण को अवशोषित कर लेती है और मिसाइल को रडार के लिए अदृश्य बना देती है।

43.पाक में एकीकृत सरकार बनाने का आह्वान

- पाकिस्तान के शक्तिशाली सेना प्रमुख ने देश के ध्रुवीकृत राजनीतिक नेतृत्व से "सभी लोकतांत्रिक ताकतों की एकीकृत सरकार" बनाने का आग्रह किया
  - उन्होंने आम चुनावों के बाद त्रिशंकु संसद बनने के आसार दिखने पर गठबंधन सरकार बनाने में मदद के लिए अपने प्रतिद्वंद्वियों से की गई पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की अपील का समर्थन किया।
- तीन बार के पूर्व प्रधान मंत्री शरीफ के बाद एकता सरकार बनाने के प्रयासों को गति मिली, जिन्हें पाकिस्तानी सेना का समर्थन प्राप्त लगता है।
- नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को मौजूदा मुश्किलों से बाहर निकालने के लिए अन्य राजनीतिक दलों से हाथ मिलाने की अपील की है।
- आश्चर्यचकित करते हुए, जेल में बंद पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने गुरुवार के चुनाव में नेशनल असेंबली में 100 सीटों का बड़ा हिस्सा जीत लिया।
- खान की पार्टी पहले ही चुनाव में जीत का दावा कर चुकी है.

44. नई रक्षा प्रणाली

- हाल ही में, नौसेना प्रमुख (CNS) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आईएनएस उत्क्रोश में एक प्रिसिजन अप्रोच रडार (PAR) का उद्घाटन किया।
  - PAR भारी बारिश और कोहरे जैसी कम दृश्यता वाली स्थितियों में सुरक्षित विमान लैंडिंग के लिए अत्यधिक सटीक क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर मार्गदर्शन की सुविधा प्रदान करता है।
- उन्होंने नेवल जेट्टी, पोर्ट ब्लेयर में इंटीग्रेटेड अंडरवाटर हार्बर डिफेंस एंड सर्विलांस सिस्टम (IUHDSS) का भी उद्घाटन किया।
  - IUHDSS को पोर्ट ब्लेयर बंदरगाह की सुरक्षा को बढ़ाते हुए, नौसेना घाट के आसपास सतह और पानी के नीचे के लक्ष्यों का पता लगाने, पहचानने और ट्रैक करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- उन्होंने आईएनएस कोहासा, आईएनएस बाज और आईएनएस कार्डिप में नौसेना संचार नेटवर्क (NCN) केंद्रों का भी उद्घाटन किया।
  - नए उद्घाटन किए गए एनसीएन केंद्रों को संचार और परिचालन क्षमता बढ़ाने, वास्तविक समय स्थितिजन्य जागरूकता और एएनसी में संचार में संयुक्तता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

45. ब्रूमेशन

- ब्रुमेशन सरीसृपों में देखी जाने वाली निष्क्रियता या कम गतिविधि की स्थिति है, जो स्तनधारियों में हाइबरनेशन के समान है।
- यह आमतौर पर ठंडे महीनों के दौरान होता है जब तापमान गिर जाता है और भोजन दुर्लभ हो जाता है।
- सरीसृप ऊर्जा संरक्षण और प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों से बचने के लिए इस अवस्था में प्रवेश करते हैं।
- सरीसृप भूमिगत बिलों, चट्टानों की दरारों या अन्य आश्रय वाले क्षेत्रों में शरण ले सकते हैं जहाँ तापमान अपेक्षाकृत स्थिर होता है।
- उनका चयापचय काफी धीमा हो जाता है, जिससे उन्हें हफ्तों या महीनों तक भोजन के बिना रहना पड़ता है।
- शोधकर्ताओं ने बॉक्स कछुए, चित्रित कछुए, सांप और छिपकलियों सहित विभिन्न सरीसृपों में ब्रूमेशन के उदाहरणों का दस्तावेजीकरण किया है।

46. कलासा-बंडूरी परियोजना

- नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ (NBWL) ने हाल ही में कर्नाटक सरकार की कलासा-भंडूरी परियोजना के एक हिस्से के निर्माण के लिए काली और सह्याद्री बाघ अभयारण्यों से वन भूमि को हटाने के फैसले को टाल दिया है।
- कलासा-भंडूरी परियोजना में गोवा में स्थित महादयी नदी से पानी को कर्नाटक में मालाप्रभा नदी (कृष्णा नदी की एक सहायक नदी) बेसिन तक मोड़ने के लिए बांधों और एक नहर प्रणाली का निर्माण शामिल है।
- उद्देश्य: कर्नाटक के बेलगावी, धारवाड़, बागलकोट और गडग जिलों की पेयजल जरूरतों को पूरा करना।
- हालाँकि यह परियोजना पहली बार वर्ष 1980 के दशक की शुरुआत में प्रस्तावित की गई थी, लेकिन कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र के बीच विवाद के कारण यह कागज पर ही रह गई है।
- योजना के अनुसार, महादयी की सहायक नदियों कलसा और भंडूरी धाराओं के खिलाफ बैराज बनाए जाने हैं और पानी को कर्नाटक के सूखे जिलों की ओर मोड़ दिया जाएगा।

47. ढोकरा शिल्पकला

- छत्तीसगढ़ का गेरू स्टूडियो भारत के 4,000 साल पुराने शिल्प- ढोकरा शिल्पकला को संरक्षित करने में मदद कर रहा है।
- माना जाता है कि "ढोकरा" शब्द ढोकरा दामर जनजातियों से लिया गया है, जो मध्य भारत के पारंपरिक धातु लोहार हैं।
- ढोकरा शिल्पकला की उत्पत्ति का पता छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों से लगाया जा सकता है।

- यह अपनी असाधारण धातु कास्टिंग तकनीक द्वारा प्रतिष्ठित है, जो खोई हुई मोम कास्टिंग विधि को नियोजित करती है, जिसे साइर पर्ड्यू के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।
- कारीगर प्रकृति, पौराणिक कथाओं और रोजमर्रा की जिंदगी से प्रेरणा लेते हैं, जानवरों, पक्षियों, देवताओं और आदिवासी प्रतीकों जैसे रूपांकनों को अपनी रचनाओं में शामिल करते हैं।
- लघु मूर्तियों और आभूषणों से लेकर जीवन से भी बड़ी मूर्तियों और कार्यात्मक वस्तुओं तक, ढोकरा शिल्पकला में कलात्मक अभिव्यक्तियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।
- मशीनीकृत उत्पादन तकनीकों के उदय के साथ शहरीकरण की तीव्र गति ने पारंपरिक कारीगरों की आजीविका को खतरे में डाल दिया है और इस प्राचीन शिल्प को खतरे में डाल दिया है।

48. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

- IIP एक संकेतक है जो एक निश्चित अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादों के उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन को मापता है।
- यह एक समग्र संकेतक है जो उद्योग समूहों की विकास दर को मापता है।
- जिन उद्योग समूहों को यह मापता है उन्हें इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है
  - विनिर्माण, खनन और बिजली जैसे व्यापक क्षेत्र।
  - उपयोग-आधारित क्षेत्र जैसे पूंजीगत सामान, बुनियादी सामान, मध्यवर्ती सामान, बुनियादी ढांचा सामान, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और उपभोक्ता गैर-टिकाऊ सामान।
- इसका उपयोग नीति-निर्माण उद्देश्यों के लिए वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक आदि सहित सरकारी एजेंसियों द्वारा किया जाता है।
- इसे राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।
- IIP के लिए आधार वर्ष 2011-2012 है।
- आठ कोर सेक्टर
- इनमें औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में शामिल वस्तुओं का भार 40.27% शामिल है।
- आठ प्रमुख क्षेत्र के उद्योग अपने भार के घटते क्रम में: रिफाइनरी उत्पाद > बिजली > इस्पात > कोयला > कच्चा तेल > प्राकृतिक गैस > सीमेंट > उर्वरक।

49. अलास्कापोक्स

- हाल ही में, अलास्का का एक बुजुर्ग व्यक्ति अलास्कापॉक्स से मरने वाला पहला व्यक्ति बन गया।
- अलास्कापॉक्स एक ऑर्थोपॉक्स वायरस है जिसे पहली बार वर्ष 2015 में अलास्का, संयुक्त राज्य अमेरिका में खोजा गया था।
- यह एक डबल-स्ट्रैंडेड डीएनए वायरस है जो चेचक, मंकीपॉक्स और काउपॉक्स के समान जीनस ऑर्थोपॉक्सवायरस से संबंधित है।
  - ऑर्थोपॉक्सवायरस ज़ूनोटिक वायरस हैं जो मनुष्यों सहित विभिन्न स्तनधारियों को संक्रमित कर सकते हैं।
- वर्तमान साक्ष्य इंगित करते हैं कि अलास्कापॉक्स वायरस मुख्य रूप से छोटे स्तनधारियों में होता है।
  - वायरस की सबसे अधिक पहचान रेड-बैक्ड वोल्स और शूज़ में की गई है।
- लक्षण: एक या अधिक त्वचा पर घाव (धक्कों या फुंसी), सूजे हुए लिम्फ नोड्स और जोड़ों और/या मांसपेशियों में दर्द, प्रतिरक्षाविहीन लोगों में अधिक गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ सकता है।
- संचरण: जबकि अलास्कापॉक्स का मानव-से-मानव संचरण अभी तक नहीं देखा गया है, कुछ ऑर्थोपॉक्सवायरस घावों के सीधे संपर्क से फैल सकते हैं।

50. बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (BAPS)

- प्रधानमंत्री अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर, बोचासनवासी अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था BAPS मंदिर का उद्घाटन करेंगे।

- BAPS एक सामाजिक-आध्यात्मिक हिंदू आस्था है जो भगवान स्वामीनारायण (1781-1830 CE) द्वारा प्रचारित वैदिक शिक्षाओं पर आधारित है।
- यह संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद के साथ परामर्शदात्री स्थिति वाला एक गैर सरकारी संगठन है।
- इसकी औपचारिक स्थापना वर्ष 1907 ई. में ब्रह्मस्वरूप शास्त्रीजी महाराज द्वारा की गई थी।
- BAPS अनुयायियों की पाँच-आजीवन प्रतिज्ञाएँ: शराब नहीं, व्यसन नहीं, व्यभिचार नहीं, मांस नहीं, शरीर और मन की अशुद्धता नहीं।

51.राष्ट्रीय रचनाकार पुरस्कार

- यह अपनी तरह का पहला पुरस्कार है जिसे "जेन जेड" पर लक्षित किया जाएगा, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया से जुड़ी युवा पीढ़ी का संदर्भ है।
- उद्देश्य
  - प्रभाव डालने वाले डिजिटल रचनाकारों को पहचानने और बढ़ावा देने के लिए बदलाव लाने वालों को केंद्र में रखें
  - सामाजिक प्रभाव पर डिजिटल मीडिया के प्रभाव को बढ़ाना
  - 'अमृत काल' के दौरान एक सामाजिक क्रांति, एक राष्ट्रीय आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए रचनाकारों, नेताओं और सरकार के समुदाय को एक मंच पर लाएँ।
  - सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए रचनात्मकता का उपयोग करना।
- पात्रता मापदंड
  - नामांकन के समय प्रतिभागियों की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
  - 19 श्रेणियां विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रीयता के व्यक्तियों के लिए खुली हैं, एक श्रेणी अंतरराष्ट्रीय डिजिटल रचनाकारों को समर्पित है।
  - सामग्री को एक या अधिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर, लिंक्डइन या फेसबुक पर प्रकाशित किया जाना चाहिए।
  - भाषा: अंग्रेजी या कोई अन्य भारतीय भाषा।
  - रचनाकार अधिकतम तीन श्रेणियों में स्वयं-नामांकित कर सकते हैं। दूसरों को नामांकित करने वाले सभी 20 श्रेणियों में नामांकन कर सकते हैं।

52.स्वाति पोर्टल

- हाल ही में, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने "महिलाओं के लिए विज्ञान-एक प्रौद्योगिकी और नवाचार (SWATI)" पोर्टल लॉन्च किया।
- उद्देश्य: STEMM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित और चिकित्सा) में भारतीय महिलाओं और लड़कियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक ऑनलाइन पोर्टल बनाना।
- स्वाति पोर्टल का डेटाबेस लैंगिक -अंतर की चुनौतियों का समाधान करने के लिए नीति-निर्माण में काम आएगा।
- इसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च (NIPGR), नई दिल्ली द्वारा विकसित, होस्ट और रखरखाव किया जाता है।
- पोर्टल के विभिन्न अनुभागों में प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेता और निदेशक, सचिव अकादमी अध्यक्ष संकाय भारतीय विश्वविद्यालय, स्वायत्त संगठन शामिल हैं।

53.आईआईटी ज़ांज़ीबार

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी-मद्रास) ने पिछले साल ज़ांज़ीबार (तंजानिया) में अपने पहले अंतरराष्ट्रीय परिसर का उद्घाटन किया।
  - ज़ांज़ीबार तंजानिया के तट पर हिंद महासागर में एक द्वीपसमूह है, और तंजानिया का एक अर्ध-स्वायत्त प्रांत है।
  - यह स्टोन टाउन, स्वाहिली और इस्लामी प्रभाव वाला एक ऐतिहासिक व्यापार केंद्र है।
- ज़ांज़ीबार परिसर वैश्विक मंच पर भारत की शिक्षा प्रणाली को प्रदर्शित करने के भारत सरकार के प्रयासों का हिस्सा है।

- यह कदम भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है और इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच शैक्षिक सहयोग को बढ़ाना है।
- यह ज़ांज़ीबार टाउन के पास ब्वेलियो जिले में स्थित है, और स्नातक और मास्टर स्तर पर डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में कार्यक्रम पेश करेगा।
- उद्घाटन बैच में ज़ांज़ीबार, मुख्य भूमि तंजानिया, नेपाल और भारत के छात्र शामिल थे, जिनमें महिलाओं का उल्लेखनीय प्रतिनिधित्व 40% था।
- यह परिसर अकादमिक सहयोग में भी शामिल होगा, जिसमें विदेश में अध्ययन कार्यक्रम, इंटर्नशिप और चेन्नई स्थित आईआईटी-मद्रास परिसर के साथ आदान-प्रदान शामिल है।

54.जैव विविधता विरासत स्थल

- हाल ही में, ओडिशा सरकार ने कोरापुट जिले में गुप्तेश्वर वन को अपना चौथा जैव विविधता विरासत स्थल (BHS) घोषित किया है।
- जैव विविधता विरासत स्थल ऐसे क्षेत्र हैं जो समृद्ध जैव विविधता वाले अद्वितीय, पारिस्थितिक रूप से नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र हैं।
- जैविक विविधता अधिनियम के तहत, राज्य सरकारों को 'स्थानीय निकायों' के परामर्श से, जैव विविधता महत्व के क्षेत्रों को जैव विविधता विरासत स्थलों के रूप में आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचित करने का अधिकार है।
- साथ ही, राज्य सरकार केंद्र सरकार के परामर्श से BHS के प्रबंधन और संरक्षण के लिए नियम बना सकती है।
- राज्य सरकारों को ऐसी अधिसूचना से आर्थिक रूप से प्रभावित किसी भी व्यक्ति या लोगों के वर्ग को मुआवजा देने या पुनर्वास के लिए योजनाएं बनाने का अधिकार है।

55.हस्तसाल मीनार

- इसे मिनी कुतुब मीनार के नाम से भी जाना जाता है, यह पश्चिमी दिल्ली के एक छोटे से गाँव में स्थित है।
- स्थानीय लोगों के बीच इसे हस्तसाल की लाट और कौशल मीनार के नाम से भी जाना जाता है।
- इसका निर्माण मुग़ल बादशाह शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान 1634 में पूरा हुआ था।
- इसका निर्माण लाखौरी ईंटों का उपयोग करके और लाल बलुआ पत्थर से किया गया था।
- यह मीनार 17 मीटर (पांच मंजिल) ऊंची है, जो एक चौकोर मंच पर खड़ी है और इसका शरीर अष्टकोणीय है।
- पांच मंजिला टावर के अंदर एक सीढ़ी शीर्ष पर गुंबददार छत्री मंडप तक जाती थी।
- इसमें तीन मंजिलें हैं, प्रत्येक का व्यास कम है, और एक संकीर्ण सीढ़ी के माध्यम से पहुंचा जा सकता है
- 17वीं शताब्दी के दौरान शाहजहाँ ने हस्तसाल को अपने शिकार आवासों में से एक के रूप में उपयोग किया।
- 2018 में, मीनार को विरासत मूल्य में ग्रेड ए के रूप में माना गया था और राजधानी में कम-ज्ञात स्मारकों की सुरक्षा के लिए दिल्ली सरकार की परियोजना के चरण IV के तहत संरक्षित करने की अनुमति दी गई थी।

56.फ्लोर टेस्ट

- फ्लोर टेस्ट एक संवैधानिक तंत्र है जिसके तहत राज्यपाल द्वारा नियुक्त सीएम (अनुच्छेद 164) को राज्य की विधान सभा के पटल पर बहुमत साबित करने के लिए कहा जा सकता है।
- यह सदस्यों के बीच मतदान के माध्यम से किया जाता है।
- जब सदन का सत्र चल रहा हो तो अध्यक्ष ही शक्ति परीक्षण के लिए बुला सकते हैं। लेकिन जब विधानसभा का सत्र नहीं चल रहा हो, तो अनुच्छेद 163 के तहत राज्यपाल की अवशिष्ट शक्तियां उन्हें शक्ति परीक्षण बुलाने की अनुमति देती हैं।
- 2020 में, सुप्रीम कोर्ट ने, शिवराज सिंह चौहान मामले में, स्पीकर की शक्तियों को बरकरार रखा कि अगर प्रथम दृष्टया यह लगे कि सरकार ने बहुमत खो दिया है, तो वह फ्लोर टेस्ट बुला सकती है।
- कंपोजिट फ्लोर टेस्ट तभी आयोजित किया जाता है जब एक से अधिक व्यक्ति सरकार बनाने का दावा पेश करते हैं।

57.पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

- हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने अपने लाभार्थियों को मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है।
- मुफ्त बिजली योजना की घोषणा पहले वित्त मंत्री ने अंतरिम बजट भाषण में की थी।
- इस योजना के तहत, सरकार ₹75,000 करोड़ का निवेश करके अपने लाभार्थियों को प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करेगी।
- लक्ष्य: इसका लक्ष्य 1 करोड़ घरों को रोशन करना है।
- शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को अपने अधिकार क्षेत्र में छत पर सौर प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- केंद्र सरकार लोगों को उनके बैंक खातों में सीधे महत्वपूर्ण सब्सिडी प्रदान करके और अत्यधिक रियायती बैंक ऋण की पेशकश करके उन पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ने की गारंटी देगी।
- अपेक्षित फायदे
  - मुफ्त सौर बिजली और वितरण कंपनियों को अधिशेष बेचने से परिवारों को सालाना पंद्रह से अठारह हजार रुपये तक की बचत;
  - आपूर्ति और स्थापना के लिए बड़ी संख्या में विक्रेताओं के लिए उद्यमिता के अवसर
  - विनिर्माण, स्थापना और रखरखाव में तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर।

58.प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन

- जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन के लिए COP14 की मेजबानी 12-17 फरवरी 2024 तक समरकंद में उज़्बेकिस्तान सरकार द्वारा की गई है।
- बॉन कन्वेंशन के रूप में भी जाना जाता है, यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के तत्वावधान में एक पर्यावरण संधि है।
- यह प्रवासी जानवरों और उनके आवासों के संरक्षण और टिकाऊ उपयोग के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है।
- यह एकमात्र वैश्विक और संयुक्त राष्ट्र-आधारित अंतरसरकारी संगठन है जो विशेष रूप से स्थलीय, जलीय और पक्षी प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए स्थापित किया गया है।
- CMS पार्टियों की गतिविधियाँ कानूनी रूप से बाध्यकारी संधियों से लेकर कम औपचारिक उपकरणों, जैसे समझौता ज्ञापन तक हो सकती हैं।
- कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (COP) इस सम्मेलन का निर्णय लेने वाला अंग है।
- परिशिष्ट
  - परिशिष्ट I: इसमें लुप्तप्राय प्रवासी प्रजातियों को सूचीबद्ध किया गया है और इन प्रजातियों को लेने से संबंधित निषेध भी शामिल है।
  - परिशिष्ट II: यह उन प्रजातियों को सूचीबद्ध करता है जिनकी 'प्रतिकूल संरक्षण स्थिति' है और इन प्रजातियों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए रेंज राज्यों को रेंज-वाइड समझौतों का मसौदा तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

59.ईजागृति पोर्टल-

- उपभोक्ता मामलों के सचिव ने हाल ही में कहा था कि 'ई-जागृति' पोर्टल में AI के एकीकरण से उपभोक्ता अदालतों में लंबित मामलों की संख्या कम करने में मदद मिलेगी।
- ई-जागृति पोर्टल, उपभोक्ता आयोगों के लिए एक पोर्टल, ग्राहक अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह सभी स्तरों पर एक सरल, तेज और लागत प्रभावी उपभोक्ता विवाद निवारण सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान करता है।
- इसमें उपभोक्ता शिकायत प्लेटफार्मों, अर्थात् ऑनलाइन केस मॉनिटरिंग सिस्टम (OCMS), ई-दाखिल, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (NCDRC) केस मॉनिटरिंग सिस्टम आदि को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करने की परिकल्पना की गई है।

- यह सभी आयोगों द्वारा मामलों के निर्बाध निपटान के लिए केस फाइलिंग, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, केस मॉनिटरिंग मॉड्यूल प्रदान करता है, संग्रहीत उपभोक्ता शिकायतों / मामलों / निर्णयों पर स्मार्ट खोज सुविधा और AI का उपयोग करके निर्णयों, केस इतिहास और अन्य विवरणों को वॉयस टू टेक्स्ट रूपांतरण प्रदान करता है।
- पोर्टल उपभोक्ता शिकायतों के सुविधाजनक और सुलभ समाधान के लिए एक वर्चुअल कोर्ट सुविधा को एकीकृत करेगा, निपटान के समय को कम करेगा, कई सुनवाई और भौतिक अदालत में उपस्थित होगा, सभी उपभोक्ता आयोगों में प्रभावी और तेज़ निर्णय और निपटान लाएगा।
- यह उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की एक पहल है।

60. स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग

- आतिथ्य क्षेत्र के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई एक रेटिंग प्रणाली जिसका उद्देश्य होटल, रिसॉर्ट्स और होमस्टे में विश्व स्तरीय स्वच्छता और स्वच्छता सुनिश्चित करना है।
  - यह एक गैर-स्टार्टर बन गया है और अब तक किसी भी राज्य ने इसका विकल्प नहीं चुना है।
- इसका उद्देश्य जल निकायों में प्रदूषण को रोकना और पर्यावरण को स्वच्छ रखना है।
- लक्षित समूह होटल, लॉज, होमस्टे, 'धर्मशालाएं' और शिविर हैं जिनमें पोर्टेबल शौचालय हैं। रेटिंग दिशानिर्देशों में उल्लिखित सुरक्षित स्वच्छता प्रथाओं के अनुपालन पर आधारित होगी।
- रैंकिंग योजना नवंबर 2023 में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा पेयजल और स्वच्छता विभाग के सहयोग से शुरू की गई थी।
- पहल के हिस्से के रूप में, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (ग्रामीण) और पर्यटन विभाग की राज्य टीमें हितधारकों के लिए अवधारणा, प्रक्रिया और वांछित परिणामों पर कार्यशालाएं आयोजित करेंगी।
- कार्यान्वयन के लिए तीन स्तरीय समिति प्रणाली का प्रस्ताव किया गया है, जिसकी शुरुआत जमीनी स्तर पर सत्यापन के लिए उपमंडल मजिस्ट्रेट (SDM) द्वारा गठित एक सत्यापन उप समिति से होगी, जिसके बाद एक जिला समिति होगी, जिसकी अध्यक्षता जिला कलेक्टर करेंगे और फिर राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय समिति होगी।

61. चुनावी बॉन्ड

- चुनावी बॉन्ड प्रणाली को वर्ष 2017 में एक वित्त विधेयक के माध्यम से पेश किया गया था और वर्ष 2018 में लागू किया गया था।
- वे दाता की गुमनामी बनाए रखते हुए पंजीकृत राजनीतिक दलों को दान देने के लिए व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए एक साधन के रूप में काम करते हैं।
- प्रमुख विशेषताऐं
  - भारतीय स्टेट बैंक (SBI) अधिकृत जारीकर्ता है और बॉन्ड नामित SBI शाखाओं के माध्यम से जारी किए जाते हैं।
  - SBI 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये के मूल्यवर्ग में बॉन्ड जारी करता है।
  - भारतीय नागरिकों या भारत में स्थापित संस्थाओं द्वारा डिजिटल रूप से या चेक के माध्यम से खरीदा जा सकता है।
  - खरीदा गया व्यक्तिगत रूप से या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से खरीदा जा सकता है।
  - धारक को मांग पर देय और ब्याज मुक्त।
  - जारी होने की तारीख से 15 कैलेंडर दिनों के लिए वैध।
  - नकदीकरण केवल राजनीतिक दल के अधिकृत बैंक खाते के माध्यम से।
  - पार्टियों को भारतीय चुनाव आयोग (ECI) के साथ अपने बैंक खाते का खुलासा करना होगा।
  - राजनीतिक दल प्राप्त धन के उपयोग के बारे में बताने के लिए बाध्य हैं।
- राजनीतिक दलों की पात्रता

- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29a के तहत पंजीकृत राजनीतिक दल
- लोक सभा या विधान सभा के लिए पिछले आम चुनाव में डाले गए वोटों का कम से कम 1% वोट प्राप्त होना चाहिए

62. शेंगेन वीज़ा

- कुछ गैर-यूरोपीय लोगों के लिए शेंगेन क्षेत्र का हिस्सा सभी 27 देशों की यात्रा करना एक आधिकारिक दस्तावेज अनिवार्य है।
- शेंगेन क्षेत्र 27 यूरोपीय देशों का एक समूह है जिन्होंने लोगों की स्वतंत्र और अप्रतिबंधित आवाजाही के लिए अपनी आंतरिक सीमाओं को समाप्त कर दिया है।
- एक बार स्वीकृत होने के बाद, यह वीज़ा यात्री को सीमा पर पहचान जांच से गुज़रे बिना अन्य सदस्य-राज्यों की सीमाओं को पार करने की अनुमति देता है।
- इस प्रकार का वीज़ा शेंगेन राज्यों में से एक द्वारा जारी किया जाता है और आपको 180 दिनों के भीतर कुल 90 दिनों की अवधि के लिए शेंगेन देशों में से किसी एक की यात्रा करने की अनुमति देता है।

63. जार्डियंस (एम्पाग्लिफ्लोज़िन) दवा

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) ने हाल ही में किडनी रोग के अंतिम चरण में हृदय संबंधी मृत्यु वाले रोगियों में निरंतर गिरावट के जोखिम को कम करने और प्रगति के जोखिम वाले क्रोनिक किडनी रोग (CKD) वाले वयस्कों में अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम को कम करने के लिए जार्डियंस (एम्पाग्लिफ्लोज़िन) 10 मिलीग्राम टैबलेट के उपयोग को मंजूरी दे दी है।
- हालाँकि, विज्ञप्ति में पॉलीसिस्टिक किडनी रोग वाले रोगियों या अंतःशिरा इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी या प्रेडनिसोन की उच्च खुराक की आवश्यकता वाले रोगियों में सीकेडी उपचार के लिए जार्डियंस के उपयोग के प्रति चेतावनी दी गई है।

64. काजी नेमु

- हाल ही में, असम सरकार ने जीआई-टैग्ड 'काजी नेमू' (साइट्रस लिमोन) को राज्य फल घोषित किया है।
- यह राज्य के लगभग सभी जिलों में उगाया जाता है, वर्ष भर उपलब्ध रहता है।
- काजी नेमू नींबू की अन्य किस्मों की तुलना में लम्बा, आयताकार और बहुत अधिक रसदार होता है।
- यह अपनी अनूठी सुगंध और स्वास्थ्य लाभों (पोषक तत्वों का पावरहाउस) के लिए लोकप्रिय है और पारंपरिक रूप से असमिया व्यंजनों से जुड़ा हुआ है।
- इसका उपयोग मुख्य रूप से पाक और व्यावसायिक उद्देश्यों में किया जाता है, और इसका औषधीय गुणों के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है।

65. मिमास

- नासा के कैसिनी अंतरिक्ष यान द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के हालिया निष्कर्षों से शनि के चंद्रमा मीमास की बर्फीली सतह के नीचे एक विशाल महासागर की उपस्थिति का पता चलता है।
- यह शनि के प्रमुख नियमित चंद्रमाओं में सबसे छोटा और अंतरतम है।
- सतह बर्फीली और भारी गड्ढों वाली है और इस छोटे चंद्रमा की सबसे खास विशेषता एक विशाल गड्ढा है जिसे हर्शेल के नाम से जाना जाता है।
  - हर्शेल सौर मंडल में ज्ञात, शरीर के आकार के सापेक्ष सबसे बड़ी प्रभाव संरचनाओं में से एक है।
  - क्रेटर के केंद्र में एक केंद्रीय शिखर 4 मील की ऊंचाई तक बढ़ जाता है, जो लगभग पृथ्वी पर माउंट एवरेस्ट जितना ऊंचा है।
- मीमास का कम घनत्व इंगित करता है कि यह लगभग पूरी तरह से पानी की बर्फ से बना है।

66. NRI विवाह पंजीकरण

- विधि आयोग ने केंद्र सरकार को सौंपी एक रिपोर्ट में अनिवासी भारतीयों (NRI) के विवाह को पंजीकृत करने के लिए एक व्यापक कानून का सुझाव दिया है।

- "कपटपूर्ण विवाह" से उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए।
- अध्यक्ष न्यायमूर्ति ने कहा कि आयोग की राय है कि प्रस्तावित कानून NRI के साथ-साथ भारतीय नागरिकों के साथ भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों के विवाह से जुड़े सभी पहलुओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त होना चाहिए।
- आगे यह सिफारिश की गई है कि NRI/OCI और भारतीय नागरिकों के बीच सभी विवाहों को भारत में अनिवार्य रूप से पंजीकृत किया जाना चाहिए।

67. म्यांमार के नए कानून से हो सकता है बड़े पैमाने पर पलायन

- म्यांमार की भर्ती की योजना से यह डर पैदा हो गया है कि इससे युवा म्यांमार नागरिकों के दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के पड़ोसी देशों में पलायन की एक नई लहर पैदा हो सकती है।
- पिछले सप्ताहांत के दौरान हुई भर्ती की घोषणा ने 18 से 35 आयु वर्ग के सभी म्यांमार पुरुष नागरिकों के लिए इसे अनिवार्य बना दिया है।
  - सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए क्योंकि सैन्य जुंटा देशव्यापी विद्रोह से निपटता है जिसने प्रांतों के बड़े हिस्से को मुक्त करा लिया है
  - जैसे अराकान, चिन, काचिन और सागांग और थाई-म्यांमार सीमा के पास देश के दक्षिण-पूर्व में कुछ क्षेत्र।
- पहले से ही म्यांमार से बड़ी संख्या में सैनिक पिछले कुछ महीनों से बांग्लादेश और भारत और नई दिल्ली और ढाका दोनों में शरण मांग रहे हैं।
  - शरण की तलाश में भारतीय और बांग्लादेश क्षेत्र में प्रवेश करने वाले सैनिकों को वापस लाने के लिए जुंटा के साथ बातचीत कर रहा है।
- म्यांमार ने मिजोरम से अपने सैनिकों को वापस लाने के लिए हवाई उड़ानें भरी हैं। हालाँकि ऐसी उड़ानें जुंटा के लिए कठिन होती जा रही हैं क्योंकि उसे बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

68. युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम (YUVIKA)

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) स्कूली बच्चों के लिए अपना विशेष 'युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम' या 'युविका' आयोजित करने के लिए तैयार है।
- युविका ग्रामीण क्षेत्रों को प्राथमिकता देने वाले युवा छात्रों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर बुनियादी ज्ञान प्रदान करने के लिए इसरो का एक शिक्षण और जागरूकता पैदा करने वाला कार्यक्रम है।
- उद्देश्य: युवाओं के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उभरते रुझानों के बारे में जागरूकता पैदा करना, जो हमारे देश के भविष्य के निर्माण खंड हैं।
- इस कार्यक्रम से अधिक छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) आधारित अनुसंधान/करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने की भी उम्मीद है।
- पात्रता
  - जिन्होंने कक्षा 8वीं की पढ़ाई पूरी कर ली है और वर्तमान में कक्षा 9वीं में पढ़ रहे हैं।
  - CBSE, ICSE और राज्य-बोर्ड पाठ्यक्रम को कवर करते हुए, हर साल प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश से तीन छात्र इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।
  - चयन 8वीं कक्षा के शैक्षणिक प्रदर्शन और पाठ्येतर गतिविधियों पर आधारित है।
  - ग्रामीण क्षेत्र से संबंधित छात्रों को चयन मानदंड में विशेष महत्व दिया गया है।
  - यदि चयनित उम्मीदवारों के बीच बराबरी होती है, तो युवा उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- यह इसरो द्वारा प्रस्तावित दो सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम है जिसमें आमंत्रित वार्ता, प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा अनुभव साझा करना, सुविधा और प्रयोगशाला का दौरा, विशेषज्ञों के साथ चर्चा के लिए विशेष सत्र और व्यावहारिक और प्रतिक्रिया सत्र शामिल हैं।

69. डिप्थीरिया

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने डिप्थीरिया के नैदानिक प्रबंधन पर दिशानिर्देश प्रकाशित किए।
- डिप्थीरिया नाक और गले का एक गंभीर संक्रामक जीवाणु संक्रमण है।

- यह कोरिनेबैक्टीरियम डिप्थीरिया नामक बैक्टीरिया के उपभेदों के कारण होता है जो एक विष बनाते हैं।
- यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, आमतौर पर श्वसन बूंदों के माध्यम से, जैसे कि खांसने या छींकने से। लोग संक्रमित खुले घावों या अल्सर को छूने से भी बीमार हो सकते हैं।
- बैक्टीरिया त्वचा को भी संक्रमित कर सकते हैं, जिससे खुले घाव या अल्सर हो सकते हैं, हालांकि, डिप्थीरिया त्वचा संक्रमण के परिणामस्वरूप शायद ही कभी गंभीर बीमारी होती है।
- हालाँकि डिप्थीरिया का इलाज दवाओं से किया जा सकता है, उन्नत चरणों में, जीवाणु संक्रमण हृदय, गुर्दे और तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है।
- लक्षण: गले और टॉन्सिल को ढकने वाली एक मोटी, भूरे रंग की झिल्ली, गले में खराश और आवाज बैठना, गर्दन में सूजी हुई ग्रंथियां, सांस लेने में कठिनाई आदि।
- उपचार: डिप्थीरिया एंटीटॉक्सिन (DAT) के साथ अनबाउंड टॉक्सिन का निष्प्रभावीकरण; आगे बैक्टीरिया के विकास को रोकने के लिए एंटीबायोटिक्स; और जटिलताओं को रोकने और इलाज के लिए निगरानी और सहायक देखभाल।

70.विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA)

- प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (PPBL) लेनदेन की जांच की है और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के तहत कोई उल्लंघन नहीं पाया है।
- FEMA एक अधिनियम है जो मुख्य रूप से सीमा पार व्यापार और भुगतान से संबंधित प्रावधानों से संबंधित है
- यह भारत में सभी विदेशी मुद्रा लेनदेन की प्रक्रियाओं, औपचारिकताओं और व्यवहार को परिभाषित करता है।
- इसे वर्ष 1999 में पहले के विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (FERA) के प्रतिस्थापन के रूप में पेश किया गया था।
- प्रयोज्यता: यह भारत के सभी हिस्सों पर लागू है। यह भारत के बाहर स्थित लेकिन भारतीय नागरिक द्वारा प्रबंधित या स्वामित्व वाले कार्यालयों और एजेंसियों पर भी समान रूप से लागू होता है।
- यह निम्नलिखित संस्थाओं और लेनदेन पर लागू है
  - देश में या बाहर रहने वाला भारत का कोई भी नागरिक (NRI)
  - कोई भी विदेशी कंपनी जिसका 60% या अधिक स्वामित्व किसी NRI के पास हो
  - भारत में पंजीकृत या निगमित कंपनियों या निकायों की भारत के बाहर कोई सहयोगी शाखाएँ या सहायक कंपनियाँ
  - भारत से किसी भी सामान और सेवाओं का निर्यात; भारत में वस्तुओं और सेवाओं का आयात
  - भारत के बाहर प्रदान की जाने वाली बैंकिंग, वित्तीय और बीमा सेवाएँ
  - किसी भी प्रकार की सीमा पार बिक्री, खरीद और विनिमय

71.ज्ञानपीठ पुरस्कार

- हाल ही में, प्रसिद्ध उर्दू कवि और बॉलीवुड लेखक और निर्देशक गुलज़ार और संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चुना गया है।
- ज्ञानपीठ पुरस्कार ने देश के सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार की मान्यता हासिल कर ली है।
- यह सांस्कृतिक संगठन भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रायोजित है।
- यह पुरस्कार केवल भारतीय नागरिकों के लिए खुला है और प्रतिवर्ष दिया जाता है।
- पुरस्कार के लिए अन्य भारतीय भाषाओं के साथ अंग्रेजी पर भी विचार किया जाता है।
- पुरस्कार में 11 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति पत्र और विद्या की देवी वाग्देवी (सरस्वती) की कांस्य प्रतिकृति दी जाती है।

72.स्पर-विंग्ड लैपविंग

- हाल ही में, तेलंगाना के पक्षी प्रेमियों की एक टीम ने वारंगल के पास एक स्पर-विंग्ड लैपविंग की उल्लेखनीय खोज की, जिसे भारत में अपनी तरह का पहला दृश्य माना जाता है।
- वैनेलस स्पिनोसस के रूप में पहचाने जाने वाले इस पक्षी को डेक्कन बर्डर्स और HSBC द्वारा आयोजित हैदराबाद बर्ड रेस के दौरान भट्टुपल्ले गांव के पास देखा गया था।
- प्रमुख विशेषताएं

- ये काले मुकुट, छाती, फोरनेक धारी और पूंछ के साथ मध्यम-बड़े वेडर हैं।
- चेहरा, गर्दन और पेट का बाकी हिस्सा सफेद है और पंख और पीठ हल्के भूरे रंग की हैं, चोंच और पैर काले हैं।
- इसकी आकर्षक उपस्थिति इसकी शोर प्रकृति से पूरक है।

- मूल निवास स्थान: उत्तरी अफ्रीका, मध्य पूर्व और भूमध्यसागरीय
- यह प्रजाति उत्तरी रेंज में कम हो रही है, लेकिन उष्णकटिबंधीय अफ्रीका के अधिकांश हिस्सों में प्रचुर मात्रा में है, इसे इसकी रेंज में लगभग किसी भी आर्द्रभूमि आवास में देखा जा सकता है।
- प्रजाति मोनोटाइपिक है: कोई उप-प्रजाति मान्यता प्राप्त नहीं है।
- IUCN स्थिति: कम से कम चिंता का विषय

73. भारतीय खाद्य निगम (FCI)

- हाल ही में, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने और अपने जनादेश को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए राज्य संचालित एफसीआई की अधिकृत पूंजी को ₹10,000 करोड़ से बढ़ाकर ₹21,000 करोड़ कर दिया है।
- FCI वर्ष 1965 में खाद्य निगम अधिनियम 1964 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- यह खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत काम करता है।
- इसका प्राथमिक कर्तव्य खाद्यान्न और अन्य खाद्य पदार्थों की खरीद, भंडारण, स्थानांतरण/परिवहन, वितरण और बिक्री करना है।
- इसकी स्थापना अनाज, विशेषकर गेहूं की भारी कमी की पृष्ठभूमि में की गई थी।
- FCI के उद्देश्य
  - किसानों को लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराना।
  - सभी लोगों के लिए हर समय खाद्यान्न की उपलब्धता, पहुंच और सामर्थ्य सुनिश्चित करना
  - खाद्यान्नों का बफर स्टॉक बनाए रखकर राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना।
  - सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए पूरे देश में खाद्यान्न का वितरण।

74. भारत मार्ट

- भारत मार्ट संयुक्त अरब अमीरात में स्थापित भारत की भंडारण सुविधा है जो भारतीय निर्यातकों को एक छत के नीचे अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने में मदद करेगी।
- यह चीन के ड्रैगन मार्ट के समान है।
- यह कॉम्प्लेक्स दुबई में जेबेल अली फ्री ज़ोन (JAFZA) में स्थापित किया जाना है।
- यह सुविधा 1 लाख वर्ग मीटर में फैली होगी और इसमें गोदाम, खुदरा और आतिथ्य इकाइयों का मिश्रण होगा।
- यह संभावित रूप से खाड़ी, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरेशिया में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक पहुंचने के लिए एक मंच प्रदान करके भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्रों के निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- यह सुविधा भारत और अन्य देशों के बीच माल शिपिंग के समय और लागत को कम करने में मदद करेगी।

75. अंतर्राष्ट्रीय एकल प्रजाति कार्य योजना

- हाल ही में, जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन (CMS COP14) में पार्टियों के 14वें सम्मेलन ने हॉक्सबिल कछुए के संरक्षण के लिए एकल प्रजाति कार्य योजना को अपनाया।
- अंतर्राष्ट्रीय एकल प्रजाति कार्य योजना अफ्रीकी-यूरेशियन प्रवासी जलपक्षियों (AEWA) के संरक्षण पर समझौते के तहत विकसित प्रमुख उपकरण है।
- उद्देश्य: प्रवासी जलपक्षी प्रजातियों को अनुकूल संरक्षण स्थिति में बहाल करने के लिए समन्वित उपायों को लागू करना।
- इन कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए प्रजातियों की सीमा वाले राज्यों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है।

76. स्टूडेंट्स बोर्ड की परीक्षा दो बार दे सकते हैं

- हाल ही में, केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने घोषणा की कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 से छात्रों के पास साल में दो बार 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में बैठने का विकल्प होगा।
- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्रों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय और अवसर मिले और तनाव कम हो।
- इसके अतिरिक्त, छात्रों के पास सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए रखने का विकल्प होगा।
- यह पहल 2020 में शुरू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) में उल्लिखित उद्देश्यों के अनुरूप है।

77.इंडिया स्टैक

- हाल ही में, भारत और कोलंबिया ने जनसंख्या पैमाने पर कार्यान्वित सफल डिजिटल समाधानों को साझा करने के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य इंडिया स्टैक के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देना है।
- इंडिया स्टैक एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस (API) का एक सेट है जो सरकारों, व्यवसायों, स्टार्टअप और डेवलपर्स को एक अद्वितीय डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करने की अनुमति देता है।
- इसमें OpenAPI की तीन लेयर शामिल हैं जैसे पहचान, भुगतान और डेटा।
- हालाँकि इस परियोजना के नाम में इंडिया शब्द है, लेकिन इसे किसी भी राष्ट्र पर लागू किया जा सकता है, चाहे वह विकसित हो या उभरता हुआ।
- प्रदान की गई चार अलग-अलग प्रौद्योगिकी लेयरहैं
  - प्रेसेंस लेस लेयर: जहां एक सार्वभौमिक बायोमेट्रिक डिजिटल पहचान लोगों को देश में कहीं से भी किसी भी सेवा में भाग लेने की अनुमति देती है।
  - पेपरलेस लेयर: जहां डिजिटल रिकॉर्ड किसी व्यक्ति की डिजिटल पहचान के साथ चलते हैं, जिससे भारी मात्रा में कागज संग्रह और भंडारण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
  - कैशलेस लेयर: जहां भुगतान को लोकतांत्रिक बनाने के लिए देश के सभी बैंक खातों और वॉलेट के लिए एक ही इंटरफ़ेस है।
  - कंसेंट लेयर: यह डेटा के बाजार को लोकतांत्रिक बनाने के लिए डेटा को स्वतंत्र रूप से और सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करने की अनुमति देता है।
- कुछ API जो इंडिया स्टैक का केंद्रीय हिस्सा हैं, वे हैं आधार प्रूफ, आधार ई-केवाईसी, ई-साइन, डिजिटल लॉकर और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस।

78.रिप करेंट्स (धाराएँ)

- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) और इसरो ने तीव्र धाराओं की लगातार निगरानी करने और परिचालन पूर्वानुमान अलर्ट जारी करने के लिए एक परियोजना शुरू की है।
- रिप धाराएँ समुद्र तट से खुले महासागर, समुद्र या झील तक चलने वाला पानी का एक तेज़ प्रवाह है।
- ये दुनिया भर के समुद्र तटों पर सबसे प्रसिद्ध तटीय खतरों में से एक हैं।
- वे समुद्र तट स्थलाकृति द्वारा निर्मित होते हैं। वे कठोर तल (चट्टानी) या नरम तल (रेत या गाद) समुद्र तट स्थलाकृति वाले क्षेत्रों में हो सकते हैं।
- आम धारणा के विपरीत, एक चीर किसी व्यक्ति को नीचे नहीं खींच सकती या उसे पानी के नीचे नहीं रख सकती।
- यह बस लोगों सहित तैरती वस्तुओं को टूटती लहरों के क्षेत्र से परे ले जाता है।

79.क्लिफ़साइड बम्बूटेल

- हाल ही में, शोधकर्ताओं की एक टीम ने केरल के तिरुवनंतपुरम जिले में पोनमुडी पहाड़ियों पर डैमसेल्फ्लाई की एक नई प्रजाति की खोज की है।
- डैमसेल्फ्लाई की नई प्रजाति का नाम क्लिफसाइड बम्बूटेल (फाइलोनुरा रुपेस्ट्रिस) है।
- यह बम्बूटेल्स नामक समूह से संबंधित है, जिसका यह नाम उनके लंबे पेट के कारण रखा गया है जो बांस के डंठल जैसा दिखता है।
- यह चट्टानी चट्टानों के ऊपर बहने वाली मौसमी लहरों में काई की क्यारियों में अंडे देती है।

- यह खोज महत्वपूर्ण है, क्योंकि 160 से अधिक वर्षों से, जीनस फाइलोनुरा को एक ही वर्णित प्रजाति, मिरिस्टिका बम्बूटेल के साथ मोनोटाइपिक माना जाता था।
  - मिरिस्टिका बम्बूटेल की आबादी मिरिस्टिका दलदलों से जुड़ी हुई है और इसलिए इसे इसके सामान्य नाम मिरिस्टिका बम्बूटेल से जाना जाता है।
  - यह जीनस फाइलोनुरा की एकमात्र वर्णित प्रजाति बनी हुई है।
  - यह पश्चिमी घाट के लिए स्थानिक है और केवल पालघाट गैप के उत्तर में नीलगिरी पहाड़ियों और शरावती घाटी के बीच के क्षेत्र में दर्ज किया गया है।
  - IUCN स्थिति: लगभग ख़तरे में

80.मध्य एशियाई फ्लाईवे

- जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों (CMS) के संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ने मध्य एशियाई फ्लाईवे (CAF) के लिए भारत की पहल को अपनाया।
- मध्य एशियाई फ्लाईवे आर्कटिक और हिंद महासागरों और संबंधित द्वीप श्रृंखलाओं के बीच यूरेशिया के एक बड़े महाद्वीपीय क्षेत्र को कवर करता है।
  - फ्लाईवे एक भौगोलिक क्षेत्र है जिसके भीतर एक या प्रवासी प्रजातियों का समूह अपना वार्षिक चक्र प्रजनन, मॉलिंग, स्टेजिंग और और नॉन ब्रीडिंग पूरा करता है।
  - दुनिया में ऐसे नौ फ्लाईवे हैं।
- भौगोलिक दृष्टि से फ्लाईवे क्षेत्र उत्तर, मध्य और दक्षिण एशिया और ट्रांस-काकेशस के 30 देशों को कवर करता है।
- CAF और अफ्रीकी-यूरेशियाई प्रवासी जलपक्षियों (AEWA) के संरक्षण पर समझौते के क्षेत्र के बीच एक ओवरलैप है।
  - CAF में शामिल तीस देशों में से सोलह देश AEWA समझौता क्षेत्र में स्थित हैं।
- CAF प्रवास मार्गों में मध्य यूरेशिया के मैदान और ठंडे रेगिस्तान और हिमालय श्रृंखला का अधिकांश भाग शामिल है।

81.नौसेना अभ्यास मिलान 2024

- यह एक द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है जो 1995 में केवल चार देशों इंडोनेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड की भागीदारी के साथ शुरू हुआ था।
- तब से इस अभ्यास में प्रतिभागियों की संख्या और अभ्यास की जटिलता के मामले में तेजी से बदलाव आया है।
- भारत द्वारा आयोजित सबसे बड़ा अभ्यास बनने के लिए इसका दायरा और पैमाने काफी बढ़ गया है।
- मूल रूप से भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप कल्पना की गई, इसका विस्तार भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और अन्य मित्रवत विदेशी देशों (FFC) की भागीदारी को शामिल करने के लिए क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (SAGAR) पहल के साथ हुआ।

82.विवाहित महिलाओं को नौकरी से बाहर करने वाले नियम असंवैधानिक: सुप्रीम कोर्ट

- हाल ही के एक आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने सैन्य नर्सिंग सेवा में लैंगिक भेदभाव के खिलाफ एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया।
- अदालत ने लैंगिक भेदभाव और असमानता का स्पष्ट मामला बताते हुए विवाह के आधार पर रोजगार की समाप्ति की निंदा की है।
- इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि महिला कर्मचारियों के लिए विवाह और घरेलू भागीदारी को दंडित करने वाले नियम असंवैधानिक हैं।
- इसमें यह भी कहा गया है कि ऐसे पितृसत्तात्मक नियम मानवीय गरिमा, गैर-भेदभाव के अधिकार और निष्पक्ष व्यवहार को कमजोर करते हैं।

83.अनुच्छेद 142

- यह सर्वोच्च न्यायालय को पक्षों के बीच पूर्ण न्याय करने की एक अनूठी शक्ति प्रदान करता है, जहां कभी-कभी कानून या क़ानून कोई उपाय प्रदान नहीं कर सकते हैं।

- ऐसे मामलों में, न्यायालय किसी विवाद को मामले की विशिष्टताओं से मेल खाने वाले तरीके से निपटाने के लिए अपनी सामान्य सीमा से आगे जा सकता है।
- सुप्रीम कोर्ट के ऐसे आदेश संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून या भारत के राष्ट्रपति के आदेश के अनुसार भारत के पूरे क्षेत्र में लागू करने योग्य हैं।
- न्यायालय ने इस अनुच्छेद के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए-
  - मौजूदा कानून के तहत वादी के मूल अधिकारों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।
  - किसी मामले पर लागू मूल कानून को प्रतिस्थापित करने की शक्ति का उपयोग नहीं कर सकता।
  - क़ानून का उल्लंघन करके क्षेत्राधिकार का प्रयोग नहीं कर सकते।
  - व्यक्त वैधानिक प्रावधानों की अनदेखी नहीं कर सकते।

84. नेशनल काउंसिल फॉर ट्रांसजेंडर पर्सन्स (NCTP)

- हाल ही में, नेशनल काउंसिल फॉर ट्रांसजेंडर पर्सन्स (NCTP) ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में अपनी बैठक बुलाई।
- यह भारत में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2019 के तहत गठित एक वैधानिक निकाय है।
- यह ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के कार्यान्वयन की निगरानी और मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार है।
- उद्देश्य
  - आजीविका के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना और सामाजिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ट्रांस समुदाय के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
  - सभी राज्यों में ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की स्थापना सुनिश्चित करना
  - यह सुनिश्चित करना कि ट्रांसजेंडर समुदाय की आवास, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसी आवश्यक ज़रूरतें पूरी हों।
- कार्य
  - यह ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के संबंध में नीतियों, कार्यक्रमों, कानून और परियोजनाओं के निर्माण पर केंद्र सरकार को सलाह देता है।
  - यह ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की समानता और पूर्ण भागीदारी प्राप्त करने के लिए बनाई गई नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभाव की निगरानी और मूल्यांकन करता है।
  - यह सरकारी और अन्य सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के सभी विभागों की गतिविधियों की समीक्षा और समन्वय करता है जो ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से संबंधित मामलों से निपट रहे हैं।
  - यह ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की शिकायतों का निवारण करता है।
  - ऐसे अन्य कार्य करता है जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं।

85. तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण का अधिकार

- हाल ही में कई निर्णयों में जैसे अर्शिया रिज़वी बनाम यूपी राज्य और अन्य (2022), रजिया बनाम यूपी राज्य (2022) और शकीला खातून बनाम यूपी राज्य (2023)
  - इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने CrPC की धारा 125 के तहत एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला के गुजारा भत्ता का दावा करने के अधिकार की पुष्टि की है
  - इद्दत अवधि पूरी होने के बाद भी जब तक वह शादी नहीं कर लेती।

86. मुक्त व्यापार समझौता (FTA)

- प्रस्तावित भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता (FTA) जो पश्चिम एशिया क्षेत्र में भारतीय निर्यात को बढ़ावा दे सकता है, जल्द ही घोषित होने की संभावना है।
- FTA व्यापार को बढ़ाने की दृष्टि से आपसी बातचीत के माध्यम से व्यापार बाधाओं को कम करने या खत्म करने के लिए देशों या क्षेत्रीय ब्लॉकों के बीच एक समझौता है।

- इसमें सामान, सेवाएँ, निवेश, बौद्धिक संपदा, प्रतिस्पर्धा, सरकारी खरीद और अन्य क्षेत्र शामिल हैं।
- मुक्त व्यापार की यह अवधारणा व्यापार संरक्षणवाद या आर्थिक अलगाववाद के विपरीत है।
- FTA को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है
  - तरजीही व्यापार समझौता
  - व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (CECA)
  - व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (CEPA)

87.विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI)

- यह एक प्रकार का सीमा पार निवेश है जिसमें एक देश का निवेशक दूसरे देश के किसी उद्यम में स्थायी रुचि स्थापित करता है।
- FDI विभिन्न रूप ले सकता है, जैसे
  - शेयरों का अधिग्रहण
  - एक सहायक कंपनी या संयुक्त उद्यम की स्थापना करना
  - ऋण या प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रदान करना
- इसे आर्थिक विकास का एक प्रमुख चालक माना जाता है, क्योंकि यह मेजबान देश में पूंजी, प्रौद्योगिकी, कौशल, बाजार पहुंच और रोजगार के अवसर ला सकता है।

88.IBSA फंड

- हाल ही में, भारत ने IBSA देशों अर्थात भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका द्वारा स्थापित IBSA फंड में 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया।
- इसकी स्थापना वर्ष 2004 में हुई और यह वर्ष 2006 में चालू हो गया।
- उद्देश्य: प्रतिकृति योग्य और स्केलेबल परियोजनाओं की पहचान करना जिन्हें मांग-संचालित आधार पर विकासशील देशों में प्रसारित किया जा सकता है।
- उद्देश्य: खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना, HIV/AIDS, से निपटना और SDGsकी उपलब्धि में योगदान देने के लिए सुरक्षित पेयजल तक पहुंच बढ़ाना।
- IBSA फंड-समर्थित परियोजनाएं ग्लोबल साउथ में भागीदार देशों को उनकी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ-साथ अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती हैं।
- IBSA का प्रत्येक देश इस फंड में सालाना एक मिलियन डॉलर का योगदान देता है।
- यह विकासशील देशों में दक्षिणी नेतृत्व वाली, मांग-संचालित, परिवर्तनकारी परियोजनाओं के लिए साझेदारी और समर्थन की भावना से है।

89.कपिलवस्तु अवशेष

- हाल ही में राष्ट्रीय संग्रहालय में रखे गए भगवान बुद्ध के चार अस्थि टुकड़े, जिन्हें कपिलवस्तु अवशेष भी कहा जाता है, थाईलैंड ले जाया जाएगा।
- अवशेषों की खुदाई उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा से की गई थी, जो प्राचीन शहर कपिलवस्तु का एक हिस्सा था।
- एक ब्रिटिश औपनिवेशिक इंजीनियर और एक एस्टेट मैनेजर विलियम क्लैक्सटन पेप्पे ने वर्ष 1898 में पिपरहवा में स्तूप स्थल पर एक खुदा हुआ ताबूत खोजा था।
- ताबूत के ढक्कन पर शिलालेख बुद्ध और उनके समुदाय, शाक्य के अवशेषों को संदर्भित करता है।
- इतिहास
  - बौद्ध परंपरा के अनुसार, 80 वर्ष की आयु में, बुद्ध को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में ज्ञान प्राप्त हुआ।

- कुशीनगर के मल्लों ने एक सार्वभौमिक राजा के अनुरूप समारोहों के साथ उनके शरीर का अंतिम संस्कार किया।
- उनके अवशेषों को एकत्र किया गया और विभिन्न समूहों में वितरित करने के लिए आठ शेयरों में विभाजित किया गया।
- इन अवशेषों पर स्तूप बनाए गए, जिससे वे सबसे पुराने जीवित बौद्ध मंदिर बन गए।
- बौद्ध धर्म के एक समर्पित अनुयायी अशोक ने बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने और इसकी शिक्षाओं का प्रसार करने के उद्देश्य से इनमें से सात स्तूपों को खोला और अवशेषों का एक बड़ा हिस्सा अपने द्वारा निर्मित स्तूपों में स्थापित करने के लिए एकत्र किया।

90. बादामी चालुक्य

- पुलकेशी प्रथम ने 550 में चालुक्य वंश की स्थापना की।
- पुलकेशी प्रथम ने वातापी (बगलकोट जिले, कर्नाटक में बादामी) को अपने नियंत्रण में ले लिया और इसे अपनी राजधानी बनाया।
- इतिहासकार पुलकेशी प्रथम और उसके वंशजों को बादामी के चालुक्य कहते हैं।
- उन्होंने एक ऐसे साम्राज्य पर शासन किया जिसमें संपूर्ण कर्नाटक राज्य और दक्कन में आंध्र प्रदेश का अधिकांश भाग शामिल था।
- पुलकेशी द्वितीय शायद बादामी चालुक्यों का सबसे महान सम्राट था।

91. एंटी-हाइड्रोजन प्रयोग

- यह एंटीहाइड्रोजन भौतिकी का अध्ययन करने के लक्ष्य के साथ CERN (यूरोपीय परमाणु अनुसंधान संगठन) द्वारा अनुमोदित एक प्रयोग है।
- AEgIS का प्राथमिक लक्ष्य एंटीहाइड्रोजन पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण त्वरण, जी का प्रत्यक्ष माप है।
- एक बार प्रदर्शन के बाद यह पदार्थ और एंटीमैटर के बीच गुरुत्वाकर्षण संपर्क का पहला प्रत्यक्ष परीक्षण हो सकता है।
- AEgIS यूरोप और भारत के कई देशों के भौतिकविदों का एक सहयोग है।

92. एंटीमैटर

- एंटीमैटर सामान्य पदार्थ के समान ही है, सिवाय इसके कि इसमें विपरीत विद्युत आवेश होता है।
- इसे "दर्पण" पदार्थ के नाम से भी जाना जाता है।
- उदाहरण के लिए, एक इलेक्ट्रॉन, जिस पर नकारात्मक चार्ज होता है, में एक एंटीमैटर पार्टनर होता है जिसे A पॉज़िट्रॉन के रूप में जाना जाता है, यह एक कण है जिसका द्रव्यमान इलेक्ट्रॉन के समान है लेकिन एक सकारात्मक चार्ज है।
- इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन और न्यूट्रॉन से संबंधित एंटीमैटर कणों को पॉज़िट्रॉन, एंटीप्रोटॉन और एंटीन्यूट्रॉन कहा जाता है, जिन्हें सामूहिक रूप से एंटीपार्टिकल्स कहा जाता है।
- ये प्रति-कण मिलकर प्रति-परमाणु बना सकते हैं और, सिद्धांत रूप में, हमारे ब्रह्मांड के प्रतिपदार्थ क्षेत्र भी बना सकते हैं।
- पदार्थ और एंटीमैटर एक सेकंड के एक छोटे से हिस्से से अधिक समय तक निकट सीमा पर मौजूद नहीं रह सकते क्योंकि वे एक-दूसरे से टकराते हैं और नष्ट हो जाते हैं, जिससे गामा किरणों या प्राथमिक कणों के रूप में बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है।

93. टुपोलेव Tu-160M (Tupolev Tu-160M)

- Tu-160M, शीत युद्ध-युग के बमवर्षक का एक आधुनिक संस्करण है जिसे पूर्व सोवियत संघ ने परमाणु युद्ध की स्थिति में लंबी दूरी तक हथियार पहुंचाने के लिए तैनात किया होगा।
- यह एक रूसी सुपरसोनिक वैरिएबल-स्वीप विंग रणनीतिक मिसाइल ले जाने वाला बमवर्षक है।
- इसे रूस में "व्हाइट स्वान" कहा जाता है और नाटो द्वारा इसका कोड-नाम "ब्लैकजैक" रखा गया है।

- रूस का दावा है कि यह दुनिया का सबसे तेज़ उड़ने वाला सुपरसोनिक और सबसे भारी पेलोड ले जाने वाला बमवर्षक है।
- इसे दूरदराज के इलाकों में परमाणु और पारंपरिक हथियारों से लक्ष्य पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है।

94. कैबिनेट समितियाँ

- कैबिनेट समितियाँ संविधानेतर होती हैं, अर्थात् भारतीय संविधान में इनका उल्लेख नहीं है।
- इन्हें आंशिक रूप से मंत्रियों के छोटे समूहों को विशिष्ट नीति क्षेत्रों पर निर्णय लेने की अनुमति देकर केंद्रीय मंत्रिमंडल पर बोझ कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इनका गठन या पुनर्गठन तब किया जाता है जब कोई नई सरकार कार्यभार संभालती है या मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है।
- प्रधान मंत्री मंत्रिमंडल की स्थायी समितियों का गठन करते हैं और उन्हें सौंपे गए विशिष्ट कार्यों को निर्धारित करते हैं।
- भारत में कैबिनेट समितियों की संरचना तीन से आठ सदस्यों तक हो सकती है, जिनमें आम तौर पर केवल कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।
- हालाँकि, गैर-कैबिनेट मंत्रियों को भी सदस्य के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।

95. एक्सरसाइज दोस्ती

- भारतीय और श्रीलंकाई तट रक्षक जहाज हाल ही में त्रिपक्षीय तट रक्षक एक्सरसाइज दोस्ती 16 में भाग लेने के लिए मालदीव पहुंचे।
- दोस्ती एक्सरसाइज भारत, श्रीलंका और मालदीव के बीच एक द्विवार्षिक त्रिपक्षीय तट रक्षक एक्सरसाइज है।
- यह पहली बार 1991 में भारतीय और मालदीव तटरक्षकों के बीच आयोजित किया गया था, श्रीलंका 2012 में पहली बार इस एक्सरसाइज में शामिल हुआ था।
- एक्सरसाइज में समुद्री दुर्घटनाओं में सहायता प्रदान करने, समुद्री प्रदूषण को खत्म करने और तेल रिसाव जैसी स्थितियों के दौरान तटरक्षक की प्रक्रियाओं और आचरण पर एक्सरसाइज और एक्सरसाइज पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- उद्देश्यदोस्ती को और मजबूत करना :, आपसी परिचालन क्षमता को बढ़ाना, अंतरसंचालनीयता का एक्सरसाइज करना और भारत, श्रीलंका और मालदीव के तट रक्षकों के बीच सहयोग का निर्माण करना।

96. बैडवाटर बेसिन

- उत्तरी अमेरिका के सबसे शुष्क क्षेत्र के सूखे विस्तार में, बेडवॉटर बेसिन ने एक अल्पकालिक झील के रूप में लंबे समय तक और विस्तार करके उम्मीदों को खारिज कर दिया है।
- बैडवाटर बेसिन प्रकृति में एन्डोरिक है यानी पानी इसमें बहता है लेकिन बाहर नहीं, जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर तेजी से वाष्पीकरण होता है और अल्पकालिक झीलें बनती हैं।
- डेथ वैली के भीतर स्थित, इसे उत्तरी अमेरिका में सबसे निचला बिंदु होने का गौरव प्राप्त है, जो समुद्र तल से 282 फीट)86 मीटरनीचे है। (
- इसके सामान्य पैटर्न के बावजूद, पिछले छह महीनों में बढ़ी हुई वर्षा ने इसके विशिष्ट व्यवहार को बाधित कर दिया है।
- मूल रूप से अगस्त 2023 में तूफान हिलेरी के बाद मैनली झील के रूप में बनी, इसके सिकुड़ने की आशंका थी, फिर भी यह पतझड़ और सर्दियों के मौसम में उल्लेखनीय रूप से बनी रही।
- इसका पुनरुत्थान फरवरी 2024 में हुआ, जब एक शक्तिशाली वायुमंडलीय नदी ने इसमें पानी भर दिया।

97. स्मिशिंग

- यह फ़िशिंग का एक रूप है जो टेक्स्ट संदेशों या SMS के माध्यम से व्यक्तियों को लक्षित करता है।
- फ़िशिंग ईमेल के समान, स्मिशिंग संदेशों का उद्देश्य किसी को व्यक्तिगत जानकारी प्रकट करने या डिवाइस पर मैलवेयर डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करना है।
- यह निम्नलिखित तरीकों से किया जाता है

- फर्जी अलर्ट और चेतावनियाँघोटालेबाज बैंक :, सरकारी एजेंसियों या डिलीवरी सेवाओं जैसे वैध संस्थानों के रूप में प्रस्तुत होकर संदेश भेजते हैं। ये दावा करते हैं कि आपके खाते या पैकेज डिलीवरी में कोई समस्या है, ये आपसे अधिक जानकारी के लिए एक लिंक पर क्लिक करने का आग्रह करते हैं।
- अत्यावश्यक अनुरोधस्मिशर्स अत्यावश्यकता की भावना : पैदा करके भावनाओं में हेरफेर करते हैं। वे पुरस्कारों का वादा कर सकते हैं, आसन्न कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दे सकते हैं, या दावा कर सकते हैं कि आपके खाते से छेड़छाड़ की गई है, बिना सोचेसमझे शीघ्रता से कार्य करने के लिए दबाव डाला जा सकता है।-
- वर्तमान घटनाओं का फायदा उठानाघोटालेबाज आयकर अधिकारियों का रूप धारण करके :, टैक्स रिफंड की पेशकश करके, या गैर अनुपालन के लिए दंड की धमकी देकर कर सीजन जैसी चल रही घटनाओं का फायदा- उठाते हैं। वे दान मांगने या गलत सूचना फैलाने के लिए प्राकृतिक आपदाओं या स्वास्थ्य संकट का भीफायदा उठा सकते हैं।

98. कोरोनल मास इजेक्शन)CME)

- CME सूर्य के कोरोना से प्लाज्मा और चुंबकीय क्षेत्रों का बड़ा निष्कासन है जो अंतरग्रहीय अंतरिक्ष में बाहर की ओर फैलता है।
- CME के दौरान, सूर्य भारी मात्रा में सामग्री छोड़ता है, जिसमें इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन और भारी आयन, साथ ही चुंबकीय क्षेत्र भी शामिल हैं। यह उत्सर्जित पदार्थ उच्च गति से अंतरिक्ष में यात्रा करता है।
- CME आमतौर पर सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र के अस्थिर होने से शुरू होते हैं।
- सटीक तंत्र जटिल हैं, लेकिन उनमें अक्सर सूर्य की सतह पर चुंबकीय लूपों का पुनर्संरचना या विघटन शामिल होता है।
- पृथ्वी पर प्रभाव
  - CME के चुंबकीय क्षेत्र और पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के बीच परस्पर क्रिया से भू चुंबकीय तूफान पैदा हो सकते हैं- जो उपग्रह संचार, नेविगेशन सिस्टम और यहां तक कि पावर ग्रिड को भी बाधित कर सकते हैं।
  - CME पृथ्वी के वायुमंडल में कणों को सक्रिय करके उत्तरी और दक्षिणी रोशनी के शानदार प्रदर्शन का कारण बन सकते हैं, जिन्हें अरोरा भी कहा जाता है।
  - अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों या उच्च ऊंचाई वाली उड़ानों पर यात्रियों को CME कार्यक्रम के दौरान विकिरण के ऊंचे स्तर के संपर्क में लाया जा सकता है।

99. सुदर्शन सेतु

- हाल ही में, प्रधान मंत्री ने कच्छ की खाड़ी में भारत के सबसे लंबे केबल-आधारित पुल सुदर्शन सेतु का उद्घाटन किया।
- इसे सिग्नेचर ब्रिज के नाम से भी जाना जाता है, यह मुख्य भूमि गुजरात को देवभूमि द्वारका में ओखा तट पर बेट द्वारका द्वीप से जोड़ेगा।
- यह गुजरात तट के दूसरे सबसे बड़े द्वीप बेट द्वारका को हर मौसम में सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करता है।
- तकनीकी रूप से यह एक सी-लिंक है जिसकी कुल लंबाई 4,772 मीटर और 900 मीटर केबल-स्टैंड खंड है।
- इस चार लेन वाले पुल का निर्माण केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित 978 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था।
- पुल में सात केबल-स्टे स्पैन का समर्थन करने वाले 32 खंभे हैं।
- इसमें भगवद गीता के श्लोकों और भगवान कृष्ण की छवियों से सजाए गए पैदल मार्ग शामिल हैं, जिसमें सौर पैनल पैदल मार्ग की छत के रूप में काम करते हैं।

100. सवेरा कार्यक्रम

- हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री ने गुड़गांव में मेदांता फाउंडेशन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सवेरा कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने और रोकथाम करने के उद्देश्य से, इस पहल में दृष्टिबाधित व्यक्तियों का उपयोग उनकी बढ़ी हुई स्पर्श संवेदनशीलता के कारण स्क्रीनिंग के लिए किया जाता है।
  - शहरी क्षेत्रों में महिलाओं में स्तन कैंसर को एक प्रचलित कैंसर प्रकार के रूप में उजागर किया गया है।

- भारत में प्रतिदिन लगभग 90,000 महिलाएं स्तन कैंसर से अपनी जान गंवाती हैं।
- दृष्टिबाधित व्यक्ति आधे सेंटीमीटर में भी स्तन कैंसर के घावों का पता लगा सकते हैं, जबकि एक सामान्य डॉक्टर एक सेंटीमीटर में ही स्तन कैंसर के घावों का पता लगा सकता है।
- अपने प्रारंभिक चरण में, कार्यक्रम सेक्टर 10 के सिविल अस्पताल, सेक्टर 31 के पॉलीक्लिनिक और वज़ीराबाद के पीएचसी में लॉन्च किया जाएगा।

101. ब्लैनेट्स

- क्रिस्टोफर नोलन की 2014 की फिल्म इंटरस्टेलर में, पृथ्वी के अलावा तीन ग्रहों को चरम दुनिया के रूप में दर्शाया गया है जो सैद्धांतिक रूप से प्रशंसनीय है।
- तकनीकी रूप से, इन ग्रहों को ब्लैनेट कहा जाता है, क्योंकि ये तारों की बजाय ब्लैक होल की परिक्रमा करते हैं।
- वर्ष 2019 में, जापानी वैज्ञानिकों ने एक सिद्धांत प्रस्तावित किया था जिसमें बताया गया था कि ग्रह सुपरमैसिव ब्लैक होल के पास बड़े पैमाने पर धूल और गैस के बादलों के भीतर बन सकते हैं।
  - हालाँकि, इन ग्रहों के पृथ्वी जैसे होने की उम्मीद नहीं है।
- जिस प्रकार घूमती धूल और गैस से युवा तारों के चारों ओर ग्रह बनते हैं, उसी प्रकार सुपरमैसिव ब्लैक होल के आसपास की डिस्क के भीतर ब्लैनेट बन सकते हैं।
- इन ब्लैनेट्स के पृथ्वी से लगभग 3,000 गुना बड़े होने की उम्मीद है।
- ब्लैक होल की विशाल गुरुत्वाकर्षण शक्तियों से टूटने से बचने के लिए उन्हें लगभग 100 ट्रिलियन किलोमीटर की दूरी पर ब्लैक होल की परिक्रमा करने की आवश्यकता होगी।

102. हनुमान

- हाल ही में आईआईटी बॉम्बे के नेतृत्व में भारतजीपीटी समूह ने सात अन्य विशिष्ट भारतीय इंजीनियरिंग संस्थानों के साथ मिलकर घोषणा की कि वह अगले महीने अपनी पहली चैटजीपीटी जैसी सेवा शुरू करेगा।
- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित, समूह ने सीता महालक्ष्मी हेल्थकेयर (SML) के सहयोग से इंडिक भाषा मॉडल की 'हनुमान' श्रृंखला का निर्माण किया।
- हनुमान बड़े भाषा मॉडल (LLM) की एक श्रृंखला है जो हिंदी, तमिल और मराठी जैसी 11 भारतीय भाषाओं में प्रतिक्रिया दे सकती है।
- इसे स्वास्थ्य देखभाल, शासन, वित्तीय सेवाओं और शिक्षा सहित चार क्षेत्रों में काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- विशेष रूप से, श्रृंखला केवल एक चैटबॉट नहीं है; यह एक मल्टीमॉडल एआई टूल है, जो कई भारतीय भाषाओं में टेक्स्ट, भाषण, वीडियो और बहुत कुछ उत्पन्न कर सकता है।
- इन AI मॉडल का आकार 1.5 बिलियन से लेकर 40 बिलियन पैरामीटर तक है।
- पहले अनुकूलित संस्करणों में से एक VizzhyGPT है जो कि मेडिकल डेटा के दायरे का उपयोग करके स्वास्थ्य देखभाल के लिए तैयार किया गया एक AI मॉडल है।

103. PSiFI प्रणाली

- हाल ही में, वैज्ञानिकों ने एक अग्रणी तकनीक का अनावरण किया, जिसका नाम पर्सनलाइज्ड स्किन-इंटीग्रेटेड फेशियल इंटरफ़ेस (PSiFI) है, जो वास्तविक समय में मानवीय भावनाओं को पहचानने में सक्षम है।
- यह तकनीक "घर्षण चार्जिंग" की घटना पर आधारित है, जहां घर्षण पर वस्तुएं सकारात्मक और नकारात्मक चार्ज में अलग हो जाती हैं।
- सिस्टम में अपनी तरह का पहला द्विदिश ट्राइबोइलेक्ट्रिक स्ट्रेन और कंपन सेंसर है जो मौखिक और गैर-मौखिक अभिव्यक्ति डेटा के एक साथ संवेदन और एकीकरण को सक्षम बनाता है।
- एक परिष्कृत डेटा प्रोसेसिंग सर्किट के साथ मिलकर, सिस्टम निर्बाध वायरलेस डेटा ट्रांसफर की सुविधा देता है, जिससे भावनाओं की तत्काल पहचान संभव हो जाती है।
- मशीन लर्निंग एल्गोरिदम द्वारा सशक्त, यह मानवीय भावनाओं को पहचानने में उल्लेखनीय दक्षता प्रदर्शित करता है, यहां तक कि उन परिदृश्यों में भी जहां व्यक्ति मुखौटे पहनते हैं।

- PSiFI प्रणाली स्व-संचालित, सुस्पष्ट, विस्तार योग्य और पारदर्शी है।

104. फ़्लू-क्यूर्ड तम्बाकू

- क्यूरिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा काटी गई तंबाकू की पत्ती को बाजार के लिए तैयार किया जाता है।
- यह विशेष रूप से FCV तम्बाकू में नमी को हटाने के साथ-साथ उपचारित पत्ती में वांछनीय गुण प्राप्त करने के लिए एक अच्छी तरह से मानकीकृत प्रक्रिया है।
- तम्बाकू इलाज के तीन प्रकार के तरीके हैं जिनका पारंपरिक रूप से उपयोग किया जाता है, एयर-क्योर्ड, फायर-क्योर्ड और फ्लू-क्योर्ड।
- इलाज के विभिन्न तरीकों में से प्रत्येक के परिणामस्वरूप एक तम्बाकू उत्पाद बनता है जो इसकी निकोटीन सामग्री और इसकी सुगंध दोनों से अलग होता है।
- तम्बाकू का इलाज क्यों किया जाता है?
  - धूम्रपान तम्बाकू बनाने के लिए, तम्बाकू की पत्तियों को ठीक करना या सुखाना आवश्यक है।
  - तम्बाकू के पौधे की गीली, हरी तम्बाकू पत्तियों में शुरू में आग पकड़ने के लिए बहुत अधिक नमी होती है।
  - इनमें क्लोरोफिल की मात्रा भी अधिक होती है।
- सूखने की प्रक्रिया के दौरान पत्तियों से एक निश्चित मात्रा में क्लोरोफिल निकलने से, प्राकृतिक टैनिन बाहर निकलते हैं, जिससे स्मोक्ड तंबाकू को उसका स्वाद और खुशबू मिलती है।

105. निवेशक सूचना और विश्लेषण मंच:

- यह स्टार्टअप्स के लिए वेंचर कैपिटलिस्ट (VC) और निवेशक नेटवर्क, सरकारी योजनाओं और सभी हितधारकों के लिए स्टार्टअप परिदृश्य के कई अन्य घटकों तक निर्बाध रूप से पहुंचने के लिए वन-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करता है।
- विभिन्न स्तरों पर जानकारी को एकीकृत करके, यह प्लेटफ़ॉर्म उद्यमियों के लिए सरकारी एजेंसियों, इनक्यूबेटरों, निवेशकों, VC और बैंकों के बारे में जानकारी खोजने के लिए वन-स्टॉप शॉप भी है जो स्टार्टअप में निवेश करते हैं।
- इस प्लेटफॉर्म को आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर रिसर्च ऑन स्टार्ट-अप्स एंड रिस्क फाइनेंसिंग (CREST) के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित किया गया है।
- इससे स्टार्टअप संस्थापकों, उद्यमियों और युवा भारतीयों को काफी मदद मिलेगी जो भारत और दुनिया के लिए अपने स्वयं के उपकरण, सेवाएं और प्लेटफॉर्म बनाने का इरादा रखते हैं।
- इस अनूठे प्लेटफ़ॉर्म की एक महत्वपूर्ण विशेषता "StartupGPT" है जो एक AI-आधारित वार्तालाप प्लेटफ़ॉर्म है जिसका कार्य उन लोगों के लिए सूचना पहुंच को आसान बनाने में मदद करना है जो संपूर्ण डेटा नेविगेट कर रहे हैं।

106. केवाईसी(KYC)

- यह एक व्यापक प्रक्रिया है जिसका पालन वित्तीय और गैर-वित्तीय संस्थान अपने ग्राहकों की प्रामाणिकता और पहचान को सत्यापित करने के लिए करते हैं।
- किसी भी उपकरण में निवेश करने या बैंक खाता शुरू करने से पहले KYC प्रक्रिया प्रत्येक ग्राहक के लिए अनिवार्य है।
- भारत में वर्तमान में, विभिन्न वित्तीय उत्पादों जैसे बैंक खाता खोलना, म्यूचुअल फंड में निवेश करना, जीवन कवर खरीदना या सेवानिवृत्ति-बचत फंड में निवेश के लिए अलग-अलग KYC की आवश्यकता होती है।
- एकाधिक KYC , नियमित अपडेट और यहां तक कि सटीक विशिष्टताएं अक्सर नए निवेशकों के लिए बाधा साबित होती हैं।
- वित्तीय परिसंपत्तियों में निवेश के लिए बार-बार KYC करने की आवश्यकता को खत्म करने के लिए, केंद्र सरकार ने सेंट्रल KYC रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री लॉन्च की है।

107. विश्व व्यापार संगठन (WTO)

- WTO राष्ट्रों के बीच व्यापार के नियमों से निपटने वाला एकमात्र वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।
- लक्ष्य वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादकों, निर्यातकों और आयातकों को अपना व्यवसाय चलाने में मदद करना है।

- WTO सरकारों के लिए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने का एक मंच है। यह उनके लिए व्यापार विवादों को निपटाने का स्थान भी है।
- यह उरुग्वे दौर की वार्ता (1986-94) द्वारा बनाया गया था और इसका मुख्यालय जिनेवा में है।

108. एडवर्ड्स सिंड्रोम:

- इसे ट्राइसॉमी 18 के नाम से भी जाना जाता है।
- यह क्रोमोसोम 18 की एक अतिरिक्त प्रतिलिपि के कारण होने वाला एक ऑटोसोमल क्रोमोसोमल विकार है।
- यह एक बहुत ही गंभीर आनुवंशिक स्थिति है जो बच्चे के शरीर के विकास और वृद्धि को प्रभावित करती है।
- लक्षण: ट्राइसॉमी 18 से पीड़ित बच्चों का जन्म के समय वजन कम होता है, जन्म के समय कई दोष होते हैं और शारीरिक विशेषताएं परिभाषित होती हैं।
- एडवर्ड्स सिंड्रोम तीन प्रकार के होते हैं
- पूर्ण ट्राइसॉमी 18, मोज़ेक ट्राइसॉमी 18 और आंशिक ट्राइसॉमी 18

109. सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व

- ओडिशा सरकार ने सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व (STR) में मेलानिस्टिक बाघों की बढ़ती आबादी पर चिंता व्यक्त की है।
- इस प्रकार इसने अन्य क्षेत्रों से बाघिनों को लाने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) से अनुमति का अनुरोध किया है।
- इस कदम का उद्देश्य सिमिलिपाल में बाघों की आबादी की आनुवंशिक विविधता को बढ़ाना है, जहां वर्तमान में काले या छद्म मेलेनिस्टिक बाघों का प्रभुत्व है, जो रॉयल बंगाल टाइगर का एक दुर्लभ रूप है।
  - सिमिलिपाल विश्व स्तर पर काले बाघों को आश्रय देने वाले एकमात्र निवास स्थान के रूप में प्रसिद्ध है, जिसका कारण मेलेनिज़्म है, जिसके परिणामस्वरूप त्वचा का रंग काला हो जाता है।
  - हालिया ऑल ओडिशा टाइगर एस्टीमेशन (AOTE) 2023-24 रिपोर्ट से पता चला है कि सिमिलिपाल में कैमरे में कैद 24 बाघों में से 13 मेलेनिस्टिक हैं।

110. एक्सरसाइज धर्म गार्जियन 2024

- हाल ही में, भारत और जापान ने राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में दो सप्ताह का सैन्य एक्सरसाइज 'धर्म गार्जियन' शुरू किया।
- एक्सरसाइज धर्म गार्जियन एक वार्षिक एक्सरसाइज है और वैकल्पिक रूप से भारत और जापान में आयोजित किया जाता है।
- उद्देश्य: संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत अर्ध-शहरी वातावरण में संयुक्त अभियानों को अंजाम देने के लिए सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना और संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाना।
- यह एक्सरसाइज उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना, संयुक्त सामरिक एक्सरसाइज और विशेष हथियार कौशल की बुनियादी बातों पर केंद्रित होगा।
- यह दोनों पक्षों को सामरिक संचालन के संचालन के लिए रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाएगा।
- इससे दोनों पक्षों के सैनिकों के बीच अंतरसंचालनीयता, सौहार्द्र और सौहार्द विकसित करने में भी मदद मिलेगी।
- इससे रक्षा सहयोग का स्तर बढ़ेगा, दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ावा मिलेगा।

111. राइबोसोम

- हाल ही में, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करके, वैज्ञानिक मानव कोशिका के एक भाग, राइबोसोम का एक 3D मॉडल तैयार करने में कामयाब रहे हैं।
- राइबोसोम RNA और प्रोटीन से बने गैर-झिल्ली-बाध्य कोशिका अंग हैं जो प्रोकैरियोटिक और यूकेरियोटिक दोनों कोशिकाओं में पाए जाते हैं।

- यूकेरियोटिक जीवों में राइबोसोम साइटोप्लाज्म, माइटोकॉन्ड्रिया और क्लोरोप्लास्ट में पाए जाते हैं।
- सभी प्रोकैरियोटिक राइबोसोम कोशिका के कोशिका द्रव्य में मुक्त पाए जाते हैं।

- राइबोसोमल संरचना और कार्य सभी जीवों और अंगों में आश्चर्यजनक रूप से समान हैं।
- वे दो उपइकाइयों से बने होते हैं, बड़ी और छोटी उपइकाई जिसमें राइबोसोमल RNA (rRNA) और प्रोटीन शामिल होते हैं।
- ये जटिल आणविक मशीनें हैं जो प्रोटीन संश्लेषण या अनुवाद नामक प्रक्रिया में अमीनो एसिड से प्रोटीन बनाती हैं।
- राइबोसोम मैसेंजर RNA (mRNA) अनुक्रम को पढ़ता है और उस आनुवंशिक कोड को अमीनो एसिड की एक निर्दिष्ट स्ट्रिंग में अनुवादित करता है, जो लंबी श्रृंखलाओं में विकसित होते हैं जो प्रोटीन बनाने के लिए मुड़ते हैं।
- नवगठित प्रोटीन राइबोसोम साइट से खुद को अलग कर लेते हैं और उपयोग के लिए कोशिका के अन्य भागों में चले जाते हैं।

112. व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD)

- हाल ही में, एक नई रिपोर्ट में, UNCTAD ने वैश्विक व्यापार के लिए शिपिंग मार्गों में बढ़ते व्यवधानों पर चिंता जताई गई है।
- UNCTAD व्यापार और विकास से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की अग्रणी संस्था है।
- यह वर्ष 1964 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित एक स्थायी अंतरसरकारी निकाय है।
- उद्देश्य: विकासशील देशों, विशेष रूप से सबसे कम विकसित देशों और संक्रमणकालीन अर्थव्यवस्था वाले देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में लाभप्रद रूप से एकीकृत करने में सहायता प्रदान करना है ।
- यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को विकास के लिए वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देने, वैश्विक आर्थिक नीति-निर्माण में सुसंगतता बढ़ाने और व्यापार से सभी के लिए विकास लाभ सुनिश्चित करने में मदद करना चाहता है।
- यह आर्थिक और व्यापार विश्लेषण प्रदान करता है, सर्वसम्मति निर्माण की सुविधा प्रदान करता है, और विकासशील देशों को समावेशी और सतत विकास के लिए व्यापार, निवेश, वित्त और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करता है।
- इसकी गतिविधियाँ स्वभावतः सलाहकारी हैं।
- मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड.
- रिपोर्ट: व्यापार और विकास रिपोर्ट, विश्व निवेश रिपोर्ट और सबसे कम विकसित देशों की रिपोर्ट।

113. केन नदी

- हाल ही में, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में केन नदी में मगरमच्छों का उदाहरण देते हुए कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।
- केन नदी मध्य भारत के बुन्देलखण्ड क्षेत्र की प्रमुख नदियों में से एक है।
- यह यमुना नदी की एक सहायक नदी है, जो यमुना के गंगा में मिलने से पहले की अंतिम सहायक नदी है।
- यह नदी मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में कैमूर रेंज के उत्तर-पश्चिमी ढलान पर अहिरगवां गांव के पास से निकलती है।
- यह दो राज्यों अर्थात् मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से होकर बहती है।
- यह उत्तर प्रदेश में फ़तेहपुर के पास चिल्ला गाँव में यमुना में विलीन हो जाती है।
- यह अपने दुर्लभ सजहर या डेंड्रिटिक एगेट पत्थर के लिए जाना जाता है।
- प्रमुख सहायक नदियाँ: बावस, देवार, कैथ, बैन्क, कोपरा और बेयरमा।

114. स्टीडफ़ास्ट डिफेंडर 2024

- हाल ही में, नाटो ने यूरोप में अपना सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास, स्टीडफ़ास्ट डिफेंडर 2024 शुरू किया।
- शीतयुद्ध काल के बाद से यह नाटो का सबसे व्यापक सैन्य अभ्यास है।

- उद्देश्य: नाटो की नई क्षेत्रीय रक्षा योजनाओं का परीक्षण करना।
- इसमें 31 सदस्य देशों और नाटो भागीदार स्वीडन की 90,000 सेनाएं शामिल हैं और यह विभिन्न नाटो देशों में आयोजित किया जाता है।
- इस अभ्यास में सैन्य हार्डवेयर की एक प्रभावशाली श्रृंखला शामिल होगी, जिसमें विमान वाहक से लेकर विध्वंसक तक 50 से अधिक नौसैनिक जहाज और लड़ाकू जेट, हेलीकॉप्टर और ड्रोन सहित 80 से अधिक इकाइयों की एक दुर्जेय वायु टुकड़ी शामिल होगी।
- 133 टैंक और 533 पैदल सेना से लड़ने वाले वाहनों सहित कम से कम 1,100 लड़ाकू वाहनों के साथ, नाटो की जमीनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए, जमीनी सेना भी समान रूप से मजबूत है।
- ये योजनाएं, दशकों में अपनी तरह की पहली, संभावित खतरों के लिए गठबंधन की प्रतिक्रिया तंत्र की रूपरेखा तैयार करती हैं, विशेष रूप से रूसी आक्रामकता के संबंध में चिंताओं को संबोधित करती हैं।

115. वेल्थ रिपोर्ट 2024

- हाल ही में रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने 'द वेल्थ रिपोर्ट 2024' जारी की।
- बढ़ती समृद्धि के कारण भारत में अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (UHNWI) की संख्या पिछले साल सालाना 6% बढ़कर 13,263 हो गई।
  - UHNWI को ऐसे व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है जिनकी कुल संपत्ति $30 मिलियन और उससे अधिक है।
- वर्ष 2028 तक अमीरों की संख्या बढ़कर 19,908 तक पहुंचने की उम्मीद है।

116. अफ्रीका क्लब

- हाल ही में 37वें अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों ने अफ्रीका क्लब बनाने की पहल की है।
- अफ्रीका क्लब अफ्रीकी बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों (जो अफ्रीकी स्वामित्व और नियंत्रण वाले हैं) का गठबंधन है।
- उद्देश्य: SDG और अफ्रीकी संघ के एजेंडा 2063 के साथ अपने कार्यों को जोड़कर वैश्विक वित्तीय प्रणाली में अफ्रीका के प्रभाव को बढ़ाना।
- इसका उद्देश्य नवीन वित्तीय उपकरणों को पेश करना, ऋण प्रबंधन चर्चाओं के लिए एक स्थान प्रदान करना और अफ्रीकी देशों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देना है।
- सदस्य: अफ्रीकी निर्यात-आयात बैंक, व्यापार और विकास बैंक, अफ्रीका वित्त निगम, अफ्रीकी पुनर्बीमा निगम, अफ्रीकी व्यापार और निवेश विकास बीमा, शेल्टर अफ्रीक विकास बैंक और ZEP - RE (PTA पुनर्बीमा कंपनी)।

117. नार्थ अटलांटिक राइट व्हेल

- हाल ही में वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि नार्थ अटलांटिक राइट व्हेल छोटी होती जा रही हैं, जिससे उनकी प्रजनन क्षमता पर असर पड़ रहा है।
- ये व्हेल प्रवासी जानवर हैं, जो सर्दियाँ गर्म पानी में बिताती हैं और गर्मियों के अंत में ठंडे पानी की तलाश में ध्रुवों की ओर पलायन करती हैं।
- ये उत्तरी अटलांटिक और उत्तरी प्रशांत महासागरों के समशीतोष्ण और उपध्रुवीय जल में निवास करते हैं।
- ये आम तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के पूर्वी तट के तटीय जल तक ही सीमित हैं।
- राइट व्हेल की तीन मान्यता प्राप्त प्रजातियाँ हैं जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पाई जाती हैं।
  - साउथ राइट व्हेल (यूबालाएना ऑस्ट्रेलिस)
  - नार्थ अटलांटिक राइट व्हेल (यूबालाएना ग्लेशियलिस)
  - नार्थ प्रशांत राइट व्हेल
- ये व्हेल अक्सर पानी की सतह पर या उसके ठीक नीचे भोजन करती हैं, धीरे-धीरे अपने आधे खुले मुंह के साथ प्लवक के क्लाउड्स के माध्यम से तैरती हैं और फिर अपनी लंबी बेलन प्लेटों के माध्यम से प्लवक को दबाती हैं।
- IUCN स्थिति: गंभीर रूप से संकटग्रस्त
- उद्धरण: परिशिष्ट I।

118. सिंगापुर में जनसंख्या प्रजनन दर 1% से कम

- घटती आबादी और जनशक्ति की कमी का सामना कर रहे सिंगापुर की निवासी कुल प्रजनन दर (TFR) 2023 में अनुमानित 0.97 प्रतिशत तक गिर गई है।
    - देश के इतिहास में पहली बार यह एक प्रतिशत से नीचे आ गया है।
- TFR, जो प्रत्येक महिला के प्रजनन वर्षों के दौरान होने वाले शिशुओं की औसत संख्या को संदर्भित करता है, वर्ष 2022 में 1.04 से गिर गया और वर्ष 2021 में 1.12 हो गया।
- जन्म दर 2.1 की प्रतिस्थापन दर से नीचे बनी हुई है, जिस स्तर पर जनसंख्या स्वयं को प्रतिस्थापित करती है।
- नवीनतम आंकड़े सिंगापुर को वैश्विक स्तर पर सबसे कम जन्म दर वाले देशों में रखते हैं, दक्षिण कोरिया वर्ष 2023 में 0.72 के साथ इस सूची में शीर्ष पर है।

GEO IAS

It's about quality

ABOUT US

GEO IAS is the best institute for civil services in India for providing top quality teaching and materials, offering you most optimum path for your success in Civil Services exam. Our aim is to provide quality training with an affordable fee structure. Our uniquely designed course make us the best institute for UPSC to crack the exam in one go. We have a dedicated team of experienced and young teachers and counsellors who make sure that every student who joins the institute, must get customized way of preparation which matches with student's learning style.
The only institute of UPSC in India which has 3 AI enabled Mobile apps. We believe in Smart way of teaching and learning. The classes are available in offline as well as in online mode. We take the help of animation so that you may visualize the lectures. Unlimited tests for prelims and mains with solution in both form (Hard copy and soft copy). We have the set of 15 lac mcqs on each topic. We provide daily news analysis, Highlighted news paper and links of important Sansad TV shows. The institute has best success rate with more than 230 students have cleared the exam. HIGHEST RATED INSTITUTE as per GOOGLE, SULEKHA and JUST DIAL and the magazine on civil services

+91-9477560001 /002/005

BRANCH: Delhi Kolkata, Raipur, Patna | HEAD OFFICE: 641, Ramlal Kapoor Marg, Mukherjee Nagar, Delhi, 110009

info@geoias.com

www.geoias.com